म ॥ बखतकुमारि १९८।३ ईडरेचीबलिजु
ग२करजुग२ अंचलजुग२ जोरि। परनी
ईडरभूपपितृव्यकरामसुतातीजीरहोरि
॥७॥ अजितसिंह ईडरपहुपुत्रीक्रमचो
थी ४ तिमउदयकुमारि १९८।४ बिजय
नरेसजोधपुरबुद्धिरुव्याहीनृपहिंसने
ह बिथारि ॥ तनयबडो १ इनमैंतीजीभ
वसिसुहिमरयोसु १९९।१ नमोतमनाम।
पुनिसुतहुवदूजो२ पतनीकेअजितसिंह
१९९।२ दूजोअभिराम ॥८॥ तीजो३तनय
बहादुर १९९।३ तासहिक्रमसोदरएदु
वहिकुमार। पुत्रदुव २ हिचौथी ४ पतनी
के सुतचौथो ४ तिनमैंसरदार १९९।४ ॥
पुनत्रिलोकसिंह१९९।५ हुवपंचमपसि
सुवयहुव तासहुअवसान। सुलहु रखवा
सिरूपरसराय२रुअपर२गुमानरायअ

स।जोसब प्रभु भाखी विधि जानहु वत्तमा
नश्रव सुनहु विसेस॥पाइ जनक पद हिँ
दुर्गति पनकरि जो जो दुक्कर रन काम।पु
हवि लई रुदई जिम पुत्र हिँ रोचक सक
ल सुनहु प्रभु राम॥१५॥दोहा॥पन पु
रन पहु बच्चन पहुवीर बर सद्द सबेस।बै
ठित रवत तुथ सिंह कै कुंवर उम्मेद नरेस॥
१६॥हरिगीतम्॥कोटे सहुर जन सब्बय
ह सुनि सो विक्कुद्दित है रयो बखतेस पृथ्वी
सिंह सुत निज बंधु बेथ मप्रेरयो॥ति हिँ स
मा निज कर बंधियो नृप भाल तिलक हु
मंडयो नजरि रु निछावरि या नि कैं निज धा
न परि खद्दैबैठयो॥१७॥ तिम ही पुरोहि
त व्यास चारन भट्ट नजरि निबेद्दै भट्ट ल
ग पुनि कहु है जिन्हैं हम भूप भूप तिता लई
गो रुला सिंगो पियूना थ नृपत बल्लैन मंझ हिँ

कुलये करि नाँ हिँ आयउ नाँ हि जेजयसिंह
केभय प्रभुलये ॥ १८ ॥ पादाकुलकम् ॥ कुम्भ
हलेलका निवसु कामी गोपियनाथ नरिय
गोस्वामी । कहिय मैं न कोटा पुर कोरौं दिन
चउ मास कितहुं न हि दोरौं ॥ १९ ॥ यह सुनि
पुरवे घमन्तप माता विपति सीय लखिनी
ति विधाता ॥ पुनि बिन्तति पठई कोटा पुर धा
रक तैं हैं रामानुज मत धुर ॥ २० ॥ द्विज नाग
रउ पपदसहोदर बेणी राम स नाम भट्ट वर
॥ पठयो दल चुंडाउ ति तिन प्रति तुम सम दि
ढ्हि गिन कु सेवक तति ॥ २१ ॥ मम सुत कल्हि
सनु निज मार हिं बुं दिय अप्पन आन विथा
रहिं ॥ जो यह नियति जोग न हि पावहिं तो
पै तुम हिँ सदा सिर लावहिं ॥ २२ ॥ जो तुम
मंत्र है न हिल है रहु तो आवहु पुन हि बात्रे
रहु ॥ बेणी य राम सोधि यह बन्ती विरचिअ

यउ ॥२८॥ अजित सिंह मरुईस अगामृत सु
तस प्रक होता सकलु खकृत ॥ होदि त्रिय
पद्ृप नय हीनौं तदनु जब खतजनकजि
य लीनौं ॥२६॥ पंचद्रुते तासौं लघु भाई।
उनकौं केद करन मति आई ॥ भाजे सुनत
कितेक महाभय। डारे केद कितेक ननि
र्दय ॥३०॥ राय सिंह आनंद भ्रात दुव
ईडर पुर अधिराज जाय हुव ॥ इक ईडर
तजि मालव आयो। जोर में हंदपुर अम
ल जमायो ॥३१॥ यह सुनि आनिलगे द
क्खिन दल काढ्यो इहर छोर बंधिबल॥
आतुर पुर बे घमत ब आयो छेव सिंह अ
ति मोद दिखायो॥३२॥ रुप्पय पंच नित्य
तिहिं दे करि धन्य भ्रात र कवि लियहि
त धरि॥ तदनंतर सकर खटन वसु ग्रह।
१७८६ अगहन मास बिसद पंच सि अह॥३३॥

बेघम पति देव जु बपु छोस्यो। जिंहि जस देत कपर्द न जोस्यो॥ पहमु दुलिय सिंह तस पायो। राज सुनत हियलोभ रचायो॥३४॥ ताके सिर दुव लक्ख २००००० दम्म किय। बलि लिय तब हि उदे पुर बुल्लिय॥ रस नव सत इक्क मित वच्छर १७९६ बिसद माघ मास सम पंचमि पर॥३५॥ दुलिय सिंह गय राज सभा जब। महरि राज सम्मुख छय उ तब॥ दंड लियउ वह दोस दुबावन। क्षिकि विय राज कियउ मैं पावन॥३६॥ इम कहि भाल तिलक तस कीनौं। मच्छ तु तिय मंडि नवीनौं॥ निज हत्थ हि तरवारि बंधाई। सयन जोरि कहि मेघ सवाई॥३७॥ दोहा॥ नाम सवाई मेघ तस कहिय राज कर जोरि। पुर बेघम कौ रिसिक्ख पुनि। बहु आयउ मन मोरि॥३८॥ इति श्री वंश

भास्करे महा चंपू स्वरूपे दक्षिणायने दश
म राशौ उम्मेद सिंह चरित्रे प्रथमो मयूखः
॥१॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा०मि०॥दोहादि वृत्तोत्यादिनी त्रुति
आला।इतबेघमबुंदीसअब।बयदस हा
यन मान विराजत॥हय विद्या सिक्ख
त कुलसि।नय दम धर्म्म निधान विरा
जत॥१॥तोमर असि पट्टिस तुपक।
चाप सायक चंड चलावत।खुरली वि
तु विसैं खिनन।मन जाको ब्रह्मंड नमा
वत॥२॥ब्रह्ममुहूरत जगि बलि।संध्या
न्हावन आदि सुधारत॥सावित्री जप इक
सहँस १०००।अरु हरि नाम आदि उ
चारत॥३॥ब्रतसंजम उपवास विधि।
इक्कन टारत आप इलापति।सब्बौसैं
हित अनुसरैं गिनेन मूढन गप्प अहा म

ति ॥ ४ ॥ स्वीयजनक बुधसिंहसठ। अति
आसव अधिकार उपायो। सो मग करि
उच्छिन्न सब। वैष्णव धर्म बिचार बढा
यो ॥ ५ ॥ हरि पूजन नति जुत तुलसि।
बिधि सह खोडस अंग बनावैं। पंचम
हाकर ध्याय पुनि। लघु भोजी मन जंगल
मावैं ॥ ६ ॥ धार। तस्मृति सुनि भागवत
। नेह बचन धरि चेत बिचारैं। मृगयार
सरत्तो मुदित। सिंहन स्वकुल समेत बि
डारैं ॥ ७ ॥ पज्झटिका ॥ उम्मेद नृपति
बुध सिंह पट्ट। दस अट्ठ वेस अति कलक
उकट्ट ॥ अरु मंजु बाल ससि जिम अनूप
। भल्लवैन सचन मन हरन भूप ॥ ८ ॥ कु
लादि निसा मकरादि दीह। इम वढ्ढत र
विभुव लैन ईह ॥ जिम सारदूल सि
सु निसर्क धोंस हल्ली न हनन मन भरत हैं

स॥९॥इमनृपहिंलैनबुंदियउमंग।
आयुधसमस्तसइनअभंग॥बुधसिंह
सुतहिंसुनिइमसमत्थ।सबमिलियआ
निभरसविवसत्थ॥१०॥धरिसबहिम
हासिंहोतधर्म।भृत्याबिनुअद्धरिभृत्य
कर्म॥जेबीररहेनृपपासजाय।पलिआ
धिपत्यचिंततउपाय॥११॥इमभूपबढ
तदिनदिनअमान।अबनीनिजलैबेकों
उथान॥इहिंबेरहिंदोलतसिंहरंच।हर
राजतहड्डाकियप्रपंच॥१२॥नृपअनु
जदीपसिंहाभिधान।कियतासपृथक
परिखदविधान॥बहुनरनफोरिअ
प्पियबिसास।सुनियहनृपमाताकुब
सत्रास॥१३॥सुतसिंहमहासिंहोतबु
ल्लि।अक्खियसुताहगतिसमयसुल्लि
॥अपपुत्रदुवहिंअबलंबसंत।नृपलहु

भट इनहिं फोरन चहंत॥१४॥हम गेह ऊ
ती जो राज रीति।श्रापत्ति सु पे पलटी श्रनी
ति॥छोटेरु बडे बैठत समस्त।श्रंजलि बि
नु बुझ्झत तिन्ह श्रत्रस्त॥१५॥दोलत सिं
ह सु बिग्रह बढात।दुव बंधुन बिच श्रं
तर दिखात॥ऐसे भट बक्कु बिरचत
श्रकाज।तस मात हम हिं यह उचित
श्राज॥१६॥धारत तुम नयजुत स्वामि
धर्म्म।बिश्वास ऊ तुमरो भक्ति बर्म्म॥
यातैं समस्त ऐसे निकासि।बलि लेहु सु
छु हृदय न बिसासि॥१७॥रक्खि है समस्त
जो राज रीति।तो हम हि बढन है है प्रती
ति॥सुख सिंह महा सिंहोत बीर।धरि
हिय यहै हि किय धर्म धीर॥१८॥दोल
त सिंहादिक वे कुबुद्धि।सब दिय बिडारि
किय रीति सुद्धि॥नृप मात हिं पुनि

अक्खिय निदान। स्वनिलय निबाह चिं
तहु सुजान॥१९॥ जय सिंह गिनहु अ
ति उग्र जोर। दिल्लीरु दक्खिनहु सहतदो
र॥ तस मात हमहिं इक मंत्र आय। नृप
अनुज हेत बिरचहिं उपाय॥२०॥
जगतेस रान सन यह निवेदि। कछुले
हु पटा भट तास भेदि॥ सुनि यह नरेस
जननी सुभाय। अवरानहिंतु चिंतिय
उपाय॥२१॥ दोहा॥ इत मरुपति अभ
मल्ल नृप। सजि अनीक अमान। बीकानै
अधीस सन चिंतिय लरन प्रयान॥
२२॥ षट्पदी॥ नृप अनंद अभिधान अ
ग्ग बीकानेर पमृत तब काका सुत ता
स भटन गज सिंह भूप कृत॥ यह इक
नव हय इंदु १७९१ भयउ जंगल धरभू
पति॥ अब हय नव मुनि इंदु १७९६ म

रुपतिहिँलरनकिन्नमति। यहसुनिन
रेसगजसिंहअवकूरमपतिश्रतिपन्नदि
यहरिगजसहायतिमतुमकुलसिमम
सहायरक्खहुमहिय ॥२३॥ सुनियह
नृपजयसिंहरानअरुअपइकवनि
पठयेदोउन पत्रसजवमरुदेसक्रोध
सनि इन्हतुमगिनिअंकस्थविमवनि
जकरनविगारत ॥ उचितनीतिननरा
हमूढवनिवंधुनमारत दूतन्हपनगर
उतवहअतुलदुरगजोधपुरपव्बडु
वविनुपक्खगिडुसंपातिविधिधरिहे
नहिनउडानधुव ॥२४॥ यहकग्गर
हुतवंचिमरुपनैकनमन्नैंमनअवी
त्तसुरअसंकरानजुतवनतकितिधन
सुभटमोरगजसिंहताहिक्यौंनहिस
मुझाऊँ॥ मैंगुज्जरधरजैतवारअरिगर

दमिलौंऊँयहकहिकबंधलैदलअतु
लबीकानेरहिंबिरिलियतरक्खतात
तोपनतपियमनकुंदावतिंदुनमनि
य ॥२५॥ जिमदंतनबिचजीहहुच्छुजि
मजंनअरोहितद्दमअातुरगजसिंह
मक्किसंकरढुवमोहितसुनिअारति
जयसिंहकुंनजैपुरसनकिन्नौं॥ चु
ल्लोरानढुवेगलैनमरुधरपनलिन्नौं
दरकुंनचलियक्रूरमट्टुसहरबंडचउ
दहखलभलियसुरलोकबत्तकुट्टिय
सहजकिहिंसिरक्रूरमकोपक्किय॥२६
॥नागराजफनफरियकमठरीढकव
ररक्कियवसुधाभरविहरियमनकुंदा
रिमदररक्कियरविलुक्कियरजमेघ
दानदिग्गजगनसुक्किय॥मगरुक्किय
पवमानतानअच्छरिचकिचुक्कियअ

तुलितअनीकजयसिंहइमजायरुविं
रियजोधपुररानहुअयानयहसुनिर
चियप्रबलसेनहंकतप्रचुर ॥२७॥
दो० ॥ बिख्योकूरमजोधपुर । जोरयोतो
पनजाल ॥ मनहुँभगालीदच्छमख ।
कियोसमयकराल ॥२८॥ सुनिमरु
पतिग्रभमसूयहसत्थअलपतम
तजिंबेसबदलिआधीनिसापैठे
निजपुरभज्जि ॥२९॥ इतकूरमनागो
रपुर । दिन्नौंपत्रपठाय ॥ बखतसिं
हआवहुतुम्हैं दैहैंतखतबटाय ॥३०
॥ हैरतहोवखतेसयह । भज्योतखरि
ततजिमान ॥ जिहिंसहजनकनिपा
तकिय । आतातिहिंचितकोन ॥३१॥
सजबआनिजयसिंहसौं मिल्योकूर
भुवलोभ ॥ मरुपतिहियमहसुनिअ

मितकयोअनुजसिरबोम ॥३२॥जा
न्योअग्गाहिकुम्मयदउभयलक्खच
तुरंग॥पीछैंआवतरानपुनिसहँस
असीदलसंग॥३३॥जित्तैंबिनुनहि
जीवनौंअरुजित्तनबहुदूर।भुवहि
अनुजसिरकथरिजैहैंस्वसुरजरू
र॥३४॥यातैंनतिहोउचितअबमंगी
सुहिदेदम्म॥कूरमतुंचकराइयेकछु
दिनजीवनकम्म॥३५॥स्वसुरपितास
मनिगममतअरुसुतसमजामात॥
यहैगलीअबकढ्ढिकैंभुवरक्खहिंनि
जहात॥३६॥कूरमप्रतिकहिमुक
लियइमविचारिअभमल्ल।बंदी
यतुमस्वसुरहोहमकरैंनरनवल्ल॥
३७॥जोमंगहुसोदैहिंगलैजावहुनि
जगेह॥ममसोदरसरफोरिकैंअनु

चितकरहुनराह ॥३८॥ षट्पदी ॥
नृपकूरमबाईसलकन्हरुप्पयतब मं
गियङ्किवसमयमकुईस अखिलह
पयकियअंगियरद्वोरनयहजानि
वडुलतवरज्योमकुभूपति ॥ दम्मडते
क्योंदेतमरनमंडङ्कुनिसंकमतिमचि
वनतथापिअभमल्लसौंदंडदैनञ्ज
ङ्कियउचितसोसवकबंधस्वीकार
ङ्कियदेसकालनिबलहुचित ॥३९॥
दोहा ॥ कूरमतबजामातकौंनमिल्या
निङ्मलाफ ॥ निजतनयाकोंचोलके
तीनलख्वङ्कियमाफ ॥ ४० ॥ सेसल
कवपुनईसरहितिनमेंवकुमरिलि
न्ह ॥ अवसेसनहितओलिमेंनिजम
पानउनदिन्न ॥ ४१ ॥ रतनसिंहञ्ज
भिमानयहमलपतिसन्धिवसुभाय

रक्कुवढहिंखरच्च बिनुबेर ॥४८॥ कहिय
रानआयउनिकट पुसकरतीरथराह ॥ यौं
नअबहिफिरनौंउचितन्हायरुजैहैंगेह
॥४९॥ इमकहिगिनिन्हावनउचित पुस
कररानपधारि ॥ कूरमआयउआगरास
बाकरनसम्हारि ॥५०॥ इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेद्वितीयोमयूखः॥
२॥ ० ॥ २ ॥ ० ॥ २ ॥ ० ॥ २॥
प्रा० मि० ॥ सवरणगद्यम् ॥ अगौंनादर
साहकेसमयजयसिंहदिल्लीनगयो। मुक्कु
म्मद साहनैंकिल्लारनथंभोरदैनोंकरि
बुलायोतथापिटरिबेकौंबहानौंलायो॥
तदनंतरनादरसाहदिल्लीकीकतलक
रितमांमनादरसाहीबेभवलूटिअपनैंमु
लकईरानसिधायो ॥ अरुमुकम्मदसाह

नैंसरबस्वकेसाथअपनौंतेजहीगुमा
यो ॥ १ ॥ ऐसीअनेकबदफैलीजयसिं
हनैंकीनीतथापिहिंदुस्थानमैंबरजो
रजान्यौं। अरुपहिलैंयाकौंसूबादयेहे
तेरजूहीराखेरुबिनयसौंबखान्यौं ॥
राजाधिराजराजराजेंद्रसवाईजयसिं
हऐसोउपटंकलिखायो। अरुआगैं
काहूकोनभयोऐसोफरमानमैंस
नकारबिसेसबढायो ॥ २ ॥ यातैंजय
सिंहजोधपुरकीफतैकरिदरकुंचआ
गराप्रबेसकीनौं। अरुरानांजगतसिं
हपुष्करसेमहातीर्थकेस्नानकोलाह
लीनौं ॥ तहाँव्यासदौलतरामरानांसौं
अरजकरिमेवारकेउदकीनकीबेगा
रमिटाई। अरुअपनेंहाथमैंउदक
लेलिदोऊनकीकीर्त्तिचोतरफचला

माये। नवकोटीनाथकेसेनाकेसंभार ह्वा
रहीभोगभोगीसकेभ्रमाये॥ बैंडे हत्थीन
पैंलंबीलालरंगकीपताकाफरकानेंलगी
। मानौंरक्तबीजकेसमयकालिकाजिह्वा
कौंथरकानेंलगी॥६॥ कैधौंपिंगलनाग
राजगरुडकेआतंकबविबेकौंबडे मात्रा
छंदकीपताका बनाई। कैधौंअंधककेऊ
परत्रिलोचनकेत्रिसूलकीतीखीनोंकनज
रिआई॥ कैधौंचंदनकेदंडपैपलेटाडारि
रक्तरागराजमाननागराजफहरानौं। कै
धौंदुस्सासन　　दंडतैंसेरंध्रीकीसारी
कोसमूहलहरानौं॥७॥ कैधौंप्रचंडप
वनकेपातसौंहोरीकीझारबढनेंलगी।
अरुणहवकीमेघमालामैंइंद्रके　हित
चापसौंलागिचंचलाकीज्वलाकीकढनेंल
गी। कैधौंसुमेरुकेशृंगतेंसिंदूरसेखगरन

वंतीके सीधे स्रोत छूटे। अरु कल्यकारस्र
रकेक अथलैं साखाकेमनू हु फैलिफूटे॥
॥८॥ ऐसैं अनेकफतह हैं फीलनपैं फत
रायकी दिखाई। अरु राजारट्ठोरजयसिं
हकौं जीतिबेकौं जैपुरपैं चंड चतुरंगिनी
चलाई॥ यारीतिसों दरबखत सिंह स
हित राजा अभयसिंह बडीधकसौं मे
रतानगर आय मुकाम दीनें। अरु बाग
नके बिलासकी मरजी मानि मालाकारन
नें प्रसून नके पूरन जरि कीनें॥९॥ तम
स्न राजा रट्ठोर अपनैं उमरावनकौं बख
सीस बंटि दये। अरु रट्ठोर उमराव अने
क ऐंडी बैंडी तरहल पेटेन पैं धारत भ
ये। तहां आउवानगरके अधिराज चांप
उत रट्ठोर कुसलसिंह राजासौं प्रसन्नना
हिं लीनौं। अरु कारनके पूछें अहंकारके

उफानअपुब्बउत्तरदीनौं ॥११॥ अज्ञानतैं
आपकौं प्रसूननकेपसारिबेमैं लज्जाकोले
सहूहमैं नजान्यौंपरैं। रट्ठोरनकेपाघअ
रुनासिकाकछवाहननैं छीनिलीनैं याते
अज्ञानकेप्रसूनलैकैंकोनदामधारनक
रैं॥ यहैसुनतहीराजाअभयसिंहकोसो
हरानुजनागोरकोअधिराजरट्ठोरबख
तसिंहखिसायऊठिबुल्यो। अरुमेरेसि
लैंयहभईऐसैंअग्रजसौंअकवीअरु
दोहीजुद्धकरिबेकौंजयसिंहपैंजन्नूलसौं
चंडचंद्रहासतुल्यो॥१२॥ अरुयातरफ
जोधपुरसौंफौजबंधीकरिरट्ठोरनकेब
लायबेकौंसुनिबडेबिस्तारकौजुद्धथिनी
लैजयसिंहआगरासौंकुंचकीनौं। अरु
जोधपुरकीहीसीमामैंजायसज्जीभूतह्वै
निसाननपैंनिहावकोहुकमदीनौं॥वात

रफसौं रट्ठोर बखतसिंह अपनैं पाँच हजा
र पखरैतौं सैं बागैं उठाई। अरु धूलिकी धुं
धिमैं थकाय संजोगी चक्र चकीनके चाह
की चौंपमिटाई ॥ १३॥ मकराकरमे खला
मही महानागके मस्तकके हजारैं पैं नच
नलगी। अरु बाराहकी तुंडापैं मचकन
कीमार मचनलगी॥ अतल वितल सुत
ल तलातल रसातल महातल पाताल
सातौं हीं धराके अधोभाग धूजिगये। अ
रु भूलोक भुवर्लोक स्वर्गलोक महर्लोक
जनलोक तपलोक सत्यलोक सहितऊप
रके ओकबासी व्याकुलभये ॥ १४॥ ऐराव
तपुंडरीक वामन कुमुद अंजन पुष्पदं
त सार्वभौम सुप्रतीक आठौं ही आसाके
अनेकपनकंपिकैं कातरहूककरी। अरु
पुरुहूत पावक परेतपति पुण्यजन पंज

न प्रभंजन पौलस्त्य पिनाकपाणि आरौं हीवो
कपालनकौंलोकरक्षामैं बिपत्तिबिसेसजा
निपरी ॥ लवणोद इक्षुरसोद मद्योद आ
ज्योद क्षीरोद दधिमंडोद शुद्धोद सातौं
हीसमुद्रन क्षोभपायो। अरु अनूरु नैं अ
नलकी अवच्छेपनी ऐंचि आदित्यकौं अ
रजौं अकिद अपुब्ब आहव आलोकन उ
च्छाहलगायो ॥ १५ ॥ अष्टापद अद्रिसौं
अतित्वर आय महानट मनोज्ञ मुंड मा
लाको मिलाप मान्यौ। अरु डाकिनी न डिं
डिम डमरूकडाहलादिन पैंड के डारि
हल्लीसकन छताऱ्यौं ॥ गोदनके गूदन
के ग्रासकौं गिद्धीगन गेनमैं गरूरीसौं ग
हकानें। अरु करालकलहके कोलाह
लकालरनके कलापडहकानें ॥ १६ ॥
बावनबीर चउसट्ठिजोगिनीनके जालजु

द्धकीजलसौंजीयबेकौंजारीभये।अरुरा
ठोरकछवाहदोहूसेनाकेसरदारतत्का
लतुमुलयुद्धमैंतीखेतोरसौंतत्तेतुरंग
नतोकिबेकौंतयारीभये।।राजाजयसिं
हजंगीहौदेकेहत्थीपैंआरूढहोयसं
ग्रामभुम्मिकीसीमाकेसमीपअपनेअ
नीककेअंतरअतीवउच्छाहसौंउद्दलहो
यआनिखरोरह्यो।अरुरचनाबिसेस
सौंसेनाकोव्यूहबनायबाँईंदाहिनीदो
ऊतरफखवासीकेहत्थीलगायसूरबी
रनकौंश्रवनकरायबेकौंपंडितनसौंउ
च्चारनकोआदेसकह्यो।।१७।।सोआदे
ससुनिकैंदोऊखवासीकेहत्थीनपैंपंडि
तराजरामायनलंकाकांडमहाभारत
द्रोनपर्वकहनलगे।।अरुबैंडेबीरनकौं
बंदीजनबीररसमैंबिरुदायचतुरंगकी

चलाकी चहन लगे ॥ कछवाहकी सेनाको संभार झेलिबेकों पुहवी हू वा समय समर्थ नभई। अरु राजा जयसिंह अैसे अनीक के उफानसों रट्ठोरन पैं अर्बउठायबेकी आज्ञा दई ॥ १८ ॥ जा सेनामैं साहिपुराके अधिराज रानाउत उम्मेदसिंह सेबाई स राजा सज्जीभूत खरे ॥ अरु और हू अधीन होय आहवपैं उमाहे अनेक सूरबीरनके संघट्ट अरे ॥ वा समय रट्ठोर बखतसिंह पाँच हजार पखरैलनसों बडे बेग बाजी बीच डारे ॥ अरु हेला खसेनाके समुद्रमैं पार पूगिबेकों पोतके प्रमान पधारे ॥ १९ ॥ दोऊ कटकनके कंकटी क्रूर काल रूप बेडे बीर कालिंग कुटिल कोसनतें काढि लाय सकशल्ल करवालनके कला पकाढि कज्जलसे कारे कुंजरनके कूटसे कुंभनपैं

गारनलगे। अरुधीरबीरभन्वदेसीबं
डीधकसौंधकायधूपकीधाराकोंधपा
यपंचरंगीध्वजादंडनकौंफारिडारन
लगे॥ पर्वतसौंमयूरकेमाफिककुंभी
नकेकलापनकेकलापनतैंपताकन
केपुंजउडनलगे। अरुगाढेगरूरीरद्दोर
नकेगंजेगिरनलगेगजराजगुडनलगे
॥२०॥ हयनकीहयच्छय कबंधनके
करालकरवालनतैंकटिकटिकलहमें
कूदतेकबंधनकेकंधनपैंपहरनठहर
नलगी। कैधौंहयग्रीवावतारकीहजार
नश्रतिमालास्यकेलालित्यसौंकाकिलह
रनलगी॥ दोऊचमूकेमजबूतमगरूरी
महावीरनकेमंडलाग्रनकीमारऐसैंम
चनलगी॥ मानौंहोलीकेहुलासमामर
पुरुखनकेपानितैंचखरीकीडंडेहरिर

चनलगी॥२१॥तिगनकोतराकनपोगरनकेप
लटेदेतसिंधुरनकेसुंडादंडफरनलगे।सा
नौंजननमेजयकेजिह्मगजज्ञमेंमंत्रनकेमा
रेपन्नगनकेपूरपरनलगे॥गिरेटोपनकौं
ग्रहनकरिजोगिनीनकीजमातिबेंडेबीरन
केबपासौंभरनलगी।अरुलोहितकीलाली
मैंकालीकूदिकूदिसोसनीरंगधारनकरन
लगी॥२२॥सच्चेसूरनकेसीसमहेसकीम
नोज्ञमुंडमालामेंगुंफेगयेतथापिदेहुदेहु
योंदकालनलगे।तिनकोसोरसुनिअने
कअन्नपिसाचआयेमानिआतंकसौंभाल
चंद्रकेप्रानचालनलगे॥जावककेजंत्रजि
मसोनितकेसोतकीधछूकेंछूटिछूटिछो
नीतलकायबकौंपूरनलगी।तिनकौंसा
किनीनकीसंहतिआननकुबाथऊपरही
केलिकेलिपानकरनलगी॥२३॥कबंध

नकेकलापमानौंअपनेउत्तमांगकोअरिवि
नसोंदेखिदेखिदावदेवेकोंदोरनलगे।अ
रुपैंनमंडलाग्रमारिमदमत्तमातंगनकेम
स्थ फोरनलगे॥सकंचुकपंचफनकेप
न्नगकेप्रमानबाहुलसमेतबाहुलबाहुन्तू
टनलगे।अरुअबमर्दकेआतंककातरन
कगाढकूटनलगे॥२४॥बागटल्लाकेइस
रैंवेगवानबाजीजंगीहोदनकीबरब्बररुं
धलेनलगे।अरुसादीनकेसस्त्रसंपातक
रिनछन्नरहोयनिसादीनकेनैननैनलगे
॥वंकेकमनैनतकठोरकोदंडनकोंगोसपे
चीकीबरबरतानितानितीरमारनलगे।
तितीरकितेकअासमानमैंउडानलेंकैंस
रदकालकेसलभनकीसोभाधारनल
गे॥२५॥रट्ठोरबखतसिंहजयसिंहकों
जोयबकोंघनेहत्थीनकेहोदेदेगिडार।

अरु इलाखसेनाकेपारनिकसिबचेबीर
नसौंबैरीकीबरूथिनीमैंबडेबेगबाजीफे
रिडारे॥ऐसैंदूजीबेरपैलेनकौंपृतनामैं
पैठतदेखिराजाजयसिंहसाहिपुराकेअ
धिराजरानाउतउम्मेदसिंहसौंराजाक
हिबुल्यो।अरुबखतसिंहकौंपैनेलोह
चखायबेकोसिद्धांतखुल्यो॥२६॥अमौं
राजानकहतोंरुअबकहोयातैंसाहिपु
राकेअधीसराजाउम्मेदसिंहबडीउम्मेद
सौंओटहोयकबंधनकोकलापकरैल्यो।
अरुमारवनकोभगरूरमारिखासीख
गनकीफागखे ॥बाजुद्ध राजारद्रो
खबखतसिंहके च्यारिहज्जारसातसैपरख
रैतकांरपरे।अरुतीनसैपरखरैतनसाहि
नउम्मेदसिंहकोअसि कद
किमरिबोहीमानिकछवाहकेकादंबिनी

रूपकटकसौं टरि परे ॥२७॥ यारीति पला
यन होय रह्यो रबखतसिंह नागोरको मा
र्ग लीनौं । अरु राजा अभयसिंह हू याही
कें बिगारिबेकौं आयो होयानैं पच्छो ध
पुरकौं कुंच कीनौं ॥ ऐसैं हूं बरकछवाह
की सेनाको समुद्र तरिती जो बेरकीताकत
न जानि बखतसिंह निकसिनागोर आ
यो । अरु जाके इष्ट गिरिधरपरमेश्वरके
हाथीलष्धापातुरिखानैं सहितडेरनकौं
कछवाहकौ कटक लूटिलायो ॥२८॥ त
बवह बखतसिंहको इष्ट परमेश्वरनो
जयसिंहनैं नांहि पठायो । अरु पातुरि
र नेकौंपच्छो जिकगगर मैं कातरकहि
लिखायो ॥ कह्यो अंतहपुर हमारे भेट
कीनौं परंतु हमकौं तो अमुक्के गाहक
जानौं । यातैं तुमारो तुम अबे रिफेरिदूंहा

हरसौंलरिबेकानहौंसआनौं ॥२९॥ या
रीतिअट्ठनवसत्रह १७९८ केसाल राजा
जयसिंहरट्ठौरनसौंजंगजीतिआयो।अ
रुयाजंगकौजससाहिपुराकेअधिराज
रानाउतराजाउम्मेदसिंहपायो॥यानर
फबेघमनगररावराजाउम्मेदसिंहकी
माताचुंडाउतिअपनेनिर्बाहकोअबलं
बबिचारतब सतीननिकारे।अरुमुख
सिंहमहासिंहोतनकेसंम्मतसौंअपने
छोटेपुत्रदीपसिंहकेअर्थरानाजगतसिं
हसौंपटालेबेकौंपुरोहितदयारामकौं
उदयपुरपठावनमैंकारनबिचारे॥३०॥
इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेद
क्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरि
त्रेतृतीयोमयूखः ॥३॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥प्रा॰मि॰॥दो॰॥ कढ्ढियमास बाकुल विसद प्रतिपद दिन अति प्यार॥सत्त रूप इक्कतकरिय कोटा नृप श्रियद्वार॥१॥ बिठ्ठल अरु नवनीत प्रिय बक्कुरि द्वारिकानाथ॥ कुल मथुराधीस गिनि गोकुलचंद्र सुगाथ॥२॥ मदनमोहन कु सत्त मित राव ल्लभ कुल इष्ट॥ कोटा नृप इक्कत करिय अप्पन दहन अरिष्ट॥३॥ खर च्चिदम्म इक लक्ख मित उच्छव रच्चिय अपार॥ रानहिं तत्र निमंत्र दै बुल्यो बिहित बिचार॥४॥ तहँ राना कोटेस प्रति बिरच्चिनेह मय बैन॥ माधव निज भानेज हित अक्बीजै पुर लैन॥५॥ कोटेस द्रुत बरान प्रति नय बच अक्खिय नून॥ जब मारि हैं जयसिंह तब अप्पे हैं पह्नु मिदु हून॥६॥ बुंदिय मिलहिं उमेद कों माधव कों

जयनैर ॥ पैजोलगजयसिंहप्रभुबद्दु
नतोलगबैर ॥ ७ ॥ कोटापतिअरुरान
दुवकियरहस्ययहबत्त ॥ इहिंतुमजावहु
उदयपुररानकरहुअनुरत्त ॥ ८ ॥ रानाउ
तिपीहरससुतरहतकुम्भसौंरुट्ठि ॥ इहिंरा
नकुकूरमअहितबप्पबहिनिहितबुद्धि
॥ ९ ॥ अप्पनपुबहिंकुम्भअरिअबरान
हुअरिआहि ॥ यातैंकछुदीपहिंपटादे
हिंतुदेहिंसिराहि ॥ १० ॥ यहबिचारि
निजबिप्रवहदयारामसंबोधि ॥ पठयो
मतिगतिउदयपुरसमयदेसहितसो
धि ॥ ११ ॥ तानैंजायरुनकयोनगरस
लूमरिनाह ॥ जान्योंयाबिनुहोयनहिं
सबद्दहिंहत्थसलाह ॥ १२ ॥ अकवीं
सरिसिंहसौंबत्तयहैतबबिप्र ॥ तुंदीप
तिलघुपुत्रहितपटाचहंतहमछिप्र

॥१३॥ यह उदंत कहि रानसौं बिहित दिवाव हु बग ॥ द्वै हु डुबालन गिनहु कल्हि कमैं गेतेग ॥१४॥ सुनियह केसरि सिंह सठ मानि लोभ निज मित्त ॥ संभर पर उपकृत ममय च्चा ह्यो नेहन चित्त ॥१५॥ ॥ष०प०॥ इहिं चुंडाउत अग्ग मुकव्य सुवलोभ सोधि मन सजि दलेल सन साम प्रकट अहरि किंकर पनरोर नाम लघु सुवन अप्प बुंदिय पुर रक्ख्यो ॥ परास हंस पैंतीस लेरु अधिपति वह अक्ख्यो तिहिं लोभ अवकु उलटीत कतयहन पुरो हित अहरियबिलु समयकछुन हम सन बनहिं कहिय हेरु उपहास किय ॥१६॥ दो० ॥ दयाराम यह सुनि दरित दुक्खि अवर आलंब ॥ दोलतराम सुसद्गुत सोध्यो दुख गिरि संब ॥१७॥

॥ष॰प॰॥पहिलैंहीयहव्यास रिकोटाकि
हिकारनरहियरानढिगआयमंत्रनयच्च
तुरमहामनतवहिपुरोहिततासहिमिलिरु
अकवियउदंतसब॥समयोदेनसहाय
अहिबुधसिंहसुतहिंअबाबिबुधनानि
बाहिसकतनविभवयातैंरानहिंकरि
अरजकछुकुपटालघुभ्रातहितगिनि
विपत्तिकढ्ढहुकरज॥१८॥दो॰॥द्विज
बरदौलतरामसुनिअखियरानहिंएह
॥दीपसिंहहितदीजियेकछुकपटाकरि
नेह॥१९॥सुसुनिरानजयसिंहकोवि
त्योतहर अचंड॥अकवीवहकूरमअतु
लदियमरुपडुजिहिंदंड॥२०॥कियेंमहि
तयहकुम्मको बिगरहिराजविसाल॥या
यातैंतुमउनसौंकहहुकढ्ढहुकछुविधिका
ल॥२१॥यहउत्तरजगतेसहियसोसुनि

कुमर प्रताप । अकबी घर आये नकों क्यों नहि रक्खत आप ॥ २२ ॥ सत्रु को दु आयें सकल मानत अघ महंत ॥ सुपकु अप्प मैं सेस मयकुर मन्त्रास कहंत ॥ २४ ॥ यह कहि कुमर प्रताप तब पटा हजार पचीस ॥ जनक कु सौं बरजोर बनि कियत यार बखसीस ॥ २४ ॥ नगर पटा बिच मुख्य लि खि लाखेला अभिधान ॥ अवरु कु वस्तु अनूप च उ चित्त करिय पहुँचान ॥ २५ ॥ इक कह पान हय खास इक इक चामर ब खेस ॥ इक सिर पेच उमेद हित कियत यार कुमरेस ॥ २६ ॥ सगताउ त सुर तेस सुतनि ड र उ मे द स नाम ॥ कियत यार बुं देस प्रतिबे ध स मे जन काम ॥ २७ ॥ षट्पद ॥ यह कुमार अति जोर बढ्यो जुब्बन वय उ द्दंग ॥ मे जनक अमात्य भेदि कीति लि

यमिलायभट भिल्लहदा पुर भिन्नबंधिञ्च
प्पुनरजधानी ॥ दखलराजबिचडारिर
हैं उद्धतअभिमानीयह सोधिरानजगते
मञ्चब पकारन पुत्तहिं किन्न मनतिनदि
ननभूपबुंदीसकोउदयनेरयह विप्र
गत ॥ २८ ॥ दो० ॥ नटतरानइ मनिंदि हुत
उद्धतकुमर प्रताप ॥ संभग हित स्वक्षंदत
वलिखिपटारु किय ञाप ॥ २९ ॥ लखि
सुतकोयह मतपन सोचिरानजगतेस
॥ हेभट निजअनुकूलतेइकदिनबु
ल्लिअसेस ॥ ३० ॥ कहियकेदममसुत
करङ अनयप्रचारत एह ॥ निजनि
जसुतयाढिगरहत तिनहिं पठावड
गेह ॥ ३१ ॥ मुहलिच हीरते दिनन
करतरह्यो अपकार ॥ पेहमविनु पै
सेनृपनहु बअवरकरन हार ॥ ३२ ॥

यातैं असअज्ञान हुत मेद हुगहि उम
राव ॥ अरुजोनंहितोअ गिय ह सज
लन दहनस्वभाव ॥ ३३ ॥ दृढप्रपंच
हुमरानकरिभट नसिक्खदियभाय
॥ हुन निजपुत्र अनेकमिस दिन्ने घर
न पठाय ॥ ३४ ॥ सगताउत दारूनगर
पतिसुरतेसस नाम ॥ स्वसुतहि अ
क्खियताकुनैं घरजावकुकछुकाम
॥ ३५ ॥ यहउमेदसिंहसुकुमरजोकि
वे घमत्यार ॥ ताहू सौं इमपितुक
ह्यियजावकुगेहकुमार ॥ ३६ ॥ इहिं
कुमार मतिबलकछुक जान्योरानप्र
पंच ॥ अक्खियस्वामि प्रतापअवजा
निन छोरौं रंच ॥ ३७ ॥ तदनंतरइक
दिनय हैरानकुमार प्रताप ॥ अलप
सत्थर द्विजनककी परिखदपत्तोआ

प॥३८॥उपबन कृष्णाबिलासन्नृप बैठो गहन उपाय॥ इहिं बिच कुमर प्रताप यह डेढी पकुं च्यो आय॥३९॥प्रतिहारन अक्किवय अरजली ँ दु वच्चर पास॥लै जान न अव रन हुकम चतुरन्न मनय न्चास॥४०॥निज मत्थाहित हँ र किवतब लैअ कुं वरडु वसंग॥परिखद पत्त प्रतापरैं हँ रानहिं नमिरी रंग॥४१॥अप्प मिसल बैठि यउचितरत्त्विसैन रुतबरान॥सुभटच्चारि निज पुत्रसिरडारियभ रतउडान॥४२ नाथनामल घुभ्रात निजपुरबघोर अधीस॥रानाउतभारत बहुरिनगरजाजपुर ईस॥४३॥चुंडाउतपुरदेवगढपति जसवंतसराव॥देलवाड पुरपति बहुरि झल्लाराघव देव॥४४॥

एभटरानअधीसकीसैंनहोतछलसो
र।।चंडपरेप्रतिमल्लचउजानिकुमरअ
तिजोर।।४५।।तिनकेपरतप्रतापतब
जनकगहनमतिजानि।।होकितेकपै
पितुकुकमकहिकोरियअसिपानि।।
४६।।इनतथापिमूढनचउनगहिदि
खायबलदिट्ठि।।नाथसिंहतसबाकु
गहिजानुमचकदियपिट्ठि।।४७।।
कहियपरफैंकतकुमरमल्लनलरत
उमाहि।।अज्जकहौंबहबलगयउहो
तनिबलकोचाहि।।४८।।कहिइम
कुमरहिंकैदकियचउभरकुबचप्र
चार।।सकनबअंक४९सहस्रगतबि
सदतीजरबिवार।।४९।।अ प्रनु
चितकुमरकरिइहौंउचितअवधान
एकरनजानतपहिलकियखगरुखे

टकहान ॥५०॥ गहतअच्चानकइमकु
मरफुट्टियहक्कअपार ॥ हौठीपरनिज
सत्थसुनिभन्योबिकलभयभार ॥५१॥
कुमरजुकुमरतयारकियबेघमभेजन
बीर ॥ सगताउतउम्मेदसोंधय्योसभाबि
चधीर ॥५२॥ असिझारतमारतअरि
नरानलियउनियराय ॥ जिहिंपिक्खत
तिहिंबपुजुगलकरतखंडअतिकाय
॥५३॥ ताहीकोकाकातबहिपिक्ख्योरा
नप्रचारि ॥ सनतिपुब्बइकवारसद्दिम
रदसोंझुलियमारि ॥५४॥ सुरतसिंह
तबतसजनकरोकनपिक्ख्योरान ॥ ति
हिंलखिकुमरउमेदतजिअसिबरउ
मियअमान ॥५५॥ जानिधरमइहिंअ
सितजियइहिंमरखकियरह ॥ नमत
बेरनिजपुत्रसिरकह्योनृतननेह ॥५६॥

कुमर प्रतापसु कैदकरिइमरिविजिजन
कन्अमान॥पकरनवारेचउनकौंमुख्य
सचिवकियरान॥५७॥इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशम
राशौउम्मेदसिंहचरित्रेचतुर्थोमयूखः
॥४॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा॰ मि॰॥ चु॰ अ॰॥ नृपउमेदइतब्या
हकिय मालव धरपुर गगराटपति॥क
छ्वा दलपतिकीसुताचिमनकुमरिअ
भिधानमहामति॥१॥सकनवनवस
नृह १७८९ समानवमीराधवलच्छल
गनकिय॥गुनबासर रहिस्वसुरगृह
वे घमअप्रानिमिलानवकुरिदिय॥२॥
प्रतिदिनबुंदियतेंनपढुवटतनृपउ
म्मेद्हवलापति॥सावजगतअसारके
कैसितपक्खबगदूजकलापति॥३॥

सोरठा॥सुनिबुंदियय हसोरचूक दले
लबिचारिकैं॥चुंडाउतबहरोरमारनके
घमसुक्कलिय॥४॥भोपसिंहतससंग
हरदाउतदहुदियउ॥जोपतिधोबड
ढ्ढंगसाल सुतहितकरकुटिल॥५॥
दोउनबेघमभ्भायद्विरदमत्तनिजको
रिदिय॥जान्यौंकौतुकपायसिसुउमेद
अैहैंलखन॥६॥तबहिदगावलता
हिमारिरुबुंदियमुक्कलहिं॥इमसठ
उभयउमाहिपहरतीनगजसंगफिरि
य॥७॥सोसुनिलखननभ्भायसानु
कूलन्नपकीनियति॥छन्नगयेदुख
छायमुहबिगारिदुवसठहुमन॥८॥
॥दो०॥जयपुरनृपजयसिंहहुतजि
त्तिमरुस्थलजुद्द॥अद्वितीयअप्पहिं
समुझिमानगह्वियबनिमुद्द॥९॥स

द्यपानहितगिनिमुदितनिसदिनर
चतअनंत॥निधुवनरुचिधप्पतन
हिनइमहुवआगमअंत॥१०॥निस
रुदीहआसवनसारक्खतहृदयअरू
ढ॥छोरतनहिकामुकछगलमंजाना
रिनमूढ॥११॥ऐसीबिधिअवसान
केआगमहुवकछवाह॥राजामल
सिरराज्यकीरक्खीनिबहनराह॥१२॥
वैद्दनसनओरवधिवलनअधिक
आनिआहार॥उभयघटीओदनअ
दनवछ्योकुम्मइहिंबार॥१३॥आग
मसकलअनंगकेसउणकान्तसुधा
य॥मोहनमेहनवृद्धिमुखसेयदवा
दरसाय॥१४॥वरज्योजदपिचिकि
त्सकनमअ्योतदपिनमंद॥आराध
नअविरलअतुलआसवसुरनअ

नंद॥१५॥राजामलइकदिनकहिय
क्यौंनृपकरतकुजोग॥अकबीतुमछ
तहमअभयभुगातअबयहभोग॥१६
॥कुवप्रमत्तजयसिंहइममनलगिमो
हनमय॥अवरकोनममसमयहैसो
धिगरबगहिसय॥१७॥रोला॥इक
दिनआसवमत्तहोयकछवाहमूढम
तिउदयनेरलिखवायपत्रपठयोरा
नांप्रति॥ममआदेसअमोघचतुरज
गतेसविचारहुबेघमजेबुधसिंहनं
दनिजदेसनिकारहु॥१८॥सुनिय
हकूरमकथितरानजगतेसभीरुब
निदियबेघमआदेसदेसममनजाहु
भूपभनि॥यहसुनिभूपउमेदसिंह
अरुदीपभ्रातदुवकछुदिनकठिन
निकारिधरियधरलैनचितधुव॥१९॥

सकरव अभ्र बसु सोम १८०० असितपं
चमि अस्साढ गत को यजन पद क्रमि
यक्षोरि बे घमरन उद्धत॥ सुनिय हद्दु
ज्जन सल्लभीरु कूर मभय भाखियनि
जढि गबु ल्लियनौं हि दुक्कुनमधुकर
गढ राखिय॥२०॥ रहिय तत्थ चउमा
सभूपउम्मेद अनुज सह मृगयादिक
कौतुक अनेक रचि बीर महामह॥
घाँटरुक्कि गिर घेरि रुंडतु पकनन्न
पञ्जारे अति प्रगल्भ आयधन सङ्घि
मृगपति बहु मारे॥२१॥ रुचिरा॥
इत कूर मनृप रोग बिबसि हुव देह बि
कसि कृमिपुंज परे॥ मास बहुत यह
दुक्व सह्यो अरु गूढ पल ल तनु बि
कृत गरे॥ इक अंगुल परिमित लंबे
कृमि स्याम लपन सब देह धसेत्व च

लोहित पलमेद नखावतअस्थिनअं
तरबिबिधबसे॥२२॥भस्मतलप सो
वतदुखभाजननैंकनपीडितनिंदल
हैंजिमबिकसततरवूजपक्योइम
विग्रहरंच न गाढगहैं॥सुप्रहिमूत्रल
थामलमोचन निजकृतदुरितनचिं
तिकरैंअनुज बिजयतियमातसुता
दिकमारियतेसबदिट्ठिपरैं॥२३॥
इमअतिकष्टबिकलकूरमनृपसं
चितअघभरभूरिभज्योखखबसु
ससि१८०० बिक्रमसकइसगतबिस
दचतुर्दसिदेहतज्यो॥कुवजेपुरघ
रघरहाहारवअंतहपुरअतित्रास
पर्योइम्वरिसिंहतबद्दिपट्टपसुलदे
खिनिगमविधिदाहकर्यो॥२४॥दो॰
॥इमउमेदनृपभागबलतजिगदेह

कछवाह ॥ यह्उ दंत दिस दिसउ डिग
डुवच्चरि घर नउ ढाह ॥ २५ ॥ यह कथ
सुनि कोटा अधिप सु भिय मन्नित जि
खेद ॥ मधुकरगढ तैं अनुज जुत बु
ल्यो निकटउ भेद ॥ २६ ॥ मधुकरगढ
सामंत हर हड्डा हरजन नाम ॥ किल्ला
पति कोटेस को जु हो भुजिष्या जाम ॥ २७
॥ मुख्य सचिव बुंदीस को कोटा पति व
ह किन्न ॥ कोटा आयउ मेद नृप हयन
हेरचउ लिन्न ॥ २८ ॥ लेत हयन को
टेसल खि अर्व भूप हिं एकु ॥ तुम
हि लह म रक्खत न कट कलगौं खरच
सु देहु ॥ २९ ॥ सुनि नृप निज भूखन द
ये मोल लक्ख दुव दम्म ॥ इक्क किल
गिय कट्ट कलु गकरन जंग अभुव कम्म ॥
३० ॥ लोभी दुज्जन सल्ल सठ लखी बि

पत्तिनरंच ॥ इमभूरखनबुंदीसकेलिन्नें
कपटप्रपंच ॥ ३१ ॥ तदनंतरद्दुइकसद्दल
सपठयोबुंदियसीम ॥ आयरुतिहि
लुट्टियमुलकभेदमचायउभीम ॥ ३२ ॥
नृपतिईश्वरीसिंहकुवइतजेपुरलहि
यहू ॥ अह्वाजुतकरिजनककोंप्रेतकर
मविधिबहू ॥ ३३ ॥ इतिश्रीवंशभास्क
रेमहाचंपूरूपेदक्षिणायनेदशम
राशौउम्मेदसिंहचरित्रेपंचमोमयू
खः ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ प्रा० मि० ॥ दो० ॥ कोटापुरइतमंत्रकि
यदुज्जनसल्लउमेद ॥ इक्कतकरि
हुअखिलभाखियसंगरभेद ॥ १ ॥ क
हिभटबेरीरामसोंकोटापतिकरजो
रि ॥ गिनततुम्हेंसबभूपगुरुकुलरु
क्षानिकककोरि ॥ २ ॥ यातेंजेपुरजाहु

तुमबुंदियलैनउपाय॥कूरमजोयह
स्वीकरैंतोलरनौंनहिताय॥३॥हम
जावतश्रियद्वारपुनिमिलहिंरानसौंत
त्थ॥करहिंनहितकछवाहतोसज्ज
हैंउभयसमत्थ॥४॥यहसुनिभट्टजे
पुरचलियदुजनसज्जश्रियद्वार॥श्र
न्नकूटसद्धियसमयअधिकभक्तिउ
पचार॥५॥हीरकम॥पुनिरानहिं
पठ्योदलअप्पमिलनआइयेमाध
वनिजभागिनेयहितकुहदयलाइ
ये॥बुंदियपुरलैनकोकुमंत्रमिलिरु
ठानिहैंढुंढाहरमेदिनिपरसज्जिसम
रतानिहैं॥६॥यहसुनिजगतेसरान
कुंचकरियबेगहीकोटापतिकेमिल
पनीतिरीतिकेगही॥उदयनगरके
समीपसेनहिंफरमानदेनाहरमग

राभिधान थाँन तैं हँमिल्लान दै ॥७॥ को
टापति पाप पास प्रीतिपत्र प्रेरयो अ
व हु मिलि हैं इहाँ हिं जो तुम हित हेर
यो ॥ कोटेसहु सुनत राह नाहर सगरा
गयो रानहिं मिलि रीतिसु हित मंत्र स
हित मंड्यो ॥८॥ अगौं अमरेस रान
कौ पुत्रि यव्याहिबे राना उति दुर्लभ गि
निचिंतित जस चाहिबे ॥ निजकर जय
सिंह कुम्मकुमार लिखि कीस ही रान
उति पुत्र होहिं ढुंढाहर ईस ही ॥९॥
पहिलैं इतनी लिखाय रान कुल नया
दई चिंतहु पट्टनी ति अप्प तछ्यन सद
जो भई ॥ जिहुं हिं जयसिंह पुत्र रज्ज
अखिल अंगम्यौ माधव हित कछु द
यो न नति जुल तुम सौं नम्यौं ॥१०॥ बुंदि
यहु व हत्थन गाहि कार न हु न उच्च रैंअ

थनहिंकारनदुवसज्जितदलकौंक
रैं॥ दोउनयहमंत्रथप्पिइकृतपूतना
करीबिप्रसुउतबेणिरामकूरमप्रतिउ
चरी॥ ११॥ छिन्नियजयसिंहसोहिं सुदि
यअब दीजियेकूरमउपकारयहहि
कोधासिरकीजिये॥ राजामलजुतनरे
सबिप्रहिंतबअक्कवई बुंदियहमरोपि
नंदकेयोंकरिकढिहेगई॥ १२॥ आक्खि
यसुनिरहविप्रतुंदकनरिकढिहैंदु
इरदलहंकिहइजेपुरसिरचढिहैं
॥ यहकहिद्विजआयबत्तहइलपति
सौंकहीसोसुनिचक्कुवानरानसज्जिय
पूतनासही॥ १३॥ लंबितभुजदंडम
नहत्थिनसिरखुल्लयेबोरहुनिज
निजसमस्तबंधनबलबुल्लये॥ अंक
आडकजाज्जिवेगसिंधुनखरलग्गये

ब्रयडगमग्गिभोगभोगियभरभग्गये ॥
१४ ॥ संकुलिथरधूलिथुंघिरुंधिरुरद्वि
ढंकयोभिक्करिलखिचंडचेतदिग्गज
गनसंकयो ॥ दिकपालनकेकपाल
नाटसालसेचुभेवीरसुमगरूरमंडि
हूरनाहिलकेलुभे ॥ १५ ॥ सागरसब
लौहिलोरऔरऔरउज्झलेहाटक
गिरिकेसमसलभंगभंगह्वैहले ॥ कोट
पतिसेनरानसेनउभययोंचलीसोसु
निकछवाहम्मूपइकतबलकैंबली
॥ १६ ॥ मंडियदरकुंचरानसम्मुहम
गरूरतैंमानकुंघनभट्टमासतपायपव
नपूरतैं ॥ राजामल्लकग्गरलिखिमान
निकटपिल्लयोहड्डुनकेपञ्चमांहिमान
सतुमक्योंलयो ॥ १७ ॥ जोहितहमसौंन
नैंसुभोरनसननौंबनैंभावतहमहूके

ग्रन्थप्पहिंसिर हीमनैं॥माधवनिज
जामिज हित बंटि पकुमिलीजियेहुनु
नसनमिन्नहोयनैंक कुनपतीजिये॥
१८॥दो०॥यहदलअग्गहिमुक्कल्यो
राजामलसचिवेन॥पुनिनृपईश्वरि
सिंहजुतसम्मुह हंकियसेन॥१९॥
इतरानरुकोटेसदुवबेगमुकग्गरबं
चि॥धाये सम्मुहखरस्लिधन सेनाअलु
लित संचि॥२०॥नगरजाजपुरकेनि
कटजामोलीइकगाम॥उत्तरितँहँ
भूपतिउभय कियचालीसमुकाम॥
२१॥सगताउतसावरअधिपइंद्रसिं
हअभिधान॥तिहिं दव्योइकरानको
नगरदेवलीथान॥२२॥ताहितजन
जगतेसतबबहुतकहाईबत्त॥सग
ताउतमन्नीनसोमुररिरहोजिमअत्त

॥२३॥ दुहिँरानाँअबदेवलीरच्चनलैन
गढरारि॥रानाउतभारतसहितपठयो
कटकप्रचारि॥२४॥दलहिँजातअब
देवलीसुनिसावरपतिपुत्त॥सालम
नामसुसज्जि।वनिथस्योलरनगढधु
त॥२५॥दिनपंचकपहिलैंयहेव्याहो
सालमबीर॥कंकनमोचनहूनकिय
दुवजुज्झनहमगीर॥२६॥इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणा
यनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेष
ष्ठोमयूखः॥६॥ ॥ ॥ ॥
॥प्रा० सि०॥मुक्तादाम॥गह्योजिहिँप्र
गप्रतापकुमारबहेदुवभारतसिंह
तयार॥दयोतससंगअभंगअनीक
सजेभटउद्धतचाहिसमीक॥१॥सिर
हिकह्योसबसौंइमरानलहेगढघो

ररंघा घमसान॥चल्यो सुनि भारत सिं
ह प्रचंड उमंग तहं किय सेन अखंड
॥२॥ भयो दिकपालन मोह भयान प्र
कंपत दिग्गज भुल्लिय प्रान॥ भच्च क्कि
यपन्नगकी फनमाल भचक्किय पक्कि
यसूकर भाल॥३॥ कच्छ क्किय अद्रिन
तैं कढि धातुल चक्किय लोकक हैं ह
रखातु॥ सरक्किय एमउ दे पुर चक्क
फरक्किय हत्थिन पैंबहरक्क॥४॥
करक्किय कंकट कीक टिकालि ढर
क्किय पक्खय अंगन ढालि॥ खरक्किय
खप्परजोगिनि संग करक्किय नालन
आगि दमंग॥५॥ घुरक्किय अक्कव
र पक्खर घोर थरक्किय अच्छरि अंब
र ओर॥ दरक्किय कोनिय दारि मरी
तिपरक्किय रवंडउचउद्दहमीति॥६॥

घमं किय घोर न घुग्घर माल चमं किय
सेल न सो चिस चाल ॥ छमं किय भ्रछ
रि नेउर गैन रू मं किय भूखन लक्खन
लैन ॥ ७ ॥ टमं किय त्रंबिय बंबिय बज्जि
ठमं किय घंट मतंगन रज्जि ॥ डमं किय
डाहल डिंडिम लोल ढमं किय मद्दल
मद्दल ढोल ॥ ८ ॥ द्रूमं किय दुंदुभि दिग्घ
द्रूमा मथमं किय धुज्जि रसातल धाम ॥
उलट्टिय सेन किसा गर अंभ पलट्टिय
जानि पुरंदर जंभ ॥ ९ ॥ चल्यो इम रान
महीपति चक्क लग्यो उडिपावक को
पल लक्क ॥ लयो गढ देवलि का गरद
अधमों रु लतो पन मुम्मि भुजाग ॥ १० ॥
कहीत हँभार त साल म काज मिलें गढ
को रिलहो अ सु आज ॥ यहै सुनि धीर
नबिन्न अबेर कहा इय सालजुलन

केर ॥११॥ उदेपुरको दल्ल दुर्लभला
यह्व हौंतुमसेभट पाकुनञ्ञाय ॥ नकैंह
मजोतुम रीमनुहारिलजैंपितुमातल
गैंकुलगारि ॥१२॥ खरेतुम हूनयजा
नतरघ्यातकैंसबखागतपाकुनञ्ञा
त ॥ ञ्ञबैं इह्विकारनधर्महिंधारिप
ञ्ञारिकुखीकरि मोमनुहारि ॥१३॥ कुते
ह्वमसावरकेपति हंतकहौंतिनकौं
सुखस्वर्गमिलंत ॥ परंतुकृपाकरि
कैंतुमञ्ञायततो ममाबन्नतिमन्निहि
ताय ॥१४॥ गुरूतुमञ्ञासिखञ्ञकवहु
एकुसुपुत्रकस्वर्गसभासुखलेकु ॥ क
ञ्ञायहसालमसिंहकहायरुप्यो जि
मञ्ञंगदकौंरनराय ॥१५॥ ॥ ॥
इहीसुनिश्रारततोपनरारिहनीहन
ले नधनीहलकारि ॥ चलेंपविपात

क्रिगोलक्रच ड दि पैंजिम मोरउ डैंधुज
दंड ॥१६॥ गिरैं गृ हमंड पकुट्टि लला
वतप्योपुर तोप नकेतरकाव॥ नठेच कुँ
कोद निवाननिनीरपरीजलजंतुन दु
स्सह पीर ॥१७॥ घिरयोपुर देवलिकाल्ल
ोरजम्यों हुडुंक्योर प्रबीरनजोर ॥जैंल्ल
रअजा व लि तोपतुपक्कचलैं क्रुतचंड म
चैंध मचक्क ॥१८॥ चुल्ह हन हट्टनबट्ट
बजारउडैं द सकैं बक्रु वृंदअगार ॥जरं
तकिरंतबिजाजनपट्टगुडीजनुलागि
यरालगरट्ट ॥१९॥ बनिक्कनआपनल्ल
गिअलाव दहैं घनकाननज्योत्नदा
व॥जरैं घृतश्रीदनतेल फुलेल दिवा
रियदीपकहोतदुकूल॥२०॥ जरैं कट
छप्पर टप्परज्वालभगैंजिम फग्गुनहो
रियभाल॥ छिकैं बकुअहनकंगुरछु

द्दित रक्कत पत्थर छत्तिन तुद्दि ॥२१॥ फरैं
अजरैं बद्धु मंच कपाट घिरयो धुर पावक
दुस्सह घाट ॥ जरैं ससिसालन ज्वालन
जूह दगैं गृह अंगन अग्गि दुरूह ॥२२
॥ द्रवैं जरि नाग रुबंग अदब्भ उडैं लगि
पावक पार दअब्भ ॥ मनौं गढ कोअघ
मेटन मानकरायउ सालमअग्गि सना
न ॥२३॥ घने दिन भोरन तोपन घोर छि
क्यो गढ गोलन मार दुओर ॥ कढ्यो त
न सालम खुल्लि कपाट रुक्यो रनबीर
बजावत ठाट ॥२४॥ बजी सगताउत
की हय बाह चले करओदन ज्यौं ससिसु
चाह ॥ उडैं हय खंध गिरैं असवार कढैं
भट छत्तिन छेदि कटार ॥२५॥ तरक्कत
तोपन पैं तरवारि दिपैं मनु देवल झल्ल
रि मारि ॥ कढैं फटि कंकट बीरन अंगत

ललक्कहिंबावनञ्चोचउसट्टि॥उल
ट्टतहत्थिनतैंभटञ्चाँहिंमनोंतिहरी
नटभगलमाँहिं॥उक्कट्टहिंञ्चायुध
तुट्टहिंतोनसुलट्टहिंकेतउचट्टहिं
सोन॥३२॥दपट्टहिंबाजिनजुट्टहिं
दावरुपट्टहिंञ्चौतरिताममकाव॥
रुट्टक्कहिंडुक्कहिंडुक्कमैंमोरिपटक्क
हिंभूतनकौरनरोरि॥३३॥ञ्चटक्क
हिंपाथरकाबनकेकगटक्कहिंगोद
नभिद्वञ्चनेक॥खटक्कहिंहड्डुनपैं
लगिरवगच्छट्टक्कहिंकेउडिञ्चंबरम
ग॥३४॥लटक्कहिंथक्कहिंरानञ्च
नीकसटक्कहिंकेसठघोरसमीक॥
बळ्योद्दुमसालमबाजिउडायलयो
हुतभारतसिंहहिंजाय॥३५॥कह्यो
तुमनियमोमनुहारिञ्चरेदलसज्जि

वनैंउपकारि॥पितामहमोहिगन्त्रोसि
सुवर्गदयोकरुणाकरि दुर्लभस्वर्ग॥३६
॥बच्यो खिलतोम मञ्चायुब होरिमिलो
मकोंसुघटीपलजोरि॥तज्योतिहिंया
बिधिञ्चकिवकुमारपल्योभरञ्चोरनौं
रनप्यार॥३७॥दुहत्थनमारतखग्ग
दाथगयोबकुबैरिनकेञ्चसुखाय॥घ
नीञ्चरिनारिनकंकनमारिघनंमदम
त्तमतंगनमारि॥३८॥तज्योपहिलो
वहकंकनचाहिनयोबलिबंधिञ्च
च्छरिब्याहि॥तज्यो ड्रमसालममाकुस
देहलयोसुरबिग्रहनूतननेह॥३९॥
उदैपुरकेबडबीरपचासहनैंञ्चरुञ्च
ल्पगिनैंउपहास॥परेनिजबीरकुस
त्रहसंगमस्योड्रमसालमस्वर्गउमंग॥
४०॥दो०॥रानाउतभारतबहैडमरन

सालम मारि ॥ रानश्रमलकियदेवली
अप्पनबिजयउचारि ॥ ४१ ॥ सगताउ
तसावरअधिपमंदसुसुतहिंमराय
॥ जामोलीजगतेसकैंपामरलग्गोपा
य ॥ ४२ ॥ तदनंतरकछवाहनृपआ
यउकटकअमान ॥ ग्रामनामपंडेरढि
गदिन्नेसुदितमिलान ॥ ४३ ॥ बुंदिय
लैंयहसुनिबिदितकरियदलेलढुकु
च्च ॥ कूरमईश्वरिसिंहसौंउतहिमि
ल्योककउच्च ॥ ४४ ॥ इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशा
मराशौउम्मेदसिंहचरित्रेसप्तमोमयू
खः ॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ प्रा० मि० ॥ गगनांगनम् ॥ राजामल
कूरमनृपसचिवतत्थगोरानपैंप्र
विनयकरजोरिचढनकौंनकाजधम

ममबिनतीबिचारिकुकमधर्मगद्दिदी
जियेमाधवहितरीतिरक्खिवकछुसिवा
यभुवलीजिये॥४॥रानकुसुनतहिइती
कगिनिबलिष्ठकछवाहकों राजामल्ल
इंद्रजालबनिबिमूढतजिराहकौं॥ अ
क्खियसरलकबदम्मपक्कमिमाधवहिं
दीजियेसुनतहिदुतकुम्भसच्चिवलि
खिपटारुकहिलीजिये॥५॥ टोंकन
गरकोसमस्तपरगनासुलिखियोंद
योरानकुबनिमंदभागिनेयहितव
हदीलयो॥ तदनंतरयहउदंतसु
निभ्रनिष्टकोटेसहूरानहिंबहक्यो
बिचारितजियतत्थमुदलेसहू॥६॥
॥दो०॥राजामलकूरमसच्चिवमायाब
चननमंडि॥ दियमाधवहित टोंकपु
रलरनरानमतखंडि॥७॥ तदनुरान

जगतेसअरुकोटापतिचहुवान॥दुवभूप
नकूरमसिविरकिन्नौंमिलनप्रयान॥८॥
होयहितैंआवनउचितकुम्महिंरानस
मीप॥पैतसपितुसुचमेटनौंमध्यौंप्रथम
महीप॥९॥यांतैंरानअरोदिअबकान
कतखवतरवान॥रतनछत्रछायितचल्यो
जहँदलकुम्म पिलान॥१०॥संगगमन
कोटेसहूकूरमडेरनकीन॥निजनिज
भटअंदरलयेकलहजईरुकुलीन॥११
॥तहँकोटापतिकेभटनकियमटभीर
बिसेस॥कीलनसहितसिरायचेगिरठ
लाठलठेस॥१२॥पिक्खतयहकोटेस
प्रतिकुम्मभयउप्रतिकूल॥तिमरानकु
अहितहितकियमनफट्टियसहमूल
॥१३॥दूमरानरुकोटेसदुवकूरमडेरन
पत्त॥रानचित्तपलट्योसमुझिकुवको

टेस बिरत्त ॥ १४ ॥ तीनस हँसक छवा ह
त हँसज्जित पिक्खि सिपाह ॥ कोटाप
तिसबस हिरह्यो किन्नो इन जुकुरा ह
॥ १५ ॥ कछुक काल रहि सिक्ख करि इ
म दुवडे रन आयँरान पटालय कूरम
हु पुनि आय उहित पाय ॥ १६ ॥ अह दू
जेनृप रान अरु मिलि कूरम अतिमो
द ॥ विकर्यो सरित बनास बिच वार
नजुद्ध बिनोद ॥ १७ ॥ बुल्यो नहिं को
टेसतें हँयातें अन रिव बिसेस ॥ बिनु
हि सिक्ख को टागयउ लद्दत बुंदिय
देस ॥ १८ ॥ हूत रान हिं कूरम अधिप
अहद रिसा मउ पाय ॥ टोंक नगर लघु
भ्रात हित अप्पिरु जेपुर आय ॥ १९ ॥
रान हु पत्तन वनहडा महिमानी इक
भांति ॥ कितव कूरमन को ठग्यो आयो

गृहभयक्षानि ॥ २० ॥ छ० प० ॥ मरुपतिसों
जयसिंहदम्म गुनईसलक्खलिय ले
क्षबदूसरिसिंहपिक्खिसमयरुपक्षे
दियइतकोटापतिअनरिखसेन बुंदि
धसिरसज्जिय ॥ करिहडुनए कलह
मरधरि उग्गगरज्जियबज्जिय निस
नडाहल विसमय हउदंतज्ज गउज्झलि
यसमर उमेद कोटेस सहक्कमत लेन
बुंदियबलिय ॥ २१ ॥ दो० ॥ नागरद्वि
जगोबिंद निजसेनापति कोटेस ॥ तब
हिजोधपुरमुक्कल्यो लैनमदतिबल
वेस ॥ २२ ॥ छ० प० ॥ द्विजनागरगोबिंद
रानकोटेससेनपतिपठयो तबजोधपु
रमंडिकग्गरसहायमंतियहैसमच्छ
मरुईसलेनबुंदियदल पिक्खहुसिर
हडुनआसानकरहुकूरंमच्छ हिकि

उकुंगोबिंदबिप्रयह पत्र गहिअभय सिं
हअंतिकगयउ बहु दिन बितायअव
उचितभूपतिप्रतिहाजरिभयउ॥२४॥
दो०॥ कछुकव्याजमरुभूपकहिसेनदयो
नहिंसंग॥ तरकिबिप्रअजमेर तब
योसुरदिअभंग॥२५॥ फकरुद्दौलाना
मइक सबल नबाबसिपाह॥
गुजरात प्रतिसूबापतिकरिसाह॥२६
॥उद नपीरजारतिकरनआयोव
मेर॥ तासोंमिलिगोबिंदतबकियर
हस्य हितकेर॥२७॥ कहियबिप्रइक
लक्खतुम हमसन रुप्पयलेहु॥ सं
लहुअतुरंगसजिलरिबुंदियलेदेहु॥
॥२८॥ यह अंगीकरि मिच्छवहभयउ
सहायअभंग॥ साहिपुरपसीसोदपुनि
रजिउमेदहुवसंग॥२९॥ पा० कु०॥ हि

जतवलिखिकोटापठयोदलहुततैंहम
आवतरनउक्कल॥गुज्जरधरसूबाप
तिसंगतियुनिउमेदनृपसाहिपुराप
ति॥३०॥उततैंतुमदोऊनृपआवहु
चंडलरनचतुरंगचलावहु॥दुज्जन
सज्जउमेदभूपदुवहदुनपतिसुनिल
रनसज्जहुव॥३१॥दो॰॥खुरलीपदुन
यभिज्जरवम रसचउ हुहुवेस॥निड
रसज्योउम्मेदनृपदुपहरजेठदिनेस
॥३२॥रमारसातलबोरिदियकनकनै
नदुधकूर॥अबउमेदकिरिराजहुहिं
सज्योउधारनसूर॥३३॥स्वसादीयकु
मरीसहितकोमातहिंरकिव॥सानु
जभूपतिसज्जहुवअवनिलैननिजअ
किव॥३४॥सकइकनभबसुससि१८०१
समामिलिहादसिसुचिमास॥कोटापुर

सज्जियकटकनिडर करनअरिनास॥
३५॥इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरू
पे दक्षिणायने दशमराशौउम्मेद
चरित्रेअष्टमोमयूखः॥८॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

॥प्रा० मि०॥भु० प्र०॥सटाधूनिकैंसिंह
म्मेदसज्ज्यो गदालै किदुज्जोधपैंभीमग
ज्ज्यो॥बिडोजामनौंजंभपैंछोहछायोल
ग्गोलंककैअंजनीकोलडायो॥१॥किधौं
कुंडलीपैंबलीपन्नगासीरिसानौंकिअं
धारपैंतेजरासी॥किधौंसिंधुकेसूनुपैं
संभुतंड्योमनौंचंडपैंकालिकाकोपमं
ड्यो॥२॥जटाजूटतैंबीरभद्रैसजग्यो
महासेनकेक्रौंचकौंलेनलग्यो॥फटा
टोपकैराग पैंनागकिन्नौंकुबेलाअकैधुं
धूपैंदावदि ॥ ॥कि

रामकुप्प्योकिधौंरामलंकेसकेअ्राजिउप्प्यो ॥रच्योचापगांडीवटंकारसंज्योगज्योकेगु डाकेसराधेयगंज्यो॥४॥सज्योकन्हकेस हगोरीससत्थैंमुखोलंगरीजानिजैचंदम त्थैं॥धक्योसोरविबेसिंधुबातापिध्वंसी भ्रप्योहूंदपैंबालिज्योंइंद्रअंसी॥५॥ अ लाधीसभूलैनयोंभूपबड्ढ्योचभूसंकु लीभद्दज्यौंमेघचड्ढ्यो॥लगेसानफंरु नधारालधारीभ्रमासक्तदज्जैंफरैंफूल भारी॥६॥लरोगायनोबत्तिपैंघायलग्गो भरएक्रांतकेसर्प्पकेदप्पभग्गो॥पताकाख लीमत्तहत्थीनमत्थैंसजेडाकिनीप्रेतबे तालसत्थैं॥७॥धुरीदोपसन्नाहहविक्रां तधारैंइचैंचापधौंधौंनिसानौंउतारैं॥ दराबीनआरूढकेतोपदग्गैंजदाज्वाल कीमालज्यौंउज्जजग्गैं॥८॥समैकत्यको

भोडिग्यो रत्लसान्भयो दीहकेभेसकेवेस
भान्॥ धरैं कुंकुमीचेलकेसस्त्रधारीनचैं
मोदकैंब्याहिवेस्वर्गनारी॥९॥ बनैंपिढ़ि
वेतंड हौदे बिसालीरचैंजीनवाजीनके
पक्खराली॥ धुजा दंड हत्थीनपैंवेणुब
ड्ढे मनोंसेलकेश्रृंगपैंतालढड्ढे॥१०॥
लग्गीमेढनीरागसिंधूनलग्गोभमैंभुम्मि
यांभुम्मिकोंछोरिभग्गे॥ परीत्रासमेवास
आवाजपत्तीबढीयोंबलाधीसकीजोर
बत्ती॥११॥ घुरैंगज्जदंतीखुलैंसज्जघोरे
डकैतीरचैंचारकेहत्थडोरे॥ जरीओप
कैंतोपजंजीरजालीकरैंपिक्खिउच्छाह
कालीकपाली॥१२॥ दो०॥ जगरटोपबाकु
लजटितकुलसिसूरअसिहत्थ॥ सजि
यसेनबुंदियसुपकुसहकोटेससमत्थ
॥१३॥ ष०प०॥ गजमत्तनगरदायमिलि

गविरुदायमहाउतपालकाय्यआगमप्रभा
वजवपावदावजुतनटकच्छनीकछिनि
रमल्लरननिपुनमहाबल॥आडपेचर
चिअतुलअंगमसमोधदिउज्जलत्तय
रेरवअलिकनागजतिलककारेमनकुं
पिसाचकुलद्रुमपालगयउविकराल
द्रुमबारिनछिगडंकतबकुल॥१४॥
लगिदुकच्छलंगोटकठिनकजरंगतं
गकसिदंडअैं चिदसबीसफैंकिमुद्गर
विद्यावसिरूंपनबिबिधबनायअंग
उछटायअैंडभरि॥प्रानत्रानकारनपु
कारिकेसवप्रनामकरिगजबागहत्थ
निभरगुमरआथउसिरगोरअल
पमारुतप्रजातबंदरमनकुंमंदरपर
लिन्नियमलय॥१५॥इमकलापद्
तआयअकिबिरुदनआधोरनफोजें

नायक फील फतें अप्प कुंजर सजोर नजराजं
जकभंजकक पाटबंके गढगंजक ॥ अब
तेरे सिरयारभार रक्खियरनरंजक आ
रुहि मलंगि बिरुदायद्र मरुट मिलाय
लियमद झरन कहिजनकनाम बुल्लि
य कुसल कुंभ त्थल थप्पलि करन ॥ १५ ॥
पुरत अंग झट कारिरंग रज झारि रुमाल
न आलि मेच कआमल न जालमंडि गजं
गालन कट बिचित्र कुरु बिंद बहु रिहरि
ताल बिथारिय ॥ जंगी अंदुक जोर दोर
डुंगर पयडारिय त्रिपदी न गत्त न द्धि य अ
नुलल गिकलापजेवरलसियकुथडा
रिगुडनसन्नद्धकरिक्कमबरत्तहोदन
कसिय ॥ १६ ॥ सकल हेति सिरसज्जि
छि अआलान कुरायउ दै दै बिरुद दुरू
ढ घोर घन गज्ज घुरायउ बारी बाहिरबा

कडाकबलअचलडगाये॥बढिचररवि
नन्वारूदज्वालविकरालजगायेहिंजीर
लंबअेंचतकुलसिबलअमानहरवल
वढियमानकुंअपुबमेचकमुदिरकुल
लगिरिजंगमकढिय॥१७॥भद्रमंदमृग
भअमिश्रच्छजातिमहाबलबसालो
भअतिबेगसरतउक्कटावतअंखल
बालपोतअरुविक्कलभमकुनअति
कायक॥जूहनाहजवजोरसज्जहुवस
मरसहायकगज्जितअनेकउद्दतगुम
रबकुसज्जितमदकलबलियगंभीरबे
दिपरिणातगजबचतुरंगनरक्खवचलि
य॥१८॥कलिकव्यालअतिकोपकालि
कउपबाह्यकुलाचलईसादंतअनेक
बढिगघुम्मतसमीरबलरुरतअबज्जि
पटानभौंरकरटनमनजेकत॥अरुकं

ढुक्कजिमउड्डलगाटअंदुक्कउननंकतफट
कारिसुं डिल्लमथ्थुनफुह्हरिपक्खिननभ
च्छिरकतप्रकटबुंदीससेनअग्गतिब
ढिगकमल्लाननतजिपीनकट्ट ॥१९॥ अ
हिफनजिमआटोपरचतपुक्खरसिरर
क्खतदृगलघुदीरघदिढिचलतमोचा
चलन्चक्खतलंगरकनकबिरवानजटि
तअतिजेबजवाह्हर। आधोरनआस
ननबीतमारतहंकतबरचूलिकाहरि
तचित्रितरुचिरअच्छिकूटपीतरुअरु
नबुंदीसढुक्कमहंकियबिबिधतोरजो
रबारनतरुन ॥२०॥ नीलहरितनिज्झ
नकतिककरटनकलमासनकतिक
अवगहककपिसअधिकरोहितकति
आसनअतिकडारआरक्कबिसदबा
लित्थबिराजत ॥ पीतअरुनप्रतिमान

लखतसुर गुरुकुजलाजतबिदुदेसह
रिनपालासबनिबातकुंभनीलकबिसद
बुंदीससंगहरवलबढिमातंगपद्मभरु
रतमद ॥२१॥ तलपनपीनरुतुंगछजत
रीढकपरछादितकच्छारेसमकठिनजह
होदनघननादितरुकिकतिकनझंडाल
कतिनमेघाडंबरकसि ॥ सिंहासनकलि
सज्जलंबहिंजीरअवरलसिंडाकनअ
माननिद्विनडगतरुगतजंगअमरख
झलकउम्मेदहुकमघुम्मतअतुलहं कि
यइमहत्थिनहलक ॥२२॥ मिलिअनेक
मंदुरनश्रीतिमंडियहयपालनफलक
खेहरूटकारिदेहुफटकारिदुसालनदे
खलीनबिरुदायअंसथप्पलिकरओपि
त ॥ जंगीपक्खरजीनऐंचितंगनआरो
पितगजगाहमंडिचित्रितगहरलहर

दारलूमनललितच्यानियतुरंगकंपन
च्ररिनकुतकजाककंपनकलित ॥२३॥
गरुतरूपगजगाहउडतमानकुंउरगा
सनपयनेउररवप्रचुरललितमंडत
बकुलासनखुरासाननाजिकतुखारभा
डेजभुम्मिभव ॥ बनायुजरुबाल्हीकजा
तकांबोजमहाजवकेकानगोजिकानकु
कतिकप्रोढहारधावनप्रबलहाजरिह
इंदनृपच्प्रगाकुवपलटतपलनलगा
तपल ॥२४॥ च्याजानेयच्चनेकपारसीक
कुबिनीतपथपंचभद्रजयपूरच्प्रष्टअंग
लसुलाभच्प्रथचक्रबाकजवचपलम
ल्लिलोचनच्प्रछेहमन ॥ कतिकियाहका
काहपीतखुंगाहसुद्वपनच्यालीलकपि
लबोल्लाहच्प्ररुहालकसोनहलाहहय
पंगुलकुलाहउकनाहपुनिबोरुखानच्प्र

तिरयसुवय॥२५॥सुभललाटअरुसीसकं
धमणिबंधकथितक्रमदेसनाभिहियदेस
भातिमुखनिकउत्तमभ्रमरंध्रजठरगल
रुचिरविहितअावर्त्तविराजतचंद्रकोस
जुतचपललखतनञ्चतमनलाजतक
तिइन्द्रपदमलच्छनकतिकचक्रबर्त्तिचि
तामनिकइवसज्जदबलकोनियहयति
कवतभालयालनकनिक॥२६॥इकवि
जयआवर्त्तबहतइकसुकलमहाबल
इककुसुमआमोदइकचंदनभवउज्ज
लइकलोहितइकअसितइकसारंगसे
तइक॥पिंगइकइकपीतइकपाला
सएतइकखुरअगाभुम्मिसज्जितखल
तबलिगज्जतऊरधबदनचकुवानरा
जआयसचलियसहंसनहयजवजय
सदन॥२७॥दिपतपरुखचउदइदर

गल्लालिकरदबारहअंगुलसतबफुउम्ब
कुम्भसंगरजयकारहबीससत्तमुखविद्दि
तकरनअंगुलखटकेतकचापउपमचा
लीसअद्दमितकंधउपेतकचउबीसपि
ट्ठिआयतरुचिरकलिततीसअंगुलक
मरबालधिअलंबचालीसबसुचलधु
आमुदारतचमर॥३८॥चउदीरघचउ
रत्तच्यारिसुछमचउउन्नतच्यारिहस्व
न तच्यारिच्यारिआयतमुनीनमतमु
खभुजकेसनिगाल्लसेफजीहरुओरुका
कुद॥करनपुच्छपयकोष्ठप्रोथसफगो
थितथागुददुवकरनबंसअंतरदुकुन
कसउदरजानुककुदमुखकंधजानु
अंगुलिमहितलच्छनहयनमचालमु
द॥३९॥कतिकिसोरअतिजोरकतिक
जुजुनछकडंकतप्रोथबजतपवमानहू

लसिअंबर बढिहंकत धोरितवल्गितधा
वद्दमहिसुतिअरु उत्तेरित ॥ उत्तेजितपु
निअटतपंचधारनमगप्रेरितकारलपु
लिंगनालनरु पटिअतुलप्रसारतउ
ड्डयनचातुरिमलंगधारतचपलपातुरि
कतिडारतपयन ॥ ५० ॥ रजतपत्तखुर
रजतललितअयपक्कनाललगिथित
जिमदेवलथंभचरनअतिदृढलगैंन
चगिपुट्ठगरद्धप्रपीनरुचिरद्युत्तियप
रिणाहित ॥ कंधकुटिलकोदंडसजव
धजकसतसमाहितमारतमलंगसेन
नमुकुटएननजवपारतअलपउम्मेद
नृपतिअगालअटतमानक्कुलटभग्ग
लमल्लप ॥ ५१ ॥ नवचेरिननखरालघ
लतघुम्मरनचिघेरिनफेटलगातजिन
फालफिरतहत्थियचक्रफेरिनतीमक

नीनियलरलसरलसझेमुखसोहत॥
मंजुपसमम खतूलमुकर बिम्बहछविमो
हतरयजोरलैनसंगररच्चकभचकपा
स्थिहिमुभ्भिमरचरननननमायमारत
मचकलचकजानिहिंडोललरा॥४२॥
चरखनतोपचढायचित्रमंडिगतिन
चारनसनिआननसिंदूरपूरसज्जिय
गहपारनदिपतलंबधुजदंडजीह
अंतकजिमहल्लत॥इकनिमेसअ
नेकअद्दनवफेरउगल्लतबिथुरत
ज्वालालालियबिखमअरिकत्तिनस
लियउपितआलियअनेकनालिय
अतुलकालियजिमचालियकुपित
॥४३॥कुंभीनसआननकितीकमकर
हमुंहमुखकरभसरभकतिकोलब
दनधारंतरीसरुखहंकतखिनहरब

ल्लहोतदुद्दरनर हल्लेभ्रँचतवखगनम्र
गापिट्ठिमारतगजदल्लेभ्रयपिंडगिलत
धटिकाउभयबलिदगैंन पब्बयबचतहँ
कियदलेलउप्परहलकरवचदहृचक
नरचत ॥४४॥ सबभ्रनीकइमसज्जि
भ्रप्प हयराजभ्ररोहियलियकोटस
हिंलारसारभ्रकिवयरनसोहियधु
रिनोबतिघन घायकलहत्रंबकजय
कारन॥ बजिकज्जाकबडबाकहाकप्र
तिहारहजारनसंकमिभ्रनेकउद्दत
सुभटतरिनबैठिचम्मलितरनबुध
सिंहसुवनभ्रादेसबसलगियमग्गहु
दियलरन॥४५॥ चम्मलितदसिलि
चक्कपंतिछादितजलपोतनक्रीडाब
हुबिधकरतसूरछेकतजबखोलन
उडुपनकतिभ्रारूढतिदलकतिबेल

तरंडन ॥ कतिकगारिबंदूकरचतकुंभी
रनखंडनदलभीरनीरबढिबढिदुदि
समरजादनलोपतमहतसजिसेतुम
नडुंदसकंधसिरबंदरजलअंदरब
हत ॥ ४६ ॥ अवधिराजउम्मेददीपसो
दरलछमनदुतिकोटापतिकपिराज
जिडरसुग्रीवरचतनुतिसजिअंगद
सिवसिंहबेरिसल्लोतदेवसुव ॥ पव
नपुत्तसुखसिंहमहासिंहोतधीरधु
वलोकरुप्रयागनलनीलतिममिलि
हंकियजयजंगमनबुंदियबिदेहल
लयाअरथहठिदलेलरावनहनन
॥ ४७ ॥ तरिडूमचम्मलितोयकटक
आरुहिकेकाननहंकियरनकुसिया
रवीरबेधतखगबाननचालुकिकति
नडुवानजोधकूरमकतिजद्दव ॥ कति

सीसोदकबंधभट्टनमंडियघनभट्टव
कौतुकअनेकखुरलियकरतरनदुरू
हयंडितरजियबुधसिंहसुवनअति
जोरबलसठदलेलउप्परसज्जिय॥
४८॥चलतरेनुरबिढंकियचक्कचकि
नबियोगबनिकुंभीनसकसमसतभो
गफट्टंतहंलभनिदिग्गजगनडगमग
तजगतसंकरसमाधिजिम॥उदधि
नीरउच्छलततुंगगिरिहलतउरंगतिम
जिमफलअनारकनरदजगधइमभी
रुनजलउत्तरिगदिसदिसजिहान
मंडिगढुमनप्रलयकालसंभ्रमपरि
ग॥४९॥प्रत्यागमरचिपवनफिरतल
गिल्लगिदलफटनकुंडगजनकेडाल
झुकतफहरातरूपेटनबलजंतुवहत
बेगरहतथकिथकिजिंहिंअंतर॥च

लिगञ्चक्कइमचंडदबिनिजश्रोघदि
गंतरभयसुनिश्रपारगनमुम्मियन
जितततिनबढिभञ्जनजिकरपक्खरन
मातगेलनपक्कुमिनभनमातसेलन
निकर॥५०॥निजहठकछपनिठुरह
त्थवासुकिछबिछावततिममंदरतक्का
टभिदुरकरवालभ्रमावतदलकोटा
पतिदितिजश्रदितिसंभवदलश्रप्प
न॥उद्यमगतिश्रनुसारथोकसम्मलि
फलथप्पनजागरबिथारिगदश्रसि
ननकहिकहिगुनश्रागरकथनच
क्कुवानइंद्रनागरचढियमनुबुंदिय
सागरमथन॥५१॥अलयपौनपर
मानदिपतहंकियदलडुड्डरमिलि
यश्रानिमगमध्यकतिकपरभटनि
वेदिकरसकइकनभबसुसोम१८०१

मास आषाढ पक्ख सित ॥ तिथि द्वादसि
दल तुंग हल्लिय रन मत्त लरन हित
छिति अप्प लैन रस बीर छकि द्रुत मुका
मह्ह कबीच दिय बड अंतरी प जल जा
ल बिधि नृप बर बुंदिय बिढि लिय ५२

॥ इति श्री वंशभास्करे महाचंपू स्वरूपे
दक्षिणायने दशम राशौ उम्मेद सिंह
चरित्रे नवमो मयूख: ॥ ९ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा० मि० ॥ ष० प० ॥ धकि पावक धमचक
जाल तोपन जजीरित जपि जपिकै द
नजा पपुर सुत घित पिक्कु व पीरित पर
त व प्र प्राकार गिर लक पि सिर ड डिगो
लन ॥ बर त द्वार बाजार झार मारुत झ
झोलन बिरद र तग वाक्ष जालिय बू कुल
झरत सोध मंडप झपट मान डुंबिनास

भावकमच्चिगलंकापुर पावकल्लपट ॥१॥ डिगिपब्बयकोटिकूटतपिगउन्नत नारागढबढिगकालविकरालरचिगसं गररावनरढनेर परिगहट्टनारिसक लपुरजनच्चतित्रासित ॥जरतगेहब ढिज्वालप्रबलबारूदप्रकासितछिज्ज तनिवानपानियछिनकिकुवधूमित कृशमितहरितरुकिजीहदंतसंकट रहतद्रुमबुंदियदलच्चावरित॥२॥ कढिगोलनपरिकूटगिरतजिततित पुनिगोपुरगृहचत्वरसृंगाटप्रचुरप्रा सादतथ्योपुरसिंहद्वारसंजवनजरत कुट्टिमघनज्वालन॥बीथीबिपणिब जारदहलच्चंगारदवालनच्चपवरक कोसच्चवसधिच्चदजजगतचंद्रसा लउज्वलनहोत्रीयकायमानदहत

छकिअलातरचिउच्छलन ॥ ३ ॥ आथर
बनआतापमचतफुल्लिंगमहानसतपि
कटाहजिमतेलमनुजकुकतदुखमान
सआदेसनबपनीअनेकसिलगंतप्र
तिअय ॥ पाकपुदिनफलपट्टलगतजि
मआगिमहालयगर्त्तिकाबढुनगोसा
लगृहगंजाएकणाघोखगनमंदुराचतु
रसिलगतअमितजगतद्वारबेदिनज्व
लन ॥ ४ ॥ गृहअरिषयंत्रगृहबेसमंड
पअंगनबटलगिबासोकअलावचव
लएडूकचटच्चटउत्तरंगपुनिअररथं
भछत्रिनथहरावल ॥ परिघबिटंकप्र
घाएलगतपावकलहरावतनासारु
पटलबलभिननिकरइंद्रकोसदंतक
अतुलप्रग्रीवबकुरिजालकप्रथितप्र
जरतइमगेहनबिपुल ॥ ५ ॥ कतिसह
अनकुट्टलनिकरसोपाननिसैनि

नजरतसालभंजीनउडतबनिद्धार
सुनैंनिनपेटापुनिसंपुटककतिकब
रसिल्पकरंडक॥कंडनमुसलकलिं
जभंतिबाकुलचयभंडकइत्यादिसकलगृ
हउपकरनदग्गिअलावपावकदहतद्रंग
जनत्रसितयहलखिदुरनतहखाननका
ननच्छहत॥६॥तरुदेवलपुरतालकाल
कच्छमालकदंबितजरतबिपंचिनजालन
गद्दलनअवलंबितमंचबकुरिप्रतिमं
चसुघटबिष्टरसिंहासन॥बिखरतबी
थिनबीचपरतआलयचहुँपासनत्रपु
नागद्रवतअतिसयतपितपारदउडत
अकासपथजुततूलरालगंधकजरत
करतलोपकलकलअकथ॥७॥दो०॥
धूमलोपनआतापअतिबुंदियनगर
बिहाल॥सठदलेलअतिभयसहित
कलिवहमन्यौंकाल॥८॥तारागढचढि

गयत्वरितश्रंतहपुरजुतएह ॥ इमउ
मेदभूपतिश्रतुलमंड्यौगोलनमेह ॥
६ ॥ साहिपुरपजुतसेनपतिइततैंवह
द्विजश्राय ॥ जंगकठिनलखितिहिंजव
नलिय गुजरा तपलाय ॥ १० ॥ स० ग० ॥
यारीतिरावराजाउम्मेदसिंहबैरिनकेबि
डारिबेकौंबुंदीविंटिलीनी। अरुताकदा
रतोपनकौंलगाय महाप्रलयके साफित
मारदीनी ॥ अरु कै बारूदकेउडानबज्रपा
तसेगोलेगिरनलगे। अरुतारागढके
प्राकारकंगुरेनकेकलापकिरनलगे ॥
११ ॥ जिनतोपनकेकलापकुलटानायि
काकेसमानसोभितभये। अरुगोलंदा
जनकौंजारजानिपूर्वानुरागकेप्रभावस
मीपलये ॥ जिनकैंअनंगकीश्रागिश्रैसी
किउदरमैंनमावैंयातैंश्राननकीश्रोरउ
फनायकढैं। सोसमीपकेसंबलनकौंबचा

यदूरकेदुर्गदाहिवेकोंबढैं।।१२।।जिन
कौंआहारपचैंतैंअपनेंस्वामीकोंआनं
दनांहिआवैं।अरुवमनकियेंतैंबिटबि
हूसकनसहितनायकमोदपावैं।।जेखि
नखिनमैंगर्भाधानधारिकैंप्रसूतिका
लकोबिलंबनांहिंकरैं।परंतुजिनके
बालककुपुत्रयातैंहोतहीजनकजन
नीकोंछोरिबेरीनकेबृंदमैंबसिबेकोंकू
दिपरैं।।१३।।जिनकोंबत्तीसबत्तीसजा
रभोगैंतथापिअल्पसाधनजानिरति
जंगकेविजयकीपताकाउड़ावैं।।अरु
तृप्तिकेअभावबडेबेलनकेजोटजी
तिबेंडेहत्थीनकेटल्लेखावैं।।आगिदे
बेवारीहीजनायबेवारीदाईताकोंज
लदीसूंजनायबेमैंबधिरताकीवरव
सीसकरैं।ऐसीउनमत्तजानिकित
नैंकदरितदाईनकेसंदेहजनायबे

कीहोंमनधरैं ।।१४।। जिनकेआननआ
रक्तमानोंबन्हिकेबमनहीसोंयहरंग
धरैं। अरुआलसऐसेसेकिअपनीसज्जा
परसूतीहीआहारबिहारादिकर्मकरैं
।।जेबलिष्ठऐसेसोकिजंगीकारतूसबि
नाश्वदर्भहोयजावैं। अरुजंगीकार
तूसकरिजरायुथलीसोंजुदेहीपुत्रउ
पावैं।।१५।।जिनकोतीखीनजरिकेक
टाक्षलागैं गढ्ढपर्बतआदिजंगमहूल
टिपरैं। अरुचंडबेगचिरबेगऐसेसोकि
संप्रयोगसूरिनतैंकामकलहकोंजीति
जीतिगर्ज्जनाकरैं।ऐसीतोपनकेफेरघ
रफेरजारीभये।अरुपत्तनकेप्राकारकों
दुबाजूकेकिठ्ठेकिगोलेआडअन्द्रिकेअं
तरबिहारकरनगये।।१६।।तारागढके
प्राकारकपिसिरबप्रनसमेतथहराय
तूटनलगे।कैधोंआखंडलकेअसिनि

सौंउत्तुंगअद्रिनकेकूटफूटनलगे॥या
रीतितोपनबुंदीकेबरणकोंबेधिबेधि
घनेंघंटापथनकेसमानपंथकीनें।अ
रुरावराजाउम्मेदसिंहमहारावदुर्ज
नसालहल्लेकोहुकमदैबारिबाहबीजु
रीसिखेटकखग्गलीनें॥८७॥दक्खिन
कीतरफसौंसज्जीभूतसेनासमेतदो
ऊनरेसनपत्तनमैंपैठिचंडचंद्रहास
चलाये।अरुपच्छिमकीतरफसौंसाहि
पुराकेअधिराजउम्मेदसिंहकोटाकेक
टकेसगोबिंदरामतोरनकौंतारिहम
गीरहरोलनकेझुंडहलाये।दोऊतर
फसौंबरूथिनीबढिभीतरकेभटनपैं
महाकालरूपमंडलाग्रनकीमारदी
नी।तिनकौंदबतेदेखिदलेलसिंहता
रागढसौंएकहजारसज्जेसूरबीरभेजि
सहरकेस्वकीयसिपाहनकीभीरकीनी।

॥१८॥ तिनमाहिँसौँकितेकबंदूकनके
चलाकतोगृहस्थनकेगेहनकेऊँचे
हनकौँआरोहिपेलेनकौँपहिचानिगो
लीनतैँगजबकरनलगे। अरुसेसजे
असेसधाराधरहीसौँधापिबेकोसंक
ल्पसच्चोकरिपेलेनकीपृतनामैँपैठि
अश्वमेधअध्वरकेफलकेउपमानअ
पुनेअडोलअंघ्रिनकौँअंगदकीरीति
धरनलगे॥चिरकालसौँबिछुरेमित्रन
केमाफिककितनेकअछूतीअनीकेल
डाछातीसौँछातीभिरायमिलनलगे।
अरुपरस्परकेप्रहरनप्रपातअसि
तअंबुदसेअझलनपैँझिलनलगे
॥१९॥ दो॰॥ ससिअंबरबसुइक१८०१
समाबिक्रमसकगतबेर॥बुंदियपु
रबाजारबिचझरिगवादअसिमेर२०
मु॰दा॰॥अमावसिसावननमासअ

रंककवड्डु॥गिटैंरसनाकढिरुग्गनग्राम
चटैंनचिनागिनिज्योंपयश्याम॥३१॥ल
गैंदृगमुच्छफरक्कतलीनमनौंउरकीब
नसोमुखमीन॥छलैंछतरत्तछछक्कन
छुट्टिफबैंजनुगग्गरिजावकफुट्टि॥३२॥
रुकैंअसिमत्तदुहत्थनमारिमनौंरजक
लिसिलापटमारि॥छुटैफटिपेटियले
टियलंबतनैंपठजानिकुबिंदकदंब॥
३३॥मचैंरवटोपउडैंफटिमत्थअलाबु
वजानिअतीतनहत्थ॥कढैंदृगलग्गि
कनीनियकालमनौंकुबलोहितभौंरन
माल॥३४॥चलैंफटिढालबकत्तरचीर
सुज्योंतरुताडनपत्तसमीर॥धसैंहिय
गोलियगावतगित्तमनौंपटवाबटवा
बिचबित्त॥३५॥रटैंफटिकोचकरीरन
नंकिकरैंघनबादनज्योंरुननंकि॥घटें
दुपमत्तबकैंछकिघायमनौंमदपामरजो

हजडाय ॥ ३६ ॥ कढ़ैंबपुछेकिबरछिन
बातलूणध्वजप्रगकिगज्जमपात ॥ लौं
निकसैंछिकिपट्टिसलालमनोंपरतीय
नकैंकरजाल ॥ ३७ ॥ सुहैंफटिहड्डुबछ
टसंधिचटक्कतप्रातगुलाबकिगंधि ॥
उठैंबिनुमत्थकितेतनुतुंगथेइत्थेइक
तमुंगतथुंग ॥ ३८ ॥ बबक्कतडाचकिते
कनबैनमनोंबडुबक्कतटक्करमैन ॥ गि
रैंपरक्कतपंसुलिगातमनोंकठकप्प
रपत्थरपात ॥ ३९ ॥ छुटैंपलजानुकढैंन
लहड्डुमनोंरदबारनबेंगरबड्डु ॥ लटक्क
तपायरकाबनरुक्किमनोंतपसिद्धिअधो
मुखरुक्कि ॥ ४० ॥ मलंगतछुट्टिनकेक्रम
मप्पिमनोंनटपट्टरिपायमलप्पि ॥ छु
टैंघुनघायकसायकसोकउडैंसरघाग
नज्योंतजिओक ॥ ४१ ॥ छकेकतिघुम्म
फिरैंसुधिछोरिबनैंजनबालकभंभर

भोरि॥ गिरैंसरबिद्धघनैंसिर तत्तमनौं
सरघानतजेमधुछत्त॥ ४२॥ सरैंघन
संगिनभिन्नसरीरकुमारनकेजनुउज्ज
करीर॥ बकैंबहुप्रेतमिलैंगलबत्थकि
घोर नभल्लन्धपूरबकत्थ॥ ४३॥ जगाव
तहाकरचाकनजंगलगावतभैरवनह्व
मलंग॥ घसैंचढिडाकिनिकेमृतछत्ति
मनौंकिबिदूसककौंतियमत्ति॥ ४४॥ ग्र
टैंपयहूककितेछकचोपकितेहूकनैं
नलखैंभरिकोप॥ करैंकटिजीहकिते
च्युचकूकमनौंकिपरागिरप्रेरितमूक
॥ ४५॥ क्रमैंहूकचोवकितेहककान
घनैंमुखच्छुरचैंघमसान॥ कितेहू
कहत्थकितेगतकेसबनैंबहुरूपम
नौंनवबेस॥ ४६॥ मिलैंरसनाकढि
नकूटमूलफबैंभुजागीकिलगीतिल

फूल॥ कितेकरटेकिउठैं रनरत्तमनौंमद
छाकनपामरमत्त॥४७॥ रहैंकतिगि
द्धनकोंगललायकहैंकतिहूरवच्चैंचल
हाय॥ वहैंकतिमातपितातियबैनगि
रैंकतिमोहितउच्छलिनैन॥४८॥ अवें
घनसावनकोइततुद्दिवरूथघटाइत
आयुधवृद्धि॥ वहैंपुरबुंदियसोनवजा
रघवीजनुजोहितसरसतिधार॥४९॥
गिरैंजलबद्दलगागसुगाथपुरस्त्रिय
अंसुवजासुनमाय॥ वहीइमबेनिय
पत्तनबीचमिलिवकुसुम्भिजलालहिमी
च॥५०॥ वन्योंरनबुंदियसावनअद्दु
थोंअसिज्वालमयोपुरदद्दु॥ तुहद्दनल
गियलुत्थिनलुत्थिबिथारिगहद्दनब
द्दनबुत्थि॥५१॥ समाकुलरुंडपरेखिवि
लिखंडढरेबनिजारनकेजनुदंड॥इ

ढक्का लढादल केउ मरूक घुरावत घाय धमंज लुझूक॥५२॥ रटैं सिरमार न्य घटैं कति केंड पिटैं कति जोर फटैं कति मुंड ॥ परैं सिर मंगि भरैं हर बेलक्कैं कति छोह हकैं रन छैल॥५३॥ लगैं कति कंठलरत्थर पाय जगैं कति प्रेत ठगैं भट जाय॥ लखैं कति हूर च खैं मिलि लाह नखैं नभ फूलर खैं गिनि नाह॥५४॥ कितैं कहुं कोच खिरैं लगि खग्ग फिरैं कति मत्त भिरैं जनु फग्ग॥ चिरैं सिर बाढ गिरैं प्रति चोट घिरैं नद सोनति रैं कहुं घोट॥ ५६॥ जरैं उडि अग्गि भरैं न्य सि जोर ढरैं भट केक टरैं जिम ढोर॥ दरैं कति कुंप धरैं धकदाव भरैं कति धूरि करैं मृतभाव॥५७॥ मरैं थकि स्वास परैं कहुं मूढ प्रतैं कहुं हूरबरैं नवऊढ॥ ररैं हरि केकलरैं धकि रोस हरैं जियकेक सरैं तजि

होस ॥ ५८ ॥ फटैं घर प्रेत नटैं सिर फांक
लटैं मनके कर कैंउरलांक ॥ खुलैं कहुँ
नैंन डुलैं कहुँ खग्ग रुलैं कहुँ उद्ध फुलैं मु
ख रग्ग ॥ ५९ ॥ छुलक्कत घायन रत्त छ
क्क उरज्झ लके सब नैंन प्रभक्क ॥ तुरक्क
तनं तिन सिंधुव तारद हक्कत भूतल दे
तदरार ॥ ६० ॥ रुनंकत पक्खर खेधित बं
टघमंकत घुग्घरघंटन घंट ॥ वढी कुण
पावलि उग्ग व खानमसों बल पत्तन दिग्ग
मसान ॥ ६१ ॥ गवाक्ष न जालिन के पर डा
रिर हीरन बुंदिय नारिनि हारि ॥ वढी घ
नमार मची ह्व थवा हरु क्यो रबि जंपत वा
ह सिराह ॥ ६२ ॥ भ्रयो नृप ह्वो निय लो न
उमेद खिज्यो हम देत दले लहि खेद ॥
बढे गढ सम्मुह्व छे कि बजार मिलो तहँ स
त्रु हजार नमार ॥ ६३ ॥ चले सर चंड उच्चट
ह्व तचाप मचावत पंख न सोक भ्रमाक्ष

बहैं बरछी असि तोमर तोम बनै नरका
तर लोम बिलोम॥ उरझत अंत्र कटारन
तारिग दीज नुनागिनि अंकुस डारि॥ लगैं
खर खंजर पंजर लीन मनौं प्रतिलोम घसैं
जल मीन॥ ६५॥ चलैं फटि पात गदा सि
र धीर मनौं तरबूज हनै कर कीर॥ चलैं त
जि श्रौंन छुरी पल चाह मनौं पिचकारिन
चारि प्रबाह॥ ६६॥ झरझर चिल्ह निगि
लनि रुंड मरोरत चंचुन खैंचत मुंड॥ कि
लोलत स्यार सिवा गन केक नचैं बकुंडा
किनि गेल निसंक॥ ६७॥ चढ़ै हय नंकल
घोल कबुझि भिरैं कति भिन्न गिरैं छकि झु
झि॥ कुसा गल छुट्टन तुट्टत तंग भभक्क
त मारुत प्रोथ न भंग॥ ६८॥ परैं गज जैं जर
जीन पलान कितेक बिना बिलुलेत उडा
न॥ बहै पुरतट्टि नरल्ल कन्कार प पीबहि

मुकल्योदैनसहायसजोर॥१॥राजाम
लकोइकअनुजभ्रातनामसिवदास॥
सेनापतिखत्रीसुकरिपठयोसमरम
यास॥२॥राजामलनिजअनुजसन
कियतबमंत्रइकत्त॥कहियअग्गजय
सिंहन्रपमोसनभयउबिरत्त॥३॥यह
लखिमंददलेलइहिंमन्नैंहमहिंनिक
म्म॥अह्लारदेतोअयुतदिन्नैंतेनहि
हम्म॥४॥तीनबरसपाईतबहिअप्पुन
बिपतिअछेह॥मंगैंहूदम्मनमिलेअप
दुनक्योसबगेह॥५॥यातैंअबहिदले
लकौंदैनसहायनअच्छ॥पहिलैंतु
मबरवाडपुरप्रबिसहुमारिबिपच्छ
॥६॥सोरठा॥सुनिखत्रियसिवदास
अग्रजहिंतुनिदेसयह॥आनिप्रथ
मजयआसतरनलैनबरवाडलगि

॥ ७॥ प०प०॥ अग्गैंपुरबरवाड बीरद्दकभ
यउमहाबलरामसिंहरट्ठौगजाहिअक्क
तजगरुट्टलताकेकुलसिवसिंहभयोर
नदानधुरंधर॥ हड्डुनमुक्कुकमहरनस
जिथतासनब्रूकुसंगरहनहनिंअनेक
रट्ठौरभटग्राम च्यारितसदब्बिलियय
हलखिकबंधसिवसिंहद्धहिंकलहधं
रप्रारंभकिय॥ ८॥ दो०॥ जोमुक्कुकमसिं
होतकोग्राममपरैंहूगतास॥ ताहिमजार
तलुट्टितोबक्कुतनबिरचिबिनास॥ ९॥
हड्डुनतबमुक्कुकमहरनअतिसाहस
इहिंजानि॥ बेटीअप्पहिंबैरमैंमंत्रसब
नयहमानि॥ १०॥ जाईजुधियराम
कीजडसालमकीजामि॥ सिवसिंहहिं
ब्याहीमबनदोऊदिसहितधामि॥ ११॥
नृपकूरमजयसिंहपुनिअतुलकपट

रन्विअ्राइ॥ दियउकह्हिसिवसिंहयह
ल्लियउछिनिबरवाड॥१२॥ जयसिंह
हिंअ्रबजानिमृतइहिंसिवसिंहकबं
ध॥ लिन्नोंपुरबरवाडलरिबसिकरिकु
मप्रबंध॥१३॥ राजामलयातैंअ्रनुज
शेक्योंबुंदियजात॥ पठयोइतसिवसिं
हपरबुल्योतैंहैंयहबात॥१४॥ तुमसि
वदासतयारहुवबुंदियदैनसहाय॥
मग्गहिमध्यबरवाडपुरजावहु ताहि
हुराय॥१५॥ इहिंकारनसिवदासअ्र
नमजिदलप्रबलसिपाह॥ गोपहिलैं
बरवाडगढदिन्नोंतोपनदाह॥१६॥
हनबुंदियमंगरअ्रतुलसज्योसंभर
वार॥ नगरजिल्लिलिन्नैंनिकटथासाल
नप्राकार॥१७॥ दक्खिनदिसमहल
ननिकटभैरवनामकद्वार॥ तासौंक

गियमेघझर ॥२२॥ जिननारिनसतख
नन अक्कपिकबन अकुलावत जिनना
रिनजवजोर पवनपरसनन हिंपावत
हुक्कम हलसन अन्यजात जिनकौं अ
मलग्गहिं ॥ कुचन ओदलचकात भार
मानकुंकटिभग्गहिं जिन पयमसूनपं
खुरि गडलरस बिलासम्हदु पनर जिग
लेतिय दलेल नायकसहित झारनबि
चफट्टत भजिग ॥२३॥ दो॰ ॥ मेरुसरित
हुल्लानपुर जिमतिमलंघि दलेल ॥
भालहोतलहिनेनवाम च्यौं बपुजिय
मेल ॥२४॥ पतनी हूक्कू दलेलकी दा
सीजनद समान ॥ बनबिचभज्जत थ
किरहियगयदूजे दिन थान ॥ २५॥ दु
ज्जनसल्लउमेदइत बुंदिय अमल बिथ
रि॥ कंडे अप्पन गाड़ि दिय बिजयपता

काथारि ॥२६॥ कोटापति अवलोभ करि
अनुचित जो किय अत्य ॥ सो पिक वकुल
पराम सब अध्वर मअ नय अनत्य ॥२७॥
पहिलैं इहिं कोटापुर हि भूपति सौं कुम
मिल ॥ मुकुन्द माधव बलक बके कटक मिं
लं गिय लिल ॥२८॥ तैसो ही अब तकि
कैं अंग मिलुं दिय अैंन ॥ नृप उमेद प्रति
यह कहिय तुमतैं राज दैंन ॥२९॥ पु
रलो हित कौ परगला इम कहि भूप हिं
अप्पि ॥ अवर देस लिन्नौं अखिल था
नौं अप्पन थप्पि ॥३०॥ केसवपुरपह
नि परम बकुरि बरुंध निनास ॥ राकुल
पुर ब्रजनाथ हित करिय भेद छल कास
॥३१॥ बुंदनृपति किय पुण्य जे ग्राम
दिक दिय नांहिं ॥ इम बिसास घालक भ
यउ कोटापति छल मांहिं ॥३२॥ लर नु

अंतलुट्टियसदरइक्कपहरधनवंत
॥साहिपुरपउम्मेदलियदुवगजदुव्य
सुमंत॥ ३३ ॥देवसुवनसिवसिंहव
हुवैरिसल्लकुलजात ॥ लरिजिहिंपं
चदलेलकेगजलुट्टे बडगात॥ ३४ ॥
कोटाअलिसिवसिंहसौं छिन्नेंतेगजपं
च ॥ आदरविनुसठसिकवदियरक्वी
कानिनरंच॥ ३५ ॥साहिपुरपकोटे
ससौंइकदिनअकियपह ॥ तुम
निलज्जअनुचितलकतनीतिधरमल
जितेह॥ ३६ ॥हमजानीबुंदीससिर
करहिंकलंकोटेस ॥ इमबिचारिआ
येइहाँयहजसमुननअसेस॥ ३७ ॥
॥ भा० ॥ म० ह० ॥ दौसनिजतातको
उतारिदकोबेरतुमलीनेंमंगिकदक
किलकोयातैंबालहो। तिनहिंबिका

यफौजराखीसोतुमारीनौंहिंजातैंजंगजी
तिमनमानतनिहालहो ॥ प्रतिउपका
रकउमेदनृपजानौंनैरकोटाजिनखो
वहुकहावतनृपालहो ।जोतुमकहैंहू
स्वामिधर्मलग्यरोगेतोबदुर्ज्जनकेसाल
नौंहिंसज्जनकेसालहो ॥ स्वा० मि० ॥३८॥
दो० ॥सुनियहकोटापतिसचिवक्वारन
भूपतिराम ॥ कुह्योसाहिपुरेसमौंके
सैंकरहुकुनाम ॥ ३९ ॥सेनानीगोविं
दसेलगोबुंदियभ्भ्रत्य ॥खरचदम्मल
क्खनपस्योक्यौंतुमबदतभ्रकत्य ॥४०
॥यहसुनिसाहिपुरेसतबगोनिजनग
ररिसाय ॥कोटापतिबुंदियबिभव
लुट्ट्योभ्भ्रखिलभ्रघाय ॥ ४१ ॥भट
मोहनसिंहोतनिजनगरपल्हायत
नाह ॥ तारागढरक्ख्यातबहिरूपसिं

हहितराह॥ ४२ ॥पुनिकिमोरसिंहोत
भटअनतापुरपअजीत॥एदुवकिल्ला
द्वारकियपदुरनधरमप्रतीत॥ ४३॥अ
वरहुनिजरकेवसचिवनिबहनराज्य
अप्रंस॥अप्पुनलेबुंदियविभवकोटा
गयकोटेस॥ ४४॥इतखत्रियसिवद
सलियपुरबरवाडहुराय॥दियउक
कहिरहोरवहजेपुरअमलबिधाय
॥ ४५॥ ५०॥बरवाडसमरसिवदास
हानिजेपुरनरेसयहउचितजानि॥
धूल्लापुरपतिकूरमदलेलबुल्योराज
उतमंत्रमेल॥ ४६॥कहिउचितता
हिबुंदियसहायपठयोदलेलढिग
समयपाय॥वहतबहिनेनवानगर
पलभिंडयोदलेलहितबिबिधबत्त॥
४७॥अकवीपुनिईस्वरिसिंहराजदि
ल्लीपुरजावतकछुककाज॥जवनेस

हिंतुकामसुसुधारिबुंदीपरऽऽपैहैंदल
चियारि॥ ४८ ॥हैहैं तबऽप्पनऽम
लतत्यहहूसुउमेदगहिकरहिंहत्य॥
पैजोलौंऽप्रावैनकछवाहतोलौंनउचि
तऽप्रबसमरचाह॥ ४९ ॥पूगैंनऽव
हिहमबीरहोयदुस्सहउमेदकोटसल्ला
य ॥रोउद्दलेलयहमंत्रचादि बक्कमासर
हेपुरनेनवाहि॥५०॥इतजैपुरपतिदि
ल्लियमपन्नसेयोसुरतानजुबिबिधन
त्त॥बुंदियपुरबिग्रहबक्रारिऽप्रकित्ति
यसाहहुकमकरिसबनसक्किव॥५१॥
इमरहतकुम्मदिल्लियऽप्रभंगसेवंतस
हऽप्रवनियउमंग॥इतऽप्रभयसिंहमरु
देसगयकियचिरनिवासऽप्रजमेरऽप्राय
॥५२॥ममजनकुंउबयहनगरलिन्नय
हचिंतिमरुपतैंहंबासकिन्न॥कूरमइत
दिल्लियकपटधारिइकमंत्रसाहहनैं

विचारि ॥५३॥ राजामलमंत्रियनिजसि
खायदक्खिनदललावननदियपठाय॥
यहतबहिपत्तदक्खिनअमीककियसा
मबिरचिहितकथकितीक॥५४॥लिय
रामचंदपंडितमिलायसंध्याराणंजिय
सुनिसुभाय॥मरहट्टउभयइमलियउ
कोरिकरिनेहदैनकियइम्मकोरि॥५५॥
हूतनृपउमेदबुंदियबिचारिकोटेसतु
च्छअनुचितअकारि॥हमरेहिद्रब्यस
नरच्चियजुद्दलियबहुरिसुभिरचिकु
पटलुद्द॥५६॥तसमातउचितनहिं
परसहायलेहैंवहमहिभुजबलदिख
य॥उम्मेदनृपतियहमंत्रलायअजमे
रगमनउबुंदियबिहाय॥५७॥मरुधरन
रेसहुनकियमिलापअहि पालउभय
रहिहितअमाप॥इतउदयनेरजगते

सरानबुंदीछुटीसुनिरख्यो निदान॥५८

इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूसरूपेदक्षिणायने दशमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे एकादशोमयूख:॥११॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा॰मि॰॥दो॰॥उदयनेरजगतेसह्रूतजन्यौंसमथ्थनबीन॥बुंदियहद्दुनछिन्निलियहैजैपुरबलहीन॥१॥यातेंभुवउद्यमकरनउचितकालअबआय॥भागिनेयहितदीजियेढुंढाहरवटवाय॥२॥यहबिचारिकोटेसप्रतिपुनिपठयेलिखिखिपत्त॥जीतैंजैपुरजंगजुरिअवहमतुमअनुरत्त॥३॥सोधीदुरजनसल्लतबउनकैगाढनरंच॥पहिलैंहीफीकेपरेपरिपरिरानप्रपंच॥४॥यहबिचारिपच्छीलिखियरचहुकूंच

तुमरान ॥ पिच्छैं ही हम आतहैं जुरि रजि
त्तहिं घमसान ॥ ५ ॥ यह दल बंचि बिचा
रि तब निजभटरान बुलाय ॥ मरहट्टन
ढिग मुक्कलन दुवतयार किय दाय ॥ ६ ॥
इक्क सलूमरिपुर अधिप केसरिसु वन
कुंवर ॥ बखतसिंह का कानकुरि किय
तयार हितकेर ॥ ७ ॥ पा० कु० ॥ हुलकर
हित कगार लिखवाये कोटि दम्म तिहिं
देन कबूलाये ॥ लिखिय मलार भरोस
तिहारैं हम अब बजै पुर बिजय निहारैं
॥ ८ ॥ रामचंद पंडित इम फोर कुराणं
जीसन पुनि हित जोर कु ॥ कूरम तुम
हिं देन जो करिहैं तासौं द्विगुन द्रव्य हम
भरिहैं ॥ ९ ॥ कग्गर इम लिखवाय दल
ये करबखत कुंवेर दोकु पठये बर ॥ दो
ऊ तब दक्खिन दल पत्ते अवसर पाय
मिले अनुरत्ते ॥ १० ॥ राणांजी संध्यासुत

तत्थ हजयानामसबरींतिसमत्थह ॥
वदत्तिपग्घनासौंबरवतेसह मित्रभयो
जिमधनदमहेसह ॥ ११ ॥ यह सुनिरा
नसेनसजिदुद्दूर माधबजुतहं किय
जैपुरपर ॥ नागोरपबरवतेसकबंधह
अप्पन पुत्रियस्वसुरकु तोवह ॥ १२ ॥
बिजयसिंहवाकोसुतब्याह्योसीयसु
तातातैंहितचाह्यो ॥ इहिंकारनजगते
मरानअबसत्थलैननागोरकटकसब
॥ १३ ॥ कनकमुल्लरुप्पयदुवलक्कवनप
ठयोबरवतसिंहपैंहंहितपन ॥ अकि
यरवरचएहअबधारहुपठतनानिज
ममभीरप्रचारहु ॥ १४ ॥ इमतिलुब्ध
बरवतेसबंचिदलपुरटलक्खरु नौंहिं
पठ्योबल ॥ रानपचीससहंसदलर
ज्जियसेनसहंसदसमाधवसज्जिय
॥ १५ ॥ इमहजारपैंतीसअनीकनरा

नबहुरिमाधवइकतरन ॥ कियदर
कुंचउदयपत्तनतजिसबकूरमसीमा
पहुंचेसजि ॥ १६ ॥ टोडानगरपरग
नअंतरमाधवरानमिलानदयेबर ॥
हो दिल्लियतबतैंकूरमपतियातैंअ
वरसैनपठयोअति ॥ १७ ॥ हेमराज
बरबसीदलकंतसुअरुरूलायपति
सुतजसवंतसु ॥ नागरचालईसपुनि
नारवसुभट नामसिरदारजोरजव ॥
१८ ॥ इत्यादिकजैपुरभटआयेरानस
मुखसजिकपटरचाये ॥ जान्योंकबुदि
नअंतरपारैंतोनृपईसरिसिंहपधा
रैं ॥ १९ ॥ दो॰ ॥ कगारपठयोकूरमनरा
ननिकटछलरकिव ॥ महिपतितुम
माधवअरथअबनिदिवावहुअकिव
॥ २० ॥ छ॰प॰ ॥ अगैंनृपजयसिंहरा

जमाधव हित अप्पिय अवनूपईस रि
सिंह ताहि भेट नमति थप्पियया तैंनहिं
अनुकूल सुभट हम सब कूरम सन॥
अप्प कुआयस अप्प सो हि करिहैं प्र
तीति पन खिनु खरच नाँ हिं कारि जवैंनैं
दे कुरवरच सव स्वीय करि हम अबन्य
धीन तुमरें कुकम गहि हैं ईश्वरि सिंह
लरि॥ २१॥ छल प्रपंच यह मंडि पत्र पठ
यो कछवाहन बंन्दिरान मति मंद मल्लिलि
य सत्थ मुदित मन दम्म अयुत प्रतिदीह
कुम्भसेन हिं करि दिन्नैं॥ कपटी कूरम
कट कलुख्खिदस दिनन कलिन्नैं हिय
पत्र वकुरि दिल्लिय नगर वुल्लिय ईस्वरि
सिंह दुत आमेर पह जावत अब हिरा
नाँ आयउ अनुजन्नुत॥ २२॥ यह सुनि
ईस्वरिसिंह मा हसन नस नव सि कल्ल

हि करि आयउ दर कुंच गुमर अतिब
ल बिसेस गहि निज दल सम्मलि हाय
पत्र पठयाँग रानौं प्रति ॥ अगैं भौं वहब
चनु क्यौं सु चुक्त अबदुम्मति मंत्रिय
इतैं सुभर हह्ह दल राजा मल सब फोरि
लियइ कनमलार फुट्टिय अतुल कु
ल कर रायउ पाय हिय ॥ २३ ॥ पा॰कु॰ ॥
रान सुभट कुल कर मिलवाये बलि सं
ध्या सुत मित्र बनाये ॥ रान सहाय करन
तिन धारी सो राजा मल सब हि बिगारी
॥ २४ ॥ रान सुभट दां हू निकसाये मुह
बिगारि निरखन भुव आये ॥ पुनि रवत्रि
य लै सब मरहट्टन चलिय रान सिर कुं
च कट्टन ॥ २५ ॥ कांटा मुलक लुट्टत हि
आये दुजन सज्जन हिं हत्थ दिखाये ॥ इ
म कुट्टत आय रान दल घेरयो फन पति मा

नहु कुंडल्ल फरयो ॥२६॥ व०प०॥ मकद्द
कनभवसु सोम १८०१ माघमें चकपग्ग
ञ्चंतरमरहट्टनदियमारराण विंटिय
रच्चि संगरध मितोपनधमचक्कभुम्मि
भोगनडुग्ग मग्गिय॥ रुंडेप्पुरुन मुजा
रि रुंडुगोलान रुगमग्गियगज हयस्सि
घा हठउ ड्डिगगरदप्पबलञ्चचानकभ
यपरिग रुंपत सिच्चान स्वरकोनगति
मवारनम हउत्तरिग॥२७॥ दो०॥ ञ्चा
यञ्चचानकञ्चरध निसमरहट्टनदि
यमार॥ भीतरानव्याकुलभयउबलि
कियसामबिचार॥२८॥ कहिपठई द
रिवनीनसोंहूलामितघनलेहु॥ पि
कच्यादमसंगरप्रबलञ्चबघरजाव
नदेहु॥२९॥ यहउदंतमरहट्टसुनिरु
चिबसछंडिगरीस॥ सामबिरचिकि

यरानसिरदम्मलक्खचाईस॥३०॥नृ
पकूरमन्धरुरानपुनिमरहट्ठनमिल
वाय॥कियउसामदोऊनकैरसहित
कछुकरचाय॥३१॥माधवहूकेमिल
नकीरामचंद्रकियवत्त॥सोकुलकर
मलीनहीरकह्योपृथककविरत्त॥३२॥
माधवहूयहसुनिकहियमैंढुंढाहर
राज॥कैसैंईश्वरिसिंहसौंसहैंमिल
नसमाज॥३३॥माधवरानबिगारिमु
हलदनुउदैंपुरपत्त॥मरहट्टनजुन
कुम्भनृपघल्लीखुंदियघत्त॥३४॥सह
रदेमलैकियसकलअमलदलेल
अधीन॥तारागढभोनहिंतबहिबिं
ह्योजायबलीन॥३५॥षट्पदी॥धमि
लोपनथमचक्कौत तारागढकंपिग
तुकौदाभटदेखिजानिपरबल्लयह

जंपिग हमहड्डु बड्ड बीरकढहिं फहरा
तफत्तूहन ॥ भग्गे जिम निकसैंन प्रबल
लख्यात कलंक पनजोंजानदेहुसंजुनर
खत तोक बि कीरति पड्हिंहैं नाँ तरिक
ढैंनहड्डु भरदञ्प्रड्डु पंजरकड्ढिहैं॥३५
सुनिकुलकरदियबचननरखतसंजुत
तुमजावहुकछुदिनकूरमजोरनाँहिं
बुंदियतुम पावहु ञ्ज जितसिंहञ्चरुरू
पतबहिकोटेससुभटदुव॥ सजिबल
खुल्लिनिसाननिकसिकोटाञ्प्रध्वगहु
वलुट्टियदलेलबुंदियसकलबुहुसु
तहिंचाहत निरखिकूरमसमेतहक्खि
नकटकदिनदुवरक्खियलुट्टलखि
॥३६॥ जुतदलेलकछवाहतदनुंले
दलमरहट्टनकोटाविंटियजायरुट्टि
लुट्टतमगरट्टनग्रामसगतपुरजायञ्प्रु

प्पउज्जारिचम्मलितट॥ल्लियपत्तनगर
दायसेनसंकुलिवट्टउच्छ दवज्जियनि
सानत्रंबकविरवमदुसहफेरतोपन
दगियग्रंदरग्रलावमच्चियमनकूलं
कापुरवंदरलगिय॥३७॥ही॰॥दक्खि
नदललैदुरूहकूरमहट्टहेरयोकोटापु
रजायघोरघत्तनघनघेरयो॥हैबदल
लावंठिग्रप्पचम्मलिदिसतंडयोग्रख
सुहलपुब्बग्रोरजायजोरमंडयो॥३८॥
तोपनधमचक्ककोटलोपनपुरलग
योगोलनगजबीनसोरसंकुलिदवह
ग्गायो॥कच्छपफटिपिट्ठिनागरीढकब
रग्गक्कयोदंतुलितुटिकोलफोलरूमट
रुन्निरुक्कयो॥३९॥ग्रतलरुबितला
हिलोकग्रोदकिभयभग्गायेदिग्गज
दुग्गमगिसोचमोचनमदलग्गाये॥

फोजनघनफेरभुम्मिजोजनदुवढंकई
ओजनभटभीरजंगमोजनहठिढंकई
॥४०॥ टोलनपबिपातडोलगोलनगढ
बिगारैंगज्जनपुरसोधगोरवछज्जनछटा
केपरैं॥मंडपफटिकेलटावखंभनग
नउछटैंथंभनथहरायओकओकन
अनिउप्पटैं॥४१॥उड्डुतगढखंडफेर
गोलनलगिछिवरवरैंकज्जनकटिपछ
जानिपछ्छकटिकपरैं॥कोटरुकपिसी
सओटउड्डुतछबिगैंनमैंचोटनपरचोट
लोटलग्गतपुरलैनमैं॥४२॥गोपुरप
रिकूटअट्टपट्टनपरिवट्टकेकापअ
तिपंथहोतचम्मालितटघट्टके॥छिप
थरुत्रिकओचतुस्करीतिसुसज्जुप्प
ईकुट्टिमढिगछत्तिआनिछत्तिनमिलि
उप्पई॥४३॥ अंगनघरअ्गिमोर सं

गनअतिउच्छरैंजंगनअतिजोरदौरदं
गनगढबिग्गारैं ॥अंदरअकबक्किलो
कबंदरभयज्योंदुरेमंदिरपुरतूटिअ
निचम्मलिजलकेघुरे ॥४४॥डंबरउ
डिरविहअक्कअंबरसबलुक्कयेध्या
नसुसिवक्कुट्टितानअच्छरिगनचुक्क
ये ॥चम्मलिजलछिज्जिमीनसम्मलि
घनआवटेहुंगरडगमगिपक्कउंबर
गतिकेफटे ॥४५॥सागरजलसेतुच्छो
रिलोपनभुवलग्गयेकोपनइमकुम्म
सेनतोपनदवदग्गाये॥संगरदुवमा
समंडिकूरमइमअंकुस्योसत्थहिमर
हट्ठपिक्खिदुज्जनसलसंकुस्यो ॥४६॥
॥दो०॥राणांजीसंध्यासुवनजयानाम
अतिजोर ॥ताकेइकगुटिकालगिय
घनरनमंडतघोर ॥४७॥यहलखि

कुम्मदलेल्लसौंचविदक्खिनहितचाहि ॥पंचग्रामजुतकापरनिद्रंगदिवायउता हि॥४८॥दक्खिनजोरदलेलल्लखिदि गउकापरनिद्रंग॥पुरपट्टनिपुनिसौं कमैंन्प्रथियराज्यउमंग॥४९॥तबप ट्टनिलियदक्खिनिनकियत्रिभागबनि कंत॥द्वकद्वककुलकरसंधियाइकबि भागश्रियमंत॥५०॥संवतदुवनभध्र तिसमय १८०२ मेंचकमाधवमास॥प ट्टनियमकोटामधनगिल्योगिनीम नग्रास॥५१॥ग्वालसुरभिगजपालग जच्चुक्किरजकप्परचेल॥जमीदेतकछु कजिमहिदिययहद्रंगदलेल॥५२॥ मरिगयाहिरनकेसमयजुंझाउतिनृप मात॥कोटामध्यहिदाहकियपरभयजा निमपात॥५३॥मृतककर्मनिजमातकों

किन्नौंलघुसुतदीप ॥ हो पुष्करुमरुभू
पसह मिलिउम्मेदमहीप ॥५४॥ दीप
कुमरिअरुदीपलुवसोदरभगिनीआ
न ॥ सह झालियरानीसह्योपुरकोटादु
खपात ॥५५॥ कोटाइमकूरमदईमरह
ट्टनजुतमार ॥ महारावसबभीतमनस
मुहभोन हिस्यार ॥५६॥ रुप्पयसोल
हलक्खलियमरहट्टरुकछवाह ॥ च्या
रिलक्खपुनिबरसप्रतिलैनैंकियद
मराह ॥५७॥ इमकोटाकरिराजकोम
ददियकुम्भउतारि ॥ कियउकुञ्चनिज
निज घरन दुवदलबिजयबिचारि ॥
५८ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरू
पेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंह
चरित्रेद्वादशोमयूखः ॥१२॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥मा॰मि॰॥ दो॰ ॥इत पुकवर उम्मेद नृप ता मरण उदंत ॥ सुनि सब सङ्घिय बेद बिधि मन्निय रमह दृढ संत ॥ १ ॥ खरच खीर नृप कौं बढ्ढ त बिपति सकैं न निबाहि ॥ प्रभु संभरत उचार मप दु करैं सु अनुचित काहि ॥ २ ॥ मिलैं जबहि सब सत्थ कौं अप्प अप्पन तब लेत ॥ दुव दुव दिन लंघन बनैं इम सैं नद पिन चेत ॥ ३ ॥ पं॰ पं॰ ॥ ऐसन बेरस हुव सत्थ पंति चो सरम रिजाव त जो च्यं जन सब अत्थ सो हि निज अत्थ लगावत मोहत सुभट न चित्त बित्त अप्पन दित जोरत ॥ स्मर सुभ हिं जिम भृंग सुभट इम नृपहिं न छोरत सब रतन फुट्टि घनघा त जिम सूची मुख कढ्ढ उझरियत भत्त मेद भूपहिं अतुल रहत बिंदिस ढ्ढिहि घरिय ॥ ४ ॥ भट प्रयाग अरु तोकबढ्ढ

रिकल्यानभ्रातत्रयवीरभवानीसिंहति
महिमजबूतधरममयसूरधीरसिव
सिंहबैरिसल्लोतमहाबल॥इत्यादिक
बडबीरनृपहिंसेवतमनउज्जलसबध
ननिवेदिसहूतहुकमबातजातजिमरा
मतदपिकैंनहानिश्चप्पनपथितरकैंव
हियपतिकामरट॥५॥दो॰॥ऐसेभट
नृपढिगरहियअवरनबिपतिपपात
॥तदपिअपधीरजअतुलसूरधरम
सरसात॥६॥परसहायअनुचितप
रखितजिबुंदियचक्कवान॥सूरनिक
सिऐसेसमयबंधतलैनविधान॥७॥
छ॰प॰॥मरुपतिहूअजमेरभिंटिभू
पहिंकरिअदरसमुखजायसनमान
हितचिआन्योडेरनबरसहभोजनस
हवासबिहितरचिहेतबढायउ॥उभ

यमिलनआनंदपुण्यजसजगतपढाय
उवयअप्पजदपिसोलहबरसअकिय
तदपिछोरनअलससिखयोजुहालखु
रलीसुघररछोरहिंमृगयादिवस॥८॥
दो०॥महपतिकैंउमरावदृककदाउत
रछोर॥बखतसिंहरनपटुबिदितरा
सिनगरसिरमोर॥९॥अकबीतिहिं
मरुईससौंकन्यासुभममगेह॥बुंदीस
हिंब्याहनउचितअप्पकरहुहितए
ह॥१०॥अभयसिंहअक्खियसुनत
तनयाबुल्लहुअत्थ॥बुंदीसहिंहमव्या
हिहैंसुभमुहूर्त्तहितसत्थ॥११॥बख
तसिंहसुनिबुल्लईतनयाअप्पनत
त्थ॥परिनाईकहिंधन्वपतिसंभरनृ
पहिंसमत्थ॥१२॥संवतदृगनभधृति
१८०२समाराधतीजअवदात॥इमरा

नियकुंदनकुमरिब्याह्योनृपबिकव्यात
॥१३॥इतदलेलकूरमउभयदैमरहद्द
नसिक्ख॥गुमरजोरजैपुरगयेतोरबिज
यरनतिक्ख॥१४॥सुतखत्रियसिवदास
कोनंदरामअभिधान॥बीरनजुतमेटन
बिघनरक्ख्योबुंदियथान॥१५॥इतसं
भरखहब्याहकरिआयोनगरभनाय॥
आतासनहितजुतमिल्योकरनजोरिनत
काय॥१६॥ससूयहजयसिंहकीनृपबु
धसिंहकलत्र॥पलटीजोनयतजिप्रथ
मतिहिं मंड्योहिततत्र॥१७॥दुलहनि
दुल्लहअग्घअतिलिन्नैंनिलयबधाय॥
कछुदिनरक्खेमोदकरिमेटनवहअघ
भाय॥१८॥तदनुमातसननसिक्खकियबुं
दियसिरनृपसज्जि॥दुलहनिरक्खियत
अहीरसउज्जलहितरज्जि॥१९॥कोटा

धीससहायसनपहिलैंबुंदियआय॥या
तैंनृपबिक्रमअतुलसज्योपृथकरिसा
य॥२०॥ हिंडोलीदरकुंचकरिदिन्नैंआ
निमिलान॥मैंनाबारहखेटकेआनिमि
लेछकआल॥२१॥दुवजीवाधनुहीकर
नदुवदुवपिट्ठिनिखंग॥कटिकटारब
लिबंसुरियसिरधवपच्चकिलंग॥२२॥
बायुहिंबाअरुकिमहिंकाअक्कहिंबु
ल्लतआंक॥भजततलरततलरिपुनिभजत
लफिउडिचित्रकलांक॥२३॥ संगाकेअ
रुसल्हकेगुंगाकेबलगात॥दामांकेअ
रुदेवकेजग्गूकेकुलजात॥२४॥सैंनांकु
लइत्यादिमिलिदुमकुवहाजरिआनि
पक्कुमीसिरसज्योनृपतिमनरनउच्छ
वमानि॥२५॥ हिंडोलीपुरकीअजाजुग
लस्वामिसिरजोय॥सनयदम्मसोलह

सहँसनजरि किन्ननतहाेय ॥२६॥ नयप
दुसबनबिसासिनृपकियबुंदियसिरकु
च्च॥बजिसिंधुवडाहलबिसमइमहंकि
गमनउच्च॥२७॥नंदरामइतत्तैंनिक
सिसहँसपंचसिखसंग॥पङ्कमीदबत
पक्खरनञ्चञ्मघसतउतमंग॥२८॥बि
यदलञ्चावतबीचडीमिलिगञ्चानित
जिमोद॥गंजरकेघरियारगतिलग्याब
जनलोह॥२९॥इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूसरदे१०दक्षिणायनेदशमराशौउ
म्मेदसिंहचरित्रेत्रयोदशोमयूखः॥१३॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥प्रा०मि०॥च०मु०॥दुवसेनबग्गलीनी
कलिकोपञ्चंखिकीनी॥फनसेसनाग
झुहेदिगदंतिदंततुहे॥१॥बरकीबरा
हहड्डागिलिञ्चंगकुम्भठड्ढा॥दिगपा

लकंपलग्गेपुटदुंदुभीतिभग्गे॥२॥स
वसिंधुसेतुलुप्पेकलिजानिबीरकुप्पे
॥सिवकीसमाधिजग्गीनवमालआ
सलग्गी॥३॥कइलासछोरिकालीच
ढिसिंहसंगचाली॥चउसट्ठिचौंकि
आईघनमंडिनच्चघाई॥४॥दुवपं
चबीरदोरेजवडाकिनोनजोरे॥कलि
कारमोदपग्गेमहतीबजानलग्गे॥
५॥गुनअच्छरीनगायेअतिमोदकुं
डआये॥नभगिद्धनीनछायोरबिरे
नुमैंलुकायो॥६॥चहुवानबाजिन
कंवलखिआरुजानितकंवे॥किल
कारबीरबज्जीसमसेरमारसज्जी॥७॥
फटिटोपजातफीकेजिमपत्रजोगनी
के॥तरवारिधारधप्पेंअरिकेनस्वर्ग
अप्पें॥८॥करधूपभूपधायोंइतनंद

रामआयो॥बिधुरीकजाकबांनीमि
लिबीरधीरमानी॥९॥बिबिओरती
रबज्जेलरिविभीरुनीरलज्जे॥बरछीनबे
धलग्गैंपरिसूरमुत्तिपग्गैं॥१०॥घट
केकटारकड्ढैंमुखसूरनूरबढ्ढैं॥
फलिमेलपारफुट्टैंछकलोहमानछु
ट्टैं॥११॥फटिघायछिंछिहल्लैंजलजं
त्रजालिचल्लैं॥सिखनंदरामकेजेल
रिवओदकैंकलेजे॥१२॥फटिकोच
गातफट्टैंजिमकेलिगब्भकट्टैं॥गहि
कुंतनाभिगड्डैंथमनीनमूलहड्डैं॥१३॥
उलटंतसादिआलीहयहोतकेकखा
ली॥मगओररवेहडुल्लेजमस्वर्गबहखु
ल्ले॥१४॥गजमत्थफेटफुट्टैंजिमगो
त्रकूटतुट्टैं॥परिभीरुसोककूईपरभो
गज्योंप्रसूई॥१५॥गतिहीनकेकफी

केमनजानिसंजमीके ॥ तजिप्रानजा
तसच्छीतरुडुंडजानिपच्छी ॥ १६ ॥ सु
धिभुल्लिकेकबंकैंजडजानिसीधुछकैं
॥ कटिजातभ्रंतहीसौं जिमपापजान्हू
वीसौं ॥ १७ ॥ तरवारिभारुलकैंजिम
संपिकासलकैं ॥ हुवरत्तरत्तभ्रंगरज
तत्वजानिरंगे ॥ १८ ॥ द्विजातकेक
ऋषीनरत्नभूखतीकिएनी ॥ मिलिप्रेत
डाकिनीसौं हियमोंडिगाढहीसौं ॥ १९ ॥
कुचतिकखलासगडुं जिमबिद्धकैंसुब
डुं ॥ कतिजोगिनीनछ्योकैंबढिजाततो
महीकैं ॥ २० ॥ सुद्दिपुब्बगिंदनेमैंजलु
देनधुछिमेलैं ॥ कतिलैरुसंडलेटैंप्र
तिसेरुजानिमेटैं ॥ २१ ॥ उदच्छ्छकेक
सज्जैंकतिपीडितेनरज्जैं ॥ छमसत्तमेत
सोहैंमिलिच्यारिभाँतिमोहैं ॥ २२ ॥ छु

वगामबीचडोकीढुवरत्तरत्तहोकी॥
भिरिनंदरामभज्यौलखिखत्रिनीरलज्यो
॥२३॥सिखतासमम्मुहायेसलभाकि
दीपधाये॥तिन्हतक्किभूपनीरेपरि
बीचखग्गपीरे॥२४॥हठलग्गिहड्ड
मारैंढुवहत्थखग्गझारैं॥कढिबग्ग
वाजिफेरैंहठिनंदरामहेरैं॥२५॥भ
जिकैंछिप्योसुखत्रीजिमसेनलावपत्री
॥सिखहड्डुदोढुसज्जेबिकरालबाढब
ज्जे॥२६॥प्रतिजंगसंकुल्योव्हांप्रवम
दैदोनक्योव्हां॥तरवारिकेकतुट्टैंघरि
यारजानिफुट्टैं॥२७॥निकसंततैंनगो
टेफदकैंकिभेकछोटे॥कतिचापचोंचि
मारैंजिमकालडाचफारैं॥२८॥बिचत
समझटड्ढासुहिजानितिक्खदड्ढा॥
फटिपेटअंतदीसीपलटीकिपन्नगी

सी॥२९॥चउफार ह्नीयमन्नेजिम कंज
च्यारि पंन्ने॥ फटिकाल खंजरखुल्ले कि
बिज्यौँ पलास फुल्ले॥३०॥सरलीन
तुंद कूपी बिलजानिनागरूपी॥ द्रुम
भूपजंगमंड्यो सिखव्रातखग्गखंड्यो
॥३१॥अवसिट्ठ केकलज्जे मुखअग्ग
भीतभज्जे॥ तिनपिट्ठि हट्टुधाये नयको
सलौंभजाये॥३२॥दो०॥राजामलसो
दरसुवन नंदरामगायभज्जि॥ सिख
किते कसम्मुह मरे नह्वै कतिजललज्जि॥३३॥सानुकूल नृपकी नियति
लग्गेलोहनअंग॥ अरिअग्गहयभ
ज्जेभर कि जिमलरिबाज कुलंग॥३४॥
नागरद्विजनृपभृत्य इक नंदरायअ
भिधान॥सोहुसूरसम्मुहभयो किय
हद घमसान॥३५॥मारे सिखबि

कमअमितजुस्यो बिबिधजयकार॥
लग्गे बंभनबीरकैं सत्त कृपानसमा
र॥३६॥ सोधि खेत नृप घायल नल
ये नृजान नद्दारि॥ बुंदिय आयरु भ
टन जुत प्रबिस्यो अरर न फारि॥३७
उदयराम पकस्यो बनि कलये अयु
ल ह मद म्म॥ बैठो नृप बुंदिय तखत
करि निज हुल्ल कम्म॥३८॥ संबत
हुलन प्रधृति १८०२ समय सावन ती
ज बलच्छ॥ असिबर बल किन्नों अ
मल अधिपति बुंदिय अच्छ॥३९॥
सुनि कढवाह दलेल सों अकबीमम
दल संग॥ मारकून्नायउ मेद कों जु
र कुन बड्डे बल जंग॥४०॥ सदिद्दले
ल जु नत हिन क्यों किन्न अरज कर
जोरि॥ अंड इतु मअप्प न अमल मैं

बुंदियदियछोरि ॥ ४१ ॥ ताकेकरलि
खवायतबकग्गरकूरमलीन ॥ नै
नवारुकरउरनगररकेवेतासअ
धीन ॥ ४२ ॥ अवरदेसअप्पनकूर
नगिल्लनअजीरनग्रास ॥ बुंदिय
परपिल्लियविकटपृतनासहँसप
चास ॥ ४३ ॥ नामनरायनदासइक
खत्रीरनदृढधीर ॥ राजामलसिव
दासकोभ्रातसज्योबरबीर ॥ ४४ ॥
तिहिँकरिकूरमसेनपतिपठयोबुंदि
यलैन ॥ संगदयेउमराबसबउद्धत
जेरनऐन ॥ ४५ ॥ इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेद
शमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेचतुर्द
शोमयूखः ॥ १४ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

मा॰मि॰॥मु॰दा॰॥सज्योअवकूरम
भूपतिसैनलगेभटघुम्मनबुंदिय
लैन॥बन्योसमयोयहदुस्सहआ
यजहाँफटिबालतजैंनिजमाय॥१॥
पितासुतकौंपतिकौंनिजनारितजैंव
हबत्तबनीभयकारि॥जनैंजननोजु
गिनैंसवठीकवहेनरआहिनमध्य
अलीक॥२॥वहैनरआतमसंबिद
धस्यवहैनरजोननतोमृगवच्य॥
वहैनरहोगुनतीननईसवहैअवनी
सनकोअवनीस॥३॥वहैजिमकू
टतथाइकसारवहैसबओरनसुद्ध
अपार॥वहैनरतीनअवस्थनएक
वहैसबघोंसितधारनतेक॥४६॥
वहैनरहीसबकृत्रिमसक्रिववहैय
हमोधरहोविचरक्रिव॥वहैदिव

हैगुनकौनहिंजोगवहैबिखईयज्ञ
च्यसुभोग॥५॥वहैग्रजइष्टग्रना
दिग्रनंतगुनत्रयनारियकौवहकंत
॥वहैनहिंतोभवनाहकपायबिगार
तबालिसजुबनमाय॥६॥वहैइक
रंधतनाहकनारिवहैसठग्रन्नहिको
खयकारि॥वहैपयमातबिगारनहा
रवहैरहिव्यर्थकरैंभुवभार॥७॥भ
योनरनारिनलच्छनएहनहौंकुचमु
च्छनसुंदरदेह॥दुतेनहियाबिधिकं
भटहायबडेमरनोकतयापिबलाय
॥८॥कह्यौहमयौंकछुबोधबिचार
मुयेंवहबीरगिनैंसबसार॥कहामर
नौंग्ररुजीवनतासकहासुखदुक्खस
वैइकभास॥९॥वहैहिगिनैंनिजही
सबवत्तयहैरनतोभलहोवहूग्रन

॥परंतुनहेइमकूरमबीरगिसुखञ्च
छरिस्वर्गसरीर॥१०॥रुगहहिकेवल
सूरनधर्मसुहीतिन्हरक्खिकसेदृढ
वर्म॥सजेभटकूरममानजसूरखँगा
रजनाथजपानिपपूर॥११॥कल्यान
जपूरनमल्लकुलीनद्वितीयहुकुंभज
न्याजिन्द्रदीन॥जथाबनबीरचतुर्भु
जाताघनैंसिवब्रह्मजइष्टप्रघात॥
१२॥सजेबलिभद्रजसेरवजसत्थघनैं
सुरतानजसंघसमत्थ॥नरूजरुकुंभ
जञ्चछरिनाहकढेइन्हन्यादिबडेक
छवाह॥१३॥सज्योदलईसनरायन
दासलयेसबसंगजग्योबलजास॥च
ल्योदलजेपुरकौंतजितत्तबढौरनजि
न्हेंजित्तहिँवत्त॥१३॥खुल्लीगजपि
ट्ठिधुजापचरंगचलेहयमप्पतछोनि

मलंग ॥भईसहस्त्रालियकालियगोल
बडेहितउग्रचलेचढिबैल॥१४॥च
ल्योमहतीगहिनारदचंलेगनबाव
नल्योंपलप्यार॥चलीचंडसद्धिमलंग
तच्चालनचल्योगहिखप्परखिन्नरपाल
॥१५॥चलेगनडाकिनिजच्छचुरैलपि
साच्चरुरक्कससगुह्यकगोल॥चलेकति
डुंकतडुक्कहिंपायचलेकतिदोउनभू
घमकाय॥१६॥चलेकतिमंडतनदृकु
लद्दचलेकतिचौंकिहसेअटअट्ट॥
चलेगनगिद्धनिचिल्हनिघोरशृगाल
रुकंकमहारवसोर॥१७॥गहक्किय
सेनसिवाकियगोनचल्योदलकुम्भप
रुद्धतपोन॥अटैंकतिमंडिबरच्छिन
वारकरैंकतिलच्छनबेधकदार॥१८॥
कितेखुरलीपटुसद्धलखग्गमिलैंरचि

केकतुपक्कनमग्ग ॥ बनैंकमनैंतनप
ब्बिनबेधम जैंकतिकुंतनकेलिसुमे
घ ॥ १९ ॥ दिपैंरसबीरगिनैंतृनदेह
ह्वुहेनिजसाहसदेतनछेह ॥ छलैंछ
कहूरचहेकतिंछेलचलैंद्रुतमंडितकुं
कुमबेल ॥ २० ॥ मलप्पतबाजिनकेम
चक्कायधरालदब्बतबेगधुजाय ॥ च
ल्यो दलदुहुरयोंदरकुच्चउठावतदुग्ग
नकोछकउच्च ॥ २१ ॥ लग्योभरभोग
पलट्टनसेसभयोगिलिग्पंगदरीकम
ठस ॥ तुटीलखिदड्ढदयोकिरितुंड
करैंरद कंपिगदिग्गजझुंड ॥ २२ ॥ उडे
रजु लिके तनकुंभिनकंधडिगेडरड
क्कनभीरुन बंध ॥ छिप्योनिसचंदरु
नासरप्यकचहैंनिसघूकतयादिन
नक्क ॥ २३ ॥ सुपैसुधिनाँनिसबासरसंधि

बन्यौंतमतोमप्रभाघनबंधि॥चलेइत
सद्दलमद्दलचासमिलेइतबद्दलभद्दलमास
॥२४॥छल्योइतपानिपश्रोउतनीर
सहायकल्यौंरसबीरसमीर॥घुरैंइत
नोबतिश्रोउतगज्ज इतैंभुवपायउतैं
नभसज्ज॥२५॥इन्हैंनचहैंरुउन्हैं
जगश्रासबनैंइतशस्त्रउतैंजलबास
॥इतैंबहुरंगउतैंसितश्यामलसैंइत
श्रोउतबेगललाम॥२६॥लसैंइतश्र
ग्रउतैंलहरूनदिपैंमुदसूरमयूरनदू
न॥इतैंगजदंतउतैंबकश्रातइतैंउ
तदोरतश्रग्नदिखात॥२७॥इतैंउ
तपक्खरदद्दुरबुल्लि इतैंउतगिद्धरु
चातकफुल्लि॥इतैंउतखग्गरुबिज्जु
नश्रोघइतैंउतहोतधरानभमोघ॥
२८॥इतैंउतश्रोजइहरसमदमासरज्जु

गुनबूढ निब्रात बिलास॥करैं सरयोंउ
तऊ मरजु त्तइ तैं उत भूपन भंभन पुन्न
॥२९॥ कहैं इत लैन महीकछ बाहक
हैंउत पिक्वि हमैंय हचाह॥कहैंयह
नीतिबिथार नकत्थ कहैं वहऋनप्रच
रनऋत्थ॥३०॥कहैं इत हैसबऋप्पन
भुम्मिकहैंउतऋप्पन है घनघुम्मि॥
कहैं इत हैंरबिढंकन हार कहैंउतब
हलज्यों नबियार॥३१॥कहैं इतचा
पचढावन बुत कहैंउत सज्जितऋाय
तऋत्त॥इतैंरजऋद्रिउडावन बाद
कहैंउत रक्ख हिं संबरसाद॥३२॥क
हैं इत मंड हिंगोलिनगान कहैंउतमू
क करैं करकान॥कहैं इत बानन छाव
न देस कहैंउत बुंदन तैंन बिसेस॥३३॥
कहैं इत ऋायुधबुद्धिऋनल्प कहैंउत

बुद्धिकरैं हमकल्प ॥ इतैं प्रभुकुम्भउतैं
सुरईसइतैंउतसज्जितछो नियसीस
॥ ३४ ॥ बढे दल बद्दल यों रचिबादसुमं
नितसंबरमंडनसाद ॥ दिपे प्रबिसिंह
तबुंदियदेसञ्चरं रे बिथुरेउतभुम्मिञ्च
सेस ॥ ३५ ॥ बन्योइम कूरमसैन प्रयान
सुन्यों नृपबुंदियधर्मसयान ॥ उयोंरन
पैंजिम ब्याहउछाहस जेमनबंछितज
निमनाह ॥ ३६ ॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने दशमराशौ
उम्मेदसिंहचरित्रे पंचदशोमयूखः॥१५
॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
॥ प्रा० मि० ॥ दो० ॥ लैं बुंदियनृपप्रत्नभल
गिरवमगपताकनखुल्लि ॥ अबलाजु
तअनुजाअनुजकोदासनलियबुल्लि
॥ १ ॥ दीपकुमरिअरुदीपहरिलबबुल्लि

छकतोरि॥रानीरुल्लियसहरुचिरजय
रनजुबनजोर॥२॥कोटापतिनृपबित्त
लैदूनोंगरबदिखाय॥मनअरिउप्पर
मित्रबनिलियबुंदियछकलाय॥३॥
सोलखिनृपछकतघनसमुभिउदासीन
रहिअत्थ॥भुजदंडनलियअप्पभुव
सजिअसुत्यागसमत्थ॥४॥गजबका
रकोटंसगनिभयकारकअबभूप॥
सिरउठायमूढनसकतरदतोरेअद्दि
रूप॥५॥अंतहपुरसंजुतअनुजबु
ह्लेनृपद्दहिंबेर॥कोटापतिकछुड्डन
कह्योसंकितमनगिनिसेर॥६॥ति
नकुआयसिंख्योलरितनिजप्रभुआत
निसंक॥रुचिउपंतभूपतिरह्योआतप
नृपअंक॥७॥अहसोलहभुग्यो
अधिपरहिसूरनगतिराज॥सबलस

ज्यौदिनसत्रहमसत्तुनबिसमसमाज ॥८॥असितभद्दपंचमिदिवसचल्यौ अरिचतुरंग॥सत्तमिदिनभूपतिसुन्यौंजामिनिसुत्तैंजंग॥९॥रहसिनिवेदियनाज रनदासिनजुतहुलदाय॥जगिपहिलैंरानियजग्यौलग्गीआद्रिनलाय॥१०॥सिंहनिअक्खियसिंहसौंकितसौवहुअबकंत॥जिनहत्थिनकुंभनजलजतेंआवतघुमडंत॥११॥जिनहितलंघनलंघिकैंखह्योंऔरनमंस॥सहजैंतेंआवतसुनैंबारनमकनवंस॥१२॥लंबीहत्थललंकतनुउछटपरकवहुआज॥भूखनकड्ढहुभाँवैंतेरासिह्लमृगराज॥१३॥जिनकुंभननखनाहकेबनैंघटाजिमबीज॥हमकौतुकबहपिक्खि

हैं रवुल्लहु रंचुक रवीज ॥ १४ ॥ इतर मग
नभ्भ्र पग धपैं नयन उघारत नौहिं ॥ त्यौं
ही जोय हतक्कि होयौं ही तो न हथ्थौंहिं
॥ १५ ॥ भूरवनि कासहु भौं नतें गंजि गज
न बलगड्ढ ॥ कुंभसांन तिक्वीकरहु
दड्ढारे घसिदड्ढ ॥ १६ ॥ वृकतरक्खु
सिनक बहुलइ तसिवस्वान भ्भ्रधप्प
॥ सरभभरोसैं जियतस बभ्भ्र बदृगखु
ल्लहु भ्भ्रप्प ॥ १७ ॥ रमनीके सुनिबच
रुचिर भ्भ्रैंड गुमर भ्भ्रलसात ॥ सिंहक
ह्योजगि सिंहनी ह्वोवन देहु प्रभात ॥
॥ १८ ॥ होंत होंतय हबत्त हुवक्ककबा
कुन ध्वनि कान ॥ उद्योत जिगलबाँह
भ्भ्र बचंड सरभ चहु वान ॥ १९ ॥ इत
रानिय बज्ज तसुनैं गरुत गिद्धनि नगे
न ॥ बुल्लीभ्भ्र बदेर नबहि निचिततुम

रक्खहुचैन ॥२०॥ दैन हारगजकालि
कनगूदपलनअवगाह ॥ तिंहिंमम
कंतहिं नैंकतुमसज्जनदेहुसनाह ॥२१॥
बीरनकेबहुबिधिबपालाभजथारुचि
लेहु ॥ असिमुट्ठिरुहयपिट्ठिअवप
तिकौंपावनदेहु ॥२२॥ इमरानियइत
गिन्हुनिनअकव्यौ बिहितबिसास ॥
इतकेरअबैंन्वीमुछन्नृपपगिरसबीर
प्रकास ॥२३॥ ष०प० ॥ गहतमुछचहु
वानफांकदारिमभुवफट्टहिंभुवफट्ट
तअतिभारअतलबितलादिउलट्ट
हिंअतलआदिउलटंतपानकच्छप
अहिछोरहिं ॥ पानतजतपातालि
बारिउच्छलिजगबोरहिंजलतलउ
फानबुड्डुतजगतभग्गहिंलोकप्रपंच
भुवप्रकटहिंकटाहभग्गतप्रलयम

गहिमुच्छबुधसिंहसुव ॥२४॥ नि॰॥
कानभनकजबतैंपरीचढिकुम्मचला
यातबतैंसंभरतंडिकैंसिरभ्रमभल
गाया॥ लाहजरूरीलग्गिकैंसंध्याक्र
मलायासाबित्तीजपइकसहैंसरसभ
त्तिरचाया॥२५॥ नित्यनिवेस्योप्रात
कोथ्यनविप्रधपायासेनासौंरनसज्ज
कौंच्यादेसलगाया॥ सोरनकीबौंसंकु
लनहुंघोरचलायाफट्टेकग्गारदेसमैं
फिरिदूतफिराया॥२६॥ झंडेनाहिरग
ह्विकैंधुजदंडरुकायाफूलरुरायासा
नपैंघसिबाढविराया॥ सिल्लहरवा
नौंरवुल्लिकैंबरहेतबटायाटोपबक
लरघोपकेदसतानदिपाया॥२७॥
केतौंछादनकुंकुमीरनमोदरंगाया
केतौंघच्छरिचाहिकैंसिरमोरबनाया

॥ चंबत्तहक्केकल्लरेबरबंबब्बजायास
हनाद्दुनलग्गीललकसिंधूसुनवाया
॥ २८ ॥ हड्डोतीहाजरिभईकटिबंधक
सायाहूरोंसूरोंसत्थहीवरसाजबना
या ॥ यौंजावकलगेचरनयौंलंगर
लायायौंनेउरपगअंकुरेयौंमकुनआ
या ॥ २९ ॥ यौंअच्छोरुकउल्लसेयौंदंस
दिपायायौंआहूतबिमानकेयौंबाजि
मैंगाया ॥ यौंरागनपायासमुदयौंसिं
धुनछायायौंकोननलायाकरनयौंसु
द्धिसिलाया ॥ ३० ॥ यौंबीणागनअग्ग
हेयौंतेगतुलायायौंरसनाआरोपयौं
कटिबंधकसाया ॥ यौंकुंकुमकुचलग्गि
यौंदृढछत्तिनछायायौंकंचुकमंडेकु
चनयौंबख्खबनाया ॥ ३१ ॥ यौंबलया
वलिहत्थयौंदसतानदिपायायौंम

हलभुजबंधसौंसयसज्जसुहाया॥हा
रदवालीदोउधौंउरअंतरआया यौं
मुखबीरीओपयौंगंगोदअचाया॥३२॥
यौंमंडेनथनक्कयौंधकिकोपधमाया।
यौंदृगरेखाअंजनीरजगुनयौंछाया
॥पिंजूसनताटंकयौंयौंकुंडलपाया
सोभासिरसीमंतयौंयौंटोपलगाया॥
३३॥यौंवरीनप्रसूनयौंतुररेनरुका
यायौंलसोमनमोहयौंमनमोहबिहा
या॥नेउरपक्खरनादत्यौंबिबिओर
बढ़ाया॥तिक्ख कड़च्छासज्जयौंसि
तभल्लसजाया॥३४॥यौंखोडसअंगा
रयौंउपचारबिधाया यौंमनछायामे
नयौंरनपैंउफनाया॥यौंछकपायाउर
बसीयौंनृपउमगाय।यौंरंभाहुलसीइ
तैंबलपित्थलपाया॥३५॥यौंमनफु

श्रीमेनकायौंअमरउम्हायायौंसुघ्र
ताचीयौंप्रयागसुरागरचाया॥एत्थसु
केसीसज्जयौंमरजादमुदायायौंबर
घोसानच्चियौंखगतोकतुकाया॥३६॥
यौंहरखादतअच्छरिनबलभूपबना
यागजबैंडेकूमपालगनबिरुदारमि
लाया॥अंगगरदीमंजिकैंरनरंगल
गायाथप्पेकुंभसुबोलदैकुरुबिंदच
ढाया॥३७॥मंडिकलमजंगालकीह
रितालमिलायाजंगहवद्दैडारिकैंगु
डसाजसजाया॥बंधिबरतौंसिरसि
रीधरिधूपधुमायामोदकगंजमिला
यकैंजलदेगनपाया॥३८॥कूमचाक
रमाकरउक्कटउडिआसनआया॥बा
रीबाहिरलैनकौंआलानछुराया॥क
रिअग्गैंकरिणीनकौंरचिडाकडगाया

ककेगलहल्लरेफल्लरिफहनाया॥छो
रिदुबगौं मोरिकैंकरडोरिफिलायान
फवीपायननेउरीमगसोरमचाया॥
४३॥बाजीएनृपबंटिकैंसबबीरस
जायाभ्यप्यचढेहयहंजपैंकरकंजतु
काया॥नाथाउतपित्थलभ्थरथमग
ढानमिलायाभ्प्रमरसिंहरद्वोरकौंन
दराजचढाया॥ ४४ ॥सूरजमालीसिं
हकौंदिलयारदिवासामहल्लनकाज
भयागकौंखगराजखुलाया॥तोकम
हासिंहोतकौंरूपटैतफिलायामुहुक
महरमरजादकौंजयनाददिखाया।
॥ ४५ ॥इत्यादिकहयबंटिकैंनृपबी
रबढायासोदरजुतसुडांलकौंकोटा
पहुंचायाढुंढारेदलढाहिबेबलभ्प्प
बनायाबेबेतुग्गसबंधिकैंकमनैतक

साया ॥ ४६ ॥ बेबेखग्गाब्लग्गकसिक
रधूपधुनाया बेबेचापबजायकैंसिर
अब्भलगाया ॥ केकतुपक्कौंधारिकैं
अणुमारिउडाया सेलबरच्छीसज्जि
केअच्छीगतिआया ॥ ४७ ॥ अच्छेबा
जिउडायकैं मनआजिमिलाया बैंडा
रागअलापियाऐंडाछकछाया ॥ बं
कीजनरसबीरमैं भटछाकछकाया
ज्यौंगिरिनारीगानपैं सिरनागउठा
या ॥ ४८ ॥ कैजुबनबयब्याहपैं नाय
कहरखाया जानिमितंपचरंककौं न
वहीनिधिपाया ॥ अक्कउदैगिरिआ
तकै बारिजबिकसाया पिक्खिमतंग
जथ्थूलकै सद्दूलचलाया ॥ ४९ ॥ उत्त
रकैम वमानतैं घनजानिघुराया जा
निदिवाकरजेठमैं बहुओजबढाया

॥इक्ख तजिम हिमकर उदैअंबुधिउ
फनाया सोलहबेरकिसुक्रमैं तप गी
यतपाया ॥५०॥ पावकमारुतपायकै
हे तिन कुलसाया कामंदकमगलम्यि
केबलभूपबढाया॥ज्यौंकरिणीकेजाल
पैंसुंडालसुहाया ॥ अंधकअप्रगैंआनि
केसिवजानिसजाया॥५१॥ गोवद्धन
करलैनकौं जिमकह्ककसाया जानिज
टासुरजंगपैंभुजभीमबजाया॥ केग
जकेतनकदनकौंकपिकेतुकुपाया ज्यौं
लंघनजलरासिकौं हणुमाकुलसाया
॥५२॥ केरावनबधकाजपैं रघुराज
रिसाया केबाहरप्रह्लादकीनरनाह
रआया॥ जिमपकाइकबिंदुतैंदस
गुनदरसाया बढ्यिऐसैंरसबीरमैंच
ढिभूपचलाया॥५३॥ इतिश्रीवंशभा

स्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायने दश
मराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे षोडशो म
यूखः ॥१६॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥

प्रा० मि० ॥ दो० ॥ कुम्मकटक जब होसु
ल्यौं हठि हंकत हमगीर ॥ अरत ब
ह्री पित्थल अमरभट्ट आयेन्नृपभी
र ॥ १ ॥ ष० प० ॥ जब कूरम जयसिंह
हई बुंदिय दलेल कैं हंत बह्नि नग
र निस्सान छोरि पित्थल रानौं पैं हंउ
दयनै अप्रतिधर्म गय्यौ निज बल ना
याउत ॥ सुपक्कुरान संग्राम जाहिर
कव्यौ सनेह जुत उमराव स्वीय पंद्र
ह अग्रधर पाल सोलि उप्पर प्रथित
वैठारिउ उच्चआदर बिरचि हरख्यौन्
प चालुक्य हित ॥ २ ॥ इक्क समय चा

लुक्यनिडर पित्थलनाथाउतर हतस
भाविचरानजप्यो बुद्धहिंश्रधर्मजुत
खभमुनिंदासुनतभीमउठ्यो पित्थल
मटपदासंहंसपंचासछोरिहंक्यो बं
छितबट ॥ हुतरानपहुंचिनतिजुत
कहियमाफकरहुअपराधममम
न्नीनतदपि पित्थलसुमतिअकवी
तुमअकुसलअधम ॥ ३ ॥ दुजनस
लकोटेससुनतयहसचिवपठायो
लिखिकंग्गारअतिललितबहुतस
तकारबढायो लिखीनगरनिम्मान
नाहइतहीतुमरोघर ॥ आवहुमि
लहिंसुअत्र बंदिखैंहै वीरनबरपि
त्थलसुबंचिउत्तरलिख्यो क्यौंतुमह
ठमंडतघनैंममजनकहन्यौंआदो
निरनबलिबंदियबैरियबनैं ॥ ४ ॥

अग्गानगरआटोनिभीमसालमजब
जुट्टियचालुकदेबीसिंहतबहिअसि
धारनतुट्टियकोटापतिपुनिकितववे
रबुंदियपरलायउ॥दुवकारनदल
बीचमंडिपित्थलपठुंचायउसुनिदु
जनसल्लउत्तरलिखियजानठुनहिं
ममदोसखिजियममजनकहन्यौंतुमरो
जनकबुंदियसनपुनिबेरकिय॥५॥
दो०॥नहिंरुचितोआवठुनहिनपरि
खहबिचममपास॥रहियेघरलहिये
रुचिरपटासहंसपंचास॥६॥इत्या
दिकउत्तरलिखिरुदुजनसल्लहित
दिट्ठि॥सचिवभेजिनिजसामकरिबु
लोपित्थलनिट्ठि॥७॥अमरसिंहर
होरइतरुइलरामकुलीन॥कछवा
हनबरवाडलियनिकस्योतबछिति

क्षीन॥८॥निजसुतपंचकजुतनिडु
रस्त्रीजनअनुगसमेत॥सहिवि
पत्तिकोटासहरआयोनीतिउपेत॥
९॥पटासहंसपैंतीसमितकरिहि
तदियकोटेस॥डूमरकेवपित्थलअ
मरदुवछलतिमिरदिनेस॥१०॥ते
भटदुवबुंदीसपरकूरमदलसुनिआ
त॥तजिकोटापतिकेपटाआयेरन
उमडात॥११॥जोधपुरपगजसिंहसु
वकुमरअमररट्ठौर॥मरनआगरामं
डयोतोरिसाहकोतोर॥१२॥अमर
भीरआयेतबहिबल्लूरुभाऊबीर॥
पातसाहकेतजिपटाहठिजुज्झनहमगीर॥१३॥तिमहिरानअमरेससु
तकरनअनुजभटभीम॥रक्खिरुकु
मसरनैंरच्योसंगरकासीसीम॥१४॥

सगताउतमानसुसुनतछिप्रउदेपु
रछोरि॥पहुंच्यो कासीभीमपें हेंमरथ्थे
साहृदलमोरि॥१५॥इमहिबीरपि
त्थलअमरकोटासनकरिकुच्च॥स
मरबेरबुंदीससौंआनिमिलेछकउ
च्च॥१६॥अमरसिंहरट्ठोरकीपतनी
कैंगादपूर॥दुक्खदुतोबहुदिननतें
संभ्योतदपिनसूर॥१७॥उतरतच
म्मुलिआपगा प्रियाभई गतप्रान॥
सोहुअमररट्ठोरसुनिनमुख्योजंग
निदान॥१८॥अभयसिंहजेठेतन
यपञ्जोगेहपठायेंअप्पच्यारिसुत
जुतअडरअमरसुबुंदियआय॥१९
॥सुहुक्कमहरत्यौंहीमरदमेटनअ
घमरजाद॥सूरतुपकसजिपंचस
तआयोनहतनाद॥१९॥सबमटहि

यलायेमुपहुवहुआ हरिबुंदीस ॥स
हितभीतिबंदीसिलहसज्योजैपुरसी
स॥२०॥नाथाउतपित्यलनिडरस
ज्योनबहुसचार॥अकवीहुच्छहुजै
जियनलेहुवहैयहलाह॥२१॥सत
बारहहूमितेनसजिसादीपरगसमे
त॥उडहनिकिततअमरपुरखजि
चिंत्योरनखेल॥२२॥तजिबुंदियउत्त
रतरफहंक्योन्रपहुसियार॥पहुमी
छाईपक्खरनसेलनगगनमझार॥
२३॥कोसतीनउप्परकटककमिलुभ
यरनमोद॥उत्तरदक्खिनकेअरेप्र
उमजानिपयोद॥२४॥इतिश्रीवंश
भास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने
दशमराशौउमेदसिंहचरित्रेसप्तद
शोमयूखः॥१७॥ ॥ ॥ ॥

श्रा०मि०॥मु०दा०॥उयोरसबीरछयोनृ
पञ्चंगचल्योञ्चबसम्मुहलैचतुरंग॥
चल्योभटपित्थलसंकितसेसचल्यो
सुतच्यारिनतैंञ्चमरेस॥१॥चल्योम
रजादनमाबतनागचलेभटसोदरनो
कप्रयाग॥भवानियसिंहचल्योभटभू
परखुमानचल्योरनरावनरूप॥२॥च
ल्योहररहाउतदेबिमृगेसचल्योसग
ताउतत्योंञ्चचलेस॥चलेभटभारत
ञ्चर्जुनचंडउदैहरिचालुकञ्चोजञ्च
खंड॥३॥चल्योनरनाहरनाहरबी
रचल्योनवलेसहठीहमगीर॥चल्यो
भटकर्णमहारनचाहिञ्चजीतचल्यो
कछवाहउमाहि॥४॥चलेइन्दञ्चा
दिबडेबरबीरधपावनसत्रुनखग्ग
नधीर॥चल्योइमबुंदियभूपतिच

कविंतंडनपिट्ठिरवुलीबहरक्क॥५॥
अडंबरमोरजअंबरओघमच्यो
ढिध्वांतबन्यौंरविमोघ॥भयोनिस
चारनआनंदभुल्लिडरेडिगिचक्कि
यचक्कहुडुल्लि॥६॥चलेदृतवारह
सेरनरीसमिलेउतगज्जिहजारपची
स॥तच्योभवमोहमच्योकरतेगउवे
भटराजियवाजियवेग॥७॥धमंध
मिभुम्मिधुजीहयधारघमंघमिघु
ग्घरपक्खरभार॥डमंडमिडाहलडिं
डिमडक्करमंठमिसिंधुरघंटठम
क्क॥८॥नरायनपिक्खियबुंदियना
हकह्योजुरियाहिगहोकढवाह॥हू
तीकहतैंदुहुंघाँउमरावमिलेतमि
लेपयसक्करभाव॥८॥बज्योअसि
दृडुनअड्डनवादगज्योभयभीरुन

तरहोतकटारनभिन्न खिंचैंपरिपंज
रखंजरखिन्न ॥ कढैंखर तोमरदंस
नदारि फबैंपृथुरोमकिजालियफारि
॥ १४ ॥ चलैंचमकैंअसिओजअपा
रछपाकरबानकलाछबिदार ॥ लहु
कहिंलुत्थिनपैंनगिलुत्थिउछ्छहिं
कहिंबुत्थिनबुत्थि ॥ १५ ॥ उलहि
हिंघारनतैंभटआयरवैंमैंग्रहजालि
कवृतरखाय ॥ छुलकहिंछिछिहब
कहिंघायछुटंजलजंत्रकिजावकका
य ॥ १६ ॥ चलैंटकिजानुनकेपग्रभि
न्नस्तनंधयकेलिकिअंगनकिन्न ॥
कितभुवलुट्टतजातअचेतखिचैंज
तुकोटिसइैलनखेत ॥ १७ ॥ परेक
तिऊरधहत्थपसारिकिधौंहरिमं
दिरवंदनकारि ॥ बबक्कतकेगिरि

कर बेसमनौं नमिगा तरि गात मद्देस
॥१८॥ श्रट कतपायरकावनइद्दल
ट कतजानि श्रधोमुखसिद्ध ॥ कटे
सिर श्रब्भ फिरैं भ्रमकारि कुलालकिच
कहिँ भंड उतारि ॥ १९ ॥ थरत्थरकात
रकंपकुठार बिनौं तिय ज्यौं नर पोसतु
पार ॥ उडैं फटि पेट फद कत श्रंतक
रंड नतैं कि भुजंग कढंत ॥ २० ॥ बनैं
नट केभट केरन बादसु ज्यौं श्रट केज
गदीस प्रसाद ॥ रचैं दुव हत्यन के श्र
सिधार किधौं करखत्तिय कढ्ढ कुठार
॥ २१ ॥ सरैं क्षतजात छिदे उरसैं कि
नसातर जो गुन कील हरैं कि ॥ गुटी
दृग श्रोर कढैं दृग लेरु किधौं श्रलि
कामल कोरकलेरु ॥ २२ ॥ धसैं कढि के
दृग सो नित धार वनैं पथ श्रुरो मनवारि

बिहार॥ सिचानकव्यंतहिंलैनभग्गा
तव्यचानकगोतगुढीसमखात॥२४॥
दिसाबिदिसाननिसाननननइभनैंज
नुघोरबलाहकभद्द॥ तुटील गिलोप
बजैंतरवारिमनौंहरिमंदिरझल्लरि
झारि॥२४॥भईहलमल्लचलच्चलभु
म्मिघस्योवलनागनिसासनघुम्मि॥
इचैंधनुसिंजिनिबेगबिसालकिधौंर
नथंभतजंभतकाल॥२५॥मचैंघन
लोहितफुट्टतमत्थहसैंलखिजुग्गि
निखप्परहत्थ॥ समप्पतहेरिसंकेग
नसीसव्यपूरनहारबनावतईस॥
॥२६॥थेइत्थेइघुम्मतडाकिनिमल्ल
तमासनप्रेतमलंगततल्ल॥ कितेरस
पानपिसाचकरंतरमैंकतिलोहितलुं
दमरंत॥२७॥करैंकतिव्यामिखतैं

अनुरागबनावतके मुखमेदबिभाग
॥करैं मृदु कीकसजिम्मनके कअहा
रतको शिकयासअनेक॥२८॥खरैक
तिघम्मरस्रुक्कहिं खातुभयेरनहुल्ले
भसत्तहिं धातु॥रचैं सिवहासनचैंभ
यकारजबैं जियबुंदियको जयकार॥
२९॥चहुच्चहतं तिन सिंधुवसद्दमच्यो
रनअंग नयौं अवमद्द॥गहक्कहिं
चक्कवहिं गिद्धनिगोदबपालहिमंड
तकंकबिनोद॥३०॥निकासतचि
ल्हनिचंचुननैंनग हैं हियसेनगह
क्कतगैन॥किलोलहिं स्यारसिवा
किलकारिचखैं पलमंडलमंडल
चारि॥३१॥उठीरनअंगनखग्गान
अगिलसीअटवीनवज्योंदवल
ग्गि॥जरैंगजढालनतालनजूहज

रैंगजसुंडितमालनजूह ॥ ३१ ॥ कटे
पयकुंभिनतिंदुवृतत्तजरैंगजउन्न
तपब्बयजत्त ॥ बरैंहयबालधितेज
नतंबलगैंलटियालकिदर्भकदंब
॥ ३३ ॥ सिखाबलिसूरनकीतृनगुच्छ
मलीमसकासमुडड्ढियमुच्छ ॥ जरैं
छगणावलिखेटकजालबरैंअसि
कोसपृथग्विधन्याल ॥ ३४ ॥ दहैंद्रुमद्रु
च्छदछल्लिदुकूलकिरैंचिनगीसुहि
पानकुकूल ॥ जरैंतंहँतोमरतेलचि
सारतचैंगवलावलिरूपतुखार ॥ ३५ ॥
प्रजारियभूपतियागलिअग्गिकिली
रनरंगमिलीउगमग्गि ॥ अपूरवफे
लियज्वालअलातबचैंतृनकेंजलके
जरिजात ॥ ३६ ॥ अनूरुहिंआतुरअ
किवयअकचढेरनबुंदियजेपुरचक्क

॥तुरंगमरुक्कहु खंचिखलीन कुतूह
लपिक्खहु बीरबलीन॥३७॥दिसानि
दिसानकसानु दिखाहिं मचोदवग्री
खमभद्दव माँहिं॥निहारहु होतअ
नीकन नासतपैं भुरतक्कहु चक्कत
सास॥३८॥प्रतिलोमानुलोमाईम
॥लुदै नररीसरबीसमलाल तुलेह
थजैम हलेसुकराल॥लराकसुले ह
मजैय हलेतुललामसबीरसरीरन
हेतु॥३९॥अस्मात्सजातीयेष्वेवप्र
सिद्धं गीतनामकंमरुदेशीयंछंदोला
क्षानिकूटवद्धः॥उम्मेदभूपतिअंग
मैंरसबीरसकुलिरंगमैंबरबीरबार
हरंसभबीरनचक्कलैचहुवान।जयनैर
सम्मुहजोरसौंमिलिखग्गझारियभो
रसौंबरगुमरअसिबरसमरलगिझ

रकुनरछुरतरकुनरहतकरजबरख
रसरगजरजयधरअडरभरभिलि
कचरघनकर॥अमरपुरसन्निहक्कर
दरबरउक्करपरमिलि।मुखरपल्लखर
खचरचयअररवपररवरभरपहरद्द
कबजिटकरधरपरधौंरद्दमघमसा।
न।करबासतोकप्रयागहूँअमरसर
क्विनभागहैमरजादपित्थलेअग्ग
मंडियबीचअप्पनबाजिबिरुदालि
बंदिनबित्थरेअतिबेगसम्मुहउपप
रबजिकटकदमनकरचकधंमचक
अटकदकतकमुलकअकबकअ
छकछकमटललकअतिधकतुपक
चलिहकसलकद्दकटकगरकरंगक
कफरकबहरकचमकखुरसुचिलम
कचकुमककिलकडकलगिअजक

चउच्चकपुलकसककरघमकपरखर
कच्चरकरजढकच्चाजि॥च्चतिमोद
जुग्गिनिउल्लसैंहरदेबिनारदत्यौंह
सैंडरदेतलेतडकारडाकिनिप्रेतहे
तप्रसार।कमनैततोरनतानिकैंप
रवरैंतबेधतपानिकैंबुधतनयहित
जयप्रणायनवबयरूपयरनसुमच्च
भयच्चतिसयबिषयचयमुवबलय
बिसमयमलयमयभयसमयनिर
दयउदयरबिनयनिलयच्चतिरय
च्चजयरवयकरच्चरवयजयच्चयउ
भयसयपयहृदयच्चपचयकटयभ
टस्मयनिचयदयगयमारहीनसुमा
र॥तुरगीरचैंकतितेहरीकिमुच्चद्रि
लंघितकेहरीफटिमत्थभेजनज्जुत्थ
फैलतनूतनकिनवनीत।छिकिटो

पबाकुलउछ्वटैंकटिकालिकंकटकी
कटैंभटगरटमिलिघटपुरटछटप
टकुघट घटपरिअवटकटिकटक
पटतटअतिरूपटरनअटउबटब
टरटबिकटरहचटपलटनटगति
उलटफटघटउछटखगरूटनिपट
अघदटदपटदियभिलिनिकटम
तिभंटरपटमचिरनभकटरजबट
जुरतचाहतजीत ॥ ५० ॥ अंत्यानुप्रा
सिनीरोला ॥ बुंदीजेपुरउलटि बीर
आयेतिअरवारैंगायकसिंधूतारया
मअलापउचारैं ॥ भुम्मिमचकैंकट
कभारफननागपसारैंऐरावततैंसु
प्रतीकलगचीहचिकारैं ॥ ५१ ॥ दह
किदहकिदोलेयराजकिरिराजपुका
रैंलवणोदकसौंसुदनीरलगबढन

बिचारैं ॥ बलसूदनसौं बामदेव लग
न्न्यजकउसारैं बड बामुखसौं ब्रह्मलो
कलगंसोकसम्हारैं ॥ ४२ ॥ इम हइंकू
रमन्न्यभंगबलजंग दिथारैं बज्जैंन्न्या
युधनिशित बाढन्न्यपरि बाढउतारैं ॥
फूटैं सिर तरबूज फाँक कढि लौं कुट्ट
हैं हत्थिनमत्थैं चंद्रहास दुव हत्थनफा
रैं ॥ ४३ ॥ सुंडादंड न खंड खंडिन्न्यहि
रूपउतारैं केउद्दंत संग्रहि कलापह
ठिहं तनिकारैं ॥ सेकिममालाकारसो
भन्न्यतिजोरउपारैं न्न्याधोरन घुम्मैंन्न्य
चेतकपिज्यौं द्रुमकारैं ॥ ४४ ॥ कुंभन
तैं गजभद्रकेकमुत्ताहलढारैं मानों
मेचकबारिबाहडिगिसीकरडारैं ॥ च
उसट्ठीमारैं मलंगबावन बबकारैं हा
कहकारैं केकजानिगजमारगलारैं

॥४५॥फुट्टैंबकतरसिंगिफेटबघ्घुले
धिबिहारैंटकरनतैंनागोदटोपबल
खगनबिदारैं॥रुक्केपायरकाबजोर
सादीसिसकारैंसच्चेकच्चेलखनसू
रअसिपरखउघारैं॥४६॥करतुट्टै
जैसैंपृदाकुफनपंचउफारैंअंत्राव
लिउरमैंकटारजनुबडिसबिसारैं
छुरिकाछलिनछेदिछेदिमस्करछ
बिमारैं॥४७॥बुंदीजैपुरलाजबाद
परिउभयप्रहारैंअमरपुरेकीसीम
अंतनरकुपापनिहारैं॥लोहितलं
बीछछकछूटिप्रेतनजकपारैंसाय
कभयदायकदुसारघायकघटसा
रैं॥४८॥सरिताभोवहसंपरायजल
सोनितधारैंबुंदीजैपुरलटबिलंद
घटबिकटकिनारैं॥फुल्लिकसेसयह

दय फौं कछ बिन्ध्र तुलन्ध्र पारैं उतप
लगन लोचनन्ध्र नूप छुवबिकचह
जारैं॥ ४९॥ दुंदिंदिरउप्परन्ध्रनेकगु
टिकागुंजारैं गजन दंतकदि गिरेसु
कर हाट कितारैं॥ तंबेरमकुंभीरतु
ल्य बलवान बिहारैं बाजीगनन्ध्रवह
रबेस मिलितासमग्गारैं॥५०॥ सुंडि
पतित न्ध्रंकुससमेत बनि बडिसबि
सारैं जिरह गिरीन्ध्रानायजानिपल
कर्दम पारैं॥ कटिकटिउड्डुतकाल
खंजसुहिकमठ सिधारैं बुक्काचय
दद्दुर बिडंबिबद्दुफदक बिथारैं॥
५१॥ न्ध्रंत्रावलिन्ध्रलगर्द रूपसंच
यसंचारैं जलनीलीनि भसिचय
जाल इतति रतन्ध्र पारैं॥ जत्थज
लौकाजूह की सुधमनीछबिधारैं

गंडकसंचयअंगुलीनबनिचपललि
हारें ॥ ५२ ॥ हत्थनिहाकानिकरहाथ
करिचलतकितोरेंकंटलिलकबिच
रेंकुलीनस्रुतिसीपसुढारें ॥ संखलनख
रुसंबूकसंखकीकसअनुकारें अ
स्थिचूरसिकताअनूपनरसरनिहा
रें ॥ ५३ ॥ आवरणकआबर्त्तरूपअ
टिचकउधारेंधूमलहरिउट्ठेंअपने
कअलिबातइसारें ॥ कुंभकरीकोक
कबाकधुवपीतनधारेंछेदीगिरत
हयच्छटासुसारससंचारें ॥ ५४ ॥ चा
मरबनिचकांगरूपबकदोपलिहारें
घनकारंडवगजनघंटगिरिगिरि
गुंजारें ॥ उच्छलसुआटीकपालम
ग्गकिलकारेंगजअंगुलिकटिक
टिगिरीसुसिखरीनसुहारें ॥ ५५ ॥

कातरबीरणतंबकेककढिलगिकि
नारैंश्रृंगाटककरसूकसंघबिचदेत
बहारैं॥ऊरुपतितसिसुमारन्याभ
गलउद्रन्यपारैंघुंटकघनसालूकसो
भधरपातितधारैं॥५६॥निडरपरा
क्रमपृथुलनावनयमंगनिहारैलंबे
केतनबरदवानपवमानप्रसारैं॥
धारेदुल्लभप्रानरूपन्यातरकरिडा
रैंबीरनियामकरसबिसेससुहिपा
रउतारैं॥५७॥उट्ठैंघायललपनरु
ग्गबुदबुदन्यनुकारैंमज्जामेदन्यने
कन्योघडिंडीरदिकारैं॥ऐसीदुस्त
रन्यापगासुकुवस्रोतहजारैंबुंदीजे
पुरउभयवीरतिंहिंतिरनबिचारैं
॥५८॥दो०॥ऐसीदुस्तरन्यापगाब
हेतिरनबरबीर॥इतउतकेन्याह

वप्रद्दरधाराधरकरधीर ॥ ५९ ॥ छ० प०
॥ इतपित्थलचालुक्यअसहकूरम
मतापउतइतकबंधअमरेसउतसु
जहवदलेलद्दुतइतमयागचह्वा
नसुरतउतकुम्भसुमंतह ॥ इतमर
जादअसंकउतसुकूरमजसवंतह्रू
ततोरुविजयकछवाहउतइतउन
कुम्भअजीतदुवइतदेवहड्डुहम्मी
रउतहरखिकुम्भहमगीरहुव ॥ ६० ॥
दो० ॥ हड्डुभवानीसिंहइतउतमाध
वकछवाहदूतसगताउतअचलउ
तसंकरकुम्भसिपाह ॥ ६१ ॥ च्यारि
मररहोरसुतअव तिनकेअभिधा
न ॥ इतभैरवअंगदअचलउतकछ
वाहअमान ॥ ६२ ॥ इतकबंधनवले
सउतभटकूरमभूपाल ॥ इतसनुमा

लकबंधउतअर्ज्जुनकुम्मअचाल॥
॥६३॥अडरसिवाईसिंहदूतरनपं
डितश्रीधर॥अभयसिंहकछवाहउ
तमिलिउभयभटमोर॥६४॥इतसु
भहलंदीसकोअदुवनिपुनजगराम॥
उदयसिंहपरमारउतकुपितभि
र्योजयकाम॥६५॥उभयउभयइत्या
दिसुरिअनीअमरउमराव॥किन्नों
रनरविमलकविवरनैंविरुदबढा
व॥६६॥५०॥चालुकबरपित्थलज
भ्भ्योहनाथाउतपुरनिम्मानजाह॥
पैंसविपखलिमादीपचीसमजिक
लियकुम्मपरतापसीस॥६७॥उत
तैंभतापहयसतउपेतरविजिम्मा
योसमुहवीरखेत॥पित्थलउरमा
रियभालपंचरनवीरयहहुसंक्यो

नरंच ॥ ६८ ॥ मारकसिरझारियमंडल
ग्गकटिटोपकछुकसिरखगियखग्ग
॥ तससुभटइहांइकवारकिन्नकर
सब्बसांगदसुकरियभिन्न ॥ ६९ ॥ दै
ज्ञातचलियपित्थलकपानसिरभि
न्नहोयअरिभुवसयान ॥ पुनिहनि
प्रतापकैसुभटसत्तआयोउडायह
यदूतउमत्त ॥ ७० ॥ हयखंधतेगझा
रियप्रतापहयगिरतभयोंपयचार
आप ॥ हयहीनतिमहिकरसब्बही
नपुनिहनियकुम्भभटजवप्रबीन
॥ ७१ ॥ इहिंबिचप्रतापझारियकृपा
नपित्थलकभयोंसुतिलतिलप्रमान
॥ सन्नाहलयोंनहिप्रथमसूरपानि
पदिखायतैसोहिपूर ॥ ७२ ॥ सन्नह
अरितेरहसुभटसत्थसजिइककी

कपद्दुंच्योसमत्थ॥रट्ठौरग्रमरजद्द
वद्दलेलखिजिंइतमंड्योवीरखेल॥
७३॥तेतीसपदगद्दतक्कतितुरंगउ
तसतरुसट्ठिग्रनुक्कमग्रभंग॥ल
खिकहियपरस्परवाहवाहबाहड्ड
तुमबाहड्डनवसिपाह॥७४॥भिरि
ग्रथमरच्चिग्रसेलनभचक्करभिदाव
धावल्लावनरच्चक्क॥इमफिरतबा
जिदोउग्रउडानिदुवभंडदंडभृत्तच
क्कजानि॥७५॥ननुकेदिनेसग्ररुजा
मिनीसगरदायफिरतहाटकगिरी
स॥ग्रावर्त्तउदधिजिमदुवजिहाज
बलिकिमुकपोतपरउभयबाज॥७६॥
द्दुलपत्रवातचक्कफिघिरंतकन्याकि
उभयकुंदियफिरंत॥द्दुवलदुवजा
लिनदसिरदिखायइमफिरियुवीर

वाजिनउडाय॥ ७७ ॥ अमरे समुकि
तोमरअभंगजद्दवहयबेध्योनिडर
जंग॥हयगिरतअपरआरुहिदले
लमारयोकबंधउरसुभरसेल॥७८॥
सहिसेलअमर हनिसत्रुसत्तमारयो
दलेलअसिबरउमत्त॥जद्दवहिंमा
रिअगौंजगामभिंडोभटेससीसोद
स्या॥७९॥ दोउनरूपानकारियदुह
त्यमृडमालमझ्यगयउभयमत्थ॥
अरिनवपचीसनिजभटउपेतरद्दो
रगयोनिर्ज्जरनिकेत॥८०॥दूतभट
भयागढूकहिअभंगसुरतेसउतसु
हयसहिसंग॥मिलिउभयजंगमंडि
यअमानबदिवाहवाहसिवकियब
खान॥८१॥पदुभयमतुपकारिय
भयागअरिदोयहनियजिमआखुना

ग॥डक्करायबाजिपुनितुपकडारिक्क
ठिहिंतुकालनागिनिनिकारि॥८२॥
सुरतेसनिकटपहुँच्योप्रयागफिरि
मंडलखेल्योहेतिफाग॥जेजेभटपि
ल्लेसुरतजत्थतेतेप्रयागसबहनिय
तत्थ॥८३॥इमफिरतहडुहैवरउ
तालजिमअनिलअग्गितनविपि
नजाल॥तियमृगियसुरतजिमनर
तुरंगइमसुरतहडुदव्योअभंग॥
८४॥अाघातखग्गदेदेअनूपाकेय
बहुतकुम्भआलसकूप॥खटसुभ
टसुरतपिछ्लेखिसायपच्चेप्रयागप
ररनरिसाय॥८५॥अभिमन्युलक्खे
खटरथिनआजिविफुरयोप्रयागइ
मइपटिबाजि॥दुवमारिच्यारिघाय
लगिरायखटअसिमहारतिनके

हुरवाय ॥८६॥ सुरतेसमीस इंकिय सजोरमान हुलरिविजिह्मगमत्तमोर ॥ इकजवनआनि इहिं बिच्चमाहि वेध्योप्रयागसितसंगिबाहि ॥ ८७॥ इहिं संगिसहित घोटकउडायकह्यो सुमिच्छपुनिपिहुलकाय ॥ यं हंसुरतसिं ह कियखग्गधारमाऱ्यो मया.॥ मृडजानिमार ॥ ८८॥ हुंडतजिहिं हारेकंकढेंकनहिमिलियलुत्थिपलचरननेंक ॥ अवसिद्धरहियनहिलैनअग्गिलुत्थिसुप्रयागगयअसिनलग्गि ॥ ८९॥ हनिपंचच्यारि घायलबिधायपत्तोप्रयागनिज्जरनिकाय ॥ मरजादसुमुहुकमअअन्व वायसतपंचपदगसादीसजाय ॥ ९०॥ इतचलियपिकिवजसवंतओ

रघुरधररुलायपतिकुमरधीर॥व
हहूसजिखदसयच्यश्ववारहमगी
रपद्दिकत्यौंहीहजार॥९१॥मरजा
दसीसधारतमरोरच्याआयोराजाउत
रचतरोर॥मरजादमत्थतकितीर
तीनदपदायत्राजिकढुवाहदीन॥
९२॥मरजादसुभटइकनाममान
कूरमहयमारयोदेकपान॥जसवंत
चूकरहयचढिजरूरसमसेरहन्यौं
वहमानसूर॥९३॥कूरमनिजजद्द
नसुभटदोयहड्डुसिरहूलेकुपितहो
य॥दैचक्कदुढुंनमरजादबिंटिभाल
नप्रहारकियभिंटिभिंटि॥९४॥दु
नहड्डुदुढुनतोमरबिदारिजदवन
लयोमरजादजारि॥रद्दोरबकुरिपि
कुरिसायरखगझारिहड्डुलियसोडु

खाय॥९५॥पठयंइमकूरमदसहि
पाहलिन्नेतिमारिलगिविजयला
ह॥हड्डासुमेरुपठयोबहोरिदिन्नौं
कपानतिहिंखंधदोरि॥९६॥उपवी
तउतरिमरजादअंसबैगेतनुंत्रभि
हिपष्ठिवंस॥हड्डिधायभयोसंभर
अचेतरिबनधरियमोहदरिपरिय
खेत॥९७॥तजिमोहबढुरिवितु
हीतुरंगजसवंतहितुकियउदिजं
ग॥पुनिमारिअहकूरमभवीरनुतो
सतल्पसंगररसधीर॥९८॥इमखाय
सत्रुगकौनकीसबलिकरिअवतयो
यलबतीस॥बिंटियतबअच्छरि
डारिबाँहिमरजादपत्तइमनाकमा
हि॥९९॥चौरासीनिजभटरहिय
खेतसततदोयभयेघायलसुचेत॥

हूतताेकसिंहमिलिछाेहअंगउत
बिजयसिंहकूरमअभंग॥१००॥दु
वदपटिबीतिरीतिनदिखायदुव
करतवारअसिघायदाय॥रनचत्व
रहुवजयरखंभरूपदुवस्वामिधर्मध
रमटलाभूप॥१०१॥दुवद्विरदइक्कोधे
लुकद्दिखातदुवसिंहजानिइकब
लख्यात॥यहँहेंतोकचंडअसिबरच
लायजातिवज्रबिजयदिन्नौंगिराय॥
१०२॥इतअजितअजितकछवाह
लोयहथियारमारमिलिमत्तहाय॥
गोलिनलगिदोउनहयगिरंतक्षेप
दिकजुरेबलवंतहंत॥१०३॥आता
यिउभयजिमजुरतजुद्धकेधौंचरना
युधउरकिजुद्ध॥जिमचोटिनखर
खरकोनजंगदक्षाय्यकंकजनुअतु

लदंग॥ १०४॥भिरिइमभवीरवनिछि
न्नभिन्नकरिकित्तिदुक्कुनदिव बासकि
न्न॥इतदेवसिंहहड्डाउदारहरदाउ
तसत्रुनगिलनहार॥१०५॥हम्मीर
कुम्मसिरबिरचिहाकजमकतलक
रतअयोकजाक॥मिलिउभयभाइ
पट्टसुदिरमानअासारहेतिबरख
तअमान॥१०६॥हम्मीरइहांकरि
असिभहारवहदेबनरारव्योअम्ब
वारंतवपदिकहोयरचिनटमलंग
सारसनकूटकिअैंच्योसुसंग॥१०७॥
पयचारउभयइमबनिभवीरहर
पुब्बजुरिगदेवरुहमीर॥हलकारि
खग्गझारतदुहत्यललकारिहोत
पुनिलुत्थिबत्य॥१०८॥तुट्टियलगि
दोउनअसितनंकिकहारतबहिझ

रियझनंकि॥ छममल्लजुद्द पुनिरचि
अच्छेहदुवबीरगिरेइम छयरिदेह
॥१०६॥ ष॰प॰॥सुभरभवानिसिंह
महासिंहौतउमंडिद्दतउतमाधव
कछवाहहलियनिजस्वामिविजय
हितखुरनअग्गभुवखुंदिमुंदिप
गासहस्समुख॥तुमुलझारितरवा
रिझारिमंडियरावनरुखमिटिगुम
रापिट्टिकच्छपसुरकिद्दुरकिनिट्ठि
छकड्ढबिगभीरुनभटसधिकरि
भिरतदिकारिगनचिकारिदबिग
॥११०॥जिमआखंडलजंभसब्यसा
चीराधासुतस्वामीतारकसूरभीम
कीचकबलअद्भुतपुनिहलहेलि
लंवसूनसायकअरुसंबर॥अंग
निनंदनअक्षवज्जतुंडरुकाकोदर

मैनाकस्वमाजितसुरमहिषश्राज
गवीश्रंधकश्ररनइहिंगीतिरूप
टिश्राहवश्रजिरबीतिरूपटिल
गोतरन ॥१११॥ कूरमकोकरवाल
हड्डुफिल्यौतोमरपरकटतकुंतञ
सिकड्डिश्रनखिमारियहहिंश्रनस
रकूरमको सिर कढ्ढिनिडरकियरुद्र
निवेदन ॥ हयश्रसतरहिश्रप्पश्रप
नमंडियउच्छेदनबरबाजिनावरवे
यकबलियकुच्छेयकदियबलिकर
टजयधारिफिरिगजानियजगतभि
रिगभवानियसिंहभट ॥ ११२ ॥ कूल
सगताउतश्रचलसिंहकूरमउतसं
करइतमवीरलवश्रंसउतसुकुस
वंसभयंकरइतबुंदियधरश्ररउ
तसुढुंढाहरतालक ॥ उदयनेरइत

श्रोपउतसुजैपुरउज्जालकइतइ
कउतसुदसहयअधिपइतसिव
रत्तकबिच्छउतकलिकारफुरेहि
यसुमबिकसिनिकसिजुरेकलिका
रनुत ॥११३॥दो०॥दसदसकेलिप्र
हारदुवरहेतिघायलरंग॥आयु
धयोवलवानयँहँमेटीत्रिदिवउमं
ग॥११४॥इतभैरवभ्रमरेससुत
रनकोबिदरढोर॥अरअमानकछ
वाहउतजवांजुरेगअतिजोर॥११५
॥कूरमरवग्गाकबंधकैंदिन्नोंतमकि
सुबंध॥कटिवाकुलकरअद्धकटि
हैढोलगिमणिबंध॥११६॥ऐसैंही
इकअंसपरखायउभयतखग्ग
॥सास्योकुम्मअमानकोंडमरढोरउ
लग्ग॥११७॥पुनिकूरमभगवंतप्र

तिजुर्य्योमलंगतमत्त॥ दौउनञ्चसि
न्धुरछाकछकितजेकलेवरतत्त॥११८॥
हूलकबंधनबलेसउतभटकूरमभूपा
ल॥ न्यारहूलन जोरैउभयकरतिच्छ
नकरवाल॥११९॥ मानौंमद्दवमेघमैं
चपलाजुगचमकाय॥ रुद्दकेडूमरुम
काधुडुवडुवतदकैघनघाय॥१२०॥
झूमछिवीरसनमानइतउतअर्जुन
कछवाहैंतिलतिलकटिपहुंचेत
विषलेहुवअच्छरिलाह॥१२१॥ अ
डरसिवाइंसिंहइतसूरअभयउत
सज्जि॥ परैखेतघायलउभयकछिर
छकतरज्जि॥१२२॥ इतभट्टसुबुं
दीसकोजयगाहकजगराम॥ उदय
सिंहपरमारसिरधप्योप्रसारनधा
म॥१२३॥ कुंतदूककपरमारकोखाय

सुहारियखग्ग॥किन्नौंप्रबलकरोदि
याअरिसिरखंधअलग्ग॥१२४॥
उदयसिंहकौंमारिइमबिंध्योजहव
खग्ग॥फेरिहरेरिदियपत्तहुवअच्छ
रिमंडियअग्ग॥१२५॥ज्यौंसंगरक
नउज्जकेचंदलल्योअसिचंड॥इम
लुट्ठ्योजमराममयैंहैंखंडबलकरिबहु
खंड॥१२६॥इत्यादिवहुतउतलर
तकुंदैसुभटबिसेस॥बिचअसिम
रतकुंदसुबडुपहरचंडदिनेस॥
१२७॥सु०वां०॥चल्योइतभूपतिम
रतखग्गभरैंअरिघायलडारनल
ग्ग॥इतैंउतघोरमचैंअबमइतै
उतआवहिंआवहिंनद्द॥१२८॥कि
तैंउतमुंडनचारितलुम्भिइतैंउत
डोलतघायललुम्भि॥इतैंउतलु

लिलुत्थिनलुत्थिइतैंउतबाढविसि
रतबुत्थि॥१२९॥इतैंउतखंजरहो
तदुसारइतैंउतफुट्टतपट्टिसपार
॥इतैंउतहोततुपक्कनमग्गइतैंउ
तबेधतसेलनअग्ग॥१३०॥इतैंउ
ततीरनदंकतगैनइतैंउतसद्दत
संगिनसैन॥इतैंउतउग्ररचैंरनरो
रइतैंउतपातगदाअतिजोर॥१३१
॥इतैंउतचापचढक्कतचक्कइतैंउ
तधूपनकीधसचक्क॥इतैंउतयाग
तिआयुधवुड्डिइतैंउतमुड्डिनमार
तमुड्डि॥१३२॥इतैंउतभौंहनछुव
तमुच्छइतैंउतउड्डतगोदनगुच्छ॥
इतैंउतअच्छनलग्गतलीहइतैंउ
तकातरकड्डरिजीह॥१३३॥इतैं
उततुट्टतसंकुलिसीसइतैंउतस

ररिभावतईस ॥ इतैंउतडाकिनि
खोजतखेतइतैंउतपानिमसारत
प्रेत ॥ १३४ ॥ इतैंउतडोलतन्यंत्रन
व्यालइतैंउतफुट्टतकंठकपाल ॥ इ
तैंउतधावतसोनितधारइतैंउतकी
कसवृंदअपार ॥ १३५ ॥ इतैंउतनै
नछुट्टतकड्डिइतैंउतबाहुफट्ट
कालवड्डि ॥ इतैंउतटोपवकत्तर
टूकइतैंउतहूरवहूरनहूक ॥ १३६
॥ इतैंउतबावनगावनहारइतैंउ
तजच्छजपैंजयकार ॥ इतैंउतनार
दअक्खतबाहइतैंउतसाकिनिदे
तसिराह ॥ १३७ ॥ इतैंउतचौंकिपि
सैंचउसट्ठिइतैंउतसूरनसज्जसम
ट्ठि ॥ इतैंउततंडवमंडतरुंडइतैंउ
तझुक्कतकंडनरुंड ॥ १३८ ॥ इतैंउत

बाहहुबाहहुतुल्लिहूतैंउतमारनतेम
नतुल्लि॥हूतैंउतबाजिनबग्गतमासहू
तैंउतकुहूतगैंवरग्राम॥१३९॥हूतैंउ
तपक्खरघंटनघोरहूतैंउतअग्गिसि
लग्गतसोर॥हूतैंउतबद्दलकेअनुक
रहूतैंउतलोहितछुट्टतबार॥१४०॥हू
तैंउतचापनुवासवचापहूतैंउतगज्ज
नुगज्जअमाप॥हूतैंउतसीकरगोलि
नओटहूतैंउतदंतिनदंतनकोट॥१४१
हूतैंउतओजहूरसदधारिहूतैंउत(
त्यौंतडितातरवारि॥हूतैंउतहैलहैल
हरवल्लहूतैंउतघुग्घरदद्दुरगल्ल॥
१४२॥हूतैंउतवीरनुउच्चरबातहूतैं
उतसूरमयूरसुहात॥हूतैंउतचात
कघंटनआलिहूतैंउतअस्थिकिरैं
करकालि॥१४३॥हूतैंउतकातरभौ

लिउदासइतैंउत हूरकषीबलभ्रास ॥ इतैंउतजोगन ह्वैचिनगीनइतैंउत स्यामघटाकरटीन ॥ १४४ ॥ रच्योनृप यौंरनधाउसरूपधपावतसत्रुनतैंनि जधूप ॥ लयोढिगजायनरायनदास प्रहारनमाररचीचहुँपास ॥ १४५ ॥ भ ज्योगजरक्षत्रियकोलखिमारभयोतवकु हिकैहैंप्रसवार ॥ इतैंबिचकूरमबिक्र मभ्रायदईतरवारिघनैंकरिदाय ॥ १४६ ॥ भयोतिहिंहंजकहैपयभिन्नतऊन्न घरायहनैंअरितिन्न ॥ भिर्योवहबि क्रमभ्रानिवहोरिलयोनृपकूरमकी सिरतोरि ॥ १४७ ॥ यहैलखिकूरमभै रवभ्रानिजुस्योनृपतैंदलमारतजा नि ॥ महीपतिउप्पररवग्गमुमोच रह्योकछुपंसुलिपैंकटिकोच ॥ १४८ ॥

करीपुनिहंजहयछुटचोटकत्योंक
छुपैनरुक्योंनृपघोट॥चलीनृपकील
पकीतरवारिलयोवदभैरवमारनमा
रि॥१४९॥इतेविचकुम्भमिल्योंमहला
पद्दयेसरच्यारिचटहतचाप॥लगेनृ
पकैदुवदारितदंसलगेहयकैदुव
दाहिनअंस॥१५०॥रुक्योनहिरंच
तऊनृपओजचल्योअरिमारतफार
तफौज॥तहांपुरपीलपतीचहुवान
भिरेदुवथानतथासुरतान॥१५१॥न
रूहरत्योंहरनाथततीयहन्हैंनृपरु
क्कियगाढगरीय॥उभैचहुवाननका
रियखग्गकरेतिनकेसिरभूपअलग्ग
॥१५२॥तथासहिनारवकीतरवारिल
योहरनाथहकोहयमारि॥घनीइम
जैपुरबारननारिकरीनृपजोगिनिक

कनमारि ॥ १५३ ॥ जहाँ हरदाउत हून
गराजलसो नृपको भट बुंदियलाज ॥ म
हारहठी दुरहो नृप पास लखो सहदे
लत राम खवास ॥ १५४ ॥ मरे भट भूप
तिके सत तीन भये सत पंच कघायन
खीन ॥ तथा सट भीरु भजे सत च्यारि र
चीइ मजैपुरतैं नृपरारि ॥ १५५ ॥ तथा
सतच्यारि मरे अरि तत्त परे पुनि घाय
लहै सत सत्त ॥ नरायन खेत खरो स्व
घथो यघनों दल क्यों न तहाँ जय होय
॥ १५६ ॥ कह्यो नृप बुंदियपैं यक धारि
मरैं तबको न करैं पुनि रारि ॥ इतैं कछ
वाह नरेजिय खेत लख्यो रन छंगन
चित्त उपेत ॥ १५७ ॥ कहें तरफैं भट तु
इत सात लरैं कहुं लुथ्थि कहैं कहुं ह
स ॥ बकैं कहुं घायल है सुधि हीन ज

कैं कहुँ जानुन कुक्कत कीन ॥१५८॥ लें
कहुँ अंत्रन डारत ग्रीव फिरें कहुँ नैंन
चलें कढि जीव ॥ करें कहुँ सुंडिन केउ
पथान रटैं हरि कौं रनतल्प सयान ॥
१५९ ॥ लगें कहुँ मत्त परासुन ओरहु
रैं कहुँ लेन कबूतर लोट ॥ मरें कहुँ ब
खुकरें उनमत्त थरें कहुँ सीस कलेजन
छत्त ॥१६०॥ गिरें कहुँ पाय पटक्कत भु
म्मि रहे कहुँ रुद्धिर कावन रुम्मि ॥ लरें
कहुँ भूतन तें भरि बत्थ करें कहुँ जावक
जंत्र समत्थ ॥१६१॥ परे कहुँ बीर अधो
मुख भूरि हुरे कहुँ गाफिल च्हैल धूरि ॥
रहे कहुँ कुक्कत हत्थिन हेर जरे कहुँ प
च्छ्रम आदव जेर ॥१६२॥ रहे कहुँ कुंजर
कुंभ नचाय गिरे मनो कुव तीर अनन्य ज
जाय ॥ तिरें कहुँ सोनित आकुल आन

भिरैंकऊंभेदतगिन्हनगात॥१६३॥क
रैंकऊंदंतनतैंकटकहजरैंकऊंजुगि
निपैंरहपद्द॥पटैंकऊंकषाकह्योव
हज्ञानभनैंकऊंसांख्यबनैंभगवान
॥१६४॥चखैंकऊंलोहितओठनचबि
दुरैंकऊंकंकनपंखनदबि॥भ्रटैंकऊं
आतुरइकहिपायहटैंकऊंपीडितजं
पतहाय॥१६५॥कहैंकऊंबैद्यबुलाव
नलच्चहैंकऊंम्रच्छरिकौंरसरत्त॥रु
लैंकऊंघोरनपैंमृतरुंडरुलैंकऊंतं
डवमंडतरुंड॥१६६॥खिजैंकऊंचि
ल्हनिपैंपलखातलसैंकऊंफेरुनमा
रुतलात॥गहैंकऊंस्वाननतोरतमू
दवनैंकऊंसाकिनिकेहितसूद॥१६७॥
नटैंकऊंअंतकदूतनभीतगिनैंकऊंरीझ
तडाकिनिगीन॥मिटैंकऊंप्रानअपा

ननमेलसिटैंकडुंप्रोतनिहारनसेल ॥१६८॥लखैंकडुं नाकजुरावनदि क्खकढैंकडुंकायनतोमरतिक्ख॥न येकडुंदुल्लहचिंततनारिकहैंकडुंपु नहिपुच्चपुकारि॥१६९॥डिगैंकडुंलि ङ्गिगहैंलयपुच्छमिलैंकडुंउड्डिमरो रतमुच्छ॥जकैंकडुंबाजिरलकातजी नहलैंकडुंहत्थियसुंडिबिहीन॥१७० ॥लुरेकडुंआनकडुंदभिफुट्टिडरेक डुंकेतननेगनतुट्टि॥गिरेकडुंपट्टि सखग्गकमानगिरेकडुंखेटकतोमर बान॥१७१॥गिरेकडुंबाजूलकंकटटो पगिरेकडुंकोसउरंगमओप॥गिरेक डुंगंजकमेलकखंडढरेबनिजारनके जनुटंड॥१७२॥गिरेकडुंपक्खरबग्ग खलीनगिरेकडुंतंगखरेखगलीन

गिरेकहुं सुन्डन नेयजगाह गिरेकहुं पो
थिक्जावन ताह ॥१७३॥ गिरेकहुं गेव
रसोहि आप गिरेकहुं अंकुस घंट
कलाप ॥ गिरेकहुं पुष्कर आसन कान
गिरेकहुं पेचक ओप्रतिमान ॥१७४॥
गिरेकहुं कुंलल मुच्छ कुघाट गिरेक
हुं मुंडरु तुंडललाट ॥ गिरेकहुं नेत्र
रदच्छद लल्ल गिरेकहुं नक्र धनिग्र
ह गल्ल ॥१७५॥ गिरेकहुं काकुद जिब्भ
नजूह गिरेकहुं मस्तक दन्त समूह ॥ गि
रेकहुं वीतनत्यों कुकफाटि गिरेकहुं का
कलकंठक काटि ॥१७६॥ गिरेकहुं कू
र्पर खंडिक कंध गिरेकहुं जत्रु भुजाम
लि बंध ॥ गिरेकहुं अंगुल अंगुलि टूक
गिरेकहुं ज्यों कर त्यों कर मूक ॥१७७॥
गिरेकहुं पंसुलि पीठ कतोम गिरेकहुं

पुष्कसकालिकक्लोम॥ गिरेकहुं ना
भिपुरीततिगंज गिरेकहुं फुप्फिफ बैं
हियकंज॥१७८॥ गिरेकहुं त्यौं त्रिकस
त्थिनसंघ गिरेकहुं जानुजुरे जुगजंघ
॥ गिरेकहुं पिंडियगोहिरफुट्टि गिरे
कहुं पंडियघुंटकतुट्टि॥१७९॥लख्ये
कछवाहनयौं रनथानधरे सब घाय
लखोजिनजान॥ निकारियसल्यज
थासुखकारचिकित्सकबुल्लिरच्योउ
पचार॥१८०॥मरे तिनके बिधिसौं कि
यदाहवनैं तिमप्रेतक्रिया निरबाह॥
दिवावतयौं जय दुंदुभिडंक चल्यो म
कहुंदियजैपुरचक्क॥१८१॥ बियारत
बद्दनअप्पलप्पानउत्तबतसत्तुनसी
मअप्रमान॥ जयोनृपकूरसअप्रकबत
जोधकथं चितभेजुसभाबलकोध॥

ढ्योन्नृपपूरबफौजनिफारि ॥ १८७ ॥ इ

तिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षि

णायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रे

ऽष्टादशो १८ मयूख: ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा॰ मि॰ ॥ दो॰ ॥ रनसमुद्रतरिनृपक

ढियअपलपरलथ्थरहिसंग ॥ कोसती

नपहुँचतकमियतजिअसुहंजतुर

ग ॥ १ ॥ असितुपकनबपुमिलअति

बलिष्ठकचरनबिहीन ॥ हपनअको

सनिबाहयोकरिनहंजहयकीन ॥ २ ॥

भूपकुअंगनिसल्यकरिसहियअमि

उपचार ॥ ससपलभोजोरत्तिरहि बि

रचियप्रातबिहार ॥ ३ ॥ गिरिनसंधि

अंतरकियउपूरबओरप्रयान ॥ ढवि

गइंद्रगढनगरदिगचित्तनिडरचलु

वान॥४॥इंद्रगढाधिपदेवप्रतिकहिप
ठईनरनाह॥हयहमरोगतमानहुव
होजिहिंलरनउछाह॥५॥तातैंप्रउवकु
देवतुमरवासाहयइकरवुल्लि॥अवर
नचाहैंहमकुद्दनभुजनकुमाईमुल्लि
॥६॥सुनियहदेवसिटायसउत्तसित
लुरायउचेत॥यहैनजानीहमअनुगत
उइकअप्पहिलेत॥७॥इमअधर्म
अहरिअधमजेपुरगिनिबरजोर॥
पच्छीयौंकहिमुकलियमूढतजकुसु
वमोर॥८॥जिमतुमरवोईनिजपहु
मिबिदुमतिदर्पबढाय॥तिमहमरी
रवोवनतकतअप्मलेनयहिंआय॥
९॥निठुरवैनसुनिसहिनृपतिलिख
अवनकछुलैंहिं॥जोतुमयहरवायो
उरदेहैंलहरकवैंहिं॥१०॥हमक

हायनृपनरकरियकोटामीमप्रयान॥च
म्मालिलंघिमुकामकियग्गामरानपुरथ्था
न॥११॥प०॥रनसिंधुतरिगच्छुवानरा
गकच्छवाहभटनअसिवरचखाय॥गि
रिपारियाअद्दोनिनविहारिउपनहिथा
यवपुसल्ल्यटारि॥१२॥इमहोयदुंढग
ढपुरसमीपदेवांलनटायनृपवंसदी
प॥उल्लंघिमरितचम्मलिअमानको
टागरानपुरदियमिलान॥१३॥अरसु
भटअल्पनृपसंगआयरनदुसह्हको
नअसुतजिरह्लाय॥अबमिलियअा
निसबअनुगअत्थअवरकुअनेक
सुनिरनसमत्थ॥१४॥उतकुम्भभटव
लहिविजयजंगबुंदियप्रवेसकियअ
तिउमंग॥जिनरच्चियछुट्टघ्घिरनृप
हिंअप्पिआयत्तविरचितिनदमनअ

प्पि ॥ १५ ॥ कोटेस हिं तु पुनिय ह कहाय
तुम चतुर नीति अह हरि हित्ताय ॥ बुधसिं
हसू तुहित करुन लैंहिं सत दोय दम्म ह
म नित्य देहिं ॥ १६ ॥ मध्यस्थ होय तुम
साम लाय तिहिं देकु कुम्म नृप पय लगा
य ॥ कोटेस लुब्ध सुनि पाप भीत मंजार
पाय पय होत सीत ॥ १७ ॥ स्वीकरिय हेक
जड छन्न साम दिन प्रति लिय मास न हि
सत दाम ॥ नृप अंतिक पठये तेऽ नांहिं
उलटी रिवल बंचन बुद्धि आंहिं ॥ १८ ॥
कोटेस बहुरि किय यह कुकर्म इमको
न कोन अब हिं अधर्म ॥ इत सुनिय
रान जगतेस बत्त बुंदीस सूर रन रचिय
रत्त ॥ १९ ॥ दुव बेर कूर मन फौज फारि
घर छीगति भविस्यो वहु बिदारि ॥ करव
लभारि ह दरारि कीन बलिक ढियजा

निह्यपयविहीन॥२०॥अबग्रामरान
पुरधामआँहिं छलछामतदपिनतिनां
मनाँहिं॥हयहंजजो किपयभिन्नछैन
छोरैनहूनलतोसत्रुसैन॥२१॥मनभि
न्नबाजिबिनुअबनरेसबांछतकछुद्
भिनहयबिसेस॥यहसुनतसानहिय
मोदआयअप्पहिंसिराहिबीरत्वभाय
॥२२॥हयखासनामजिहिंहोनहार
साखतिचामीकरसजिसुढार॥सिरु
पावउच्चइकरुचिररंगतरवारिखास
इकतासमंग॥२३॥उम्मेदनृपतिहि
तदियपठायसोकरियनृपळंगिनिहि
तसुभाय॥इमहोतसरदरितुमज्झ॰
आयदकगगनउभयनिर्मलदिखाय
॥२४॥ष॰प॰॥गरजिमेघउग्घरियभु
रियनवनीरनिवाननपिलरनकअप

जोयविरचिनृपनिगमविधान नपुनिकु
लदेवियपूजिसद्धिकन्ति यत्र तसंजम॥
अब आगम हेमंत किन अघ गहन मृगया
क्रम आखेट थान कोटे सके कति मृगरा
जविहीन कियस्त हियपरकिव आयुध
सकललरान पुरसुइमनृप पर हिय॥२५॥
॥दो०॥ ईडरियाउपटंकइत रामसिंहर
ठौर॥ होजोत बपुर बन हडासुनिनृप
विक्रमसौर॥२६॥ ताके हीइकपुत्रिका
नरवत कुमरि अभिधान॥ ताकोरचिम
गपन त्वरित संभर हिंतुसयान॥२७॥
पठयोडोलारानपुरसचिवसुभटदेसं
ग॥उपयम करनउमेदसौं जानिबीरब
रजंग॥२८॥सचिवभटननतबभीतिस
हअरहिरानपुर आय॥ कन्यावहबुंदी
सकंहं नृपचितदई परिनाय॥२९॥कन्या

केकाकाकु कीविसुतारूपविसाल॥राव
रुमाधवएकुदुवयाहेपूरवकाल॥४०॥
संगेउचितयातैंसमुझिपर निन्रूपकु
मुदपात॥सकगुननमधृति १८०७ल
गनसुभदेजिसहाय्यवदान॥४१॥रं
ग्योनहिंस्रृंगाररसच्यवहिवीरयनु
सारि॥बहुरिबल्योमनबप्पकोधरनी
परयकधारि॥४२॥हुलहनिकोटमु
कलियजत्यनुजतियजामि॥ञप्प
नमनरनउम्महोइच्छतजयप्पागामि
॥५०॥बुंदियपरबुधसिंहसुतहिंसु
निबहुरिचलावतकोटपतिलगिलो
भकहियइमभुम्मिनयावतहमउद्य
मयहकरतलेतमरहइनसम्मालैंवि
नुबलजैहेलालनिद्विलैहोयरुचमा
लिदैइयसौंहंइमयकिदहुतबुंदीस

ह्निँ र क्ख्यो बर जिसत दोयदम्मकछवा
हसन भेट ह्नोतयह लोभभजि ॥ ३४ ॥
दो० ॥ बंधुबर्ग उमरावनिज अज बसिं
ह अभिधान ॥ कोटूलपुर पतिभेजि
करि अटक्यो नृप प्रस्थान ॥ ३५ ॥ क्रप०
॥ माधानी अजबेस आय भूपहिं दुम
अकिवयगिन तअप्पर नसुगमचंड
असिबरनहिं चकिवय अप्पन परिक
रअल पदुसह जेकुरवह दाहत ॥ सिं
हन आगसससहिं चिन्ह अनुचित
अ सुबाहतयातें नतुमहिं जावनउ
ञ्चितकोटा पतियह हितधरत दृढमं
त्रकुल्लिद किवन दलनजतन लैनबु
न्दियकरत ॥ ३६ ॥ सुनतराह गिनिसत्य
भूपकोटेस भरोसैं जान्यों का काकरतम
हतउद्यमयह मोसैं तोइनकी अबदे

खिवकुरिबनिहैसुबिचारहिं॥सुमिरी
हनसयानकुहकनिजकामबिकारहिं
नृपरहिय हो तउघोगलखिमाससत्त
बिनुभुवजतनमृगयामसलकोलमु
लकबंजतसिंहबराहगनं॥३७॥दो०
॥मधुकरदुग्गसुकामकियऔरलमग्र
तनहेस॥महदूचारनदानतैंहंबरनी
किहिबिसेस॥३८॥अमरपुराकेजंग
कोकाव्यजथामतिठानि॥गीतछंदम
रुबानिगतनृपहिंसुनायोआनि॥३९
॥सुनतनृपबरसीसकियरीभितर
लहयराय॥खासजरियपोसाकपुनि
कुंडलकटकसुभाय॥४०॥सनमान्यौं
कबिरावकहिडेरातासपधारि॥भयो
बहुरिहत्थियकुकमनूतनकाव्यनि
हारि॥४१॥सोगजकंदियतखतजब

अप्पिनिराजे आनि ॥ तब दिन्नौं यह अ
त्थ ह भभाश्री लिखि यव खानि ॥ ४३ ॥ ष·
प· ॥ समक्र वेद ख बसु सोम १८०४ मास सा
वन तदनंतर भैंसरोर गढ़ सोम र मि
ग आखेट भूप बर पुनि भद्द वसित प
क्ख आय बेध मग काद सिँभ योजा नि दु
रमि रु बिपति चिंत तदिन दुव बसिह
रिया वनाम गज राज नि ज उदय नै रवि
क्रय कर न सुक्कल्यो पुरोहित सोय तब
दयाराम द्विजधर्मधन ॥ ४३ ॥ दो· ॥ जा
य पुरोहित उदयपुर गजविकय तँह
ठानि ॥ दम्मसँहँस दुव मुल्ल के प·थ्थ स
मय प्रमानि ॥ ४४ ॥ बिन्तु सुव सोल ह ब
रस तैं भुकतैं आ पति भार ॥ अब अ धु
द्धि कति दिन नटि कहिं दम्म ति दो अ जा
र ॥ ४५ ॥ पद्धरी ॥ सांवनसू को गयउ बे

रदुवच्चलपवुद्दिघनज्योंहीमहवनाल
घोरहाकारउद्दिघनहल्लोतियमैवारल
गच्चोदलच्छुवदेसन॥वनियच्चानिइ
हैंदैरनिद्दिनिरबाहनरेसनन्दपतव
हिचिंतिच्चापतिथरमस्वीयमदनसं
क्रुतसजियमनजोरपेठिवुद्दियमुल
कैतोलोपुरच्छुद्दिलिय॥४६॥दो॰॥
गैमीनीवरुच्छुद्दिइमच्चतिविपत्ति
चढ़ुवान॥तदच्छुदुग्गरनथंभकौसी
माकरियप्रयान॥४७॥नगरनामखं
डारिढिगकच्छुदिनविरचिसुकाम॥
कोलपतिकोसाैभसुनिठगमच्यों च्च
चठाम॥४८॥ततसुपुरोहिततउदयपु
रदयारामच्चभिधान॥पुब्बहिरानच्च
धीनहोलैनिदेसचढुवान॥४९॥च्चा
तजातनृपढिगरह्योस्वामिधरमभनि

भाव॥तातैंवैचनसंगतसदयोकृतो
दरियाव॥५०॥इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेएकोनविंशोम
यूखः॥१९॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा॰मि॰॥ष॰प॰॥दयारामद्विजसहित
रानइकदिनरहस्यकियसाहिपुरप
तीसोदबारउम्मेदकुबुल्लियसीयसु
भटपुनिच्यारिप्रथमभारतसेनापति
॥कुरगच्छ्रगगादेवलियहठनजिहिंवि
थसालमहतिदेवगढअधिपजसवं
तपुनिसंगाउतचौंडाजननपतिदेल
वाडझल्लाप्रथितराघवदेवनिसंकर
न॥१॥दो॰॥रायसिंहझल्लाबकुरिनग
रसादड़ीनाह॥इनजुतरानरहस्य१

तनयबुल्लकुसमरसहायबरि ॥ ४ ॥ दो० ॥
दयारामद्विमच्छरजकरिथप्योयहदृढमं
त्र ॥ सुपहुरानसुनिस्वीकरियसुभटन
सहितस्वतंत्र ॥ ५ ॥ सो० ॥ तदनंतरनृप
रानदेवकरनकहँदूरकरि ॥ पंचोलीसु
प्रधाननामभवानीदासकिय ॥ ६ ॥ ष०
॥ इतजैपुरपहिलैंहिमरिगखत्रि
यराजामलकोबिदकेसवदासक्कतोसु
लतासमंत्रबलतबनृपईसरिसिंहकि
नवहसुचिवसिरोमनि ॥ पिसुननर
नतिहिंपिट्ठिभूपप्रतिइमचुगलीभु
निहेनृपअमात्यकेसवकितवमनैंतु
महिंनमंत्रमदयाकेउमेदमाधवअर
घछन्नैंआवतजाततहर ॥ ७ ॥ सुनिय
हईस्वरिसिंहमूढतत्वनपहिचानि
कनककथितबिधायइंसमारनम

तमानियखवतरूठे लिखिखलनन्नु पाहिं
दिनइकबताये ॥ मूरखसच्चेमंत्रिगाढे
श्रोगुनबहुगायेकेसवसुमंत्रिजुलवाय
कैंकुनृपलाल्लपहासकरिश्रकवोकुमंत्रि
रादललरकुसुनिकेसवलियनैंनभरि
॥८॥ दो० ॥ श्रकवोकेसवश्रबहिनृपनि
श्चयकरकुनिदान ॥ जोरादलमेरेलिखेले
कुलतोममप्रमान ॥९॥ कूरमतबनिश्चय
करियनिकेसपत्रश्रसत्य ॥ बिनुश्रागस
जोमारतोहोतोससचिवहत्य ॥१०॥ तद
पिकुमालियसचिवपनकेसवकरियव
कील ॥ पठयोदक्खिननन्दपैंहेंसिखई
मन्त्रिकुसील ॥११॥ नद्वानीउपटंकइक
हरगोबिंदसनाम ॥ कियउमुसाहबनन्द
निकवहकूरमनृपहितकाम ॥१२॥ ष०
प० ॥ पुत्तीइकतिहिंगेहरूपजुद्धनगु

नमत्तीबत्तीबयछबितासपासकूरमन्न
पपत्तीकत्तीसमसुनिकढिगछेकिपंच
ह्निसरछत्ती॥दुत्तीदासियभेजिप्रेमप्या
सियगरघत्तीलंपटहिंकामजुत्तीलग
तरतउत्तीचिरचंडरयसुत्तीसमीपचा
हीसुनककुत्तीजिमकत्तीसमय॥१३॥
॥दो०॥मगनपुब्बअनुरागमैंलगन
मिलनहुतलग्गि॥कुम्भपुरंदरकैकि
रीअंदरवम्महअग्गि॥१४॥दूतीजनु
पठबायद्रुतसामउपायप्रसारि।अ
नीनृपढिगअंगनाबानीबिनयबिथ्था
रि॥१५॥राजकाजभुल्ल्योरसिकछइप
हनसिरछांहें॥कूरमडारीकंठअबब
निकसुताकैबांहें॥१६॥रत्तिजुतियनृप
ढिगरहतप्रातजातनिजगेह॥दिनबि
चतिहिंदेखैंबिनादुमनरहैंथकिदेह

॥१७॥ प्यारीकों दिन बिच प्रकट जो बुल्लै निज पास ॥ जनक तास तोजा निकैं बिर चैं राज्य बिनास ॥१८॥ बिनु देखें निमिखन बनैं देखन दुल्लभ दीह ॥ यातें बिरचिउ पाय इक लोपी लज्जा लीह ॥१९॥ जैपुर पिक्खन ब्याज करि प्यारी पिक्खन काज ॥ बन बाईमहल न बुरज लुंग न कीसिर ताज ॥२०॥ जातें सब जैपुर नगर दिट्ठि परत अधयाय ॥ तकैं प्यारिय जाय तँहँ लखन मदन दुम छाय ॥२१॥ षट्प ॥ सक कृत नभ बसु सोम १८०१ बिसद बहुल पडिवा परदरसन हित कोटेस गय उप्रिय द्वार उमेंगि भ्रर करन नगान नुकूल पत्त लिखि भेजि उदैपुर ॥ लुल्लिय माधव सहित धरा संगर थंभ नछुर सुनि पत्त रान माधव सहित मुदित है

अप्पायउ मिलन गुनकोस राह सम्मुह ग
यउ मिलिय प्रीति अनुकूल मन॥२२॥
दो०॥ तीन द्दिन नृपनय रीति तक्कि रचि
मिलाप पहु प्यार॥ हरिमंदिर राकत्तहु
व करन मंच श्रीद्वार॥२३॥ कहिय रान
कोटेस प्रति बच्चन तुमारो मोघ॥ बदले
सुख हि इक बनि अहह रिकै अघमोघ॥
२४॥ यातैं अब लगराव रो बनैं न मन
बिस्वास॥ कोटापति यह सुनि कहिय
कुवपलटैं अपहास॥२५॥ अबगोवर्धे
ननाथ्थ यह इष्ट सारिव धरयाहि॥ कब
हुन बदलैं सपथ करि अब मैं कहियउ
याहि॥२६॥ सपथ अकिव इमरानक
र बचन दैन लगिहहु॥ अटकि रानत
बहु कैंहं अकिवय दै असि अहहु॥२७॥
हु भरी बुंदिय आत कैंकेइन कोजयनैर

॥तातैं लेहु रु देहु तुम बचन दोउ तजि बैर ॥ २८ ॥ मैं परमारथ तकि मन करत हुकुन प कार ॥ यातैं लेन न उचित अरु देन न किब बच न उदार ॥ २९ ॥ यह कहि दोउन हत्थ गहि रु थो बचन निजरान ॥ सुनि माधव को दे स मिथ दिय लिय बचन निदान ॥ ३० ॥ रा न बचन तिन को न लिय तिन कौं दिय गहि तेग ॥ तिमभट सचिवन को कुतें हैं बचन दिवायउ बेग ॥ ३१ ॥ कियर हस्य प्रिय द्वार हु अप्रधिप न मन धन अप्पि ॥ मरहट्ठन चिंतिय मिलन जैपुर स नरन थप्पि ॥ ३२ ॥ गन वकील खुमान तब रानाउत किय त्या र ॥ मरहट्टन ढिग मुक्कलन उभय भुमि उ पकार ॥ ३३ ॥ माधव दूत स संग दिय निज वकील नरनाह ॥ गोगाउत हम्मीर कुल प्रेमसिंह कछवाह ॥ ३४ ॥ माधव अम्महि ल

कवदियकुलकरहितसतसंग॥उभयव
कीलनभेजिहमध्याये निजनिजढंग॥३५॥
घ०प०॥रानवकीलखुमानप्रेममाधवव
कीलदुव नगरकाल पीजायसेनदक्खिन
सम्मलिदुवदुवहिलकवदेदम्मतुषहुल
करमल्लारकिय॥जैपुरसमरसहायतनय
खंडुवतसमंगियसुनियहमल्लारसुतस
न्कारिरनसहायलगिमुक्कलनरांणजि
रामचंदसुतबहिध्यकिवयउचितसह
यनन॥३६॥रामचंदहमकहियधरहु
स्रुतिकथमल्लारधुवध्रुपनपतिश्रीमं
तध्रग्गानयसिंहमिनडुवजैपुरसनाहि
तकरनवचवतिनदियकूरमकर॥वह
तुममेटतध्रज्जधनियक. छिलोभ
धरईस्वरीसिंहसम्मलिसवहिहैं पति
किंकरतुमरुहमसमुझायरानमाधवस

वनदबकुश्चरिनप्रचंडदम॥३७॥ धवि
कुलकरयहसुनतमुक्किम्रसिवरकर
मंडिगश्चधरकंपश्रंकुरिगतानिमुक्कन
घनतंडिगकहियश्रग्गजयसिंहलिरिव
तहत्थनकरिश्रप्पिय॥रानाउतिभवपू
नथिरसुजैपुरपतिथप्पियजयसिंहबू
न्वनयहरविलिहमभाधवसिरछत्तहिं
घरसलग्गातयहैनश्चक्कीतुमहिंकुटि
ललुब्भिश्चनुचितकरत॥३८॥ राजाम
लकूरकवलवक्कुतचक्खियतुमसानन
जातैंश्रटकतजंगविरच्चिनयहीनविधा
ननतुमजाबहुतिनसंगहमसुमाधव
सहायहुव॥ कहिइमश्चक्खियकुसुध
मकिश्रानकनिसानघुवदलसुभटपं
चमरहट्टमिलिदुकुंदिसरिसमोचनक
रियपरगनापंचमाधवश्चरथ्थैनच्च

किवहित अनुसरिय ॥३९॥ रामचंद्रप्रति
कहियबहुरि कुलकरमल्लारहुवंदिदि
वावत अवनि कछुकमाधवहितकार
कुतिमुंदियरहिहैं नलग्गिसंभरहि
तलैहैं ॥ अबवरजङ्कुजोएसदेसतिल
मत्तनदैहैं यहमन्निसबनपठयेतबहि
निजवकीलजैपुरसजवसाहसमिदाय
सामहिंकरनसमुझावनकूरमकितव
॥४०॥ दो० ॥ रामगयमुनसीनिजसुराम
चंद्रपठवाय ॥ निम्मराजकटक्खायहसु
पठयोकुलकरराय ॥४१॥ तिनजायरुकू
रमनृपहिंबुंदियछोरनअप्पकिव ॥ पंचपर
वानोंअनुजहितवंदिदैनरस्सरकिव ॥४२॥
हुतकुलकरअप्पनतनयखंडूनामकवी
र ॥ पठयोमाधवरानप्रतिहितसहायह
म्मीर ॥४३॥ छ० पं० ॥ सजिअनीकदर

कुंचचलियरवंड्डुवमलारसुवबजिम्राव
कबंबीलभचकिबि वरियदरारिभुवका
कोदरफनफदियकोलदंतुलिबररक्खि
य॥मुररक्खियबपुकमठचोदरीठकचर
रक्खियगठगठनबत्तफुट्टियसहजबद्दि
बिचारभूपनबि देतमल्लारसुवनजाव
तलरनभ ग गनसहायहित॥४४॥इ
मरवंडुँवदरकुज्ञ्चायकोदामिलानदिय
महाराबलरिबमभयजायसम्मुहबधाय
लियचारनभूपतिरामसुख्यनिजमन्त्रिब
संगकरि॥दियअनीकतिनसत्थधीरसु
भटनहरोलधरिपुनिमिलियअायन्त
पुरानपैंहँबुंदीसकुतैंहँबुल्लिलियसजि
से लरनमाधवसहिततजिमेवारप्र
यानकिय॥४५॥इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेंदक्षिणायनेदशमराशौउ

१०

म्मेदसिंहचरित्रे विंशोमयूखः॥२०॥ ७॥
॥ ७॥ ७॥ ७॥ ७ ॥ ७॥ ७॥
आ॰मि॰॥ष॰प॰॥ सकक तनभ वसुसोम
१८०४ मास फग्गुन परव उज्जलनृपमाध
व उम्मेद सहित खंडु व चढिस बलरान
कट्टकसबसंगलहिरुदर कुम्भचलायउ
॥ स्मतिगरु रजलु गरु रम्यहिन उप्परउफ
नायउ ततैंडु सुनत कछवाहकोचंडक
टकसमु हचलिय दिस दिसन वत्तफु
हियडुस हखंडच उद्दह खलभलिय॥
१॥दो॰॥नहा नीउपपद बनिकहरगो
विंदनृप॥ चउम्प वयवद ललेनचल्यो
मिरनउदेपुरभूप॥२॥ष॰प॰॥ दगितो
पनल गिलायम चिगडु व दल मिलि
संगर इतमेवारन मुकुटइत सुढंकन
कुंढाहर राजमहलपुर सीमभीमपति

वह्वायढारिढक्कुरढुंढारन॥पोखेनृपप
त्तचर नवक्कुलपत्तमेदबिथारनअसि
बाढच क्खिइकुबेरअरिलग्गेप्रतिमग्
नीरत्तजिमिलि(मिलि)सिचानआवतमन
कुंपारावतगनभरकिभजि॥५॥जिम
पारदमिलिअग्गिपिक्खिनिजकटक
होतद्रुमसेनापतिगजसहितबनिक
मंड्यौअग्गदतिमवुल्यौरनिरत्तअम्म
तमुच्छनमुहधारत॥वनिकवैनयहसु
नतफिरेक्रूरमअतिआरतलियसब
नविंदिपुनिबनिकगजपैनलग्गतअ
गौंन्दरनजो।गिंदच्चितसबिकल्पजिम
रहियरुक्किपिक्खतमरन॥६॥तिमि
रघोरततमध्यपारअप्पनभटभानन
माधव दलमांहिंपिक्खिपचरंगनि
सानननजैपुरकेतिन्हजानिरानदलभ

जिगभीतअप्रति ॥ कोटादलपुनिभजि
गसहितचारनसेनापति तहँभयउ
सोर कोटाभजिगसुनिपित्थलबुल्यो।
सुचहिं हमभुजनआहिकोटाअरिवल
तिनठहँ अभगोनकहि ॥ ७ ॥ कोकिलपु
रपतिकुमरभटनपित्थलचूडामनिमहारा
वउमरावविदितबुल्योअंगदबनिचारन
मअगनहारमज्योकातरअचिह्ननहिं ॥ पे
हमहहुनपथनआडडुंगरअवलंबहिं
यहअक्विसेनअज्जतमुख्योजिसअनि
मिषउलटेउदकरूपटायबाजिपबिजि
मपख्योदुंढाहरसिरधारिधक ॥ ८ ॥ भज
तसेनलखिसजवपिट्ठिलग्गियजेपुर
दलमुरिपित्थलतिनमध्यखग्गझारि
यरविमंडलजिमबिरकओषधियउद
रइममथियसत्रुसब ॥ कातिककंपिल

कलकलत कनि कछ्ठ कातबकातबन्स
आपसब्यकरि आइबिन्नजजमान
मकरत द्विज तिम किय अनेक परबस
कुमर समर बिथारियनामनिज ॥ ९ ॥
मनरतिमसैंलोटगिरत हैवरतिमि
बरतिमतोमरतिमखग्ग बिहसिजार
तकुमारबरलटकतउरगिरकाबकाति
कामटकतप्रमत्तगति ॥ खटकतहहुन
नाहमन हुँचटकत गुलाबततिघुम्म
तन्नचेत घायनकतिककतिकआयपा
यनपरियकछ्वाहकटकसबन्नजब
सुबगजबसिंहगडुरिकरिय ॥ १० ॥ हुहि
तुहिसिरउडतकडतसरकुहिबकार
रहिरछिछिनभचदतबदतकलकल
अग्रंबरकालीखप्परभरतफिर
। सिरलग्ग

यघुम्मतइ तनारद पित्थलन्न नीकका
रतवढिगमर दउतारतगजनमदङा
किनिडगत फारतवदनकिलकारतभै
रवभयद ॥ ११ ॥ घनैं रिपुनरमनीलका
रिकंकनकुवेस कियघनैं रिपुनरमनीन
लिंलउंडन परवान दियघनैं हयनघन
घाय कियउमैं हैंमैं सोदागर ॥ घनेगज
नसिरफारि रंगमुत्तिन कियआगरभुजदं
डभीरिवासुकिउरगमंदरअसिगहिउ
अमन पित्थलकुमारनागरकियउडुहा
हरसागरमथन ॥ १२ ॥ पहरइकइम
कुमरलगि गधारनघपायथकफहिका
सिरचोफारवदनचोफारलोहडकमन
डुंवीरविधि परखिहर खिअहैल छाप
दिय ॥ इमसोभितछ किकुमर प्रखोप
लचारदानप्रियआयुहिसमत्थअनुपि

२

रहिय बीरनिंदब सु बिप्फुरिय अच्छरि
उमा हिआइय बरन चउमुख लखिल (
ज्जितमुरिय॥१३॥इमकुलकर बुंदीसउ
भयकूरमदल अंतर आरत खग्गनरूप
टिदपटिबिथुरात दिगंतरइतपहिलैं
दलभजिगता हिसुनिकैं जैपुर पति॥क
रिआयउ दरकुंचगज बजारतस बेगग
त नबुरि हडुकुल कअसिनदलसत्रु
नसुनिठिल्लिय तंहं परियरत्तिबिस
तारितभटुवदिसमुर रिमिलान दिय॥
॥१४॥दो०॥खेलखो जिबुंदीसनृपहेरि
य पित्थ लजाय॥सिलिकाधरिआनिय
सिविरलैंघन कछित बिधाय॥१५॥कुल
कर हडुडुहूनसुनि कियउमंत्र मिलिर
त्ति॥अप्पनजीतभजंत अरिप्रभुअनु (
कौसप पत्ति॥१६॥अब आवत जैपुरनृ

पतिसजिपुनिकटकमभार॥याँतैंनहिं र
हनौंउचित मुरिचल्लकुमेवार॥१७॥कहि
यहमातहिकुंचकरिचलिकुलकरचकुवा
न॥सबफौजनजुतसाहिपुरदिन्नेंआन
मिलान॥१८॥इतिश्रीवंशभास्करेमहा
चंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशोउम्मे
दसिंहचरित्रेएकविंशोमयूखः॥२१॥—
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा॰मि॰॥दो॰॥यहउदंतश्रियहारसबसु
नियरानजगतेस॥पठयोकटकसहाय
पुनिबलनिजनिकटविसेस॥१॥तरव
तरानजयसिंहसुबबानिजपट्टवीर
पुनिकुसालसिंहरपुरपसगताउतधुर
धीर॥२॥रायसिंहरुसाजरुरिनगरस्सा
दडीनाह॥पुनिबुंदीसमुरोहितसुरया
रामवितचाह॥३॥घ॰प॰॥इमन्वारिम

करि मुख्य रान पृतना पुनि पिल्लिय सज
बसाहि पुर आयमुदित निजदल सह
मिल्लिय उततें ईश्वरि सिंह पिट्ठि दब
तद्भुत आयउ ॥ भिल्ल हड्डा पुर लुट्टि कह
रमेवार मचायउ धनवंत बनिक कारा प
हकि कुप्पि नगर श्री हतकरिय बाटिका
सन कुंभ्रहि बल्लरिन चपल अनिबस्त
न्न करिय ॥ ४ ॥ मेवारन किय मंत्र सुनत
यह बत्तनीतिसह कटक प्रचुर कछवा
हन्न लप अप्पन अनीकयह कुलकर को
दाप कुंउ भय बिस्तर बिनु आये ॥ वित्तर
हितु बुंदीस अबनि हित प्रसभ अमाये
यातें न संपराय हि उचित रहि हैं अवनि
लरैं न तिल सकुटुंब सकलन्नृप अनुतक
हिं कुंभिल मेरु निवास किल ॥ ५ ॥ तरव

रमम

तिसुनियहखंडुवसामन्अनरिकुम्मोहु
लकरअ्रतिबुज्यो।पुनिभुजगोकिसनव
आयेसंगरम्म॥अबजोसामउपायल
तोतुममाँहिँनाँहिँहमसुनितखलसिं
हकुलकरकथितदयारामतेंहमुक्ति
यअकियवंहैननयसमयपडुसमुभ
वडुकहियअचुरअिय॥६॥तबहिजाय
भूदेवकहियबुंदीसपुरोहिततुमदि
ल्लियतियजारकुमरखंडुवचिंतकुचित
अवसरकोपडूहाँनस्वामिसाकुवकुल
रानाँ॥तुरकनतैंतिनबेरखुहिसबगय
उरवजानाँसज्जहिँजुअज्जरनकुम्मसह
तोतुमढिगकुअनीकमितकछुदिनवि
हायदलइक्ककरिबकुरिसत्रुजित्तहिंवि
दित॥७॥दो०॥विरुदावतइमफुल्लिस
ठसुनिदिल्लियतियलाम॥बुल्योहम

हिंत टस्थकरिकरक्कुबिप्रसबकाम॥८॥
ष०प०॥सुनिसलरयह बिप्रश्रानिश्रक्खि
यतरवतेसहिं कुलकरसम्मतश्राहिमि
लक्कुतुमकुम्मनरेसहिं तबहिजायत
रवतेसश्रुरजकूरमप्रतिश्रक्खिय॥मर
हट्ठनश्रादेसकहक्कुइहिंदिनकिहिंन
किय तसमातधारिखंडुबकथितनुम
भुवहमपनलरनतिहिंहलुश्राहियह
लालतसन्धयलुहक्कुमेवारनन॥९॥न
तिधूरबयहसुनलकुम्मश्रनुकंपबिह
सिकिय भिल्लहडापुरबनिकथनिकप
करातिछोरिदियउपालंभलिखवायप
त्रपठयोरानांप्रति॥कियपक्षेदरकुंच
नदरबिढकिमुदिरगतिसुन्निपक्ख
चैतविक्रमसकगपंचगानवसुचंद्र१
८०५मितन्नृपकियप्रवेसजैपुरनगरमें

नुहारिमोदमईभईपुनिपानगंधनिवेदि
सर्बनसिक्खंडरनकोंदई॥रखंडूरुमाध
वतत्थहीपलटायपग्घसरवामयेपुनि
तत्थतेंचढिसर्बहीगुलगामपारहलों
गये॥५॥रवारीनदीतटदेंमिलानसबें
घनेदिनहोंरहेतबकुम्मबीरद्धसज्जहें
दरकुंचसम्मुहउमाहे॥त्रयकोसअंतर
देंमिलानयहैकछाहयरानपेंक्योंबेन
चुक्किकरारकेंपुनिसज्जकुवघमसान
पें॥६॥तुमआतनाथपटाब्बुपावतसो
हिमाधवकोंमिलेंघररीतिचूकिस्व
प्पकोंअबकोलबेनकहैगिलें॥तब
रानअप्पिअयअप्पजानतरीतिघ्घरध
रभिन्नहेतुमरेपितागजसिंहराज्यस
बेंहियाकेंहदिन्नहै॥७॥हमकिद्धना
थमसन्नज्यौंतुमत्यौंहिमाधवकोंकरे

निजतातमंडितपत्रअकबरलुप्पिलोभ
नअप्पहरो ॥ इंहिरीतिहोतजवाबजानि
रुकुप्पिरंवडुवउअवीरनकाजमोहिबु
लायकैंअबमामकीतुमजोधरी ॥८॥ तु
मतैंहिसंगरसज्जितोहमप्रीतिरीति
विसारिहैंकछुवाहहिंतुनतोलरोहर
नखूहमअथिसिकारिहैं ॥ तैंहरानबत्तकु
मुरअप्रेतरखतेसलैंयहअकबईअब
अ्थ्यसामकरोनह्योंरनबुद्धिरंवडुवकी
मई ॥९॥ तबरानआदिसमस्तफोजन
सज्जजुज्झनकीकरीरनननंकितंतिनसिं
धवीजननंकियक्खरघुग्घरी ॥ सुनिकु
ममसत्तुनसज्जहोतबिचारिरंवडुवभीर
कोंजयजानिसंसयमुक्कल्योहरनाथ
लारवबीरकों ॥१०॥ कहिमासकत्तिय
सगावाहमहूउदेपुरआयहैंअरुअ

यरुरान ॑ दलमांहिंलुहियजोरतैं॥
तबकुम्भबेनकहेजुमनिरुरानअक्खि
यहेभलैंतबदेकुपैअबतैंहिहाकिम
नत्थमामकमुक्कलैं॥१४॥यहबत्तकू
रमस्वीकरीतबरानआयसत्यौंदयोन
गरीलसीपतिचोंडवंसियमेघबुंदियभे
जयो॥टोडामहाजनटेल्चंदपठायरा
नखुसीभयोयहजानिमाधवमित्रसं
डुवकुंचदेउनकोठयो॥१५॥करिकुम्भ
कुम्भनरानतैंनिजधामरामपुरालयो
कतिदोहखंडुबतत्थरहिपुनिबप्पके
ढिगपुग्गयो॥इतकुंचईस्वरिसिंहहू
निजधामजैपुरत्यौंकियेकोटेसभेजि
वकीलअक्खियमोहिबुंदियदीजियै
॥१६॥तबलैवकीलहिंसंगकूरमसी
यपत्तनसंचस्योरुकहीतजोअंबरान

संगत तोकरैंतुम उच्चरयो॥नहिंतो कलि
यमासमैंतुमतैंकुसंगरजोरिहैंपहिलैंक
रीजिमिधूमितोपननेरचश्मलिवोरिहैं
॥१७॥कोटेसरानरूभूपएइतउम्मेदकुल
गाम तैंपुरधुंधरीतटदैमिलानरहेनिसा
सुखसामतैं॥तँहँजोपुरोहितरानकेढि
गहोसुसंभरमंगायोतबदयारामजुविप्र
रानकुभूपकोंहिततैंदयो॥१८॥निज(
विप्रलैदुवहहुभूपतिनंदगाममगयेतबैं
बुंदीसचश्मलिवारहीरहिसगतपुरगा
ढमैंजवैं॥तँहँसचिवहररजनहहुकोंसि
विकासमप्पियसंभरीश्चरुदेसमैंतहसी
लकारनसिरघुताहिदईखरो॥१९॥श्च
चलेसमाधानीसहिततबदेसहररजन
संचरयोसीलोरपुरढिगकुमसुमटलका
यरनतिनसोंकरयो॥अचलेसकैगुदि(

दूरानिनतैंसही ॥२६॥ इकसाह अहमद
हैपठानजु साहनादरमारिकैं ईरानपति
बनिलंधि अटकरु आतइतधकधारि
कैं ॥ तसमात आवकु आतहीरनथंभद्
ग्गहिं पायहो अरुजित्ति अहमदसाहको
दिल्लीसतोरबढायहो ॥२७॥ तजिनंदगा
महिं बंधिजो हुतकुम्मदिल्लियत्योंचढ्यो
परताप औरदलेलसोदरदोकुसंगहिले
चढ्यो ॥ मधुरागयेतबरोगकोमिसकैंदले
ललहोंरह्योपहिलैंहि अन्नतज्योंकुतो
अवमानछोरनहींचह्यो ॥२८॥ गंगोदमि
ट्टियपानकैंरुबिभूतिविप्रनदैदईमलरी
तिदेहदलेललैंनंतजितत्थहीगतिसोल
ई ॥ परताप अप्पजतासजुतकछवाहदि
ल्लियपुग्गयोअरजीनिवेदिरुतत्थहर
रनथंभ आवनकोलयो ॥२९॥ तवसाह

देहिंन देहिंयोंकछु हूनकुम्भहिंउच्चर्यो
तेंहूंकुम्भअकिववजीरसोंहठ सो हिथाव
नकोधर्यो॥ सुनिकुम्भहितुमजीरअकिव
यनांहिंअप्पभरोसहैंचलिहोनसोतुम
तोकहायहसाहकेसिर दोसहैं॥३०॥ यह
हअकिवअहमदसाहसाहतनूजसंग
वजीरहैकिवकुच्चकुम्भहिंछोरिअनी
कजुञ्जनवीरहैं॥ तबकुम्भसीयअमात्य
सोंकथगेहचालनकीकहीसुनिमंत्रिअ
किवयसंगचल्लुगेहकीनअबैरही॥
३१॥ तबकुम्भसंगहिकुच्चकेंदलपिट्ठि
वनअहख्योदरकुंचहंकिमुकामयोंतत
लंजनैतटपैंकर्यो॥ तैंहकुम्भहिंतुनजी
रचिंतियआदितैंममबैरहैंगहियाहि
दंडहिंबेगहीअवनांहियंहंजयनैरहै
॥३२॥ सुहिकुम्भभीरुनिसीथमेंसुलिखो

हैंकुम्भाइरन पैं मलारप्रधाननन्दहिंले
गयो ॥ जयसिंह मंडितपत्रकीसमुझाय
बृत्तालिखि दई पुनिनैरबुंदियलैनकीतिं
हिंबु ढिंदुढ्ढरकेदई ॥ ३९ ॥ गजबाजिमा
भुजभेदकिन्नसुलैरुसंगरपैंछल्योइत
कुम्भकेसब्बहासरखत्रियनन्दसम्मुहमु
कल्यो ॥ तिंहिं सामईस्वरिसिंहसौंक्षिय
मंतसोकनकारयोदरकुंचकैंपुनिलंघि
नम्मलिसिनच्चुगगामचारयो ॥ ४० ॥ इम
जायजैपुरसीममैंनगरीनिवाइयऊतरे
रुवकीलबुंदियभूपकेढिगहेतिन्हैंचु
लतेकरे ॥ लिखिपत्रसंगदयेरुभूपहिं
केम्प्रानकुयोंकह्योतबछिमचारनदान
श्रायप्रयानभूपतिकोचह्यो ॥ ४१ ॥ दल
नन्दकेरुमलारकेसबप्रीतिपुञ्जनिवेद
ऐतबच्चाहिभूपसिराहिचारनकौंरुचा

यवंबजित्तनकेसुरे॥सुतसाहअहमद
साहनैंइतजंगसत्तुननैंरच्योहरिमंथ
भ्राहुकरावत्यौंतरकावतोपनकोमच्यो
॥४५॥अतलादिभूपुटधुज्जिकैंफन
मालपन्नगचंपयो अतिचंडगोलन(
पातलैंब्रह्मंडफोलनकंपयो॥रुव(
जीरसंगरहोतमौंहिनिमाजकारनउ
नस्योमनसूरतोपनस्वामिनैंतहँस्वा
मिद्रोहरजूकस्यो॥४६॥बलतोपसी
थनजीरकौंहनिअप्पतत्थबजीरभो
सुतसाहअहमदसाहयहलखिका
लव्वितरुधीरभो॥कहिमाफआगस
हैपरंतुअवैंदुरानिनकौंहनौंसुनियौं
सदादतपुत्तहूमनसूरजंगरच्योधनौं
॥४७॥बकुबारतोपनमारदैरुइरान
कोदलजित्तयोद्रुतहीमहानदलंघि

अरुमुल्लिमाधकौंकहातुमसौंकजैपुर
तैंलई॥सुनतैंहिईश्वरिसिंहपैंतबन
न्हकगरमुकल्यो तुमनैंकहासिसुजा
निपुब्बकुमाररवंडुवकोकल्यो॥५१॥सु
निपत्तईसरिसिंहधुज्जिरुपुब्बबत्त
सुखीकरीरुलिखीभईपहिलैंसु ही॥
तबतैंहिहेममच्चहरी॥जुउमेदमाध
वसौंकहीसुमहीभलैंतुमलीजिये
हरिसौंहहेमुहिंत्र्प्पमन्निरुकुंचद
क्खिनकीजिये॥५२॥सुनतैंहियह
तबनन्हआयसकुंचदुंदुभिकोदयो
रुकहीनरेसहिंहकिमंडकुआनदे
समिल्योगयो॥सुकहीमलारकुभूप
संभरभुम्मिचालतहीलहोयहडैनतैं
हमसंगहैंजयनेरजित्तनउम्महो॥
५३॥सुहिमन्निमंत्रउम्मेदमाधवन

न्हसम्मलिहीन्वदे दलभार झोकनओक,
ओकनलोकसोकनमैंबढे ॥ कुसलेसन ।
मरुलायकेपतिरवासहैपरयोतबेपति
जानिमाधवकोंरुअकिवयअप्पंवस
हैंसबे ॥ ५४ ॥ सुलयोरुसत्थहिसर्बदंकि
यलंघिजंपुरगामकेलखिलकवदक्खि
नसेनकोंअरिओदकेढिगधामके ॥ दल
केप्रयानअआनहत्थिनदानपद्धतिसिं
चईबढिंफलगैलनभांतिसैलनरीति
कंदुककीलई ॥ ५५ ॥ दलभेटमारुतपे
दलेप्रतिमग्गहारुतभग्गयोवनजंतु
घोरनओरओरनप्रानछोरनलग्गयो
॥ करियोंप्रयानमिलानआनिबनासके
तटपैंकरयोतहँभूपडेरनआयकुलक
रनेहन्नतनबिस्तरयो ॥ ५६ ॥ सिरुपाव
दोयमहर्घओहयखासदायनिबेदयेपु

निरूपपरिकरसबकोंसिरुपावउच्चदये
नये॥रुकहीच्चलोहमसत्यसंधस्वदेस
आनबिथारिहैंनदनेंजुतोकुसमत्थहैं
ततकालजेपुरमारिहैं॥५७॥पुनिकुंच
कैंकहिनेरवाबियसीमबुंदियसंचरेम
रहट्ठलुट्टनइंद्रगढलरिव्वीलपूरब
त्थोंदरे॥दरमालदम्महजारसोलहब
कमरगढधकेरतिचहेहिहायनपंचतें
नाहिदेवकखिनकेभरे॥५८॥तसमा
तनासवदुग्गकोंमरहट्टलुट्टनउम्महे
सुउमेदमाधवजानिहेतिन्हप्रहुआ
निरवेरहे॥श्रियमंतआनदईरुअक्कि
यकालदम्मदिवायहेंअरुनांहिंसीक
तथहतोहनिकैंहमेंदलजायहें॥५९॥
इमरोकिसबनदोकुसत्थहिआनिडेर
नपुग्गयेतहंदम्मवासवदुग्गकेदसहो

हजारचढेदये॥रुकरायमाफहगारसं
त्तरिभूपताहिबचायकैंलकैदरिकाधुर
सीमकिन्नमुक्कामसबैलच्छायकैं॥६०॥
तबहीतहाँसनवाघसंतुबख्तीयर्वारस
लारनैंपठयोयहैपुरलैनभूपतिन्यालके
रनकारनै॥तैंहुँकुम्पहाकिमहैतिलैहु
रिजंगसंतुबतैंकयोसुरिवाघसंतुबनो
उदंतमलारतैंसनूउच्चरयो॥६१॥सुनतैं
हिकुलकररिवज्जिकुंदिगभूपतैंकोहिसु
कलीनहिंसिक्खसुभटनदेकुतुमहम
सैनजेपुरपैंहलो॥यहम्पक्खिदकैंस्थिय
मंतसौंह्हुतसिक्खसंगरकौंलईसुनिनिं
दिकुम्महिंनन्हहूरिवजिसिक्खजेपुरपैंद
ई॥६२॥अरुदैनसत्यविसासनन्हउमेदडे
रनपैंगयोविसवासभूपहिंभ्रातिभूरबढ़ैन
मंजुलबल्लयोबलबीरबीसहजारतैंतम

संग्रामहूमलारहेसुहिलैरुअप्पहिंमुम्मि
अप्पहिकुम्मकद्दकुठारहे॥६३॥यहअप्र
क्रिवंदेगजबाजिमूपहिंनन्हहंकनकोंभ
योरुमलारहूतियगोतमासुतपुत्रदकिव
नभेजयो॥यहगोत्तमामरुद्दपुंगवभोज
राजसुताकुतीजामातकोंसुतहीनजिहिंस
वहूव्यदैरुरवीनुती॥६४॥तबगोतमासु
मलारथ्याहियजोपतिव्रतमैंरहीतिहिंता
सन्तूरियसूनरीबलतैंइतीप्रभुतालही॥
सुपतिव्रताअरुपुत्रखंडुवनन्हसंगहिसु
कालपुनिलैहजारअसीचमूचढिनन्हद
क्रिवनकोंन्दले॥६५॥तबतीनहडुमला
रसाथवनन्हकेपकुंचानकोंकुवसंगपहू
निचुम्मलीतटदिन्नआनिमिलानकों॥
तहैंनन्हकेसबदासरवत्रियबुल्लिकुम्मअ
मात्यकोंतसहत्थइलकरहत्थदैकहिय

करियाँनचढेसबकुंचकैंरखुरघातछोनियखं
डई॥मगमाँहिबुंदियग्रामआयउतेकुभू
पतिकेकरेदरकुंचसज्जितसेनकेंजयनेर
सम्मुहउघ्यंरे॥७०॥कइलासलौंयहबत्त
ह्वैसिवहूजरङ्गवआरुहेडमरूकडाकिनि
लेभजीसुनिप्रेतहंकियसामुहे॥कलिका
रमोदितह्वैहसेकिलकारिजुग्गिनिउच्छ
लीगहकायगिद्धनिंगोदकोंचहकायचि
ल्हनिहूचली॥७१॥डगमग्गिसैलनसा
नुतैंबनजंतुगेलनबिकवैंरफनमालपन्न
गपहरीसननच्छिभ्भनटउच्छरें॥लहरैंहि
डोरनकोकनिंदतनीरसिंधुनसेतुभैबि
लुरैंभवासनआसपासनबासनासनहे
तुभै॥७२॥रुकबंधरकवसनारिसन्निभ
नारिकच्छपकीधसीकलिकाअगत्थिय
कीफटैंतिमदंतुलीकिरिकीनसी॥भय

बग्घकंपितछागज्योंदिगनागत्योंमदमोच
येभटभग्गभासतश्रात्मभूकटसग्गनासतसे
चये॥७३॥खुरधूलिधुंधरिनांहिंप्राचियत्यों
अवाचियसुज्झईतिमहीप्रतीचियश्रोउदी
चियमानवीचियउज्झई॥पवमानथक्कि
यअक्कउक्कियचक्कचक्कियबिच्छुरेपक्
ख्विमुरक्कियसत्तखंडपिरावचक्कियत्यों
फुरे॥७४॥सुरलोककुक्कियरासरुक्कि
यतानचुक्कियश्रच्छरीजियभीरुमुक्कि
यज्यौंबचैंसबनीरसुक्कियमच्छरी॥ह्म
सेनहंकतसत्रुसंकतकेसकंकतकेभयेप्र
तिभाऊमंकलबाजिडंकलभुम्मिढंकतह
त्थये॥७५॥भटकुंकुमीकरिचैलकेप्रभुगै
लजित्तनउम्महैंकतिबाजिराजनझारित
जनमाजिश्राजिनकौंचहैं॥कतिउच्छरैंसि
रकुम्भकोधनुरखेत्रलोष्ठविधायहैंकतियौं

नमंडतअप्पनीटोडारुमालपुरारुहैंगहु
रायमाधवकोधनी॥यहजानिईश्वरीसिं
हअकिवयजेदयेतिदयेसबैंसुनियोंमला
रकहायपच्छियनोंबिसासरह्योअबैं॥८०॥
तबकुम्मकग्गारमुकलेचहुवानभूपहिंफे
रिबेतिउमेदबंधिरुनोंमुसोपदुजंगहुद्द
रजोरिबे॥सुनिकुंच्चमंडिरुपिप्पलपुरजा
यबाहिनिउत्तरीउमरावतीननआयकैंतं
हैंभीरमाधवकीकरी॥८१॥जगतेसलंब
पुरेसज्ञानतथासिवापुरकोधनीउनियों
दिजालमडोडरीपतिउल्लरयोवढतीअनी
॥खंगारवंसियकुम्मकेउमरावबंधवतीन
येअसवारपंद्रहसेलियेंमिलितत्थमाधव
केभये॥८२॥सुनिपिप्पलसनकुम्भकेंबहि
सेनजैपुरत्योंसरीतंहंबोधिपादपकैंतरैंदु
कथातसंभरतेंटरी॥तसक्किनकल्पद्रुती

नुसारवसुतुहिभूपतिपैंचलीलखिताहि
हडुनकोसिरोमनिबाजिफैंकिकढ्यावली
॥८३॥ द्विजदानभोजनतानिमितअनेक
आदरतैंकरैंसबसेनसम्मलिहुंकिवेंपु
निजाय्फागियउत्तरे॥चढिकैंतहांसन
दूसरेदिनदच्छिनपुरकीमहीपुरनामला
खलालजायमुकाममंडियवेगही॥८४॥
रहितैंघनेंदिनबितयेतोहंमंत्रजितनको
मयोदलमीरखाडहिजारतत्थहिरानको
हुलपुम्मायो॥तिहिंमांहिंमालिकरानबं
सिथसंमुभारतस्रातहोरुमनानिदासप्रध
नपुत्रगुलाबकायथजातहो॥८५॥चुलि
मंघबेघमनाहभूपउमेदसाहिपुरावती
जसवंतदेवगढेसत्यौंविथुरातआहवउ
त्तली॥इनआदिलैदलरानकेभटभीरहु
लकरीभयेपुनिदेहजारहुबंधकेभटआ

नितत्थहिपुग्गये॥ ८६॥ तिनमांहिंमा
लिकदूदहरभरमेरमेरतियानथामनरू
पसचिवरुऊदहरवल्यानमेरअमेलथा॥
तेंहैंअप्पअप्पविथारिआयसद्वारिदेरन
उत्तरेइमपिक्खिसूरनआनिकूरनपुद्धही
मनतैंबरे॥ ८७॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउ
म्मेदसिंहचरित्रेत्रयोविंशो२३मयूख:॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥ दो०॥ नगरलदानौंहीसुन्यौंसा
हमुकुम्मदनास॥ सकसरनभवसुशशि
१८०५ समामेचकसावनमास॥ १॥ प्रभ
तिनहिंमुकामनतैंमलारनिजभटगंगा
धरसैंहैंसअद्दुदलसंगदैरूपठयोजैपुर
परतिहिंजायरुजयनेरद्वारअरनतोम
रहनि॥ बलवायेप्रतिवीरभीरुअबसम

खल्लोडुमनि कोटकेनिकटमालिनकुटि
यन्नाटिनसहितप्रजारिदियकूरमङ्कतुंग
प्रासादचढियहचरित्रआतुरलखिय॥
३॥तवनृपईश्वरिसिंहकटकपिक्ख्योति
न उप्परसेखाउतसिवसिंहबिदितनिज
सेनालखवरहहकूरमनिजत्रसनबेरहुं
हुमिल्लजवावें॥लक्खनरंकजिमायप्रीति
ओदनलबपावेंतिहिंखुल्लिअररजयंने
रकेसजलबाजिसम्मुहकियउमरहद्दभ
टनजयकारमिलिदुसहमारखग्गनदि
यउ॥४॥सीकरपतिकोलोहकटकदकिव
नसिरवज्ज्योघारिथदोयघमसानभुकति
गंग॥धरभज्ज्योपंचकोसपङ्कुंचायमुखोप्र
तिमगसेखाउत॥जायनिवेदियबिजयनृ
पहिंबंदीनबिरुदनुतअरुकहियजोन
अधुनचढहुतोसत्रुनसनहारिहैंनृपक

हियजहँअप्पनमिलरुसंगरबकुरिसुधा
रिहैं॥५॥दो॰॥पठयेयहकहिभरतपुरक
ग्गारजहँसमीप॥आवकुसूरजमल्लइत
मंडतजुद्धमहीप॥६॥गहियढिगलेबेबि
हैंतुमहिँबीरअप्रतिआघ॥हिमदकिबल
सिरहोइक्षबडुपहरजेठनिदाघ॥७॥इ
मकग्गारहुँ तँहँ पचैंचढिगजहरबिमल्ल
॥जयपत्तनतरकुँचजबआयोकटकउफ
ल्ल॥८॥नगरलदानोंतैंकियउइतसबद
लनप्रयान॥सावनउज्ज्वलभूतसकमिलि
सरनभधृति१८०४मान॥९॥हरपूरबकु
लकरएचेबगरूनगरमुकाम॥तँहँसनलि
यउमलारलबदमहजारदमदाम॥१०॥रा
नकटकअंतरगयउपुनिदक्खिनदलगय
॥भिन्नभिन्नसबभटकिये सिद्दितँडेरनजा
य॥११॥साहिपुरेसहिँआदिदेसबहिर

रानउमराव॥इक्कइक्कहयनजरिकरिबुल्ले
ल्लरनबढाव॥१२॥तदनंतरमरुधरकटक
पठ्ठंच्योकुलकरनाथ॥अभयसिंहभटबर
अखिलसंबोधेहितसाथ॥१३॥खासादु
वहृयदुवहयीसाखतिपुरटसमान॥चा
रुकरमसुबिनीतचउपीनरुरजतपलान
॥१४॥त्योंहिक्रमेलकदिग्घतनुभारबाह
पंचास॥मरुपतिएतेमुक्कलेप्रियसखकुल
करपास॥१५॥तेसबअत्थनिवेदयेसेर
सिंहमनरूप॥इकइकहयपुनिअप्पने
अप्पेभेटअनूप॥१६॥तिनहिमुकामन
पंचसतकोटाकेअसवार॥आयेसम्मलि
आकुरनचिंततविजयबिचार॥१७॥अ
खयरामकायत्थअरुनगरनागदहना
थ॥माधानीमोहनकुलजजोधमुक्खद
लसाथ॥१८॥तिनहूकोसनमानकिय

कुलकरडेरनजाय॥इकइकघोटकअथ्ये
प्रचुरभीतिउनपाय॥१९॥रुचिरा॥तँहँमा
धवइककपटबिथारियअग्रजपरिकर
कोरनकोंकन्हबकीलबकुरिगोग।उतमि
लिकूरमअनमोरनकों॥प्रतिउत्तरससमुझैं
तिमकुमारजैपुरसचिवननामरचैंदैंचर
हत्थकहियअग्रजचरइनहिंलखैंतब
मोदमचे॥२०॥यहसुनिचरदललहिजै
पुरगतजानिपरायनहत्थपरयोईश्वरि
सिंहकुलखितिनपत्रनहैंअप्रतिआकुल
सोककरयो॥जिनअभिधानलिखेउन
पत्रनतिनप्रतिअकियतुमकुपहो हर
गोबिंदप्रमुखसुनिबुल्लियउनदलकिम
तुमलरनचहो॥२१॥ईश्वरिसिंहसुसुनि
गहिमोनरुजहसहितदलनरनकहे
सहयलबारनगनदंहितबलकतंनक

ढूलबजे॥इतबगरुवबुधसिंहसुवनन्रू
पसमुदकबंधनसिविरगयोमारवमुदि
तमिलेनतिपूरबघोटकइककइकभेटभयो
॥२२॥इतपंडितपकुँच्योगंगाधरसुनिपु
रश्वररनसेलहनैंपुरजनपकरिसहरब
हिरागतबिदितविडारियमुंडिघनैं॥इ
श्वरिसिंहसुसुनिसज्जितकरितीससहँ
सनिजकटकचढ्योसंगहिजदृश्वधिप
रबिमल्लकुबाहिनिगाहिनिहंकिबढ्यो॥
॥२३॥सकसरनभवसुससि१८०५सम्मि
तसमभदृश्वसितगतदोजिदिनौंकिरि
रदतुदिहुदिश्वहिसलरुवसुमतिफुट्टि
यसमयबिनाँ॥हाकप्रचुरदिसदिसप्र
तिहारनहयनहजारनजूहजुरेश्वसह
श्वचानकश्वनउपमानकघनरवश्वान
कनिकरघुरे॥२४॥इतिश्रीवंशभास्करे

महावंपूसरूपेदसिणायनेदशमराशीउ

म्मेदसिंहचरित्रेचतुर्विंशोमयूख:॥ २४॥

॥ ९॥ ९॥ ९॥ ९॥ ९॥ ९॥ ९॥

॥स्तुष्प्रा०॥मन्ह०॥बावनबरनतैंसरस्वती

कोसरनस्ववेदिजाकोवस्रज्यौंदुसासन

केकरतैंछंदरूपद्रुतैंज्यौंप्रपंचितप्रसरपुं

ज्वीजवसुधातैंवरबुंदैंवारिधरतैं॥बारि

धितैंवीचिमारतंडतैंमरीचिमिततरल

तरंगास्त्रोतगंगागिरिबरतैंगोतमतैंन्याय

राजराजतैंज्यौंरायच्युंसैंकूरमकटककौंज्यौं

जैपुरनगरतैं॥१॥आवतहीपंडितप्रधान

तंतेगंगाधरफौरंसेचस्वायलोहस्युयोन

जिरवतुहैंलागोपोठिकूरमबिनौंश्रमबि

जयजानिजदनमसेतुसज्जसंगरसचेतुहैं

॥बडिसबपावेलोभलीनमहामीनजेसे

डोरिखैंचिवेतैंनीरतीरआनिलेतुहैंजेपु

रनरेसआनिडारयौंयोंमलारपैंज्योंडाकि
निकेडेराडावरेकोंडारिदेतुहैं॥२॥आव
तसुनतढुंढाहरकोकटकइतअपरअ
नीकहियपंकजखिलतुहैंबुंदीपतिमा
घवमलारअसवारहोतसिसकलुसेस
अंगकच्छपगिलतुहैं॥सिंधूरागलागें
रेंविरवागेंअनुरागेंआनिहाडिताानि
गागेंबढिआगेंकोंमिलतुहैंनयनगुल
बीआबीछनननेंछबीभूमिएडिनकीद
बीनोंअंगूठनमिलतुहै॥३॥बाननभ
अट्ठभू१८०५समानसकविक्रमकेभद्दव
चउत्थौस्यामभालनमिलनकोंनैरबग
रकरपेतपेचोंसेनसज्जकरिमंड्योमग
हहिकिसम्मुहमिलनकों॥आसिकअ
नेकेनोंकअरिबनीकेफनफोरतफनी
मारआरनमिलनकोंहाडाछत्रधार

औरमाधवमलारलागेराकुड्डेकैंकूरमकुल
निधिगिलनकों॥ ४॥ चढतचमूकेंचौंकि
चंडीचहक्कायगनगिड्डीगहक्कायरवेरखे
चपालखिल्लीपैंतरलतुखारसारएक्कर
अपारनादप्रचुरप्रसारजोनऊंतकारकि
ल्लीपैं॥ घुमंडिघटालेहड्डुकुलकरवाले
बीरकालेभुजभालेचालेदीरिमनमिल्ली
पैंकूदतकलावानागपेचपलटावादेत
कूरमपैंकावादेतदावादेतदिल्लीपैं॥ ५॥
प्रथममिलापरचितोपनकोतापकपिले
सकेसोसापबापकालकोबिथारयोत्योंक
रकिकरालसोरजालबिकरालफैलिक्का
लनबिसालज्वालमालजगजारयोत्यों॥
गोलनकेगोनपीलुमत्तेपोनपत्तेकरिते
नोंभोनतत्तेकरिप्रलयप्रसारयोत्योंनालि
नकोनादयोंनिहारयोबगरूकंजगमंदर

कोमास्योज्यों पयोनिधिपुकास्योत्यों॥ ६॥
घ०स०॥परतपलीते घोरजामजुग बीते
कूटि फेरनपैं फेरनर हैवरमरतजातसिल
गलसोरश्रोरश्रोरजातबरजोरजिलहज
लसीजंबूदीपकीजरतजात॥जंगबगरू
केघोसकोसनमकुमिकेंधिधूमधोरनी
कीधुंधिधूसरपरतजातसक्वीकरिस्तर
जासमरवीतोपलरवींभजमकवीपरले
लैकालानकीसीफिरतजात॥७॥गानन
बगोलेधमसाननउडाननलेधाननकि
साननत्यों प्राननतुटतजातदाहनदुस
हश्रवगाहनबिजयश्रेगचंडकच्छवाहन
सिपाहनचुटतजात॥दगिदगिदाबता
श्रतुलश्रलाचलगिगगिदूकलारफार
भारसीभुनतजाततावैंतिनतोपनश्र
गाजनतुनतत्यौंहीतोपनकेताकेहश्रवा

जनसुनतजात॥८॥प्रा॰मि॰॥मुन्दा॰॥रची
बगरूढ्मतोपनरारिझगेअयगोलझपाव
कुझारि॥भयेकचमालमईसबभोनगिरैंबु
कुबारनगोलनगोन॥९॥उडैंबरहैबर
त्यौंअसवारबहैंजमममाकिनैरबजार॥
उडैंबगिसोरझलाझलअब्भगिरैंसुनिग
ज्जतबब्रिनिगज्ज॥१०॥हल्लैंभुवपन्नग
सीसहजारमचैंकिरितुंडमचक्कनमार
॥नचैंजिममारुतबारिधिनावभयोद्रुम
छोनियतंडवभाव॥११॥भयेजडजोगि
यहृदिसमाधिवढ्योसबओरप्रजागर
व्याधि॥भज्यौंविधिधैलोकबनावनगारक
रीहरिसौंकुतजायपुकार॥१२॥लगैंअय
गोलकमंडतलोपउडैंध्वजदंडमयूखनभ्र
प॥थरत्थरभूजिमपोसिनिनीरसरैंजिम
ग्रीषमतप्तसमीर॥१३॥उडेहयअब्भ

सुहिकुम्मदुलीप्रतिबोल॥२४॥भयेअध
लोकडुयोंभरभीतबनेंअहमंडमनोंवि
परील॥अरेडुमहेंद्रलखमानखेरिल
शोभरडुहूनकूरमघेरि॥२५॥ष०प०॥द
गतछहूडुकुंओरतोपपटमदनवितान
नआतपडुवतपिअकनककाडुवसेदि
तआनडुहिंअंतरआसारमुदिरउज्ज
लिअलिमंडिय॥बडुसुखसीतलबात
लेदआनपभवखंडियडुवघटियहोय
सातआलादगाढकपनपनपुनिगहिय
पडुरभलादिनबगरूपडुमिबारिरुहिर
सअलिबहिय॥२६॥दो०॥मरहट्ठेरुक
तमुदिरजुरेबडुरिजुज्झार॥इकऊंचेथ
लपरचढेमाधवहडुमलार॥२७॥तोपत
हांसननिगुनखटमाधवकीचलवाय॥
कूरमपतिकेगजनिकटगोलेलगिय

जाय॥२८॥गोइतनैंरविचरमगिरि आर्धं
समयविधाय॥भीमनिसाआगमभयोदि
सदिसतिमिरदिखाय॥२९॥फिरनकीय
तवड्डुवद्दलनअक्विवयरोककुजंग॥म
नसूरनसोसुनिसुरेआयासितलखिअं
ग॥३०॥बुट्टितिमिरकरिसवननहिल
च्छौडेरनराह॥लरतकुतेतत्थहिरहेत
जितजितुरगसिपाह॥३१॥तीनतीनदि
नकोअसनरक्ख्योकलिनलगाय॥ति
हिंकरिभूखेतहकुवसूरसमिसमुदा
य॥३२॥बग्गाडोरिबाजीनकीगहिगहि
करनकराल॥सज्जहिरहिबैठेसवनक
ह्योजामिनिकाल॥३३॥माधवकूडक
ग्राममैंरहिकर्षुकगृहरत्ति॥बदलिनाम
तापैंहवंचेबितइनिंदविपत्ति॥३४॥क
वचसेऊउपधानकरयकुमिपृथुलपल्यं

क॥ सुनोतें हं जयसिंह सुव असिका मिनि
धरि अंक॥ ३५॥ सो वन न्हावन असन की
कहां केलिका तीन॥ बुंदीसक्कु इक खेत बि
च खिन दाकी नीखीन॥ ३६॥ कुलकरकै पट्टु
वीह ठनइक राव टीआनि॥ बित्ती कठिन
बिथा बरी चटकन कुवचह कानि॥ ३७॥
नित्यनियम मंड्यो नृपति उ द्विसबनसन
अग्ग॥ एते बिच पिकर्यो अडर माधव
आवलमग्ग॥ ३८॥ षट्प०॥ सकगुननभ
धृति १८०३ समय मित्र माधव खंडुबक्कुव
बदली दोउन पग्घ धरि सुर क्रीडवन धु
वइहिं दिनवहउ व्योखकुम्म आयउ धार
नकरि॥ जपिन्नृप हिं तुज्जु हारइक तरुत
लायउ त्तरि द्विजदयाराम पठयो नृपति
पुलनकछुकछवाह पैं हैं तिहिं जायल
खिय जयसिंह सुव चबतदक्क मउद्दत है

॥३९॥ दो॰॥ ऐसोहूआवतसमयघोरम
चतघमसान॥भूपतिहूनिजभूखकोंदे
तमोटबलिदान॥५०॥इतकुहहुनृपनि
त्यकरिबेअ्वदेवकरवाय॥जथालाभलैअ
लअरुसज्यो कवचसुमाय॥५१॥इहिंअं
तरजैपुरअधिपचढ्योचमूजुतचंड॥
अभ्रमुपतिपरइंद्रसमवेगेसजिबेतंड॥
५२॥इतउमेदमाधवअरहिहयचढिस
म्मलिहोय॥कुलकरढिगआयेकुलसि
दलहिंप्रचारतहोय॥५३॥नृपमलारह
रवघल्लहैजयपुरसम्मुहजंग॥कुंतभ्रम
तअसव्यकरफेरततरलतुरंग॥५४॥
परेपलीतेतोपपरिअतुलदगीअररराय
॥वासवकेधौंवज्रलैघल्लैंअद्रिनघाय॥
५५॥षट्प॰॥तोपनलग्गतअग्गिग्याल
रीढकवररक्कियदररक्कियकिरिदह

कमठखुप्परिकररक्खियपृतनाबिचकरि
पंथ्थकढलगोलेसकसककरि॥मनहुसं
घमायूरधसतकाननकेकाधरिमल्लार
पिट्ठिकोदाचमुपहोमोहनसिंहोतभट
वहजोधनागदहपुरअधिपगोलालगि
गयबिहिलबट॥४६॥ऐसेकठिनअने
हकहियमाथवमलारकेंहं हमकिहिं
ठोरहैसु।त्वरितसुनिदियउत्तरतेंहं॥
हेरबकुव हरुंदीसबीरकिहिंगेरबिहार
ललितसेकनहिंलालइहांनिकसत
असुआरतमेरेहिकहेंरहनौंजुमतआ
निरहकुलोमममठदरसुनियहसिटाय
माधवसलजडुवप्रदोषपंकजकहर॥
४७॥दो०॥इततेंगंगाधरसुदूजीअनिप
बनाय॥पैलीघाँसनउडिपरियजेपुरद
लविचजाय॥४८॥ष०प०॥गंगाधरहय

पेप्रवीरतानितीरजंगधीरजञ्चते॥बजे
निसानस्वानजेदिसादिसानबित्थरेञ्च
मंकिपारिच्चिकरीडिगेरुदिक्करीडरे॥५८
॥हजारपंचसेनहेसलेसकाजमुक्कलीर
सामुरीसमीपलौंगयेतिलूटतेचली॥हू
जारच्चंककेलियंमलारउप्परोइतैंजिते
जितैंच्चलालखालरग्गलैंजितैंतितै॥
५९॥तुलैंनकोनहक्कसैकुलैंहरोलहक्क
हैतुलैंतुरंगतक्करेधराधुजातधक्कदे॥
उमेदमाधवेसहूजेदुरूहसत्थन्हैक
रिन्दजामकुम्भपैंधिलेप्रचारिपत्थन्हे॥
६०॥करीनकेकलापकेकलापकेतुकेसु
लेचलेसभग्गरूवरग्गासेनञ्चमासंकु
ले॥रिञ्चकेकमानबीचबानदेडितुंडदंत
केकरेंकटारकेकपारदेवदारकंतन्हे॥
६१॥झरैंतुरंगफेटभंगपेञ्चरंगझंडकेति

रैं खलीनखग्गखीनदुंदुभीनखंडके॥क
हैं कपालभिन्नभालत्र्यंखिलालउच्छटैं
॥बटैंबिसालग्रीवगालजत्तुजालत्यौंफ
टैं॥६२॥कुकैंडुकैंफुकैंकलेजकुम्मकेरुकैं
लुकैंसुकैंकरीनदानतानगानअच्छरी
स्टुकैं॥छिकैंचिकैंकिरीटकेकओटघोट
कोटिकैं थकैंजकैंहकैंकितेकबाढबन्हि
कोसिकैं॥६३॥जगैंप्रकोपअक्कओपके
कलोभत्यौंदगैंभगैंबिसालसोरकालदी
पमालसीलगैं॥जचेसुमल्लजंगकेतुरं
गलापमैंतुचैंरचैंबकारिरारिकेडकारिडा
किनीनचैं॥६४॥गजैंगसूरपूरसूरकूर
कूरकैतजैंसजैंरजैंभजैंननीरकेअनी
रकेभजैं॥तनैंप्रकारलुत्थिलारमारमा
रकेमतैंधुनैंचुमायघोरघायवायमत्त
सेचलैं॥६५॥थपैंप्रयानप्रानकोपजान

कानपैंजपैंबिसारज्यौंअपारबेगधारसु
म्मुहेधपैं॥छवैंछलंगिछोनिहेंडुसार
संगिगेदवैंफवैंअगोटचंडचोटढाल
ओटकेढवैं॥६६॥सनंकिचौंकिभिल्ल
नीभनंकिगिद्धनीभ्रमैंखमैंथवागखाग
भोगभागनागकेनमैं॥कैरैंअनेकधावके
कपावअम्गहीपरैंजरैंप्रसूनभूरिभीरवी
रअच्छरीवरैं॥६७॥मिलैंअभीतजंपि
जीततीलुबीतदेपिलैंखिलैंसखानखेव
रीभयानभूचरीभिलैं॥लसैंनसैंअनेक
सूरकेककुल्लसैंहसैंघसैकितेकनाकके
कनाकजायकैंवसैं॥६८॥थरत्थरीथिरा
कुपिक्खितेगकीतरत्तरीबरच्छरीलगैंन
जासफग्गकीचरच्छरी॥छगच्छगीछछ्छ
डडुकोलकीडगड्डगीजगज्जगीद्दगिल
गिनाकलौंटगड्डगी॥६९॥खरीखरीखि

घाय खाय के पर कें करी करी घरी घरी घुमाय
जाय छाकि गी छरी छरी ॥ लजे लजे लकैं लु
भाय भीरु के भजे भजे सजे सजे सि पाह ले
त मार दै मजे मजे ॥ ७० ॥ बटे बटे पिसाच
बुक्क फिप्फरे फटे फटे कटे कटे गहैं कलेज
लौंग हैं नटे नटे ॥ सची सची भिरैं सम्हारि
वारि लौन चीन चीन चीन चीपि फिरैं निहारि
जुग्गिनी जची जची ॥ ७१ ॥ धके धके लस
लोल कल्ल कूलैं कूल के थके थके गिरैं कु
पाल लाल तैं ढके ढके ॥ कढे कढे किरंत
लोल बक्क के बढे बढे गढे गढे गडंत गि
द्ध लुत्थि पैं चढे चढे ॥ ७२ ॥ मिची मिची त्र
लेक अंग खिखोन मैं सिची सिची मिची भुजा
भभंत भूत रीझ ची ईची ॥ कुपे कुपे जुरैं कि
लेक रंग मैं रुपे रुपे लुपे लुपे लिखात पाप
धार तैं भुपे भुपे ॥ ७३ ॥ अनी अनी अरैं घ

टकिघुम्मरीघनीघनीजनीजनीछुआत
आतअच्छरीबनीबनी॥भईभईभनैंति
भिन्नकेकरैंरईदईनईनईरच्चंतरारिजो
धजेजईजई॥७४॥मुरेमुरेमरैंकुमोतिद
खिबेदुरेहुरेबुरेवुरेबजंतबंबढोलकेदुरे
दुरे॥हिलेमिलेबहैंकितेकखीजमेंखि
लेखिलेमिलेकिलेदुझैंअनेकसंगितेसि
लेसिले॥७५॥अंसेअंसेफिरेमलाररा
केथसेग्रसेलसेलसेलरैंतमासधुज्ज
टीहसेहसे॥कहेकहेजुरैंकितेकचंडिका
चहेचहेबहेबहेफिरैंबपातुगिद्धनीगहे
गहे॥७६॥जटकिकाइकाइकौंपलकिब
जलौंपरैंसटक्किखमारछुप्परीअटकि
पग्घउत्तरैं॥दरक्किछत्तिदखियौंभरक्कि
जेपुरेभजैंकरक्किसंधिफिलटोपरक्किबा
ढकेबजैं॥७७॥लचक्किसेससंकुलीभ

चुक्किभुम्मिनिक्खरैंमचक्किपिट्ठिकाम
ठाचक्किपंकमैंगरैं॥मिलग्गिसारकी
सिखाफुलिंगफैलतेबमैंमनोज्ञमुंडमा
लिकारचैंकरालकालिकारमैं॥७८॥खिरं
तरंतकंतकेकरंतहंतदिग्गजीगिरंत
सूरमेरुक्कीभरंतस्वासभाभजी॥कपी
सहीनकेधुनीनकोपकेकसानुहैदु
सेवितानधुंधिभानुदीहसीतभानुहै
॥७९॥रजोमईतमोमईभदालिभीर
भूमईबिमानजालदेवतानतालरीझि
दैदई॥धुसैंछुरीदुसारवीरपारनीरधा
रसौंस्वसैंउतंगकैपरेमतंगमुग्गिसार
री॥८०॥समुद्रसत्तलैहिलोरऔरऔर
सुन्नैंभनैंसिरातचंद्रभालकालकल्प
कोजनैं॥अनंतमाहिंअंतलैउडंतचि
त्तनंगकैहनंतहत्थअंगकेभनंतमत्थ

भंगहै॥८०॥बितंडबाटिकानदंतहस्ति
दंतउप्परैंकिरैंसुकुंभकोहलेपलांड्डुघंट
निकरैं॥कटंतसुंडिककरीप्रवृत्तिपाथ
पीनकेकिलासनासईषिकारुआलुऔरखि
कीनके॥८१॥कटिल्लकर्णिकावलीभदा
हदावलीभयेअरिष्टकेअपष्टबृंदलोम
कंदउन्नये॥बनेअरीपलासकानऔंदु
नागबल्लरीकलेजपीलुपर्णिकाकसेरुता
रईकरी॥८२॥बनातसौंअनेकप्रेतसाक
बंजनावलीकपानथाप्रकारमारकीम
लारकीचली॥कहैंकितकलायमायगाय
कायकेगहैंलहैंकबायलायकेघुमायघा
यकेसहैं॥८३॥चहैंअग्गरजेपुरेसगेपुरे
ससांकरैंमलारभीमसेनकीगलारगंजि
कोलरैं॥इतैंप्रचुद्दरासम्हुपच्चुकुद्दजुद्धयोंम
च्योसुनौंसमस्तप्रीतिकैंउतैंसुरीतिकैंर

कतिमरदट्ठप्रसारकौंबिचरेपुब्बहिबीर॥
मृगजैपुरतिनकौंमिलीआवतिरसतिअ
धीर॥९२॥ताकीसंगजुहेतिनहिंआनंग
हिदलअंत।कुलकरसनअकर्योकुलसि
आवनरसतिउद्दंत॥९३॥जबकुलकरजे
रमतिजनआनैंअननिउतारि।अवनन
कतिनकेसरिसबहिरुद्दिन्नविडारि॥९४॥
करनबंधमगरसतिकमइतमलारकिय
राह॥पंचसहँसदलउतपिल्ल्यौखुरनबि
थारतखेह॥९५॥संभरपुरलगतिहिंस
जवहुंडाहरलियलुट्टि॥इमजैपुरजनप
दअसहफौजनहारवकुट्टि॥९६॥इत
बगरूनिसआगमनकुलकरपरछलहे
रि।कूरमनाहिंकढ्ढिजानकौंदियउछबी
लौंफेरि॥९७॥जामिकजनजागतरहेसे
नइतररहिसोय॥इहिअंतरअप्पनउफ

नितूटनलग्गेतोय ॥९८॥ पानीबुद्दतउद
यपरआनिचमक्कियअक्क ॥ कालोदितउ
ठिकृत्यकरिचढैबक्करिदुवचक्क ॥ ९९ ॥ ष०
प० ॥ कुलकरदृतहयचढियअूढकंकटक
रिनिजबलउतजैपुरअधिराजनढिगग
जराजचलाचलरउत्तरमुखअडरबेसुद
क्खिनमुखआेपत ॥ खुंदिधरनिखरखुर
नउरनआयुधआरोपतझरिबाढबाढद
वगाढझगिक्षितिउल्मुकलगिउच्छलन
गांडिवबजायडारियगजबजनुपांडवख
ड्डवज्वलन ॥ १०० ॥ दो० ॥ तंतेकोंकरिमुख्य
तँहँसमरभार धरिसीस ॥ कूकअनीचं
दोलपरपरईकुलकरदूस ॥ १०१ ॥ जैपुर
पतिचंदोलजहँ हैनारुककछवाह ॥ गंग
धरतिनक्खिवगर्गजिप्रविस्योप्रचुरासिपाह
॥ १०२ ॥ ष० प० ॥ गंगाधररथसिंगयउकाढि

तन्त्र तिजोर हरत मरहट्ट असुरेरा करत
खगराज रय विहनन प्रहार लघुतूल
विधि गंगाधर सु पलाय गय ॥ १०६ ॥ दो०
॥ सह्यो भूलैं हीजहँ नीजाय अरि खु अरि
षू ॥ जिहिंजा ठर रबिमल्ल कुव अमेरनको
इषू ॥ १०७ ॥ छप्प० ॥ सूरजमल्लसजोर मुर
रि मारेमरहट्टे मिलत बत्रु फनमेटि
नाग आतुरगति नट्ठे परे कुणाप पंचासत्र
ट्ठ उत्तरसत घायल ॥ दीनों दक्खिन ठेलि
तुमुलकीनों रिसताय लभयटारिनरू कन
थप्पि थिर पुनि कूरम अचंदोलपरहरवल्ल
अपण आयउ कुलसि मिहिरमल्ल गहिजय
गुमर ॥ १०८ ॥ दो० ॥ बक्कुरि जहँ मल्लार मन
लरन लग्यो हरवल्ल ॥ अंगदट्ठे कुलकर
अखो मिहिरमल्ल पतिमल्ल ॥ १०९ ॥ रदन
मध्य रसवार हत ट्टमसंकट कछवाह ॥ त्रं

तरवाहतसामथ्थबलेतनरनजयलाह
॥११०॥षप०॥ घरनिफटधसमसतकंपि
कसमसतकुलाचलदिसदिसलोहितलि
पतदिपतसुकृतदोऊदलइहिंअंतर
आसारप्रचुरपुनिरचियपयोदन॥चह
लपहलचलतुरंगहहलपानियचकृको
हनकुह्योमलारतंहंडुवनृपनपरअप्प
ननहिसुधिपरतनुमअलपसत्थममढि
गरहकुभटनभिन्नरकवकुलरत॥१११॥
दो०॥ बुंदियपतियहसुनिबचनसतसा
दियलियसंग॥हरजनइतरअनीकले
रह्योभिन्नरुधिरंग॥११२॥हयसतरकेवम
धवकुलेइतरनजयलीन॥सिवाईकुसि
वन्नलहरकुम्भपृथकरनकीन॥११३॥लं
वसिवाअरुटोडरीअधिपमिलेत्रयआ
नि॥तिन्हगोगाउतप्रेमलेपृथकजुरयो

असिपानि॥११४॥एक हहुकूरमउग्रग्र
नुक्रमबंटिग्रनीक॥स्वामिनकुलकरसंगक
रिमंड्योपृथकसमीक॥११५॥ज्यौंहितउंदेपुर
जोधपुरकोटाकेदलकुल॥भिन्नभिन्न रहि
कैंभिरेजैपुरपतिसनजुद्ध॥११६॥कुलक
ढिगद्दुवमृएर हितुमुलारश्रोग हितेग॥
पानीग्रायुधपैंजकरिबुद्ध नलग्गेबेग॥
११७॥भीजीपग्ग सुदूलकरिंदैग्राविकपट
टोप॥कुक्कापीवतकुलकरकुकलहरनरो
ग्रतिकोप॥११८॥षट्पमृ०॥खेलरनतरंजकी
सारिग्रनुकारमल्लारनिजबीरग्रग्गैंमहा
बैंहद्दुप्रतिमल्लहरबल्लरचिहल्लहग्गभीर
वरनीरबुंदीनकावैं॥हद्दुसाग्रंतहरनामह
रजनसुनृपसन्निनलेसेनहूकश्रोरजुझै
मेघग्रासारभयकारग्रंधारमिलिग्रपन
रुपारनहिंनैंकसुझैं॥११९॥सिवाईसिंह

कच्छवाह सिवब्रह्महर माधवामात्यइक
ओरजुद्दें तीनकछवाह खंगारहर लैरुद्द
तगोगहरप्रेमकरबालकुद्दें॥रानजगंतस
कटकेसद्दूत संभुअरुसाहिपुरभूपउम्मे
दरुप्पे साथिविगुलाबअरुदेवगढकंतज
सवंतपुनि बेघमपमेघकुप्पे॥१२०॥जोध
पुरसेन पतिसेरुअरुसेरमन रूपकल्या
नसामसेरगोरें योंअ्रखेरामकोटेस कटके
भरनेसरुमनसेसफन पेसिडोरें॥कुंतअ
सिहत्थमिलिबत्थकतिसत्थगति पत्थत
तिलत्थुसिव्वुत्थुत्थुग्रंथें भीमअनुकारिग
अधारिधनुधारिकलिमारितरवारिथिररा
रिथप्पें॥१२१॥नीरअरुछीरनिभधीरक
तिवीरहम्मीर मिलितीरकरिभीरटौरें
कालनिकरालकतिज्वालदृगलालअ
रिसालभरिफालगजढालढोरें॥भीरुभ

यदेतगिलिगोदपललेतअतिहेलक
रिखेतविचप्रेतनच्चैंत्रासतजिआस जिथ
स्वासहियलासकरिखासरनराशनरना
समच्चैं॥१२४॥रोरचक्कुंओरअतिघोरबर
जोररचिसोरतखिदोरभटमोरसज्जैंसो ह
घलिद्दोहरूलिकोहकुलिछोहछुलिलो
हसंदोहवछुलोहबज्जे॥इद्धकट्टिड्डिल
लिसिद्धलगिलिद्धबिनुसंकपलपंकवि
चकंककुदेसैनडुवलैनजयलैनमुरैन
रनश्रेनकतिबैनथकिनैनमुंदें॥१२५॥
एहबिचलेहकरिसेहभुवनेहपुनिमेह
बिचमेहबिनुछेहबुह्यो बंधिघनपाजगु
रुगाजरथकाजनजराजपरजा॥निमुरस
जरुद्यो॥लेइश्रुतिधारिनृपरामदुरिला
रिअतिवारिकरियरिलरवारिरुक्को प्रोपू
पदमासइमवारिदनिलासपललासन

आसमयआसमुक्की॥१२४॥दो०॥ऊरमैं
थौलैहमंबुरऊरपस्योअचानकआय॥
सरनसमयअरुहथनपयभयेचलतजड
गाय॥१२५॥सोकिरदकतबड़ुवकदकप
सेसिचिरननिहि॥अमितभटनछोरी
सजवअसिसुहिरहयपिहि॥१२६॥छ
द्वाँसितबितायइनबकुरिबिताईरत्ति॥
दक्खिनदलसत्तमिदिवससजनलगे
सुनिसत्ति॥१२७॥एहसुनतआमेरपति
व्याकुलकिन्नबिचार॥मरहट्टनरोकीर
सत्तिमंत्र्योप्रसभमलार॥१२८॥जनकल
दूसंथाकरिजुसुंदीनौंहिं॥गंगाधर
कोंसुलकैमोरकुअप्पनमाँहिं॥१२९॥कू
रमपतियहमंत्रकरिखत्रीकेसवदास॥द
म्मवकुततसंगदेपठयोतंतेपास॥१३०
राजामलतनसुतहँगंगाधरलियफो

रि॥दईसौंकछन्नैंदुलभमायाकरिमनमोरि

॥१३१॥अरुअकबीतुमरेलगेफोजखरच

जेदम्म॥देंहैंनृपतिनतैंद्विगुनकरङ्कसाम

हितकम्म॥१३२॥बुंदीकोबत्तनबदङ्कभरि

धनसकटसुभाय॥कुंचकरावङ्कटकके

लकरपतिसमुझाय॥१३३॥गंगाधरयहसु

निगयोखरजरजूतीखाय॥कह्योमलारहिं

कुम्भपतिबङ्कधनदेतसिटाय॥१३४॥अब

नसुनङ्कउम्मेदकोलेङ्कअतुलबसुलाह

॥जगकहिहैंङ्कुलकरजबरदंड्योजैपुरना

ह॥१३५॥ङ्कुलकरकीयहसुनतङ्कबिगरि

बुद्धिबिपरीत॥धरनलग्योगनिकाधरम

जानोअप्पनजीत॥१३६॥सोसुनिद्वैसतसु

भटपतिबालकष्णाद्विजबीर॥ङ्कुलकरसय

ननिकायकोजामिकजेपैंधीर॥१३७॥पुण्य

केदलबिचप्रकटकोरकरियुमरगलार॥

किमकहिय्यायेनन्हतैंलोभीकितवमला
र॥१३८॥कैसीसंधाकरिचलियकैसोमंत्र
बिधाय॥संधाकौंतुमकौंसततहैधिककु
लकरराय॥१३९॥कौंधनलक्खनकरज
कियरचिदलबीसहजार॥कोंमाधवउम्मे
दकौंबुल्लेबिनुहिबिचार॥१४०॥चलिदक्खि
नप्रभुनन्हसौंनीचेकरिहीनेन॥तंतेबंभन
सठतुमहिंलोभदेतकछुलेन॥१४१॥कात
रपनताकोकह्योधारहुननधरिधीर॥वह
सूरबियायहकहतबलहिसिराह्योबीर॥
१४२॥मनगोपलटिमलारकोलग्गतबच
नप्रतोर॥तंतेकौंबुल्लिरुत्वरितबुल्ल्योल
रनबिनोद॥१४३॥सुनिगंगाधरवहकित
चलजिहैंबुंदियदेस॥च्यारिअनुजहितपर
गनेंदैंहकुम्मनरेस॥१४४॥बुंदीसहिंबुल
वायपुनिताकेडेरनजाय॥इक्कतरवतदुवबै

ठिहैं सममसतकार विधाय ॥ १४५ ॥ दौंकाउ
चितनिवेदिहैं कहिकहिनृपउपटंकतोअ्य
प्पन दलकुंचहैं नहितोजंगनिसंक ॥ १४६ ॥
सत्रीअंखिनिहारितबतंतेत्रसितबिसेस ॥
अकवीकेसबदाससौंकरकुमलारनिदेस
॥ १४७ ॥ सुनिखत्रीनिजस्वामिकौंजबहिसु
नाईजाय ॥ हितमाधवउम्मेदकोकरनौंही
अबन्याय ॥ १४८ ॥ कोपतकुलकरविनुकरैं
अंखिनथकतअलाव ॥ रसतिबंधपहिलैंब
रीअबग्राननपरदाव ॥ १४९ ॥ ईश्वरिसिंह
सिहायसुनिभयोअमाससिभाय ॥ गंधन
कुलकोग्रासकरिउरगजानिअकुलाय ॥
१५० ॥ सबहिबत्तसीकृतकरियजैपुरपति
भयजानि ॥ संधिविधायमलारसनमिल
नविचारप्रमानि ॥ १५१ ॥ अकवीकेसबदास
सौंसबउनकीसीकार ॥ अबकछुअकवीअ

प्पनीमानकुवत्तमलार ॥ ९५३ ॥ कुलकरत्र
रुहमलोभकी बत्तसमस्सकरैंन ॥ जोकहनी
सुवकीलजनबंदैंपरोस्सहिंवैंन ॥ ९५३ ॥ ष०
प० ॥ अपनेंडेरनप्रथम हड्डुकुलकरडुक्त्र
वैंपलटिपग्घमह्लारहमहिंवडमित्रबनोंवें
कुंबुकरनकेंकालबंबपहिंलैलितिन्हबज्जें ॥
पिच्छैंहमहिंचढायचढकुइमवेहनलज्जें
सुनिकेसवदासमलारसनकहियआनि
कूरमकथितकुलकरसमस्तस्वीकारकरि
चाह्योमिलनप्रसन्नचित ॥ ९५४ ॥ सत्तमित्र
कुमिनवमिदसमिएकादसिदित्तीद्वादसि
केदिनमिलनथप्योकुलकरकरिकित्तीब्ल
सनतंवूदूरतबहिइककुम्मलनायो ॥ मंत्रके
रिकापथकमंडिअप्पकुतंहंआयोदेपिद्वि
वूकातकियादरित पृथुलदिलीचारुचिर
परपरिरवदबनायजयसिहसुवबेगेलेढि

गसुभटवर॥१५५॥दो०॥इतहड्डु रुकुलक्कर उभयसुपक्षभीरिमन्नाह॥भिंटनजैपुरभूप कोंविदितचलेचढिबाह॥१५६॥लयेउदेपु रजोधपुरकोटाकेभटसंग॥उभयहत्थमैंह त्थदेजोतिपर्थारजंग॥१५७॥स०गं०॥तौंत गंगाधरसेलूखकुराइसंतूबाउलातीनोंही कुलकरकेउमराबहरोलभये।अरुविजय केमदमत्तचोलरघत्र्आतंकडारततमासगी रलोकनकोंहटालगये॥प्रथमतोउदेपुर जोधपुरकोटाकीसेनाकेसिरदारदोयदोय मल्लारनेंमिलिबेकोंअनुक्रमतेंपठाये।तब साहिपुराधीसराणाउतउम्मेदसिंह देवग ढनाथचुंडाउतराउतजसवंतसिंहबघस पतिचुंडाउतराउतमेघसिंह सनवाडपति सेनानीभारतसिंहकोकनिष्ठसोदरराणाउ तसंभूसिंहप्रधानभवानीदासकोपुत्रगु

लाबसिंह त्यों हीर थ्यों पति हूदाउतमरति
यारह्नोरसेरसिंहऊदाउतरह्नोरसेरसिंह
कल्यानसिंहभंडारीमनरूपतथानखसी
कायस्थश्रखेरामइत्यादिकईश्वरीसिंह
तैंसत्कारसहितमिलिश्राये॥१५८॥दो॰॥
तदनंतरनृपहडुश्ररुकुलकरकरिहथजो
रि॥श्रबिसप्रतिसीराबलजलरलतुरंगन
छोरि॥१५९॥चुरतदिढ्ढिजैपुरनृपतिकुल
सिउ द्योकरिहेत॥सम्मुहपायंदाजतक
श्रायोबिनयउपेत॥१६०॥मत्थैंहत्थल
गायमिलिमोदपरस्परमानि॥इक्कदिली
श्राऊपरहिंइमबैठेत्रयश्रानि॥१६१॥ईश्व
रिसिंहप्रतीचिमुखप्राचीमुखराय॥क
छुकालसंलापकरिउठेद्रोहसबधाय॥
१६२॥मंत्रकेणिकामांहिंपुनिप्रबिसेत्रय
हयपास॥कुलकरकूरमहडुश्ररुतंतेके

सवदास॥१६३॥बुंदीपतिप्रतिउच्चरियजै
पुरभूपतिजत्थ॥दूररहोकछुकालतोमं
त्रनैंदमत्थत्य॥१६४॥तबनृपकुछ्योकर
तदुममरक्कीसंलाप॥मैंप्रबोधअबनथी
तेमैंनिधरकमैंअकुल्याप॥१६५॥अक्विनय
दलतत्थकिरहोसंभरराजस्थलंच॥केस
बकुम्मलारकियपरहद्दीबिचमंत्र॥१६६
॥तदनुपगानिजकुंकुमीलेकैंडुलकरईं
स॥हीरनकेसिरपेचजुतधरीकुम्मनृपसी
स॥१६७॥डुलकरसिरअपनोधरिल्योंहो
कूरमराय॥धरियरक्विवदोउनदई डब
नमाँहिंधराय॥१६८॥इतरकुसुंभीकुम्म
धरिबिसदपगयमल्लार॥मंत्रनिलयबि
चमिनकुवडूमडुवमुदितअपार॥१६९॥
च्यारिपरगनसाथवहिंबुंदीनृपहिंदि
वाय॥डुलकरकूरमहत्थको लिखोंपत्र

लिखाय॥१७०॥ बकुरि चलेउ ठिसि कव्वक
रि कुलकर अरु चक्कवान॥ कूरमपायं दाज
तक चल्यो तब कुंपकुंचान॥१७१॥ इमप्रवि
सेरो ऊअ डर निज निज डेरन आय॥ कहि
पठई दूजे दिवस कुम्माहिं कुलकरराय॥
१७२॥ अब बुंदीपति के अरथ भेज कुटोंका
रूप॥ सुनियह लियजयसिंह सुव पुनि
अभिमान अनूप॥१७३॥ पा० कु०॥ कूरमप
ती रहकहाई भिट नृत्य अपैयहैं भाई
॥ तनतो वेआये तुमपिहिं लैं अपनउमेद आ
वन हम ठहैं॥१७४॥ सुनि हडुरुकुलकर
हलसा हो बेर डूक आवन निरवाह्यो॥ तु
महिं उचित आवन अवतातैं दिवस भयो
इक राह हि दिखतौं॥१७५॥ यहसाहस दुक्कु
ओर कह्यो अति पृथकत नायथूल बुंदी
पति॥ रह्यो तहां कूरमम गहेरत टर तजा

तदिनटेरतटेरत॥१७६॥वीचभयोतंतेहि
सदालोधरविधिवत्तकुम्भश्रुतिघालो॥कु
म्भकहीसुनियेगंगाधरअबजोतुमञ्चान
कुयेंहंसंभर॥१७७॥तबभवदीयहिनृपन
जांनेमल्लारकुउचितनहिजोमानें॥गंगाध
रदुकुंश्रोरखिसानोंइतउतकेसंकुचञ्च
कुलानों॥१७८॥अंबुजमनडुंतरनिअर्द्ध
दयअरथकपाटखुल्योजिमआलय॥सो
वतकछुकछुजगतस्वप्नसमबानिकवय
ससंधिबनितापम॥१७९॥तंतेरह्यो पंच
दिनअंसेंकेहं तोरिहितइतउतकेसें॥गं
गाधरकरजोरिअहेंदिनअवकीनृपहिंसु
नकुसंभरडुन॥१८०॥सेवकअरजमन्नि
हितसत्येंडूकआसानकरडुममत्यें॥
जेपुरपतिकवलहरजानेंप्रीतिरीतिनहिं
जडपहिचानें॥१८१॥बडुरितुम्हेंनिजसि

विर बुलाव त उच्च र ताको मोहि नश्चावत
॥ श्रब रवीनृपतिजाय हु मश्राये लुप्पिता
हिंसौं पुनि हरलाये ॥ १८०॥ उचितनों हि
पु निपुनिजावन अब बरजत कुलकर श्र
दिसुमति सब ॥ यह सुनि बिप्रन थन जल
श्राये हू त उग्यो सो दीन हिरवाये ॥ १८१ ॥
तियरन तैं श्रुति रुपचे निकासीपरयोकिह
रिनकिरातनपासी ॥ तंतेकों इमदेखिदु
खित तब अधिपति हृदयसदयतर भो
श्रब ॥ १८४ ॥ दयाराम निजबुद्धिपुरोहि
त चारन महडूदानज्ञानचित ॥ भेजे दुव
कुलकर ढिग भूपति श्रकवी द्विज तंतेस
कुच लश्रति ॥ १८५ ॥ पुनि कूरम ढिग हम
हिं पठावत यह द्विजनम दुखित श्र कुल
बत ॥ कूरम हु उलारि व हम हु उसाहैं दु किवे
ता द्विजलखिजावनचाहैं ॥ १८६ ॥ कहियेरु

चततुमहिंअबकैसीतंतेलकतईमला
अैसी॥सुनिकुलकरउतरतबदिन्नौंनाथ
डुजोकिलवनहटकिनौं॥१८७॥यहसुनि
हिजचारनजुगआमोलूपकौंकुलकारन
थितसुनायो॥सुनिचकुबानसेनलिजम
जोकसिकलिंधचल्योचढिवाजी॥१८८॥
संभ्रमभयेकुलकरभटसारेबाडवपरदल
सिंधुबिहारे॥कुंहारेपिक्खनजनआये
धन्यधन्यकहिबिरुदबढाये॥१८९॥इम
कुरमंडेरनतोरनगयप्रविसनलगेरत्थ
चढेहय॥तबहिंद्वारपालनकरजोअर्व
अरजजातनहिंयोरे॥१९०॥यहतोरन१
डोढीकरिमानकुअगवकुरिडोढीनहिंज
नडु॥पारसरनकारनदुजपायेयौंतैंरख
तपुखतनहिंलाये॥१९१॥अगौंईस्सरि
सिंहबिराजतजवनीओटकीखनहिराज

त॥जावततुरगचढेंदृगज्जुरिहैतोसंको
चपरस्सरघुरिहै॥१९२॥अंतरद्वारगिन
कुइहैयोतैंत्यागकुमहाराजहयतातैं
॥सुनिनृपरीतिनिपुनतजिवाजीप्रबि
स्योद्वारलियेंभटराजी॥१९३॥जैपुरप
तिभटअमलपसहितजहँतक्योनृपसम्मु
हधरिस्वदतहँ॥इकजसवंतरुलायप
तिकुमरअरुइलेलधूलापुरईश्वर॥१९४
॥तिमहरनाथनरूकाराउतअजितसिं
हकूरमसेखाउत॥सुभटनिकटइत्यादि
छसातहिंजैपुरपतिउक्योनृपजातहिं
॥१९५॥पायंदाजअवधिसम्मुहसरिरी
तिउचितद्वुवहत्थमत्थधरि॥सभाप्रबि
सिअप्रतिहतसासनवैठेउभयएकही
आसन॥१९६॥पानरुअंतरनिवेदिपर
स्परकियसंलापघटीइकहितकर॥उठि

करिसिकरुवभूपपुनिआयोपहिलैंजिमकू
रमपकुंचायो॥१९७॥ तंतेतदनुपठायोकु
लकरकूरमप्रतिअकवीतिहिंदरबार॥अ
बटींकानृपकुम्मपठावहुपुनिबुंदीपतिडे
रनआवहु॥१९८॥ सुनिटींकापठयोतव
कूरमइक्कमहामृगइकतुरंगम॥इकसि
रुपावइक्कमनिभूखनपठयेदेइमसंगम
चिवजन॥१९९॥ तिनटींकानृपअत्थनि
वेदियसंभरनाथविहंसिस्वीकृतकिय॥
देनलगेनसुकूरमदासनसोनलयोरुग
येजिमसानन॥२००॥ दूजेदिनकूरमभ्रम
वाधनसंभरसिबिरगयोहितसाधन॥अ
गैंरीतिमिलनकीअकवीपद्धतिसोहिअ
त्थमिलिरकवी॥२०१॥ दुवसिरुपावदोय
हयदिन्नैंइकइकदीजेपुरपतिलिन्नैं॥मा
निकरामव्यासनृपकोतवबुल्योहितअपि

तरकखडुसब ॥२०२॥ तोडुनहत्थद्वितीय
नघल्योअतरपानलहिकूरमचल्यो ॥ डु
लकरनजायमिल्योपुनिसुनतमत्तबंदी
नबिरुदधुनि ॥२०३॥ हितपूरबबैठेइक
आसनसुखसहहोनलग्योसंभासन ॥ कू
रमतत्थकरारनराख्योलोभउदंतसमस्त
हिभाख्यो ॥२०४॥ कूरमनाममलूकइकपं
चायणकुलजात ॥ आमेरपत्थरघ्योवहै
बखसिगामबसुआत ॥२०५॥ बुंदीपुरअ
यत्तपुरगैनोलीअभिधान ॥ सहितपरग्ग
नसोदयोथिरकूरमतिहिंथान ॥२०६॥ ता
कीबत्तमलारसनकूरमकहियबहोरि ॥
रक्खीसोहिमलूकहितअवनिओरदिय
छोरि ॥२०७॥ सुनिमलारअक्खीकुपि
तकिन्नौंतुमहिकरार ॥ बत्तसमस्तहिलो
भकीक्योंबकरतछलकार ॥२०८॥ बसुम

तिबुंदियदेसकीलेसक्कतुमहिं मिलेन॥
कोबिदरहतकरारमैंठलेहहुरिलैंन॥२०॥
॥अतरपानयहम्मकिबदैकूरमकौंदिय
सिक्ख॥सुनक्कुरामनृपयोंरहीप्रपितामह
कीतिक्ख॥२१०॥इतिश्रीवंशभास्करेमहा
चंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशोउम्मेद
सिंहचरित्रेपंचविंशोमयूख:॥२५॥ छ॥
॥ छ॥ छ॥ छ॥ छ॥ छ॥ छ॥ छ॥
प्रा०मि०॥ष०प०॥दूजेदिनचजिप्रथमकुं
चदुंदुभिकुलकरहलबलिजैपुरबलकी
चकुवसुबादनकोलाहलपहिलैंचढि
कछवाहलभ्योनिजपत्तनपद्धति॥मानि
जिमउरगगुमायनम्यौंनकरैंफनउन्नति
खटबसुतुरंगससि१७८६सकगि ल्योज
यसिंहसुबुंदियजहरईश्वरीसिंहतससु
तन्भ्रसहलईइम्मितकीलहर॥१॥दो०॥

ढुंढारेइमहुंढिरनगंजेप्रसभगलार॥स
त्यकियोसंकल्पनिजमाधवहहुमलार
॥२॥स॰ग॰॥यारीतिजनकजयसिंह
नैंसंधाकरिस्वीयकरीअचलाईश्वरीसिं
हआतंकतैंछोरिआयो॥ अरबुंदीकेदुर्ग
तारागढमैंनरूकेकछवाहसिपाहरक्ष
करकेवहतिनकौंकढायबेकौंतिनकेस्वा
मिनारबलदानोनगरनाथकुमारतथा
हरनाथसिंहइनकेउभयकौंअग्गैंकरिलै
जायबेकोउदंतकुलकरसोंकहायो॥तब
जैपुरपतिकेप्रस्थानकेसमयएदोऊनरू
केकछवाहलारलैबेकौंमल्लारनैंबुलाये
। अरुवेआदेसअधीनहोयनआयेतब
सत्तसयसादीस्वकीयसेनाकेसंगहीपा
निपकरिप्रेरिबेकौंपठाये॥३॥जहांमरह
हनकौंजोरदारजयीजानिजैपुरकोजोध

जुगसाहसीसरवेदारकौसंगभयो।जबजय
केमदमत्तमहिमंडलमंडनउम्मेदसिंह
माधवमल्लारकुंचकरिदेवगामलघेराअप्रा
निमुकामदयो॥तहांतैंसबसेनारखतरसा
लेकौंतोटोडानगरकीराहचलायो।अरु
इनतीननकैअभयसिंहधन्वधराधीसती
र्थगुरुपुष्कर राजहोतासौंमिलिबेकोउत्सा
हआयो॥४॥दो०॥कुलकरकूरमहड्डनृप
सेनअलपलैसंग॥पत्तेपुक्वरतित्थगुरु
मरुपतिमिलनउमंग॥५॥अभयसिंह
चिरकालतैंहोपतनीजुततत्थ॥मिलिल
सौंबगरूविजयअप्पर्क्योसबजनसमत्थ॥६॥
सुतानृपतिजयसिंहकीनामविचित्रकुमा
रि॥लयेपरगनाअनुजतसकियमंगलाहि
तकारि॥७॥महिमानीकरिमुदितमनर
ट्ठोरनअधिराज॥कुलकरसालकहड्डनृ

पबुल्लेजिम्मनकाज॥८॥राजगढेसक्किसो
रनिजभ्रातसहितमरुपाल॥माधवसंभर
च्चारिमिलिकियभोजनइकथाल॥९॥कु
लकरमरुपतिकेकुहोपग्घसरखापनअप
॥सोकुजिमायोरक्खिवढिगसम्मदपूरिसम
ग्ग॥१०॥बिगस्योबाजेरायतबमद्यतजोम
ल्लार॥अभयसिंहपायोइहांप्रसमममंडि
अतिप्यार॥११॥इकइकगजदुवदुवअ
श्वइकइकबरसिरुपाव॥इकइकभूखन
नगजटितदियतीननकरिचाव॥१२॥ले
तिनतीनहिमरुपजुतआयेपुनिअजमे
र॥अभयसिंहनिंदाइहांकिन्नीसोदरकेु
र॥१३॥बखतसिंहमामकअनुजपहिलें
दिल्लियपत्त॥जवननदलहमसनलरन
आनतसुनियतअत्त॥१४॥बनैंजंगतोबेग
हीकुलकरकारइसहाय॥सुनिमलारखी

कारकियवक्कुसतक्कारबढाय॥१५॥तदनु
तीनअजमेरुलजिलगेबुंदियराह॥विच
तैंपलटिभनायपुरगोसंभरनरनाह॥१६॥
हीसपत्नजननीतहाँअरुऊदाउतिनारि
॥मिलितिनसौंपच्छोमुरयोबुंदीबिलसनि
धारि॥१७॥मिलिमाधवमल्लारसनपुनि
कियसजबप्रयान॥तीननसरितनगासत
टदिनैंआनिमिलान॥१८॥उज्जलपरवड
समासतैंहंबुद्धजलदकराल॥चढीसरित
कीओटकरिपलटेपच्छेखाल॥१९॥दल
बिचजलगलदघ्नबढिबिथ्थ्योडेरनबो
य॥पानीपवनतुषारकरिमरेमनुजसतदो
य॥२०॥दूजेदिनआंवांनगरपरेजलभय
पाय॥टोडात्यौंपठयोजुदलमिल्योसुतत्थ
हिआय॥२१॥सुखतैंरहिननरलखतीन
नवितयेतत्त॥अष्टमिदिनम[illegible]रइकमं

गायोमहमत्त ॥२३॥ षट्प० ॥ दूतनदिसदि
सदोरिहअनहेरयोइककासरतीनंतीनव
लबक्रपटलगतिसंगपिट्ठिपरअरुनअं
सिअतिकोपद्दिपतउल्मुकदमकावन ॥
खासनासरसननंकिधरनितलपयनधु
जावतनहिंसहलमहनओरननदनग
वलजानिउद्धतअरियमानकविहायक
लहिंकुपितसंजमनीसनउच्चरिय ॥२३॥
दो० ॥ आनौं अडरलुलायवहदेवीहित
वलिदैन ॥ झारीअसिकुलकरझपटिल
गौंगिलमतलैन ॥२४॥ षट्प० ॥ सिंगनल
गिसुभसेरतरिकितुट्टीकुलकरकरतबज
रंतसुनतोरिचल्यो दारुनछुटिद्दुद्दरदेख
तयहहथलपटिझपटिसंभरअसिझारि
य ॥ सिंगनयुगलसमेतवंससहपिट्ठि
जिसारियअप्परायमहसुइमखायअसि

पायउलटिकटिखुलिपर्य्योक्कवलखिअर्धि
ज्जमग्गहहदलडतदनियवलिअहह्यो॥२५

॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूसरूपेदक्षि
णायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेपंच
मोमयूखः॥२६॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०मि०॥दो०॥किन्नोंबुंदियतजनकोकलि
यविसदकरार॥योंबहुदिनआयोंरहेमा
धवहडुमलार॥१॥ष०प०॥कन्याकोंगवि
भुगिअंसतुलकेलियपहहप्रतिदिन
सोतप्रगल्भहोतवालनविनुदुस्सहआ
योंपुरइहिंकालहड्डुकुलकरअरुमाधव
॥दीपअप्रमाकिरिदानअनलकूटककिय
उच्छवमिलितत्थविप्रगंगाधरसुखत्री
केसवदासजुतकरिमंत्रआनिभूपहिंक
हियसुनदुवत्तबुधसिंहसुत॥२॥पा०धु०

कासीविचसुरजननृपसंभररचियराज
मंदिरनिकायबर॥सोपंडितसूरजनारा
यनमंगतरहनकाजद्विजनुतिमन॥३॥
वहआलयनिजकामनआवैपुरुषवदै
जोवहद्विजपावैं॥सुनिनृपकहियपुरुष
तीरथथलहैनहिंदेयविचारिलखकु
भल॥४॥सूरजनारायनद्विजउद्वहअ
द्वितीयतिनदिननकुतोयह॥खटनास्ति
कप्रतिभटबनिखंडैंमतखटआस्तिकदृ
ढकरिमंडैं॥५॥सौत्रांतिकनसमूलउखा
रैंवैभाषिकनसजोरबिडारैं॥योगाचारन
लखतउडावैंमाध्यमिकनमिलिगरबगु
मावैं॥६॥जैननजालराकुगतिग्रासैंलो
कायतिकनमुंडिनिकासैं॥व्यासअपर
वेदांतबिचारनगोनदींययोगअवधारन
॥७॥दूजोकपिलसांख्यबिचसोहैमीमां

साजेमिनिमतिमोहैं॥द्विजवरअपरन्या
यविचगोतमबैशेषिकवादीकणादसम
॥८॥कासीविचपंडितयहअप्रेसोकरैंवाद
जासौंबुधकैसो॥अग्गैंयहततेगंगाधर
गोन्हावनकासीतीरथवर॥९॥जवनन
जानिगहनदलअप्रेस्योपंचकोसिअंतरगति
नहेस्यो॥तंतेंतवसूरजनारायनरक्ख्योस
रनक्खिपायप्रीतिपन॥१०॥पुनिछन्नैंदक्खि
नपकुंचायोयहउपकततंतेंउरआयो॥
पुनिराजामलमिश्रसुपंडितअग्गरह्यो
हितदुहुंनअखंडित॥११॥जबजयसिं
हनगरबुंदियलियसालमसूरअप्रअथपु
निअप्पिय॥तबहिराजमंदिरतीरथप
लमिश्रद्विजहिंदिन्नेंराजामल॥१२॥तबतें
रहीबिप्रकैवहभुवअबलौंमेललईबुदि
यधुव॥केसवअरुगंगाधरयातैंबुधजन

पहिं दिवावन बातें ॥ १३ ॥ पक्षपात इन को
न्रृपजान्यौं पुनि बहुतीरथ थान प्रमान्यौं ॥
द्विजबहुपात्रकह्यो बुंदीपति पेकिम होय
अदेयं देन मति ॥ १४ ॥ तब दोउन कुलकर
प्रति अकबीरहिं दकयहु प्रभु तवर कवी ॥
सुनिमल्लार बुल्यो जिनको भुवतिनके दयं
विनांन मिलें ध्रुव ॥ १५ ॥ तब दोउन कलं क
ल किन्नों कुलकर नाम पत्र लिखि लिन्नों ॥
ताहीकी मुद्रा मुद्रित किरि पठयो दल पंडि
तहित अनुसरि ॥ १६ ॥ तिहिं बुध लखि
कुलकर दल आयो बहुरि राजमंदिर अ
पनायो ॥ न्रृप यह कथ चिरकाल माहिं सु
निजब जानी तब छिन्निलयो पुनि ॥ १७ ॥ भ
टसेटू सदराइ सुकुलकर बुंदियपुर अ
साहि पठयो बर ॥ तिहिं कार अवसेस न
धास्यो कूरम झंडा तोरि बिडास्यो ॥ १८ ॥ सं

भरवकहरकमंडिसुहाईपेगीपुरउम्मेदकुल्हा
ई॥जैपुरमचिन्ततस्थहेजांकुंभूजतसलल
परीउरथांकें॥१९॥स०गं०॥फेंडातू ढलही
जैपुरकेसूर वीरबुंदीहेतिननेंअपनीन
ढीतलबकोलेबेंविचास्यो॥अरुवनिकगा
दूवासनाहानीकोभानेजअमेरअधीसई
श्वरीसिंहउ तेंअमात्यरस्योहोतापेंत्रास
डास्यो॥ललबहवनिकघरकेसूरनतेंघ
बराय वनिताकेबस्त्रधारिकैनैंकढिआ
वांनगरगयो॥अरुखत्रीकेसबदाससोंअ
पनीआपत्तिकोउदंतकहतभयो॥२०॥क
हीसेटूखरूराडकरारकेदिनअहुअब
सहेतथापिअमेरईसकोफेंडातोगिडालो
॥अरुयहजानिअपनेंसूरवीरनचढ्यो
कलेबेकोंमोमेंत्रासपास्यो॥यहसुनतही
खत्रीकेसबदासमलारतेंकढिचल्यो॥त

वनीठिनीठिपच्छोमनायक्कुलकरनैंसुत
रसवारतत्कालहीबुंदीमुकल्यो॥२१॥ता
नैंजायनगरमैंबहोरिकछवाहनकोकेत
नरुपायो।यहदेखिचोतरफकेलोकनके
बुंदीआयबेमैंसंदेहआयो॥तदनंतरक
रारकेदिनपूरेहोतआवांनगरतैंपृतना
कोप्रयानभयो।अरुउज्जअहर्गानकेअ
वदातअर्द्धकीअष्टमीकेअहदूंगडुबला
नमिलानदयो॥२२॥दो॰॥दूजेदिनडुब
लानतेंकिन्नोंसबनप्रयान॥संभरकोंकु
वसकुनसुभथिररकखनिजथान॥२३॥
बामदिसारहिराजसुकबुल्योमोदितबा
नि॥लावककक्करचकोरएअग्गेसरकुव
आनि॥२४॥षट्प॰॥ताम्रचूडकुवबामना
मलुल्लियप्रसन्नखरगंधनकुलपुनिरव
नकबामकुवमोलिमधुरस्वरगहकिबाम

गोमायुबामसारसबलिबुल्लिय॥सबली
टिट्टिभसुखदबामबुल्लिरुहितसुल्लिय
गोबत्सपुच्छचूसीवछुरिराकुपच्छिदुबबाम
हुवदिसमच्छभयोपारावतहुदैनभूपहि
तथामधुव॥२५॥ ॥दो॰॥ वायसबुल्लियबामपुनि
बुल्लियबामतुरंग॥बामबग्घमृगराजब
लिहुवतरजुहितसंग॥२६॥ष॰प॰॥फिंट
बिहगअपसव्यभयउअपसव्यकपिंजर
पिंगलिकाअपसव्यभरद्वाजहुबिहंगब
रदकिंवनहुबपुनिदहिकभासदक्खिन
रवभासत॥सलिलपूरअपसव्यकलस
अतिलाभप्रकासतदिसबामहिंतुलक्खि
नसरलताराउत्तरिपोदकियसुभसकुन
होतइत्यादिसबचाहुवानभूपतिचलि
या॥२७॥दो॰॥कुलकरमाधवहडुनृपह
केसलरतत्त॥पुरबुंदियप्राकारकेबाहिर

हुलसन यत्त ॥२८॥ पा॰ कु॰ ॥ नृपतहिं नभोज
नहिं आयेबुंदिय विप्रसनहिं जिमाये ॥ कु
लकर ठुनि नारव हरनाथहिं कहि कहु
लिज्जासन साथहिं ॥२९॥ दो॰ ॥ नारव हि
त्या हीन हीं भट कहुन कीवत्त ॥ बाहिर
श्री तिहिं खाय बलि पठयो अनुचर तत्त ॥
३०॥ ताकी संग हि बाउला संतू दियमल्ला
र ॥ ताराग ढपरजाय ते बुल्लेक ढन विचा
र ॥ ३१ ॥ किल्ला के सुभटन कहिय हमनि
कसन जब ह्वैहैं हिं ॥ नारव हरनाथहिं लर
हिं कुरिच स्यो हकलैं हिं ॥३२॥ तब संतू
पञ्चो मुख्यो कहिय मलारहिं आय ॥ नारव
यह बंचकु निपट भटनन कहुतजाय ॥
३३॥ दिन्नी संतु ब संगत बकुल करतुपग्
हजार ॥ हून जाय रु हरनाथ बहैं लिन्नौं
पकरि लवार ॥३४॥ तिनकी संग हिं कैद

तबनारवकिल्लाजाय॥भीतरकेकहैंसु
भटखलपरतंत्रनिसाय॥३५॥यौंकहिंश्री
रउम्मेदकेरक्खेविजयविचारि॥आयोसं
तुवपुनिअथ्थरसंभरआनप्रसारि॥३६॥
मिलिकरियहादसिदिवसकह्योकूरम
सत्य॥रक्खेहहुनरेसकेसुबरनसुभरस
मत्थ॥३७॥रुंडेसंभरकेगडेपरकेतन
करिपात॥आनिफिरिउम्मेदकोदिसदि
साविजयदिखात॥३८॥पा॰कु॰॥तेरसि
दिनअभिषेकमुहूरतमथ्यौंसबनअेय
गणकनमत॥बेणीरामसहदकोदासन
आयोकरनवेदविधिसासन॥३९॥लहि
तअथर्ववेदमयींद्विपाठकअथ्थनैंसंगनिम्नबुध
आठक॥सम्मुहजायनृपलैंदलकियउन
सिरादिमंगलआसिरवादिय॥४०॥दो॰
॥लैगुरुडेरनआयनृपनारसिरनिदि

ताय॥प्रातन्चहुतर निहकपहर प्रतिसेनग
रसुभाय॥४१॥कुलकर माधवसंगकुवंजेपु
रसचिवसमेत॥चढुवाननपतिइमचल्यो
निजअभिषेकनिकेत॥४२॥मंड्योवनिक
ननगरमनिबसनकनकविसतार॥विर
च्यारिधुतिवरसकोकियवुंदियश्रृंगार
॥४३॥इतिश्रीबंशभास्करेमहाचंपूसरू
पेदाक्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरि
त्रेसप्तविंशो२७मयूखः॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥प्रा०मि०॥दो०॥इमउमेदअधिपतिलख
तनिजपुररुचिरनिकेत॥पहुंच्योअग्ग
प्रजानकोंदिट्ठिप्रसादहिंदेत॥१॥जहां
समरखंधीहुन्योंनृपनारायनदास॥वहै
थानअभिसेककोराजमहलआवास॥
२॥तांहिंमंदिरनृपजायकैंनिजकटिबं

धनिवारि॥ कियबिधानविप्रनकथितवेद
निकेतविचारि॥३॥ अथसंक्षिप्तो ऽभिषेच
नविधिः॥ तिलसरिसवसंभारतैंपहिलें
नृपहिंन्हवाय॥ अधिपतिजयउच्चारकिय
गणकपुरोहितराय॥४॥ तदनंतरद्विज
बरउभयजीवनमिलुवराम॥ इतरासन
बैठेनृपहिंसज्जनदिखायेताम॥५॥ नृप
तिनजननवित्रासिअरुबंधनसुरभीछो
रि॥ संभरपतिबुल्योअभयबिप्रनउचित
वहोरि॥६॥ पुनितेंहंसाक्रोसांतिकियपु
रोहितसउपवास॥ बिसदमालउपवीत
इहिंभूखनसोभितभास॥७॥ उचितमं
त्रकरिबेदिलिखिबिधिवतहोमबिधाय
॥ पढेंपंचगननामतिन्हसुनहुरासनर
राय॥८॥ शर्मवर्मअरुस्वस्त्ययनआयु
ष्यअभयनाम॥ स्वापराजितजुपंचमसु

एअंच हिप्रभुराम॥९॥पा०कु०॥कलसब
क्कुरिसंपातवानकियपुरटमयरुसुंदरद
रसनप्रिय॥नृपसितभूखनलेपमाल्य
लहितदनुबन्हिसनदक्षिनदिसरहि
॥१०॥देख्योवह्निनिमित्तबिचारनउक्यो
प्रसन्नसिखाकरिधारन॥स्नानसालपु
निनृपहिंल्यानिद्विजसौरभतैलन्हवाये
नृ निज॥११॥सो०॥सोध्योपर्वतश्रृंगकी
मिट्टीतैंनृपमत्थ॥नाकुश्रृंगकीमृत्तिका
लाईश्रबननतत्थ॥१२॥हरिमंदिरकीमृ
त्तिकानृपउमेदमुखलाय॥इंद्रध्वजथ
लमृ िकाग्रीवादिन्नलगाय॥१३॥राज
अजिरकीमृत्तिकाहियलाईकरिखंड॥
गजरदउद्धृतमृत्तिकासोधेदुवभु दंड
॥१४॥मिट्टीआनितड़ागकीसोधीपिट्ठि
समस्त॥नदिसंगमकीमृत्तिकालाईउ

दरप्रसस्त॥१५॥नदीकूलदुवमृत्तिका
पंसुलीनदुकुंभ्भोर॥मिट्टीगनिकाद्वार
कीलाईकदिनृपमोर॥१६॥गजसाला
कीमृत्तिकाजरउभयसुधराय॥गोसाला
कीमृत्तिकादुवनलकीलनलाय॥१७॥भ्रा
निमंदुरामृत्तिकापंडीज्जुगलपखारि॥रथ्य
श्वरिउद्धृतमृत्तिकालैदुवच्चरनसुधारि॥
१८॥सर्बत्थ्यंगपुनिसर्बरुमिश्रितकरिलि
पटाय॥पंचगव्यघटतैंबहुरिदीनौंस्ना
नकराय॥१९॥षा०कु०॥भद्रासनबैठेपु
निभूपतिलगेपढनद्विजबेदमहामति
॥च्यारिबरनभनसचिवच्यारिजेंहुँकरन
लगेअभिसिक्तभूपकौंहुँ॥२०॥पूरबदिसि
रहिदयारामद्विजसघृतकनककघटसिं
च्योनृपनिज॥हरदासजतनाहरदक्षिनर
हिसिंच्योरजतदुग्धकलससगहि॥२१॥

पहुंगे निंदव निकरहि पच्छिमसिंच्योस
र्वधिताम्र घटलैतिम ॥ रहिउत्तरहुज
नदासीसुत सिंच्योलेमिट्टीघटजलजु
त ॥ २२ ॥ रकवटुकबहिसदस्यनउच्चरिपुनि
द्विजघटसंपातवानकरि ॥ राजसूयअभि
सेकमंत्रकहिसिंच्योनृपहिंपुरोहितहि
तचहि ॥ २३ ॥ पुनिव्है वेदीमूलपुरोहित
आयनृपतिढिगसुभमतिसोहित ॥ स
तद्विजकसंपातवानघटलैपुनिसिंचिय
नृपहिंविहितबट ॥ २४ ॥ सर्वौषधिजल
पुनिसिरसिंचियगंधउदकअभिषेकब
दुरिकिय ॥ तदनंतरबीजाभिसेकहुवपु
ष्पनसिंचिफलनसिंच्योधुव ॥ २५ ॥ रतन
नपुनिकुसजलनसिंचिद्विजवटुकरिकुस
नमार्जितकियनृपनिज ॥ रुगवेदीपुनि
विप्रमुदितमननृपसिरकंदलगायेरा

चन॥२६॥च्यारिबरनजन नह्नुरिरीति स
रिसरिततडागकूपजलघटभरि॥कलि
लठानिच्यारिसागरजलसिंच्योनृपहिंनि
गममारगभल॥२७॥गंगाअरुजमुना
गिरिनिर्झरइत्यादिकजलपूरिकलसब
र॥सिंच्योनृपहिंसमोदसमस्तनदास
भावपुनिकरनलगेजन॥२८॥काहूस
चिवछत्रगहिलिन्नोंकाहूचमरमोरछल
किन्नों॥बेत्रलकुटकतिकनकरधारेबंदि
ननानाबिरुदबिथारे॥२९॥भईसंखनउ
वत्तिगानध्वनिद्विजनसिराह्योनृपहिंबे
दभनि॥कनककलसपुनिगणकधारि
करसिंच्योभूपहिंअकिबमंत्रबर॥३०॥
अ०सं०मि०॥तेकछुवृत्तनविविधबनाये
पुनकुरअनूपनृपनसुहाये॥सिचकुसव
लरतोहिनरेश्वरब्रह्माविष्णुतथैवमहेश्व

र॥३१॥वासुदेवअरुसंकर्षणपद्रुप्रद्यु
म्नरुअनिरुद्धद्रुसिंचद्रु॥इंद्रअग्नियम
निर्ऋतिपासीपवनधनदकैलासविला
सी॥३२॥ब्रह्मासेसदसहिदिकपालकर
कवद्रुतोहिभूपअरिसालक॥रुद्रधर्मम
नुदक्षरुरुचिसुनिअद्धाभृगुअत्रिरुवशि
ष्ठमुनि॥३३॥सनकसनंदनसनतकुमा
रद्रुपुलहपुलस्त्यमरीचितथापद्र॥कश्य
पअरुअंगिराप्रजापतिएसिंचद्रुनृपतो
हिमहामति॥३४॥अग्निष्वात्तप्रभाकर
ज्योंहीपुनिकव्यादबर्हिषदत्योंही॥आ
ज्यपारुउपहूतसुकालीअग्निपितरसिं
चद्रुमणिमाली॥३५॥लक्ष्मीवेदीसची
ख्यातिपुनिअनसूयास्मृतिसंभूतिद्रुउ
न्नि॥क्षमाश्रीलिसन्नतिस्वाहातिमस्वधाप
द्रुमातरसिंचद्रुइम॥३६॥लक्ष्मीक्रियाकी

त्तिधृतिपुष्टिरुमेधाबुद्धिसातिरपुतुष्टिरु
॥लज्जामिद्धितथावसुयामीश्वरुंधतील
वानृपनामी॥३७॥भानुमुहूर्त्तविश्वासा
ध्यामरुत्वतीरुबङ्कुरिश्वाराध्या॥संकल्पा
हूत्यादिधर्मतियसिंचरुसंभरतोहिसु
जसप्रिय॥३८॥दितिदनुश्वदितिश्वरि
ष्टाश्वरुमुनिकद्रूक्रोधवशाप्राधासुनि॥वि
नतासुरभिरुकपिलाकालाइतिमुखसिं
चरुकश्यपवाला॥३९॥पुनिबङ्कुपुत्रसुपु
त्राभामाकरहु विजयतनबङ्कुरिसयामा॥
विजयकृशाश्ववधूबिरचरुउतसुप्रभाज
याप्रदर्शनाश्रुत॥४०॥तिनकोपुत्ररुविज
यवढावरुसिंचरुभूपलोहितलावरु
॥भानुमतीरुविशालात्यौंपुनिमनोरमा
रुवारुदारव्यासुनि॥४१॥सिंचरुहूतीश्व
रिष्टनेमितियपार्थिवतोहिवढावरुहि

तहिय॥बकुलात्यौंहिरोहिणीराधाअ
नुराधापैंढ्रीहतबाधा॥४२॥मूलरुउव
आषाढाज्यौंहीअभिजितश्रवनधनिष्ठा
त्यौंही॥बरुणतारकाभाद्रपदाउवेरव
तीरुदस्रभभरणीध्रुव॥४३॥बिजयबिथा
रनकाजतोहिपङ्कसुधामयूखप्रियाए
सिंचक्कु॥मृगीहरिरुमृगचर्मासुरभापू
ताकपितादंष्ट्रासुलभा॥४४॥स्वेतभद्र
चरिकापुलस्त्यतियइतीतोहिसिंचक्कु
पुहवीपिय॥श्येनीअरुभासीक्रौंचीजिम
धृतराष्ट्रीपंचमीसुकीतिम॥४५॥दिन
करसूतअरुनकीएतियसिंचक्कुहहुतो
हिकरिहिताहिय॥आयतिनियतिरात्रि
निद्रापक्कुसबसंस्थानहेतुएसिंचक्कु॥
४६॥सेनाउमासचीरुबनस्पतिधूमोर्णा
गोरीशिवानिरति॥जोत्स्नाबुद्धिनंदिनी

बलयाच्चानृक्याकुतेरहींसवया॥४७॥
इतीकालकेअवयवजानकुतेतवसिर
अभिसेचनतानकु॥रविससिकुजवु
धगुरुकविसनितमसिंचकुएअहनव
आह्निकसम॥४८॥स्वायंभुवस्वारोचि
षऔत्तमतामसरैवतचाक्षुषत्योंक्रम॥
वैवस्वतसावर्णिदक्षसुतब्रह्मसुतरुम
नुधर्मसुतरुद्रसुत॥४९॥रुद्रपुत्रपुनिरो
च्यभौत्यपकुएमनुतोहिचतुर्दशसिंच
कु॥विश्वभुकरुविश्वपचित्रकुसुनिव
कुरिसुशांतसुसुखविभुत्योंपुनि॥५०॥
मनोजवरुओजस्वीबलिजुतएकतम
रुअप्रतिकपुनिवृषनुत॥रुतिधामारु
दिविस्पृकसुचिपकुदेवपालएचउदह
सिंचकु॥५१॥अरुरैवतकुमाररुबर्ह्मवी
रभद्रनंदीकुसुबर्ह्मा॥पुरोजवाख्यविश्व

कर्मापड्डुसुरनमुरव्यतोकौंणसिंचड्डु॥
५२॥आत्मारुअसुमानदस्सड्डुजिमह्
विषगविष्णप्राणपड्डुस्ततिम॥सत्यरु
आद्यनरेससुद्दजससिंचड्डुदेवअंगिर
सणदस॥५३॥क्रतुरुदस्सवसुसत्यका
लमुनिरोचमानधृतिमानमनुजपुनि
॥विश्वेदेवकामजुतदससमितहड्डुनृप
तिसिंचड्डुएकरिहित॥५४॥मृगव्याध
रुसर्परुनिर्ऋतिजिमअजैकपातरुअहि
र्बुध्न्यतिम॥पुष्पकेतुबुधभरतमृत्युपड्डु
किंकिणिथाएरुद्रएसिंचड्डु॥५५॥भाव
नसुजन्यसुजनजिमवाजरुअसुतरुवर्ण
वर्णतिम॥प्रसवदस्सआवयस्तुएपड्डुभृ
गुअभिधांनदेवतासिंचड्डु॥५६॥मनमरु
प्राणअपानहंसहयनारायणरुजगड्डित
रनलय॥दिविश्रेष्ठनिरुचिनितोंपड्डु

इतेसाध्यसंज्ञकसुरसिंचक्कु॥५७॥धाता
मित्रअर्यमादृगजगपूषाशक्रअंशवरु
णरुभग॥त्वष्टाविवस्वानसविताप्रक्कु बि
ष्णुबक्कुरिबारहरबिसिंचक्कु॥५८॥एकज्यो
तिद्विज्योतितथात्रिज्योतिचतुर्ज्योतिपु
नितथा॥पंचज्योतिएकशक्रक्कुभलइंद्र
द्विशक्रत्रिशक्रमहाबल॥५९॥प्रतिसक्र
तरुमितसम्मितअमितक्कुऋतजितसत्य
जितरुसुषेणप्रक्कु॥श्येनजितरुप्रतिमि
त्रमित्रजिमपुरुजितधाताअपराजितनि
म॥६०॥ऋतऋतवानबिधृतध्रुवज्यौंहीं
वरुणबिधारणाईदृशत्यौंहीं॥अन्यादृ
शएतादृशजानक्कुक्रीडनमुनिअमिताश
नमानक्कु॥६१॥शक्तिमहातेजाक्कुसरभ
ऋतमहायथाक्षिपधातुरूपक्कुत॥भीम
[illegible]

वासकामजय ॥ ६२ ॥ पुनि बिराट एइंद्र
मित्र पक्कुन बजलधि मितमरुतगनसि
क्कु ॥ चित्रांगद रुचिरथ जेसैं चित्रसेन
वीर्यबान तैसैं ॥ ६३ ॥ ऊर्णायु अन घउ
ग्रसेन पुनि सोम सूर्यवर्च्चा तृणपसुनि
॥ दि बिक्षित्र धृतराष्ट्र कीर्णि जिम कलि
[illegible] राहु राध हंस तिम ॥ ६४ ॥ वृषप
[illegible] र द पर्ज्जन्य क्कु हाहा हूहू बिश्वाबसु
[illegible] ॥ ताम्रक सुरुचिक्कु गंधर्बनगन ए
[illegible] प सिंच क्कु तोहिमोद मन ॥ ६५ ॥ अ
[illegible] ती रु शोभयंती जिम बेगवती अरु
आप्नुवती तिम ॥ ऊर्करु बेक्कुरि बम्नु अम
त रुचि भ्रूरुट भीरु शोचयती सुचि ॥ ६६
॥ [illegible] जाति ए ते अच्छरिगन सिंच क्कु तो
[illegible] रेस क्कित्तिधन ॥ अनुत्तमा रंभा बि
[illegible] ची मनोवती मेनका घृताची ॥ ६७ ॥

सहजन्यारुस्वरूपाजैसैंसुकेशीरुप्रम्लो
चातैसैंक्रतुस्थलापुंजिकस्थलापुनिप्र
म्लोचारुपूर्वचित्तीसुनि॥६८॥सामश्री
रुपंचचूडाख्याअरुउर्वशीअनुम्लोचा
ख्या॥चित्रलेखिकाबिद्युत्पर्णतिलोत्त
मारुसुगंधिसुवर्णा॥६९॥सुवपुअदृश्य
लक्ष्मणाहेमामिश्रकेशिअमिताख्याहेमा
रुचिकासुकृतासुबाहुजैसैंसरस्वतीरुसु
बोधातैसैं॥७०॥बकुरिपुंडरीकारुमुदा
रासुराधारुसुरसाकुसुलारा॥कामलारु
सूनृतालयाज्योंबासोलीरुहंसपादी
त्यौं॥७१॥सुमुखारतिलालसाइतीमृदु
अक्षीतोहिअक्षरीसिंचडु॥दैत्यराज्य
प्रल्हादविरोचनधन्वीबाणतथाकीरति
धन॥७२॥इत्यादिकलेदैत्यदिव्यजल
सिंचडुतोहिहडुभूपतिभल॥विप्रचित्ति

आदिकसबदानवसिंचकुतोहिमंत्रजि
तमानव ॥७३॥ इत्यप्रहेसब्यासपुरुषा
दैनपोरुशेयसलिलेंद्रवधरसन ॥ बि
द्युतसूर्यसुकेशीमखह्ासिंचकुएआद्य
राक्षसतह्ा ॥७४ ॥ वलिसुसिद्धमणि
भद्रसुमनजिमनंदनअरुकंडूतिशंख
तिम ॥ मणिमानरुबसुमानमंदरसपिं
गाक्षरुप्रद्योतमहाजस ॥७५॥ चतुरभी
मसर्वानुभूतियमपद्मचंद्रअरुमेघव
र्णसम ॥ भूतिमानकेतुमानत्यौंबरश्वे
तविपुलत्यौंभव्यप्रभाकर ॥७६॥ मौलि
मानप्रद्युम्नजयावहकुमुदवलाहकय
क्षपक्षलह ॥ विजयाकृतिवलाहकसुवी
रकुपद्मनाभशतजिह्वसुगंधकु ॥७७॥
हिरण्याक्षपकुपौर्णमाससमसिंचकुरा
जरुद्रगणसत्तम ॥ शंखरुपद्ममकरकच्छ

पजिमकुंदमुकुंदरुमहापद्मतिम ॥ ७८ ॥ नी
लखर्वएअाय महानिधिसिंचहु नवहिविधि
चारिवेदविधि ॥ एकवक्रसचीसुरह्यों ज्ञी
कमलसिएवउलूखलत्योंदौं ॥ ७६ ॥ कुम्भ
एअानलनोंधारकपुनिकुंभपात्रउपर्धार
पांसुसुनि ॥ चक्रखंडरुअकर्णमहामन
पात्रपाणिरिपुलोककच्छोस्कंदन ॥ ८० ॥ बहु
रिवितुंडप्रतुंडइतीपहुतोहिषिसाचजा
तिहूसिंचहू ॥ पुनिनानामुखबाहुसिरो
धरदांतबिबुधप्रमालसून्यधर ॥ ८१ ॥
तेहुचतुष्पदपरक्षिवंकेगनसिंचहुतो
हिदहूधरिनीधन ॥ महाकालनरसिंह
अगाकरिसबमातरसिंचहुसुभजल
भरि ॥ ८२ ॥ ग्रहस्कंदनामकविशाखसह
नैगमेयएसिंचहुगुहयह ॥ डाकिनियो
गिनिखेचरभूचरसिंचहुतोहिसमस्तन

रेश्वर ॥ ८३ ॥ गंधकुमार विष्णु अरु अरु
रु कुआरु रोमहारवगविनतगरुडकु ॥
संपातीजुतएसुपर्णसवसिंचकुनृपउ
भेरतोहिअव ॥ ८४ ॥ शेषअनंतवासु
किरुवामनकुंभअंजनोत्तमतक्षकग
न ॥ सुपर्णरिरेरावतअहिवरमहापद्म
कंबलरुअश्वतर ॥ ८५ ॥ महानीलधृतरा
ष्ट्रलाहककालापत्रखड्गकर्कोटक ॥ म
हाकर्णगंधर्वसनस्विकपुष्पदंतनकुष
रुपद्मकुलिक ॥ ८६ ॥ खररोमारुकुमारधं
नंजयअंखपालअरुपाणिगरलमय ॥
इत्यादिकसबआयनागवरसिंचकुतेहि
महापधर्मधर ॥ ८७ ॥ एरावतअरुकुमु
दपद्मजिमपुष्पदंतवामनअंजनतिम
॥ सुप्रतीकअरुनीलइतेपकुसुवढंतो
हिमहागजरकवकु ॥ ८८ ॥ बिधिहंसरु

शिवबृषभप्रीतिधरिउच्चैश्रवाहयरुधन्वं
तरि॥कौस्तुभशंखचक्रत्रिसिखारव्यङ्कुव
ज्जरुनंदकाश्वसमास्यङ्कु॥८९॥स्वव
निधतोहिसिंचिकैंएसबविजयवियारङ्कु
लावकीनश्रुव॥ वृद्धश्रारवातपथश्रदमस
त्यशालमखब्रह्मचर्यश्रम॥९०॥श्रायुरु
चित्रगुप्तएजेतेसिंचङ्कुतेहिकहेस्तुतिते
ते॥दंडरुपिंगलमृत्युकालपङ्कुश्रंतक
बालखिल्पजयमंडङ्कु॥९१॥दिग्गोश्रादि
सुरभिपुनिज्यौंलोसबगायनजुतसिंचङ्कु
त्यौंही॥व्यासनाकुंभजश्रमनपराशरदे
वलपर्वतभार्गवतपपर॥९२॥जाबालि
जमदग्नियोगेश्वरकणकुश्रारणिदेवा
ह्वर॥सुचिश्रवागांधेयरुवर्द्धनस्थूल
कच्छपश्रत्रिरुकात्यायन॥९३॥बिद्दूरथ
रुएकतबलाकहितगौतमभरद्वाजकृति

जवरु॥पुरुपश्चम्मे यांगभनमरभूजन्मते
जन्मुनिलन्भरुक्षंवर॥९९॥मनबुद्धिरुच्च
अकाल्मा॥एक्कएक्कलोंहि हड्डनपतिसिंचहु
॥रुक्मभौंमम्भरुशिलाभौंमनिमपाताल
स्वर्नीलमृत्तिकातिम॥१००॥पीनरक्तसि
तअपसितभौंमसबअर्भिमिचहुइत्या
दितोंदिश्च्य॥जंबूप्लाक्षक्रौंचकुशपुष्क
रप्लक्षशाल्मलीदिकुस्वाम्यवर॥१०१उत्तर
कुरुहिरण्यवतश्चअम्यहलकेतुमालभद्राश्व
इलावृत॥त्योंहरिवर्षकिंपुरुषभारतर
म्यखंडसिंचहुकितभारत॥१०२॥जंबू
द्वीपकसेरुतथापुनिताम्रपर्णगभस्ति
मानसृनि॥नागद्वीपसौम्यगांधर्वइंडुवरुण
अभय॥द्वीपकुसिंचहु॥१०३॥हेमकूटहि
मवाननिषधगिरिनीलश्वेतश्रृंगवा
नफिरि॥मेरुगंधमादनमंदरजिसमाल्य

वानअरुमलयसह्यतिम॥१०४॥शुक्तिमा
नगिरिरुसवानसुनिविंध्याचलगिरिपा
र्यात्रपुनि॥इत्यादिकसबपुण्यमहीधर
सिंचहुतोहिमहीमतिसंभर॥१०५॥रुक
यजुसामअथर्वच्यारिश्रुतिसिंचहुतोहि
पुरसन्नपायश्रुति॥इतिहासधनुर्वेदआयु
वहुपुनिगंधर्वशिल्पउपवेदहु॥१०६॥शि
क्षाकल्पव्याकरणज्योंहीज्योतिसछंदनिरु
क्तिहुत्योंही॥सिंचहुअंगवेदकेरखवा
हिभूपउम्मेदविहितवर॥१०७॥रखट
अंगरुवेदच्यारिपुनिमीमांसास्मृतिन्या
यतथापुनि॥अरुपुराणविद्याहुचतुर्द
ससिंचहुएनृपतोहिमहाजस॥१०८॥पं
चरात्रअरुवेदपाशुपतकृतांतपंचकसां
ख्ययोगमत॥विविधशास्त्रइत्यादिनरेश्व
रसिंचहुतोहिदिव्यजलघटकर॥१०९॥

गायत्रीगंगागांधारीजयबुल्लकुमहाशिव
नारी॥सुरदानवगंधर्बयक्षपुनिराक्षसप
न्नगमुनिमनुगेसुनि॥११०॥देवनकीमा
तापुनिज्योंहीदेवनकीपतनीसबत्योंही
॥द्रुमरुनागदैत्यरुप्रेतहरिगनग्रहनक्षत्र
रुराजाग्ररुबाहन॥१११॥ओषधरत्नका
लग्रवयजिमस्थानकपुन्यग्रायतनसब
तिम॥जीमूतरुजीमूतविकारकुउक्तग्रनु
क्तविजयबिसतारहु॥११२॥लवणोदरु
दुग्धोदघृतोदकदधिमंडोदतथामद्योदक
॥इक्षुरसोदरुसुद्धोदकबरगर्भोदकसिंन्
कुएसागर॥११३॥बहुरिच्यारिसागरनिज
जलकरिसिंचकुतोहिकनकमयघटभरि
॥प्रयागनैमिषप्रभासपुष्करउत्तरमानस
तथाब्रह्मसर॥११४॥नंदकुंडगयशीर्षपंच
नदकालोदकरुस्वर्गमार्गप्रद॥त्योंहिक्षम

रवंदकभृगुतीरयकलिकालाश्रमश्चग्नि
तीर्थश्चश्च॥११५॥गंगातीर्थतृणबिंदुकृताश्र
म रुतंडुलिकाश्रम॥स्वर्गकपिल
तीरयश्चरुवातिकत्यौंश्चागस्त्यमत्रासर
खंडिक॥११६॥श्वंगद्वारकुमारीतीरयकु
शावर्त्तबिल्वकश्चघद्दरकय॥नीलरैवत
रुश्चर्बुदपर्वतशाकंभरीसुगंधामुनिमत
॥११७॥कुब्जाम्रकभृगुतुंगरुरुकनरवलध
राकुंभाकपिलाश्रमभल॥श्वन्नतुंगश्चरु
चमसोद्भेदनश्चश्वगंधकालंजरविनशन॥
११८॥रुद्रकश्रणि दारमोचजिममत्तालय
र बदरीश्चाश्रमतिम॥नंदासरितीरथरबिंनी
रश्चासवतीरथनासत्यकश्चय॥११९॥वर
ना वै श्रवणतीर्थपुनिद्रुहिणईशायमश्च
नल सुनि॥बिरूपाख्यतीरयपबित्रजि
मर्धर्मतीर्थश्चरुंरितीर्थकृतिम॥१२०॥रुचि

र॥ऋषिवसुसाध्यमरुतआदित्यरुद्रअं
गिरसतीर्थजितेविश्वेदेवतीर्थभृगुतीर्थक
लसधसत्ववणासकलतिते॥मानससरसार
दसरोवरथालिग्रामसरोवरद्दकामाश्रमक
सर्पिसुपुत्रात्योंहिंत्रिकूटमहावरद्द॥१२१॥चि
त्रकूटक्रतुसारविष्णुपदकापिलवासुकिती
र्थमहासिंधूसमसूर्योरककुंभकपुंडरीक
अविमुक्तलह॥तथोद्दारसिंधूदधिसंगम
गंगासागरसंगमद्दअच्छोदकरुविंदुसरमा
नसफल्गुतीर्थसुमनोरमद्द॥१२२॥लोहि
त्यककुंभावसुंदरमुनिधर्मारण्यकमुनिन
मनेवस्त्रापथरुज्ञागलेयकातिमवदरीप
वनमध्यमने॥वन्हितीर्थन्यूरुमेषतीर्थन्
पहद्दसप्तऋषितीर्थजुपेपुष्कन्यासकार्ण
श्वहंसपदअश्वतीर्थमणिसंथसुपे॥१२३
॥दी०॥दीविकाअरुइंद्रमार्गस्वर्णबिंदुसि

छजोआहल्यक ऐरावतकर बीरकुड इष्टजो
॥भोगयश्रवणिकनागमरूणमोचनिका
स्थहूपापमोचनिकउहेजनसंपूज्यारव्य
हू॥२५४॥देवब्रह्मसरघृतसरदधिसरव
रनामें सिन्धुइत्यादिसकलतीरथसुख्
धामजे॥मंडकुजयणनरेसमटकुच्यघसर्व
कौंतावनकविथरायतेजखंडकुच्यरिबगकौं
॥२५५॥ह॰गी॰॥गंगारुह्रादिनीह्लादिनीसी
ता चक्षुनदीजयातिमकांचनासीसुप्र
भारेवारुसिंधुह्रदातथा॥अघघ्नीघघ्नींकु
सपावनी विमलोदकासुनिजानिषेशिप्रारु
शोणरुतपैसरयूचंद्रभागामानिये॥२५६
चूमासुरस्वातिओघनादागंडकीरुइराव
तीपूतामिश्रालामानसीरंभाकुसुकंसुहा
वनीकेआसुवर्णरेविकारुशिवाविभाग
पावनीयमुनारुदेवहूदावितस्ताकौशिकी

पुनिमुनिमनी॥१२७॥चर्मण्वतीरुविदर्भि
काकृतारुअस्थावाभूनीतपतीरुनिर्विंध्या
तृतीयावेदनाश्रुतिमैंमुनी॥सुरसारुइक्षु
मतीअवंतीधूतपापागोमतीपुनिशोणइ
क्षुकिवेदमातावाकुदारुसरस्वती॥१२८॥
रेवतीरुपर्णाशाकुमुद्वतिवेदधुर्घुरदाज
याउनिसदानीरात्योंहिरेणुमतीरुदेवस्मृ
तितथा॥मंदाकिनीरुफलाधिनीरुपिशाचि
कापुनिपिप्पलीतपिकादशार्णासिंधुरे
रत्नात्योंहिकरतोयामली॥१२९॥दूर्जाकुमु
द्वतिकाशिनीवान्नो कुहूपुनिमंजुल
चित्रोपलाअरुनिःस्वर्णाश्रुतिमालाव
कुला॥तापीकहूअमलापयोस्वीमंदरानि
कथावतीवेणसितादूर्जाकुनिर्विंध्याकुभी
मादुर्गती॥१३०॥तोयारुवेतरणीमहागौ
गीरुगोदामंगलानृपमासतिमलयोरुजंबू

कृष्णावर्णसज्जला॥
निर्मदगारुभयंकरावात्यारुकावेरीरु
मालाकुमुलिदसंवरा॥१३१॥पुनिता
पीपुष्पभद्रारुत्पलावतिमद्रनीत्रिदिवा
याम्बरुवंशधीरालांगुनीसुभगाघनी॥
कुलावतीऋषिकारुऋषिकुल्यारुवर
गासायादूजीपयोस्मीमंदवाहिनिकाल
हिनिस्थौंदया॥१३२॥व्योमारुदेवी
यालाकंपलारुसुवाहिनीदूजीकुकर
यारुवेत्रवतीसुभद्राहूगिनी॥ताम्रारु
रुणासुप्रकाराम्बिकारुहिर
कारादूसरीइक्षमारुम्राम्बवतीनई॥१३३॥
म्बालोपलाम्बरु-
शालारुवडवामालिकावलयावलीकु-
जो॥रुमहेंद्रवाणीवाकुदादूजीरु
रावनवासिनीनंदारुपरनंदासु

तकमूर्त्तिमैंउपचारअष्टिअनृपलें॥मधुपर्क
भूखनबस्त्रकैंगणकरुपुरोहितपूजयेपु
निविप्रइतरकुपूजिकैंउनकेकुआशिषकों
लये॥१३८॥दो॰॥बिहितपट्टविप्रनतदनु
बंध्योनृपतिललाट॥बंध्योपुनिमनिगन
मतिलकनृपसिरमुकुटसुघाट॥१३९॥वृष
मार्जारतरक्षुकोबघ्घोरसिंहकोखाल॥तर
ऊपरऊपरैंतबहिंडारीमंचबिसाल॥१४०॥
तिनऊपरउत्तमबसनदीनेंबिसदबिछाय
॥पुरोहितसुतिहिंमंचपरदयेनृपहिंबैठाय
॥१४१॥ह्यास्थादिरखवाऐपुनिनृपहिंसचिवपौ
रजनआन॥नानिकप्रकृतिइत्यादिसबकहि
कहिकिनिसुहान॥१४२॥ग्रामवसनगज
हयकनकगोधनअविगरहअणि॥गण
कपुरोहितअग्रपुनिपूजेनृपहितथप्पि॥
१४३॥त्योंहिंतीनरूकसामयजुपाठकपूजे

विप्र॥ गोरसमोदककरिबहुरिसन्निहिजिमा
येछिप्र॥ १५४॥ रजतकनकगोभूतिल
अन्नपुष्पफलदेस॥ भूमिदानइत्यादिसब
दियविप्रनहितदेस॥ १५५॥ पुनिकरिअग्नि
प्रदक्षिना धनुखबानकरधारि॥ परसि
पिच्छिबृखधेनुकों गुरुअंदनउच्चारि॥ १५६॥
तदनुनिखिलमङ्गलकलितजातिमानह
यलाय॥ सर्वौषधिजलकलसकरिदीनोंसु
विधिन्हवाय॥ १५७॥ बस्त्रकनकभूखनविन
रिपंदेपुरोहितमंत्र॥ करकुअवनतिनअर्थक
छुसंभररामस्वतंत्र॥ १५८॥ तहंजयहयलूनराज
कयआयइंदिराजात॥ जिमयहराजानरन
पनितितिमहयनसुतात॥ १५९॥ आरोहैंगं
धर्वजिमनित्यतांहिनरनाह॥ तिमरकबहु
नरनाहकोंसदापूज्यबरवाह॥ १६०॥ नृपहिं
दिखाबहुरूपकरिआवैंजबहिंप्रपिष्ट॥

पुनिरूकवंकुसबहयधरयोयहभरतोपरशि
ष्ट॥१५२॥ अबतैंयहनृपभक्तिकरिआवहिं
तेरंग॥ गंधमालअनुलेपकरिपूजहिं
प्रीतिसमग्ग॥१५३॥ स्वस्तिबचनआशि
षविविधबिप्रनकेकुपढाय॥ तोहिंदकुनृ
पपूजिहैंपहिंचितहयराय॥१५३॥ मघवा
रकरंकुपूर्वतैंदारुबनतैंयमतोहिं॥ पच्छि
मतैंसदाबरुनसंभुसरवसोहिं॥१५४
॥ मरुदिसतैंरूकवंकुसबहिपूज्योहयइहिं
राह॥ पुरोहितभूपकोंवकुरिचढायो
बाह॥१५५॥ तदनंतरबारनविहितआन्यो
रचितसनमान॥ मंत्रसुनायेगणकबरताके
दच्छिनकान॥१५६॥ नृपकोगजपतिहो
कुतञ्चिगजकीनोंभूप॥ गंधादिकपूजास
दालहिहैतुजयरूप॥१५७॥ नृपकोंरकव
कुनागपतिरनमगगृहसबठाम॥ तजिपसु

भानहिं दिव्यताले कुवपीलुललाम ॥१५८॥ ऐ
रावतगजको तनयनाम अरिष्टसिराहिं देवा
सुररनमैं सुरन कीनौं श्रीगजचाहि ॥१५९॥
तो चिन्ह ताकौ तेज सब आवकु नागननाह ॥
नृपहिं चढायो पूजि इमइभ पर बिहित उछा
ह ॥१६०॥ गणक पुरोहित सचिवभटभय ग
जनन्दहि संग ॥ होय सहाप थनिज नगरपे
रेअपूर्तो वउमंग ॥१६१॥ देवालयजं हं जं हं मि
लतं हं तं हं पूजन कीन ॥ परिकरजुत प्रासाद
पुनि प्रबिस्यो भूपप्रवीन ॥१६२॥ सचिव भटा
दिन बिबिधवसु दान मान सनमानि ॥ विप्र
जिमाये अयुत मित आम नाय निधि आनि
॥१६३॥ दीन अनाथन दक्षिना बिप्रन उचि
तबकु दत्त ॥ सिक्खसबन दियसत्तिसु निभृ
त्य अस न किय तत्त ॥१६४॥ इति श्रीवंशभा
स्करे महाचंपूसरूपे दक्षिणायने दशम रा

श्रीउम्मेदसिंहचरित्रेऽष्टाविंशोमयूखः॥

॥२८॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

आ० मि०॥ दो०॥ पंचगगनधृति१८०५सकस
मयबाक्कुलपक्खबलच्छ॥ रतिपतितिथिनृ
पैकैंभयोअभिषेचनइमअच्छ॥१॥ पुनिकि
न्नौंजिनजिनतिलकअभिषेचनकेअंत॥
क्रमसनतिननामनकहौंसुनहुरामहितवं
त॥२॥ प्रथमपुरोहितनिजतिलककिन्नौं
त्रिंभुवनाम॥ तदनंतरउपदेसगुरुविरच्यो
त्रिकियराम॥३॥ तदनुतिलकमल्लारकिय
पुनिमाधवकछवाह॥ इंहिंदिलइनगहिय
अधररहिकियरीतिनिबाह॥४॥ साहिपु
रपउम्मेदनृपपुनिकियतिलकप्रवीन॥ रा
नाउतसंभूबहुरिरानसेनपतिकीन॥५॥ त
दनुकहेंमल्लारकेंकियनारबहरनाथ॥ ख
नियकेसबदासकियसुमतिबहुरिहितसा

थ॥६॥देवगढपजसवंतपुनिमेघबेधमप
तत्थ॥कोटापतिक्टकेसपुनिअरुबेरामका
यत्थ॥७॥बक्कुरिकरोलीपतिसचिवसोगुरभू
पवकील॥किन्नतिलकइनहेतुभयडुलकर
संगसुसील॥८॥साहिपुरेसहिँआदिलैसो
पुरसचिवसमेत॥नजरिनिछावरिकिन्नइ
नअतिहितविनयउपेत॥९॥तदनंतरनृ
पउद्दिकैंदम्मनिबेदिहजार॥कुलदेवीपूजन
कियउरचिखोडसउपचार॥१०॥पीतांबरह
रिपूजिपुनिभेटनिबेदनठानि॥गिरिनितं
बखासामहल्लतैंहँसंसदकियआनि॥११॥
दुवहयदुवसिरुपावइकगजमनिभरलनरा
क॥किन्नैंइमनृपकीनजरिडुलकरविनय
बिबेक॥१२॥याहीमितजयसिंहसुवमाधव
उच्छवमानि॥किन्ननजरिबुँदीसकीप्रीतिउ
चितपहिचानि॥१३॥संतपुनिडुलकरसु

भट इक हय इक सिरुपाव॥ कट कइ क पुनि कनक को किन्न नजरि करि चाव॥ १४॥ इक्क इक सिरुपाव हय इन इक नजरि विधाय॥ राम राव कुल कर सचिव अरु तैंते द्विज राय॥ १५॥ सेटू मुख कुल करभट न किन्न नजरि इहिं रीति॥ अम सिवाई सिंह मुख माधव भट न सप्रीति॥ १६॥ इम हि नजरि निज भटन कीलै नृप संभर वार॥ पठए डेरन भिक्ख दै माध व अरु मल्लार॥ १७॥ उदयनेर को टाकट क कुलकर आयस पाय॥ पत्ते पुनि निज निज पुरन तेर सिरसि विनाय॥ १८॥ दिन सच उद्द सिगारि करि विविध भंति बुंदीस॥ उभय जिमाये कट क जुत माधव कुल करईस॥ १९॥ सह कुटुंब पहि राव नी कुल करकी नृप कीन॥ दुव बाजी सिरुपाव दुव इक गज अप्पि नवीन॥ २०॥ पा० कु०॥ नव

हीरनसिरूपेचसुभायकरंगगुलाबजटितस
धनायक॥अथसिंहजुआलमसनलिन्नौंसे
नृपयहँमल्लारहिंदिन्नौं॥२१॥इकआरनतें
हिजकोंदियइकत्यौंहासंतहितअप्पिय॥
रा॰सरावमल्लारसाधिवहितगजकप्पयदिय
पंचसहँसलित॥२२॥इतनेंहींमेंदूहित
अर्पेंथिरथेआगिस्वीयकरिय्यपे॥गमरा
यमुतआनंदरामहिंइकअश्वबहिंदियइक
सिरूपावहिं॥२३॥पूरबियाद्विजबालकृष्ण
हितहयसिरूपावदम्मेंहैंसतमित॥कुल
करदूतस्वामिहितदीनेंइकइकहयसिर
पावनवीनें॥२४॥दो॰॥अप्पनकेअनुचर
सहितमनकोइमसतकार॥सुंदीपलिक
रिकरिविविधकियप्रसन्नमल्लार॥२५॥
स॰गा॰॥अंगेंबलभकुलदीक्षाहीसोंतागो
स्वामिगोपीनाथनेंमंत्रदेवकोंनआयमि

हाई। तब रामानुज दीसाले रुरन पंडित
महाराव राजा उम्मेदसिंह ऐसे आमेर के उदर
तैं बुंदी कढाई ॥ अब तरवत बैठतही देसमें
जय श्रीरंगनाथ कहिबे कौ हुकम चलायो।
अरु पत्र मुद्रस्थापन मैं प्रीतिपूर्वक श्रीरंग
नाथ नामधेय लिखायो ॥२६॥ अरु अग्गैं
अपनैं पितापितामहादिकन कौ दान करी
पृथ्वी समस्त संप्रदानन कौं खोजि खोजि
पुलाय दीनी ॥ अरु अपनी आपत्ति मैं सूरबी
र सुभटादिक समस्त स्वामिधर्म सिवा मैं र
हे तिन कौं यासर जा बत्नु बाजिन की ब
खसीस कीनी ॥ उनके अभिधान राव राजेंद्र
रामसिंह सुनिबे कौं सावधानी करिये। अरु
रुप पिता महके वितरणवारिधि कौं विद्वज्ज
ननानी केतरंड करितरिये ॥२७॥ दो० ॥ हड्डु
हरजन सचिव हित देसि विकागजदास ॥

हिंडोलीपुरसौंदयोपटासहँसपंचास ॥ २८ ॥
देवनत्तिसिवसिंहसुतभारतहितबुंदीस ॥
पत्तनखेडासौंपटादयोसहँसचालीस ॥
२९ ॥ अमरसिंहरट्ठोरसुतअभयसिंहहि
तरत्त ॥ पटासहँसछत्तीसकोपुरअलोरसु
तदत्त ॥ ३० ॥ नाथावतपित्थलतनयजय
सिंहहिंचक्कुवान ॥ पटाहजारपचीसजुतन
गरदयोनिम्मान ॥ ३१ ॥ बंधुभवानीसिंहभट
महासिंहहरहेत ॥ बीसहजारपटादयोधो
वडडूंगसमेत ॥ ३२ ॥ सेरसिंहसामंतहरह
डुआरयअनूप ॥ पटासहँसधृतिजुतदयो
भजनेरीपुरभूप ॥ ३३ ॥ हरसाउतसिंहसुत
जनाहरकौंहितसंग ॥ पटासहँसपंद्रहस
हितदियउपगारौंडूंग ॥ ३४ ॥ तोकमहासिं
होतहितप्रथितदिखावतप्यार ॥ डूंगजै
तगढसौंदयोपटासुपंतिहजार ॥ ३५ ॥ द

भारथसिंहप्रयागसुतमहासिंहसुकुलीन॥
अड्डसहंसकोतिहिंपटामुदरनिपुरसमर्दी
न॥३६॥मुक्कुकमहरमरजादसुतभटनग
राजनअत्थ॥पंचसहंसकोदियपटानग
रमोरसमसत्थ॥३७॥बुद्धिसिवाईसिंह
भटअभमरकबंधजताहि॥पंचसहंसको
दियपटाचंद्रवाटपुरचाहि॥३८॥पंचोली
माथुरप्रथमभयारामकायत्थ॥दियउगा
मवकुद्रकअजुनसहसिरुपावसमत्थ॥३९॥
पटारूयामधानेयहितदैभितितीनहजार
॥लारागढनिजदुग्गकोकिन्नसुकिल्लादा
र॥४०॥महडूचारनदानहितसंभरप्री
तिप्रकासि॥सहंसपंचकेग्रामदियटीक
रियावरवासि॥४१॥स्वीयभट्टजगरामसु
तसुक्विभवानीराम॥मुद्रादोयहजारमि
तदयोसहंसपुरग्राम॥४२॥इत्यादिकस

वंसवक नंदे धन दाम उदार ॥ करन निदाम अनुसार कों न लिक्खिय चित्त विचार ॥ ४७ ॥ इतिश्री वंशभास्करे महाचंपूस्वरूपे दक्षिणायनेऽष्टमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रे एकोनत्रिंशो मयूखः

॥ २९ ॥ ७ ॥ ३ ॥ ८ ॥ १ ॥ ९ ॥

प्रा० मि० ॥ दो० ॥ इहिं अंतर मरुपति अनुज बखतसिंह छलछाय ॥ दिल्ली सन लहि जवन दल अग्रज दबन अघाय ॥ १ ॥ अभयसिंह आतुर तब हि पठये बुंदिय पत्र ॥ संभर सहित सहाय कों आवहु कुलकर अत्र ॥ २ ॥ कुलकर इहु नरेस प्रति अक्खिय पत्र उदंत ॥ सुनि बुंदिय धव सज्जि कुवस हमला रकुल संत ॥ ३ ॥ जननि निरन निन हूति दित दिन्नें कटक पठाय ॥ गंगराड कों नगर बंस बहाल भनाय ॥ ४ ॥ सज्जि अप्प कुलकर सहित किय बुंदिय सन कुच्च ॥ मरुपति सों सत्वर मिले उभय करन जय उच्च ॥ ५ ॥ राम

पुरसु माधव गयो बुंदिय तैं इहिं बेर ॥ गढुवमरु
पतिभीर इम आये पुर अजमेर ॥ ६ ॥ वखतसि
ह सम्मुह वकुरि तोन न किन्न प्रयान ॥ रक्खि वनि
क घर दलदयो संभर नगर मिलान ॥ ७ ॥ तँ
हँ कुलकर कछुरीति कहि रह्योर नसमुझाय
॥ अग्रज के अरु अनुज के दिन्नों गाम कराय ॥
८ ॥ दूजे दिन इक बत्त कुव बुंदिय कढ्ढ कविहा
न ॥ सुथकुराम द्विज्जे अनन्यमति धर्म नि
धान ॥ ९ ॥ पा० कु० ॥ अग्गैं इक संकर गढस्वा
मी बुंदिय भट रानाउत नामी ॥ तिहिं सिवसिं
ह मंडिरन राउत बक्कारउर पह्न्यों कन्हावु
त ॥ १० ॥ सो सिवसिंह कुतो नृप सत्यहि अरि
सुत राजसिंह गय तत्थहि ॥ करत प्रात संध्या
बुंदियपति सिवसिंह सुनि जनाथरक्खि वर
ति ॥ ११ ॥ डेरा सन संभर ढिग आवत राजसिं
ह वह मिल्यो (रिसावत) ॥ हनि सिवसिंह हिँ तुपक जारि

खलगोभजिराजसिंहमारवदल॥१२॥सां
ह्निपुराधिपअनुजसदोदरहोसिरदारसिंह
मरुपतिभर॥कच्छाउततसमरनगह्योतान
यकउदंतहुंश्रीसमुन्योंमव॥१३॥दो॰॥उह्नि
उघारेदेहन्तृपसंध्यातजिगढ्हिंमंगि॥हय अरो
हिहंक्योमनहुँअगपरइंद्रउमंगि॥१४॥चल
नलगेभटसंगनिजातिनकोंसपथदिवाय॥
अप्पपटीदैअश्वकोंलियकच्छाउतजाय॥
१५॥सत्थसहितपिक्खतरह्योरानाउतसिरदा
र॥राजसिंहकच्छाउतसुमारयोसंभरसार॥
१६॥इमरिपुहनिबरछीचुवतआयोऊसनि
जभ्रेन॥रह्योलखतरह्योरकोंचित्रलिख्योसो
सैन॥१७॥षट्प॰॥यहकरालउदंतसउक्यो
पृतनात्रयअंतरदुवदिसदुंदुभिवज्जिभीकग
यभज्जिदिगंतरहहुकबंधनहयनजंगप
कवरजबडारिय॥सुनिकुलकरयहसोरभये

उपदेसकभारियनृपअभयसिंहउम्मेदनृप
समुझायेदुवनौतिसनकहिदेसकालआग
मकलितकियउसामकरिहितकथन ॥१८
॥दो०॥ तदनंतरदक्खिनगयउरचिदरकुंच
मलार ॥ निजपत्तनबुंदियतरफआयउसंभ
रवार ॥ १९ ॥ पा०कु०॥ हरदाउतनाहरमगअं
तरमहिमानीमेंडियविधिसोंचर ॥ नगरपग
रअंभिनृपतितबजिम्मिगोरिअप्रायउबुंदि
दियअम्र ॥ २० ॥ माघवलच्छपक्खजयमत्तो
दक्खिनद्वारहोयपुरपत्तो ॥ घरघरमंगल
गानभयोघनलगेलोकवधाईदेनन ॥ २१ ॥
पिच्छेसनजननीकुवआईपतनोनीनसुहा
गसुहाई ॥ यहरानिनपतिकीहितआचार
किन्नीविधिजुतनिजारनिछावरि ॥ २२ ॥ अ
वउम्मेदनृपर्नातिजमाईगईपजासुबुलायव
साई ॥ मेननतियउपद्दवमेदियबारहखेटद

सुनउंरामममहिपालधर्मधनस्मृतिजाकोंव
रजतश्रगेंसन॥पुरुखनकोंश्रनुचितपदमें
दियकरछमाफश्रपराधयहेकिय॥२१॥द्दा
जोरिइमसबवसीभूतक्रुवधामचंडउमेद
तपतध्रुव॥फग्गुनश्रसितमांहितदनंतर
कोटागयउमेदधरावर॥२२॥महारावसन
मिलिहितकिन्नोंबछुरिश्रायबुंदियरस
लिन्नों॥दुज्जनसल्लसुकुदकश्रसईबुंदि
थलेलपरयोदुरवकूदू॥२३॥जानिइनश्रकवी
सुहिकिन्नोंनेपुरदत्तिपकुमिनिजछिन्नों॥
श्रबउमेदबुंदियभुगोंननश्रेंसोमंत्ररचाहिं
मिलिश्रप्पन॥२४॥इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मे
दसिंहचरित्रेत्रिंशोमयूखः॥३०॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
श्री०भा०॥इंद्रवंशा॥एवंसमालोच्यसधी

सर्वैस्समं कोटिश्वरः सज्जनशल्यभूपतिः ॥
दालेलि कृष्णो प्रति तेनैन वास्थितं प्रीति कुद
म्नेपि नवास्य दोर्ल्लिविम् ॥ १ ॥ तस्मिन्नुदन्त
न्त्रधमेनलेखितं कुम्भादयो ऽनन रहस्यको
विदाः ॥ भो राव राजेन्द्र तवाभिषेचनं कर्तुं स
मुद्युक्त धियो ऽत्र यं स्थिताः ॥ २ ॥ श्रीमन्तन
न्द्याङ्कु कुमारिके श्वरं घोराभिसंपातप्रात
ङ्गधूर्वहम् ॥ कार्येषुरस्कृत्य कृपाणपाणि
यः श्रेयोगामिध्यामउपायसद्दत्ताः ॥ ३ ॥ स
न्नद्य सेनां मदवन्मतङ्गजामुत्फुल्लसप्तीथ
लसत्तुरङ्गमाम् ॥ राणाञ्जिसंध्यासुत दण्ड
नायकांधृत्युल्लसन्तर्हितकञ्जबान्धवा
म् ॥ ४ ॥ आकर्णमाकर्णितकाण्डकार्मुका
विस्फारसन्त्रस्तसपत्नसञ्चयाम् ॥ आन
द्धकान्तायसवर्मबाकुलां चाकचक्यवञ्चन्द्र
कचन्द्रकाञ्चलाम् ॥ ५ ॥ सन्देशहारोत्तिगू

ह्रीतनिश्चयां विख्यातया नाऽऽसनसंभिन्न
हाच्छे आश्रयोल्लास विलासं वैभवां सद्धाम
विस्तादि निषादि सौभगाम् ॥ ६ ॥ गौगडी
यसन्दानित शूर शात्रवां प्राप्तापडुश्रीण वि
क्रम चक्रणाम् ॥ प्रेंखोलद्च्चूलितं वैजय
न्तिकां धाराग्रोद्धूतसमस्तसागराम् ॥ ७ ॥
आलोकय लोकविनोद बन्धुरां नेस्त्रिंशि
कप्रासिकधन्विदुर्द्धराम् ॥ प्रोद्दण्डदुस्फो
टकुठार पट्टिशां जेष्यामउम्मेदमलारयाम
लाम् ॥ ८ ॥ इतिकुलकम् ॥ तूर्णं व्यतीत्य
षट्दुर्गणान्वयं निर्जित्य संख्ये बुधसिंह
जान्वयम् ॥ दास्यामउन्मार्जित सर्वकराट
कं बुन्द्याधिपत्यं भवते निरङ्कुशाम् ॥ ९ ॥ ईं
स्यापरः सालमनश्रीरच्छदं क्षिप्रं लिखि
त्वेतिसश्रीमनन्दनः ॥ श्रीमल्लमन्त्रिण्यथ
रामचन्द्रकेऽलेखीद्वितीयन्दलमात्तकि

॥१७॥ राणेश्वरं विभित्सुस्त्वं नन्द्केलेरवयत
द्वलम्॥ बुन्ध्याङ्कोटेडधीनाया र्म्रोताम्मड्रति
सत्वरम्॥१८॥ श्रीर्वोह्वषेद्दूतेनाप्यस्मा
कंसम्प्रतेनच॥ करिष्यत्येवपुरोयशांबुन्दी
न्द्रोर्ज्जनशालिकीम्॥१९॥ वर्णदूतंवि
दितैवं रामचन्द्रेणचालितम्॥ राणादी
न्सम्प्रतेनेतुंतच्चकेभैमिरुधमम्॥२०॥
उपजातिः॥ इतस्सबुन्दीपतिरात्तधर्माच
राम्ययकामन्दकवाक्यवर्मा॥ श्रामीश्वरयोर्यि
कजदत्तभर्मास्वाध्यायसाध्यायसहायकर्मा
॥२१॥ वृद्धश्रवासन्दलगोत्रपालस्तथातप
स्सक्षतयानुपेलः॥ अशीर्णपादोह्यपिधर्म्म
राजोराजापिदोषाकरताविहीनः॥२२॥ श्री
शोप्यखर्वस्सबलोपिसौम्यःशिवोविरूपाक्ष
पुराऽध्वरन्नः॥ अभीष्टमेनोपिनिरस्तजाड्यो
दरन्नभजेपुरुषोत्तमोपि॥२३॥ अनूनवा

णःकमनोपिसाङ्गःसत्यप्रियोभाग्यदलीक॰
शाली॥यद्यप्युदारोदृढमुष्टिदण्डोनिरोत्त
नोप्यत्रवदनन्तसम्पित्तः॥२४॥अनेककंशो
पिसपत्नपाणिः सत्त्वर्णकायोपिनचक्रिश
तुः॥अनारंभ्यथाग्राःश्रुविरेवसास्वादजिह्व
गोभूमिभुजङ्गभोगी॥२५॥प्रचण्डमद्दण्ड
जितारिपक्षःचाटुप्रणयामिन्त्रयतत्वदक्षः॥
कृतापराधान्निचियस्सदुष्टान्राज्यंचकार
परकान्तवीर्यः॥२६॥व्यतीत्यबीरःशिशि
रंवसन्तंतथैवचौष्मोपगमंगुणाढ्यः॥प्राप्ता
सुवर्षासुपरोपकारीव्यधत्तयुन्धाबिनिधा
न्निनोदान्॥२७॥अनोकुहैरङ्कुरितैरनूनो
घैस्तत्राद्रशैलोरुचिरोलभूव॥जाताःसम
स्ताहरिताहरित्काःशृङ्गारशालिन्यवनीर
राज॥२८॥अलङ्कृतोदग्दिगुदारधाराक
दम्बिनीकालहरित्कदार॥बवर्षवातो

स्थूलदम्बुवारानऩल्पकल्पप्रकटप्रसारा॥
२९॥चिरायभूभृद्विरहोपघातीपानीयपा
नीयपुरःप्रपाती॥तापन्तडित्वांस्तपनस्यत
र्जन्नाप्लावयद्भूमिमतीवगर्ज्जन्॥३०॥इति
श्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने
दशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेएकत्रिंशो
मयूखः॥३१॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
प्रा॰मि॰॥दो॰॥इमपाउसआगमउदितअ
तुलअम्बुआसार॥अंकूरनभुवअच्छदि
यकियपूरनकासार॥१॥यौंहंसनगेसुन
गोरिदिनहोतोउच्छवपूर॥बुद्धसहोदर
जोधकेबूडतनहकुबदूर॥२॥पा॰कु॰॥अ
बसावनआवदाततीजदिनउच्छवकिय
विख्यातहइहइन॥रानीजननसुधादस
ाईपारतीप्रतिमाबनवाई॥३॥बहु
विधिभूखनबसनबनायेप्रीतिउपेतताहि

पहिरायै॥दैपटुसंगअलंकृतदासीनामतीस
वहप्रकटनिकासी॥४॥गईजैतसागरतड
गतटभूपकुंपततत्तसबलैमद॥इककुंपा
रदेवीसंसदजँहँभूपसभाइकअरबनीतँ
हँ॥५॥वारसुंदरिननटनबनायेअतुलमे
घअलापउठाये॥बलितहँघटिकादोय
निताईसुनिदेवीमहलनपधराई॥६॥ल
दनुनरेससेवकनहितहियमादकबसुम
घबिनुबदिय॥त्यौंहीकुसुमनहारकिलं
गीसोभितअंतरपानतिनसंगी॥७॥दिइम
सबनचढ्योकुंदीपतिआयोमहलनमनप्र
सन्नअति॥इकदिनकुयहैविधिबानीप
न्क्लेचकतपस्योघनपानी॥८॥पहुंच्योनिद्दि
निजालयसंभरफुट्टितडागचल्योकुलिअं
तर॥बिक्रमसकरवदनमलसुवसुमति१६
०६अ॥लखिरावअचानकभोअति॥१०॥

दो॰॥ सावनबिसदचउत्थितिथिरत्तिघटि यदुबजात॥जलनजैतसागरभिल्योउडि यसेतुअररात॥११॥ष॰प॰॥अतिजवफु ट्टियसेतुमनहुँतोपनगनछुट्टियकेलगत सतकोटिकूटपब्बयजनुतुट्टियबुरजनत्रा तउडायकोरिकोसनफटकारं॥मगबिच बिटपमिलेसुहीनवल्कलकरिडारे॥निम्न हुनिबासमुरियसकलबिकलनकरुकि रुकिरहैंप्राकारपृथुलअट्टकैनजलतोप तानबकुजनवहैं॥१२॥दो॰॥इमफुट्टत सरसेतुकोसुन्योंअच्चानकखान॥कछुक कालअचिरजरह्योपुनिकियसबनप्रमा न॥१३॥प्राततालअरुसोलख्योकुवमबबैं भवहानि॥मानहुँबनिकधनाढ्यघरलु ट्योरंकलखआनि॥१४॥जोधसिंहजिहिंम च्चथिलकृज्योअगप्रमत्त॥जोसबअंगउ

पांगजुतकच्यो तरंड कतत्त ॥१५॥ लिन्नो हुं
दियजानिइतउदयनेरजगतेस ॥ पठयेप
ऋउमेदप्रतिलिखिहितनिहितदिसेस ॥
१६ ॥ अक्वीहमझुप्रसन्नअतिअवहुन
अधिराज ॥ अरदिइहांमनआयहेटीका
केसबसाज ॥१७॥ कोऊकोबिदसचिवनिज
भेजहुसब्बरअत्थ ॥ हियउपज्योकछुपुछि
हमसंसयतजहिंसमत्थ ॥१८॥ नृपतिपुरो
हितमुक्कल्योदयारामसुनिएह ॥ पठुंचि
विप्रतबदुवनृपनसंध्योसरससनेह ॥१९
अभयसिंहमरुनृपकोइतआयउअप्रमा
न ॥ निजभटसबसुझेनिकटहोतकलेवर
हान ॥२०॥ अकबीअबमभज्ञातअरुइन
सोदरबखतेस ॥ मोछ्तहीहोवनलग्यो
अगेंधन्वनरेस ॥२१॥ सोसठअवभेरम
रतनागोरहिरकैबैन ॥ मारिबिडारहिमम

सुतहिंलहहिंजोधपुरश्रैंन ॥२२॥ रामसिं
हमसपुत्रयहहैकुपुत्रमतिहीन ॥ यासों
सवतुमपलटिहोरहिहोनाँहिंअधीन ॥
॥२३॥ कुलकुठारकंटकयहैपापीखलपहि
चानि ॥ तुमकुकहोंतकरकिवहोक्रूरनृपहिं
ममकानि ॥२४॥ लातैंजोअबरहितकछुतो
पहिलैंकहिदेहु ॥ याहिदिवावहुइतरक
हुवाहिजोधपुरलेहु ॥२५॥ नहिंतोजो
अबहूहिंमिलैपैंछैसोहुमिलैंन ॥ फुन
नयहुकुलतुमहिंअबमुहिंवढलअैंचेन
॥२६॥ मेरतियाउपटंकिहककहूहाउतरद्दो
र ॥ हुक्योसुनिरथ्योंपुरपमेरसिंहभटमो
र ॥२७॥ हमहत्थिनठिल्लैंभुजनघल्लैंक्ष्य
हिनवत्थ ॥ खंडैंहकिवनखग्गबलमंडैंर
नविहसत्थ ॥२८॥ तिनजीवतकातरब
सनअन्यककबहुनरनाह ॥ कुलकुठारम

रूप॥ वह बादक कंडोल को मित्र कियउ मरुभू
प॥ ३६॥ भगिनी ताकी भांवती नाम सुरूपां ना
रि॥ रानिन पर पटरागिनी करि रक्खी ग्रह डारि
॥ ३७॥ पा०कु०॥ इनि बिपरीत जोधपुर केरतों तैं
बिधि ध्वंसें नृप हेरे॥ स्वरिन को सतकार नरक्कैं
स्वरन सन अनुचित जड अक्कैं॥ ३८॥ नहिं स
चिवन दासन सन मानैं अरु बालिस नीचन हि
त आनैं॥ मरुपति मित्र मृत्यु जब पायो सुनि टी
का सल्लार पठायो॥ ३९॥ गोलि हिं संग मत्त इक
वारन परिगत प्रबल स्रवत मद धारन॥ अभय
सिंह सुत को लुक आयो सो गज निज गज संग ल
रायो॥ ४०॥ क्रुल करके इभ तें निज हार्‌यो तब स
ठ मारन ता हि बिचार्‌यो॥ तोप दगाय हनन कुंइ हिं
अरर्‌यो जग्ग बिप्र नि द्विक हि रक्‌यो॥ ४१॥ ब
खतसिंह नागोर धराधन निज धात्री पठई कछु
कारन॥ बुल्लि रुतास बसन उत गये बुलि धरि

इह्यापुनिनाहरहरदाउतअरुदलेलहरजन
अमात्यसुत॥इत्यादिकनसहितनृपहंकि
यसुनिप्रयानदिसदिसअरिसंकिय॥२॥
नृपहिंचलतकोटेसनिवास्योतउनरुको
छलतासनिहास्यो॥सकरखलनभधृति१८
०६भद्दविसदतेंहंडुंदियरकिवसाचिवह
रजनकेंहैं॥३॥पतिसंभरचल्योदकिवन
प्रतिरहिबेधमइकरत्तिमहामति॥दरकुं
चनइमपतअवंतियआइअपरपस्सगत
त्थ्याहिकिय॥४॥हंकेपुनिलग्गतनवरसे
अधूमिदिनरेवातटपत्ते॥तंहंदकिवन
पतिन्हेकीदारनमंग्योकरवहसरितउतार
न॥५॥सुनिनृपकहियहमनकरदेहेंअब
उनअप्रकिवयपारनजैहैं॥तबतिन्हभूप
पिटायबिडारेपोतनकरिनिजतंत्रपधारे
॥६॥श्रीओंकारईसदरसनकरिमांधाता

जुतपूजिपयनपरि।।रेवानदिपुनिलंघिकै
स्यपत्तनगरसुरहानपुराद्दय।।७।।जोंति
लिंगसिवरचनमंडियविस्वकर्मप्रतिम
दरसनकिय।।पुरश्रवरंगाबादगयेपुनिगो
दावरीबडुरिन्हायेधुनि।।८।।श्राइवनपनउ
पन्नासविहितसवविरचिश्रग्गबुंदीसव
ज्ञियलव।।उस्सोश्रासितइमगयघरिनयधु
रवापगाँवनामककुलकरपुर।।९।।पुण्यापु
रमल्लारकुतोदवरखंडूनृपसतकारकियास
व।।समुद्दजायकथायरुलिन्नेंहयसिरपाव
निवेदनकिन्नें।।१०।।मुदितरचीदिनप्रतिम
हिमानीदुलभसिकारश्रनेकदिखानी।।श्र
हकतिरहतमलारकुश्रायोविविधहेतमि
लिदुहुंनवढायो।।११।।बुंदियरववरिगईन्द्र
पपैंतवसचिवनश्रगौंदुखितप्रजासव।।ह
रजनधनछिन्नतननहाँरवनिकनंदेश्रभि

सापबिगोरैं॥१२॥चोरनतैंमिलिद्रव्यचुरावें
खोसिखोसिसबकोंवसुखावैं॥सुनिउदधी
सकियोन्रुपनिश्चयनिकस्योसत्यतब्हिं
ज्योनय॥१३॥भजनेरीपतिमेरसिंहभटह
रजनकोंपकरनपठयोभट॥तिन्हिंआयरु
मांदुंलापत्तनहुंघेरिलियोवहहरजन॥
१४॥कोंदेसहिंतिहिंतब्हिकहाईभजने
रीपगहनमुहिंभाई॥अप्पहिंरयेसंगढुन
केहमकारकुसहायसबहासनहेंहम॥१५॥
कोटापतिसुनिकरित्वरिताईपृतनांदैनस
हायपठाई॥जोपहुंचैंनइतेंचिचकरिजय
गहिहरजनहिंसेरबुंदियगय॥१६॥तारा
गढकाराबिचडारयोबंधनलहितबदर्प
बिसारयो॥वापगांवमह्नारखुहुजितनि
जघरयोअपयममंडियइत॥१७॥बुंदीसकु
कहुघनखरच्योजंहलगनकालइकबत्त

सुनीतँहँ॥अगहनमासबिसद अह
तज्योछत्रपतिसाहूँबियह॥१८॥कुलकर घर
अतिसोकलासदुवसुताविवाहिचलनविय
धुव॥अनुजवापगाँवहिनृपरकियहरज
नपुनअरजयँहँअकिवय॥१९॥हैदिनसि
कयमोहिन्रपदंसैलरितआनिमिलिहौं
दिनतीजै॥हैंदिनसिकवलाहितबदिनौंक
छुनसंकभजिमावनकिन्नौं॥२०॥इतहु
रुकुलकरअनुरत्तेपहिलैंदुवपुण्यापुरप
त्ते॥होतहँसन्निवसदासिवहितमयनलक
पितृव्यकसौमाजितनय॥२१॥संभरपतिस
म्मुहलहअायोदिनदसरकिवसनेहदिस्सा
यो॥इतहरजनसुतबापगाँवरहिजनक
हिंसुनिपकस्योविरोधचहि॥२२॥नृपअ
नुजहिंफोरनवियदुर्लयपुत्थौनहिंलभ
जिकोसगय॥इतसंभरकुलकरपुण्यासन

पत्तो उभय सितारा पत्तन ॥ २३ ॥ हद्दु हिं आत
सुन तख्त रखायो सम्मुहन ल्ह को स इक आ
यो ॥ डेरा को फरखो हदिवायें पुनि महिमानो
साज पठाये ॥ २४ ॥ साहू भूप मख्यो बिनु संत
ति पृथु ल राज्य कि मिरहैं बिनाँ पति ॥ साहू
पिता महीला रा तैं हैं अरु प्रधान श्रीमंत न
ल्ह जैं हैं ॥ २५ ॥ मंत्र बिचारि पनाला गढ स
तारा महुला यउ संभा नंदन ॥ अग्गें नृप सि
व राज कर्णलि भ्रूखल कोबि हिं दये वाव
नह्नभ ॥ २६ ॥ संभा हुव ताको लघु सोदरो दे
वौं ज्ञा हि पनाला गढ वर ॥ ता के सुत यह रा
म नाम हुव सो अव कियउ सितारापति ध्रुव
॥ २७ ॥ राजाराम बहुरि संभर पति मिलि वाये
दुल्ल न ल्ह महामति ॥ बैठे दुव इक तखत व
राबर चलै दुओर मोरछल चामर ॥ २८ ॥ डो
लो भय पुनि नल्ह भगायें राजाराम बिबाहर

दिल्लीपथनन्नगाय ॥ ३७ ॥ इतिश्रीवंशभास्क
रेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउ
म्मेदसिंहचरित्रेत्रयस्त्रिंशोऽमयूखः ॥ ॥
॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

प्रा० सि० ॥ दो० ॥ हरजनपुत्तदलेलइतकोटाजाय
प्रसन्न ॥ परयोलिखिनृपअनुजप्रतिबापगाँव
हूपपत्त ॥ १ ॥ अप्परहडुममसंगअरुकोटा
आवहुदीप ॥ तौंबुंदियपुरतखतधरिमन्नें
तुमहिँमहीप ॥ २ ॥ दीपसिंहपत्रहुतपठये
अग्रजपास ॥ लखितिन्हमंददलेलकोसु
पहुतज्योविसवास ॥ ३ ॥ छं० प० ॥ नगरमित
यानौन्हहडुनालरदरनाअलनिजनृपसम्म
तिबिनुहिंजानिअप्पहिंसुबुद्धिजुतकुल
करप्रतिबिंबअरजअगगनभवसुसनद
१७८० सन्न ॥ दोडालियजयसिंहडारिमिच्छ
नृपअओदकआवाँपुरीरुदुनौउमयथान

यरानप्रतिदयाराममद्विजराय॥११॥कोटेस
हिंगानकुकदकमिल्योसुजेपुरमाँहिं॥सुनि
हारंचककिलनमैंहैतुमतेंकिलनाँहिं॥१२
॥सुसुनिरानबलमतिकहिय कछु
छिलपरयवबिधाय॥दक्खिनपत्रपठायहैंतो
स्यादेकुधराय॥१३॥भैंसरोरपतिसमुरहो
लुंडाउतभटलाल॥तापैंहँकृष्णादलेलसु
तकूतदियपनउताल॥१४॥पत्ररावराजोप
पठरानाँकोलिखवाय॥सोममदिगभेज
कुसमुरप्यारेअवसरपाय॥१५॥इमलि
खिपठयोउदयपुरअप्पनबनिकवकी
ल॥सोकुमिलायोरानसनकरिहठलाल
कुसील॥१६॥लघुमितिपत्रलिखायदि
यकृष्णाकथितपरिमान॥जलकुल्याजि
मिरानसनफेस्योफिरतअजान॥१७॥बख
तसिंहनागोरपतिइतसठमंडिमरोस॥दि

ल्लीदलबुल्ल्योवकूरिदैंनजोधपुरजोर॥१८॥
अरजीअहमदसाहसुनिपुनिपठ्योबल
पूर॥जवनसलाबतखानजँहँसेनानीकरि
सूर॥१९॥कूरमईश्वरिसिंहकोतनयारा
विख्यात॥रामसिंहमरुराजकीपहिलेंसगप
नजात॥२०॥यातेंआवतजोधपुरसुनिदि
ल्लियदलसोर॥कुम्भहिंमरुपतिमीरकोंबु
ल्ल्योगिनिबरजोर॥२१॥तबकूरमआमेरप
तिउत्तरपठयोएह॥फोजखरचभेजकुलतो
आवहिंभोरसनेह॥२२॥ष॰प॰॥अंगेंनृपक
रतेसहायसुनिविपतिपरस्परफोजखरच
लेतेनजदीपहितोभरसंगरजामातासनकु
म्भमेटरीतिसुधनमंगिय॥तबमरुन्टपस
नेमलकवदम्मनभरनोंदियसजिनबच्छ
नीकजयसिंहसुवकोटभेजियकगरहिं
हमसंगहोयजवननहनकुतोबुल्लियतुम

बसकरहिं ॥२३॥ यहकहायकरिकुंचचल्योम
रुपतिसहायपरमरुपतिसोंअतिमोदमिल्यो
तीरथयगुरुपुकवरनगरमेरतातदनुजायदोउ
नमिलानदिय ॥ इतदिल्लीदलईसउदयप
तनहल्लभेजियहमसंगदोउजगतसन्यप
सकसाथवसेबाहुरतअग्रजहिंमारिअप्प
सिंहअकुताअनुजहिंजैपुरलखत ॥२४॥
यहसुनिसिल्लियरानदोनदिल्लियदलसम्म
लिहुतकोटाअधिराजकुम्भकग्गरबंचियब
लिकुच्चतयारलबल्हुकरनकूरमकिंकरपन
॥ हुंढियलोभविधायरच्चनदिल्लियदलतैं
सनपुरजनकितककछुकामतहँकोटाकेग
यउदयपुरलिनकहियजातकोटसससजिजे
पुरसम्मिलिदलप्रचुर ॥२५॥ दयारामद्विज
तबहिंसनयहसुनतासिराह्योअक्तियहम
सनहतन ॥ हिकोटसनिबाह्योयहसुनायवे

॥श्रीपतिरावमरेप्रतिनिधिजबतुमपंचनह
रोजसकियतब॥४१॥श्रीपतिकीतबमुक्
ख्यसचिवगतिबाजेरायहिंदईछत्रपति॥
अंकआपजिमरखनितउघारेसोतुमसुनकु
गध्यकरिसारे॥४२॥स०ग०॥श्रीसाहूराजा
छत्रपतिहजूरनिधानबाजेरायबालाजीपंडि
तप्रधानसौंअंकआपमैंखुदायहमारेपिता
पेसवाबाजेरायछत्रपतिनैंमुख्यप्रधान
कीनैं।अरुउनकेदेहांतकेअनंतरश्रीमा
हूराजाछत्रपतिहजूरनिधाननन्हांजीबाजे
रायपंडितप्रधानसौंअंकसितारेस्वरनैंछा
पमैंखुदायदीनैं॥तदनंतरजबछत्रपति
साहूपरलोकगये।तबपनालागढसौंपितृ
व्यकसंभाकोपुत्रराजारामआयकैंसितारा
केअधीसभये॥४३॥अबवेहीअंकनईछा
पमैंराजारामकेनामसहितखनाये।सोसब

इत्यादिकअभ्युदयकेफलतुमपंचननेंप्रसं
सापूर्बकमिलाये ॥ तुमहीनेंहैदराबादकेनवा
बनिजामनमुलककोंजेरकरिरूंप्रथमैंसि
काअपनेंअंककोंसुदायजागीरीपटामेंहैदर
राबादहींपद्मोउनकोंदिवायबंदगीसिलारै
कीकराई। अरुगुजरातनकोंमालिकदामागा
यकवालसाठिहजारसेनाकोंसिरदारफिराऊ
भयोताकोंबैंकारिदंडलैंरुगुजरातकोंअ
पनेंअधीनबनाई ॥ ३४ ॥ तुमारेप्रतापतेंइ
त्यादिकअभ्युदयदेखिसबननेंसितारेकों
कुमारिकेअधरकह्यो। तिनकेरहिगयेंराम
राजाकेराज्यमैंस्वामिधर्मीमन्त्रिवकोनरह्यो ॥
औरसोंआदमश्रीमतकोंसुनिकुलकरनेंदया
रामद्विजकेपठायेदलदिखाये। अरुकहीको
टादिककूरबुंदीससोंबैरकरैसोपापिष्ठपंडि
तरामचंद्रकेसिखाये ॥ ३५ ॥ दो० ॥ सुनतपत्र

श्रीमंतकरिरामचंद्रपररीस ॥ सज्जितहिंदुस
थानपरकिन्नोंकुलकरईस ॥ ३६ ॥ कछुदिन
पहिलैंनन्हसौंरामचंद्रकहिबत्त ॥ संध्याको
अधिकारसबकिन्न्योंपिसुनप्रमत्त ॥ ३७ ॥ निं
दाकरिमल्हारकीकहिकेंहितवकुठार ॥
अर्पहिहिंदुस्थानपरकुवमालिककुसियार
॥ ३८ ॥ अबलाकोयहकपटलखिनन्हदयो ।
सुनिवारि ॥ कियतयारमल्हारकेंहबलिविसा
लधारि ॥ ३९ ॥ राजोरासटवातबहिकुलक
रनिजउमराव ॥ दसहजारदलसंगदेपठयो
आगरस्वाव ॥ ४० ॥ अक्खीतुमपहिलैंचल
कुरुखकुहिंदुसथान ॥ चातुरमासबितायहम
आवहिंकटकअमान ॥ ४१ ॥ तबसटवादर
कुंचकरिलंघिनगरउज्जैन ॥ आयोसुनिदिस
दिसउठियअदकभूपनऐन ॥ ४२ ॥ इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश

सक्ति।दिद्दनकटककर क्रुभीरच्चनद्रमकहि
यौ॥४॥दो॰॥गोबुंदियनुमेरकहैंच्चायोरखत
लुटाय॥न्तनबिनुबरनबाक्करतसत्वरदंक्रुस
लाय॥५॥दुजनसल्लउत्तर दयोंदिवसभीरक
रन॥कछुककान्नछनैंरद्दकुसदवाच्यातससे
न॥६॥राजोरादरकुंचगचिकोटासनलाहदंड॥
हुलप्फूंच्यौच्चजमेरदिममंडलच्चमलच्चखंड
॥७॥रव्वीकैसवदासंकंपठयसटवापत्र॥च्चन
ल॥संहसनबेरतुमच्यनुचितकरक्रुनच्यत्र॥८॥
क्रूरप्प्रतिकैसवकहियबगजततुमहिंमलार
॥ओर्नाहहैंच्चनजंगतोढहिंहेंमवदुंढार॥९॥
र॥जेरानक्ष्वरिसिंहकूमरहदनभयमानि॥
हिंच्चकुप्यनमरुपालसौंवुल्योनलरनजानि
॥१०॥च्चरज्योइतचवतेसहूमटवानीनसु
नाय॥च्चौंपुनिपुनदिल्लियकटकचालिसत्न
तखुलाय॥११॥कुलकरकोयहसुनिक्रुकम

कुम्भहद्दमंत्रीपद्दुनिजमारि॥सउवायहलर
नीतिसुनिविविधलिखियबिसतारि॥२७॥
सुनिकुलनकृश्रीमंतसौंअकव्योयह्रअवलाय
॥हढ़पूरबलिनौंकुकमविस्वनजेपुरनाथ॥
२८॥कुलकरइहुरनन्हपुनितकिगसितारा
तत्त॥सकहयनभधृति१८०७चैत्रसितपुण्य
पत्तनपत्त॥२९॥तनयसौयउपबीतलैंहब
लिनिजअनुजबिबाह॥पुण्याकियश्रीमंत
प्रभुअतिहितउभयउछाह॥३०॥महिमानी
उमेदकौबकुश्रीमंतबनाय॥प्रीतिसहितअ
नुकूलपनदिनदिनअधिकदिखाय॥३१॥रा
मचंदकेबधितकरिसंध्याकोअधिकार॥मयो
खालसौकिवअबताकोअरजमलार॥३२॥
षट्प०॥सुनकुनन्हतमअग्गलियउमालवउ
ववनसनतबपत्तनउज्जैनमहाकालेसनि
केतनपरमारसुआनंदमैरुसंध्याराणजिय

॥तीननतजिह्वियगंरिसत्यइह्वैंरीतिसपथ
लियक्कचित्तस्वामिकाज्जिकरहिंअरुजोहो
वहिंकालबसितोतासुतनजीबैंसुजनहि
यलग॥यपालैंकुलसि॥३३॥दो॰॥यहकरार
जोमुह्लिअरुचलिहैंकुमतिकुचाल॥ताहि
महाकालीअरुप्रगटकरहिंपैमाल॥३४॥
इमरैकुलसंधायहसुजानतदुमकुअजेय॥
रामचंदके कथितकरि संध्यानहिंअपमेय॥
३५॥छप्पय॥पैंसाठिलकवतबंदेमलारविज्जल
किय॥संध्यासनश्रीमंतलियसेनापतितिहिं
रकिय॥३६॥पा॰कु॰॥कुलकरकोश्रीमंतक
थितकियसंध्याजयालगाकनिजहिय॥
नामचमारगोंदतसपत्तलआयउताहिमना
वनअप्पन॥३७॥लैतिहिंसंगगयेपुरयाज
करिलियमंत्रकुलकरसंध्यातब॥हिंदुसथान
मांहिंअप्पनदुवस्वामीनकृतयारकियेधुव

॥३८॥ रह्योपरंतुउहांकोबहुतरवित्तहांअनि
करामचंदकर॥जोनरहेंअप्पनवसयहधन
तोकरैंहिंवहदुष्टदुष्टपन॥३९॥यहलखिबहु
कुलनरन्हपति श्रकिवयञ्पाहिकं करञ्पपनं
करसकिवय॥श्रीमंतहुयहञ्परजमन्निलिय
हिंदुसथानन्अधीनदुहूंनकिय॥४०॥दो०॥
लखतेंहिंदुसथानकोखरनीकोकरसबे॥हु
लकरसंध्याधीनहुवञ्पाहिकवित्तञ्परत्ब॥
॥४१॥मिकवदेनश्रीमंतपुनिसंभरंडरन
ञ्पाय॥तरजनिंवदेलसतुरगकरदौहुलञ्प
तिकाय॥४२॥सूरजनमुनिनञ्पनघंहुवलस
सिरूपाववदार॥दक्षोंबंदियसिकलहसक
रिसंभरसतकार॥४३॥सककमुनिनभवसुद्दं
हु १८०७ समसावनपंचमिस्याम॥बंदिय
ञ्पायोकरिविजयधरनीपतिनिजधाम॥४४
॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपदक्षिण

सिरुपावसुरंग॥६॥टींकाकोयहसाज लिय
दयारामद्विजसत्थ॥परंपराहसत्तहपुनिगु
नियेरामसमत्थ॥७॥अग्गैंसुपहुसुभटहु
तनृपनारायनदास॥रनरानोंरतनेसकी
सरोहुसमहवास॥८॥मंडुपुरपनवाबकोह
कामदलियमारि॥संभरकोसीसोदतब्ब
हुभ्रासानबिचारि॥९॥पा॰कु॰॥प्रथमरान
संग्रामभीरकरिबाबरकोबहुकटकहन्योंल
रि॥च्यारिभ्रमचालीसघायसहिबिजय
कियोबुंदीसधर्मबहि॥१०॥इकामुगलयहे
पुनिमारयोअपनैंसिरउपकारबिचारयो॥भट
नसहितयहसंगरानकियबिनईपुनिबुंदी
सहिंबुल्लिय॥११॥तुमहमभलैंकहुभेटम्बद
प्रतिइच्छतलेकुरकिवनिजउचलि॥रचित
बनमैकह्योसंभरपहुपहिसरकग्गकोसहुव
प्रेसहु॥१२॥बैरतीनहायनबिचलैहैंतब

तुम्र परहहुनहितव्वैंहैं॥भजक्कुप्रथमबिज
यद्दपामीदिनपुनिगुनगोगिदिवसअआक्क
उच्चल॥१३॥बरसगंनिदिनवक्कुग्गिपदावक्क
तोहमहेतगिनेंतुमरोवक्कु॥यद्दनृपनर्मगम
सोक्कृतकियअवरक्कुप्रीतिरीतिइमबंधि
य॥१४॥हातक्कुमाजउपतइक्कहयइकतर
वारिमुद्विजिहिंमनिमय॥इक्कनिसंगइ
क्कबिसिरवासनचोराइक्कमुल्लमितजाम
न॥१५॥असिपहिसकेकोससहितचहि
इकसिरोचइतेंभेजनकहि॥तबतेंन
रीतिवहआइमोगनहिंनहिंमित्तनसुह
इ॥१६॥दयारामद्विजसत्यरानअबरोंका
संगरकुपठयेसब्बु॥सुंदिअगनसन्निबद्दिज
लायेबिजयदसमिदिननजारिकराये॥१७
॥दो०॥उज्जअमावसिनिमतदनुचोकोद
रनकै र॥तारागढसनकहिगयउहरजन

कीतियन पठई पीहर बिरचिनय॥२१॥ दो०॥
नगर समीधीनैन बाकर उरएस बलिन्न॥ ति
नमैं नृप बुंदीसतब अमल अप्पनौं किन्न॥
२२॥ इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूस्वरूपे द
क्षिणायने दशमराशावुम्मेदसिंहचरित्रेष
ट्त्रिंशोमयूखः॥३६॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०सि०॥ निश्शानी॥ इम सुत भीरु दलेल
कातजितियन पलाया ताके देस असेस मैं
नृप अमल बिधाया॥ पुनि कुलकर संभर स
हित अमरस वउ कनाया रत्नीके सब बैर पैंज
यनैर चलाया॥१॥ कहीं पन्नग संकुली फन
पल्लटि फिराया खुल्लैनैं न महेसके नव भाल
लुभाया॥ लग्गा बावन संग ह्रौरन कौतुक
आया जाल बनाया जुग्गिनी करताल बजा
या॥२॥ गिद्ध निचिल्ल निगेनमैं गगनके गह

कायाधूरिविलग्गौभानुकैंसबभानुछिपाय
॥ श्रंगमचक्कीमेरुकेधरखंडधुजाय॥ हवन
कीबनकोमनौहल्लडाकलगाय॥ ४॥ सुनि
आवतदक्खिनकटककूरमअकुलाय॥ हु
तकमारइंदासपैलिखवायपठाय॥ छंडो
छौनियरावरीहमसामबनाय॥ कुलकरस
म्मलिहोयक्यौंअबदंडउपाय॥ ५॥ कित्तौं
प्रथमकरारजोनहिंनैंकामिलाय॥ अबकैसे
अपराधपैंमह्लारकुपाय॥ केसवआयसनौं
कियाइमभारिगिराया॥ दासतदपिआमेरका
इनकाननसाय॥ ५॥ अग्गैंसच्चकहोसपैंअ
तिदंडनगाय॥ समुझावकुतुमसंभरिकुलक
रहुआय॥ एककोअबअप्पकाअवलंब
बनाय॥ एकमारआमेरकामुनसीनसुनाय
॥ ६॥ बिनयभरेसुनिबैनएसंभरसकुचाय॥
मंत्रविरंचिमह्लारतैंहियगूढबलाय॥ कु-

कहि कहि हरगोबिंद इम क्रूर मन्त्र हि काया
हरिनारायन पुत्र निज परव पुत्र सिखाया॥
सबजैपुरपति हि सुभट सुत संग दिखाया सं
खावाटी मुलक मैं पहिलैं हि पठाया॥१६॥
अच्छे तौ पलुरंग गन सब तत्थ चलाया क्रूर
मज बमर्यो कटक मंडितलव माया॥मोढिग
लक्ख समर्नी कहैयल छक्कर चाया रिक्खन
का उत पन्नैंर्ह बलैं बगबुलाया॥१७॥अवि
जितनैं अंतरग इमदिवसगुमाया इत तैं
बुलकर हड्डुनृपदर कुच्च चलाया॥जेपुर
तैं नियु कोस पैं निजदल उतराया फिलिम
लौं कुंडपैं गडालरु काया॥१८॥नहानी
तब सन्चिव निज कछवाह बुलाया बुच्यो
तैं लव जब मैं दल लक्ख बताया॥ चाकों क
छुकुयार अब अरि अति कथ्थाया बिनुउद्यम
तैं कहैं दिन बीस बिताया॥१९॥ तुच्छ्योहर

लगायाइतवंद्दहल्लकरतनयन्नृपंडरन।
आया॥अकवीचढिअप्पनचलैंभटल्लैम
नभायाबाह्हिरतैंलखिप्रायेंदहपुरसुनतसु
हाया॥२४॥सहरवंडन्नृपसंभरान्चढितब
हिन्लायासंगल्येभटतीनसतनिजपर
खगिनाया॥जैपुरवेप्राकारढिगराहितुरग
लिहाया।इकअटाचढिकैंसकलपुरत्यौंह
गलाया॥२५॥जैसैंजैपुरसिल्पभतजयसिं
हव आयाभेदकोउकअंगतकहिभिन्नता
या॥यहहरससचिवनमुनीतुवंदरवनआ
यालवपुरदक्खिनद्वारकाह्रुतअरररनुला।
या॥२६॥सिविकाहडगोविंदन्चढिबाहरक
ढिधायायियाधरत्यौंहींकुरिदुवमधुरकच
लाया॥आयनिकटबुंदीससौंसवहृतक
हायाजैसैंविधिगतरत्तिमैंन्नृपगरलन्चढा
या॥२७॥दोऊसचिवनकौंसुनतइनसप

थकरायातवसन्नौगिनिसैनमैंथर्‌हत्तपधाय॥

॥सोसुनिकुलकरसैननलैगेपुरद्दिगञ्चाय॥

करिमुकामप्राकारतटनिजथूलतनाय॥

२८॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूउत्तरायणे

दसिराशेदशमराशौबुम्मेदसिंहचरि

त्रेसप्तत्रिंशो ३७ मयूख:॥ ॥ ॥ ॥

॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०मि०॥दो०॥पोसञ्चसितदसमीदिवस

मजयपत्तनञ्चाय॥पुनिप्रबंधञ्चपनोंकर

नलियबुंदीसबुलाय॥१॥अकबरात्मजा

वकुन्नृपतिलखिपुरराजानिकाय॥अंतह

पुरजुतञ्चप्पनोंजामिकदेहुजमाय॥२॥

तबपुरञ्चंतरजायनृपधरिन्चोकोसह्टाम

॥कहियञ्चायमल्लारपतिमथेनृपहिरसल्लाम

॥३॥उचितदाहकञ्चाहकोञ्चनविलं

बबिधेय॥इतेकालरंकजनरहैंञ्चुतिञ्चकव

तसुहिस्थिय॥४॥पा०कु०॥सुनिहुलकरक
हुसोकसहितहुवजैपुरसचिवबुलायवे
हुव॥हरगोबिंदबहोरिबिद्याधरगतिनहिक
ह्योरादिहुलकरपससत्वर॥५॥तबतिनअरज
मल्लारहिकिन्नौंसोकोतुमअप्पनधरिदि
न्नौं॥कोससबहिनहिंहत्थहमारैंकिहिबो
मनउणहारनिकारैं॥६॥इनअक्खियहह
मसनलैजाबहुनाहिंनिदेसकिमकोसरबु
लाबहु॥यहसुनाथनिजकोसनतैंतबसा
मथ्थीहुलकरपठईसब॥७॥ताहिसंगब
निकसविद्याधरलैतबउमयगयपुरअंदर
॥राज्यलड़ाकहुकामनआयोहुलकरतैंखं
पनहूपपायो॥८॥दो०॥महलनबिचनि
हुलहनिजयनिवासअभिधान॥किन्न
वाहउबाहकोलिहिंढिगबिहितबिधा
न॥९॥बिगरीईस्वरिसिंहमतिअरसहक्क

गरलपैंहूंदकिवनभयश्रानि॥१७॥बारना
रिहूकश्रामबसमन्नेंतियकरिमेल॥सौंकुज
सरन्विसहृगमनजयनिवासगृहवेल॥१८॥
दूजेदिनकुलकरतनयकिन्नोंखंडुवब्बत्त॥
कूरमप्रहसुंदरसुनतपातुरिबकुगुनरत्त॥
१९॥लरिलक्षश्रीतिनमांहिसोंचुनिचुनि
कलिकमंगाय॥घरहमभुग्गनरकिवेंहगि
नतसमर्थनल्याय॥२०॥यहउदंतश्रवरो
धगतसुनिपातुरिभयलग्गि॥एकादसि
बासरजगेएकादमलहिश्रग्गि॥२१॥रा
तिनकूर्यहूभयसुनतहूकमूहसोरबिच्छाय॥
भसनांबन्बारांउडनकोंकरनप्रानबिनुका
य॥२२॥तनश्रातुरनाजरजननश्रकवी
साहिरश्राय॥जोंनबनैंसत्वरजतनरानीज
नउडिजाय॥२३॥श्रायेकुलकरसंगयेंहम
धवकेकुवकोल॥बनिककन्हकोंबिदबकु

रिक्रूरमन्त्रमकुसील॥२४॥तिनयहसुनिसुं
दीसप्रतिअकरयोअनुचितकर्म॥भूपसुनत
अतिकोपभरिथरयोलरनभटधर्म॥२५॥(
ष॰प॰॥अरु नायितहरिअंगमनकुंबिल्छि
यअनलभरियसागरसापनअसहअपंरिजि
नुकपिलउधारियकालीमनकुंकरालसुभ
उणररिसलत्रिय॥दलनजंभदंभोलिपक
रिपलटयोकिसचीप्रियअंबलधरकिसिसु
पालकेअंतिमआगसउज्जलियहमभूपसु
नतरवंडुवअनयकररिसमुच्छुलियबलि
य॥२६॥सुनहुबत्तमल्लारसल्लमिच्छनउर
अप्पनपठयेतुमपुयेसधर्मलिंदुनदृढअप्प
नअनयअरुजइकसुनियतनयभलदीयक
हतयह॥नृपजेपुरपतिनारिगेहडारहिंक
रिअग्रहसबगामलज्जरकहिसुजिप्रब
खंडुवबरजनउचितउनमाहिंहमकुनाहि

तोअबहिंहुनहियतुमतैंनहिता॥२७॥
दो॰॥हैंहमरीबेटीबहिनिउनकेआलय
माहिं॥त्योंलिखमरुकुचुतुरतुमउनकोहम
घरआहिं॥२८॥अज्जबिपत्तिजुएकबि
चसोकूरंजैबिनसोहि॥मनुजनकोजबत
कमरनतोबरअबसरकोहि॥२९॥हमसि
रतुमअभ्यासानकियइनपरडारिचपेट॥
जोससुरकुलक्षतधनहमहिंतोबुंदियवह
भेट॥३०॥यहअनीतिजोनीतिकरिमनैं
कुमकुपमन॥अखिलदिखावैंअंगुलि
नलिखलिखजकहिवत्त॥३१॥धरमच
लावननयधरनतुमसहायभुवलोन॥अ
धरमकारिलैबोउचितपाकदमनपदलीन
॥३२॥सोदरतैंकुसरवाअधिकसोकूरमलु
मसहर॥यातैंखंडुवमातवेतिनकोंतक्षत
कूर॥३३॥नृपतिअंखिसज्जीनिरखिजानी

इनरेसुतबबिस्वासेसबजाय॥अकवीड
कुननैंकअबहमतुमसंगसहाय॥३॥त
हिपायबिस्वासतिनप्रतिउत्तरदियएह
॥उपकारहिअपकारयरनृपतुमकिन्नसने
ह॥४॥साफतेयअबदंडकोमंगहिंयहम
सार॥कछुकघटाबकुजतनकरिसोपैसंभ
रसार॥५॥कोटिपंचकुलकरकेहेलेनद
म्महलाय॥कुस्योतहँनृपकारिबिनय
जुलमसहीकिमजाय॥५॥बकुतबेरद
किलनदलनकूरमदंडितकोन॥लखिअ
बसुलीजिंदलगिनिनिबलअधीन
॥६॥कारिजपररवरचलकलामूलहिरक्खि
सम्म॥अरथपटुनकीरीतियहेअकवीर
कम्म॥७॥कलाबढतपुनिमूलकरि
मूलमिलैसुमिलाय॥जैसैंरजकामूलजुतल
बोलपुनिलहराय॥८॥जातैंपुनिबसुउ

पायपरम्मानच्चारि॥१६॥निजपतनीरट्ठौरि
लियसीहदलख्खनधारि॥कूरमउद्धवतासकि
यअक्षमुममासउतारि॥१७॥यांतेंकुलकरसंग
हुतआयोनाहिंकछवाह॥कन्हरुप्रेमवकील
कुलरखनपठायेलाह॥१८॥ष॰प॰॥ईश्वरि
सिंहनिपातसुनलकुलकरदलमुकलिख्खि
लियमाधवबेगबंचिपत्रसुआयेचलिसंग
नैरसमीपरह्योकतिदिनमुकामकारि॥बारह
दिवसबितायगयोजयनैरगर्बभरिसुनिआ
तककज्जयपुरसहितबुंदियपतिकुलकर
चलियजद्दवनैरसरंडुबसजवहत्थिनचढि
सम्मुहहल्लिय॥१९॥दो॰॥जद्दवनृपगोपाल
जैंहनगरकरौलीनाह॥मंत्रकरनमल्लारसन
आयोमिलनउछाह॥२०॥वहअरुरंडुबड़
कइसौंरिसलैतैहिंबेर॥प्रथमकहेलैरहि
दूरहकेअतफौजनफेर॥२१॥मिलिपरसपर

अन्धारिचक्रनमैंभ्रम्यौं॥२७॥मुदपायमुत्ति
ऋडुंगरीतकजायसम्मुहगमिले सबपुच्छिमं
गलमाँहिंमाँहिंबहोरिपत्तनत्यौंपिले॥अरु
चंदपोरिमुकामअप्पनदैजयातँहँउत्तरयो
पुनिमंतमित्तमलारतैंदमबित्त बंदनकोक
रयो॥२८॥तबहीमलारपन्नीसलक्खलयेंति
होउनबंदयेश्रीमंतकेपुनिपंचसमतिलक्ख
दक्खिननप्रमये॥अरुजैपुरेसदुहूनसौंमहि
मानिजिम्मनकीकहीसुनियेमहीपतिराम
जोइकहौंचहीइकनौंचही॥२९॥दो॰॥कु
लकरनतासुअहारयपेसंध्याकियनाँहिं॥
कुल्योजैपुरदेतबिखमिह्वैकहिदिनमाँहिं
॥३०॥देखिरीतिबुंदीसकोआरंभतनुमर
ह॥पैहडुअकपटप्रथितगाढकुहकयहगे
ह॥३१॥सोदरकेहँजयसिंहअगहालाहल
अप्पियमारेपुत्ररुमाततदपिपप्पियननत

प्पियमानहनियमारूफजलधिबिस्वासनिम
ग्नत॥दुंदाहरकेहोलबिदितयाहिगतिबन्द
ततौंतैनहमहिंनिश्चयतुलतखागलहमम
न्यौंसकलकछुबिनतुरगपुनिभेटकरिकुं
वरावकुछोरिछल॥४४॥तदनंतरमरहट्ठ
नअंतरदूजेदिनअथबिनयकछुकरनबकु
तप्रबिसेसंकाबिनतिनकौबंधनतोरिहक्क
बडवापुरआई॥सोसेखाउतसदनछन्नरह
बंधिछपाईलरिताहिखुल्लिलावनलगेउ
नतबफारियरवगअरयहहकामचिमपत
नप्रबिलअरुद्धारनलगेअपर॥४६॥सुन
तसोरगहिसजनलोकपथ्थरअसिलटुनपुर
कैमिलिमिलिप्रचुरलगेमारनमरहट्ठनहे
जननचारिहजारच्यारितिनकैबिभागकरि॥
ध्वंसतीनअसुहीनभयेलघुइक्कथायभरि
बाहरगयेतिपुरजनबकुतभजतहलैंदक्कि

नभटनबुंदीसकटकअायरुबचेकरिकितेक
अतिजबअटन॥३४॥दो०॥ अानतबामी
अथनीदक्खिनलोकअदोस॥ अपराधी
जेपुरजननरच्यो अलीकहिरोस॥३५॥मल्ल
जससमर्थनकेमरततच्योमाधवत्रास॥भा
वीनिजन्चिंतलभयेसंतलहारिनिसास॥३६
॥कुलकरराजसमीपहैकुम्भसञ्जिवईहैंका
ल॥प्रानबचनपायनपर्योबनिकसुअन्हं
बिहाल॥३७॥देखिताहिकुलकरसदयबुं
दियसञ्चिवकुलाय॥अक्खीसंभरपासह
हिंधरकुजिवाबनजाय॥३८॥दक्खिनजन
नाहिंतोकुमनअबअावसहछैन॥दुंढतज
नदुंढारकेहननफिरतरुकेहैन॥३९॥मय
रामकायत्थतबदयारामद्विजराज॥पल्लै
बुंदीसअप्रतिकन्हजिवाबनकाज॥४०॥सं
ध्याकुप्पितरहसुनिविरचनजेपुरबाध॥न

कुमाधवथप्पियबिलयअप्पियतबन्नपरा
य॥४१॥प्रचुरबित्तलियदंडपुनिअरुप्पइं
कहिएह॥यँहँपैजकुघायलअखिलसाह
करकुमृतदेह॥४२॥जनहजारघायलजब
हिदलपठायसबदिन्न॥तिन्नमहँसकुरापत
लरितकम्महिन्तनिधिकिन्न॥४३॥रावदेरो
लंदाजइहादिल्लीलोपरवाय॥निजअन्दिसैं
किनिदेससौंजातीरोनहिंजाय॥४४॥कुर
तबन्हिपरफोजसैंलख्योगोलकलोल॥बकु
रितासबिग्रहबक्योकुरमकुकयोकोल॥४५॥
कुंवतबहिंउमैनकोरिसंध्याकुलकरसत्थ
॥भंकोरारजायहमये संगरसन्नमसत्थ॥४६॥
दुज्जितबहिंजयपैरखवसंध्याकुलकरपास॥
गोलिंदजहिंलैगयेअक्खाकुरनकउदास॥४७
कुल्योइहिंकियकुकमबिनुहैमपदोरायहैन
॥दोऊतुमसागलदमननलननकियँहितने

न॥ ४८॥ बिनयपिक्खिदोउनबक्करिदुवल
क्खहिलियदम्म॥ आगसकिन्नौंमाफवहक्क
रियकुंचजयकम्म॥ ४९॥ आयोतबकरिसि
क्खवङ्कलनिजपुरसंभरनाह॥ टौंकाजेपुरमु
क्कलियरक्खिसनातनराह॥ ५०॥ इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेद
शमराशावुम्मेदसिंहचरित्रेराकोनचत्वा
रिंशो ३९मयूखः॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥
प्रा०मि०॥पा०कु०॥ इतमनसूरअलीअ
भिधानक अहमदसाहवजीरअप्रचानक॥ प
र्यो कर्करखन घसमसानन हननफुरक्का
नादपठानन॥ १॥ नवलरायकायथसेनानि
तिहिं कुलजायरारिलबतानी॥ बंगसरवान
मुहम्मदबीबीगज्जैं उतकुधरैंनगरीबी॥ २॥
अवलापननहिंनैंकउघारैंराज्यफुरक्काबा

दसम्हारैं॥नवलरायतिंहिंसन किम्नौंरन नारिसबल बसत दपिभईनन॥३॥काय थतबकरिसप थसंधिकियदैविसासदलता सलुट्टिलिय॥बीबीतिंहिंदुवसासदारिव लिकिन्नौं आनिवजीरहिंतुकलि॥४॥नव लरायकायथह्म्यौंनवसहँसपञ्चासकट्टक लट्ट्योसब॥लरियहमीरवजीरपलाये इ तिआतुरदिल्लियपरआयो॥५॥कछुरुप्य यतिंहिंदैनकह्यायबलिसह्यायमरहट्टबुला ये॥राजाजुगलकिसोरभट्टजनबकुरिदि वानरामनारायन॥६॥एदुवलैनदविरवनि नआयेसंध्याकुलकरसंगसिधाये॥भूतिन्ह बेरिजानिबीबीभयप्रबिसीजायकमाऊपब्ब य॥७॥लहिवजीरसनरवरन्चपकुलनबीबी किंनउतहिंगयेसव॥रामसिंहहड्डधन्व धरापतिइकदिनकहिवलैनरिन्हापति

॥८॥भटरट्ठोरसभाजबआवततिनकेलोच
नमोहिंडरावत॥लगतबुरेमोकोंसबसारेंके
सोविधिअबजायनिकारे॥९॥ढड्ढोअमि
यकह्योबनिसकबीतुमरंजनकयहेइन्ह अ
कबी॥चंपाउतकुसलेसकह्योतबयहसुत
अधमभयोलोइूअब॥१०॥जबंडेरनपर
जायहमारेदुदुकारहिंतबकढहिंनिकारे
॥सुहिहनसोंकरिबेगबिडारहुबेंबिलंब
तोइनकारिहारहु॥११॥अनुगपठायअन
यसुहिधारयोडेरनपारिकुसलदुदुकारयो
॥अरतबचहिनागोरगयोयहमन्योंसुनि
नरवैतसमहामह॥१२॥सम्मुहपठयोविज
यसिंहसुतजिंहिंलियकुसलबधायबिन
अकुल॥कथनयहैंबरवतेसकहायोआये
हमसुजोधपुरआयो॥१३॥बख्योतबाहि
केहूदिसबिग्रहचाहैंकरनपरस्परनिग्रह

।।रामसिंहसनसबहिरिसायेइतरभटकुनि
जनिजघरन्हाये।।१४।।इकबल्ल्योनरेसर्द
दाउतरह्योअनाद्रकुसहिराउत।।सेनाकु
रिउभयदिससज्जियबंबपणवन्हानकरन
बज्जिय।।१५।।चलतबेरमृतसेरतुरंगमकि
यतबअसुरजैदैनहयनृपसम।।कुह्योमरुप
उचितदुमरेहयहेरफुरजककुलालनन्हा
लय।।१५।।मोरखमधुरघोरीन्हैंचलतभरसेर
तुपैसहिमोअघोसर।।जान्योंनृपमतिसंदन
जानैंपैहमस्वामिधर्मपहिचानैं।।१६।।चले
उभयपुनिकटककरवेतचढिपटलेवाजिभट
नहोसहोरपाहि।।ह्विलियन्हालुकभोगहला
राधुज्जियपहुमितुरंगमधारा।।१७।।दसन
लगेतुहनदिगदंतिनतुमुलरामसिंघुनकु
वलंतिन।।कंकटफटतबाढकरपालनमुंड
नखोजिरचतहरमालन।।१८।।रुंडनचल

कतिरबिहिँरिगावतआयुधतजिबत्थन
कतिआवत॥कतिकनफट्टतहृदयकले
जेभिदतमत्थकडूतकहुँभेजे॥२०॥अरिबि
तिरतसोनितकहुँअच्छीमनकुँओतबिच
रेहिलमच्छी॥सायककहुँलगिनाभिसुहा
वतापिकलिलदिकहुँवछबिपावत॥२१॥
एडीकादिकहुँकोउछट्टतफांकनागरंगक
जनुफट्टत॥ओठकहुँककटिकटिमुवआ
वैबिंबमनहुँअसिधनबरसावै॥२२॥क
हुँकदंतगिरिरोचिप्रकासैंभूमिमनहुँहीर
नगनभासैं॥नयनगडीकहुँसुच्छनिहारैं
मीनबदलबनसीछबिमारैं॥२३॥इतक
हुँरीढकभिन्नउलट्टतकदलीछदनदंड
जनुफट्टत॥कहुँककरतकरतैंकरभनकु
लमहिलाजननऊरुजनुमंजुल॥२४॥
लोलाकहुँकपुरीततितलोहितसलिलअरु

लगिदरक्खानिजोधपुरलिन्नों॥४१॥बैरि
तरवतजयपटहबजायसाजवक्कुरिरनका
जसजाये।कुवथहरननवनभधृति१८०६
हायनपायपरामकियहारिपलायन॥४२॥
जिहिँदिनमक्कधरेहितजग्गुवहर्योद्वितीय
सोंमररपतिकुव।।सरदहुनसनन्हपहिमि
लावलन्धनरसिंदकुंवकमाउन्थावन॥
४३॥जयामलोरगायसमुदजबन्धान्यों
सिविरसमसिदहिँध्रव॥संध्याकौंतंहँकु
मतिसुहाईमूढमरुपसनकियमित्राई॥
४४॥पच्छपलटिकहितबसुखपैहैँदुत
जबतुमहिँजोधपुरदैहैँ॥इतजगतेसरान
कैन्थामयबह्योग्रतीवन्थसाध्यजरावय
॥४५॥कुमरम्नतापकुतोकारातबहहिँम्रा
हकुमरन्यारिमिलेध्रव॥नाथरानजगते
ससहोदरल्लाराघवदेवपापपर॥४६॥मा

भयउ सुनि जा हि कुमर पदवी महल हु जनस
हर कमल भयउ ॥२॥ इतय हरु सुनि बुंदीस लै
नाकि जन चित्त पठाये तब कुदीप नटि तिन
हिं लरजि पच्छे पठयें चाये गागर नीपुर अभय
सिंह रहौर सुता सुनि ॥ परनित हिं हुलजा
य दीप आयउ कोटा पुनि बुंदीस हिं तु नाह
का विसन कछु दिन तत्थ अतीत करि गा पुनि
रवा मपुर इंदु गढ देव कथित दृढ चित्त ध
रि ॥३॥ दो० ॥ अभयसिंह रहौर को देवसिंह
हो भास ॥ पत्नी के परतंत्र तिहिं किन्नौं अनु
चित काम ॥४॥ पत्तन कोटा दीप प्रतिपठ्ये
य गालिपत्र ॥ तुम कौं बुंदिय हौं स जो आव
हु तो इत अत्र ॥५॥ तुम रे उप्पर तनु कहहु
ऊज अनुकंपान ॥ मंत्र करन हम सौं मिल हु
य प्पा हिं ज्यौं नृपयान ॥६॥ एक मार सुनि इहं
इगढ पठयौं दीप प्रमत्त ॥ अग्रज हिं तु

बिरुधद्वमतक्योंबालिसतत्त ॥७॥ करिब्रु
तिपुत्तुंदीसकोदेवसिंहधरिद्देस ॥८॥ पठयो
नेपुरदीपकोंबिग्रहरच्चनबिसेस ॥८॥ सु
निमंधरजैपुरसुपकृच्छ्रावृतहुंउमाहि
॥ पठयोसम्मुहदीपकेंसचिवमुकुंदसहर
साहि ॥९॥ कूरमगाढियकोंनपरबैठास्यों
सबिनोद ॥ पच्चासहजारपच्चासकोदियोनग
रउकेंडोद ॥१०॥ आनलअंतरहारतकंध
मरतासच्चलाय ॥ इमसुदीपतिकोअनुज
रक्ख्योजैपुरराय ॥११॥ ष०प० ॥ तदनंतरन
भनंदद्रहअद्रिप्रबल १८१० मितहायनमा
धवदिल्लियद्रंगपत्तबलनिप्रीतिपरायनरा
सन्नद्धहमदसाहहल्योकरिसाहिदरद्धायो
॥ कछुवसरतेंहकोहूँसिवरवलहिब्बालय
आयोरघुनाथरायश्रीमंतसुतनहरअरु
जनपरेनजुतमगमांहिंमिललसम्मातरि

थहरगोविंदहिंगहनद्दुत॥१२॥पा०कु०॥दि
ल्लियगभनकुम्मजवकिन्नोंबुंदियपुरकग
रलबदिन्नों॥कोऊभटममसंगपठावकुहित
मैंनृपन्नृपंतरजिनलावकु॥१३॥तबभगवं
तसिंहभाखानीपठयोभूपतिप्रीतिप्रमानी
॥कैंदिल्लियभाधवधरआयोरक्ख्योमचि
त्तोभरुडुलायो॥१४॥दो०॥सिंहभयोन
हिंलोभसोसिक्खदईरविजिसाह॥हरगं
विंदस्थमात्यहूलग्गोजैपुरराह॥१५॥रक्ख
कताकोसंगहोंमाधानीभगवंत॥नन्दक्ख
कृजअयमैंमिलतक्खभररवकिनक्खनंत॥
१६॥पक्खरनहरगोविंदकोंविंद्योकरकबि
ध्यारि॥भूपमुनहुभगवंतभटतैंहगोरोतर
वारि॥१७॥मारिबकुतमरहट्ठभटजित्त्योदु
ल्हरजंग॥कुम्मसचिवगहननदयोआन्यों
जैपुरहंग॥१८॥इतसंध्याकुलकरउभयक्ख

अह्मदसाह पलायइ मपञ्चौ दिल्लियपत्त
खान कलीज हराम खल पकर्यो स्वामिप्रम
त ॥ २४ ॥ नयन फोरि जवनेसके कारापट क्यो
कूर ॥ आलमगीर सनाम इक साह कियो ब
निसूर ॥ २५ ॥ अग्गहि खान कलीज इहिं लि
यौं नादर तुल्लि ॥ अंधबंध अहमद कियो ख
लितैं रोध अबरुल्लि ॥ २६ ॥ मरहट्ठे दल तसु
सकृदिल्लियपत्तेदौरि ॥ कछु दम दम कलीज
दै किन्नौं साम बहोरि ॥ २७ ॥ अंबर ससि धृति
१८१० अब्द इम किल वकलीज कुचाल ॥ ग
ह्यौ आलमगीर कौं बैठार्यो सति बाल ॥ २८ ॥
कछु सिवाय धन भेट करि निलज कलीजन
वाव ॥ मरहट्ठे दल मुक्कलेजे रकरन पंजाब ॥
२९ ॥ मारव नादरसाहको अहमद खान पठा
न ॥ उत तैं वह उत्तरि अटक कर्यो कटक अ
मान ॥ ३० ॥ जिहिं जन पद पंजाब में लिन्नों अ

ल्योइनकेअरिमारन ।। दोउननिजभुजदेन
बिदितनिजकित्तिबिथारन सुनिगहबह
दुरसिंहडतबिजयसिंहसम्मालिगयउसमर
लानगरहुबद्दलामिलतमकसिनथ्थति ८
संगरभयउ ।। ४ ।। दो० ।। बिजयबहादुरउभय
उतहूतसामंतरुराम ।। संध्याहुकुनसहायकै
रकालिमभ्योजयकाम ।। ५ ।। सारङ्क ।। संध्याज
यानभोबिजैसिंहरहोरयोंमरलाखैलजुहब
डेजोर ।। भरीभच्योसरवकेसीसपभारभोकुंड
लीमोपकलडोरिकुकार ।। ६ ।। बाराहकोटहूंसो
पीरकहूं हूर हौनलग्योंकामदोपिहिंकोचूर ।।
कंपसौंदिक्करीनिक्करीपारिछुज्जौधरिनीकु
मैकल्पकौधारि ।। ७ ।। अप्रदित्यअप्रभागहूथु
रितेंहूं कल्लोकिसव्वहुपेसाकलसैसक्कीरालो
थानहूंयौंथूमनकी भारकंप्रभारउलंहिपैलत्नु
लगेत्प्रकूपार ।। ८ ।। यौंसक्क संधा हिलोब

रुंडैरुंकैंल्लोलजंगीवजैंगोमुखाभेरिका
होल ॥ कुल्लैंफिरैंनिंहिंकेभिन्नबेतंडफुल्ले
पिरैंफारनीकाकेफरंड ॥ २० ॥ बानैतकेतभ
रैभूतकोबत्थसोहैं घनैंमारतेसंकुलेमत्थ
॥ कैंहकहैंउल्लुटैंचौंरथ्थोछत्रपीपीछकैंभ
रबीलोहिता ऽमत्र ॥ २१ ॥ यौंमेरतारंजनमं
डोमहाजुद्धजुट्टैंमलिंदकिथनीकालमेकु
हू ॥ संध्याजयाम्नातयौंदलगोदोरिलक्की
लिजैंसिंहकीफौजजैजोरि ॥ २२ ॥ दैंमारहो
रहोरथ्थैंनकूहिंथ्थोतोपखानारवजानालय
लोहि ॥ संध्यायहैंजंगजित्योबडेजोरभज्यो
बिजैंसिंहगोदुम्मानागोर ॥ २३ ॥ दो० ॥ बिजय
सिंहमरुभूपभजिगयोनगरनागोर ॥ जाय
कहाडुरकहुंकियोरूपनगरपरदोर ॥ २४ ॥ प्रथ्थ
मबिजयसिंहहिंदमनजयातबहिंबजो
र ॥ तोपनजालकरालरचिगढबिंट्योनाग

जातकद्विजनविचारि॥ तदनंतरजोवृत्तकु
वसुनकुम्भूपहितधारि॥ ६॥ सकजगतीधृ
ति १८४५ माघसितसुक्कबारस्मरदोह॥ ऊदाउ
तियानियजन्योंकुमरबहादुरसोह॥ ७॥ अ
जितसिंहअनुयहकुमरसोदरडुवसुकुमार
॥ बालकृपाकरजिमबढ़तदिनदिनअधि
कउदार॥ ८॥ बिजयसिंहमरुपालइतरुद्ध
नगरनागोर॥ संध्याकोसंकटसहतकछुन
जनावतजोर॥ ९॥ बरसइकौधरस्रोतोप
नलस्रोताय॥ संध्यानहिंजावतसह्योदुप्प
रसैंबदिवाय॥ १०॥ व्याकुलतनबरनतसुत
सूकौविचारियचित्त॥ कुवइंदैपडिहारकृत
कुह्मैदैवकृतचित्त॥ ११॥ अप्रमोसनइंदेरहत
मरुजनपदकेमाँहिं॥ चूककरनमैंजेचतुर
नकौंमरलकुनाँहिं॥ १२॥ यानैंमरुपतिकेप्र
दायिहिंसेवारहिगेह॥ कामपरैंजबचूककौ

ख्खिलरननवसतगोरनसह॥१९॥सतपंद्र
हमितश्ववरसिपाहनहुतश्चायोश्चहितन
ह्यिदाहन॥श्चाश्रमससिवसुससि१८१४
सकश्चागमसमरख्योसुचिगिम्हसमागम
॥२०॥कलकत्ताजित्तिसुश्चरिकाढबलि
नबाबउप्परदलबाढे॥सनश्चयुतबल
सहश्चप्रेसरसज्योनबाबपलासीसंगर॥२१
॥मिरतभज्योसुकालतोपनकरि
यश्रंप्रेजश्चतुललरि॥श्चमलकंपनीको
तादिनउतदेसबंगबिचकछुकजम्योहुत
॥२२॥दो०॥इंद्रगढाधिपदेवहुतपापकु
मायप्रमत्त॥न्रपकेसोदरहीपपुहँपटयेजे
पुरपत्त॥२३॥यहउदंततिनमेंतिख्योश्च
हडरिश्चपउमेद॥श्चप्पहिंलैनश्चमात्य
कोंभेजेहितुतलरिबभेद॥२४॥मनहुँमन
मेंमतिसुमतिरकबहुधीरजरंच॥बिन्नति

नजआन मंडियअप्पनीततकालजोगढतो
रिकें॥ पुनिटोंकपत्तनघेरिघत्तनदेसजेपु
रकोदल्योकछवाहमाधवभूपसोसुनिआ
जिकोंनहिंउझल्यो॥ ३०॥ इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेपंचचत्वारिंशो ४५म
यूखः॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा॰मि॰॥ दो॰॥ नृपउमेदकरउरनगरडू
तगयअवसरपाय॥ देवरुदौलतसिंहदु
वइहांजनकसुतआय॥ १॥ नतिजुतल
गेनृपतिपयबैठिमिसलबिचारि॥ कह्यो
भूपतुमहितकरतस्वामिधरमअनुसारि
॥ २॥ इहंदुगईस्वरदेवइहतुल्योअनुतब
नाय॥ सेवकहमप्रभुकेसकलकरेंकुकमम
नभाय॥ ३॥ मनहंसः॥ सुनिकेंइतीकनरे

रवत्तउलीपतिख्यातभयोन्रृपकेदलपैंसह
सारतिवाहदयो॥८॥बजिहकालल्कव
डोधमच्चक्कमचीनिसमैंचउसट्ठिख्यचान
कख्खायनची॥तजिनिंदरुतोकछुलेसमसे
रवल्यौसुमनौबडवानलसागरपैंउझल्यो॥
॥९॥उमड्योजनुकन्हकुसस्थलकेरनपै
पटक्यो।बपुसत्रुनकौसमसेरनपैं॥हनुमं
तकिलकहिलैनमलंगिबढ्योकपिलेस्वर
केमुरवतैंजनुसापकढ्यो॥१०॥इमतोकर
जोगुनमैंछकिरंगरुप्योलखिकैंतिहिंखत्त
वलीदलजातलुप्यो॥बरवतावरत्योंमुकुक
म्मकुलीनबलीभटसम्मुहजायरचीधमच
क्कमली॥११॥बिनुघोटकदोउनकीतरवा
रिबहीकबलौंसुकहौंन्रृपरामनजातकही
॥तरकैंसमसेरबिदारिबकत्तरकौंउछटैंसिर
तुट्टिनिरंतरअंबरकौं॥१२॥फट्टिटोपगिरे

बिरचेदसतानदिपैंलगिलोहितछुहिछ
छकनछोनिलियैं॥बरछीनकितेकमह
बलबेधकैंरेंकअनैतकितेककलंबनभाल
हरैं॥१३॥लखारितनुत्रनमाँहिंछुरैंदमकैं
तुभिमहद्दवलाहकज्योंहदिनीचमकैं॥उछ
टैंगलगलरुमालकपालकटैंबिनुमस्त
ककेकककबंधकरालफुटैं॥१४॥गिरिकैंइ
भसंहरिसत्रुनकेभटकेबखतावरलोकब
नैंबटकेबटके॥गिरितैंदुवबुंदियकोपट
तन॥बिगरीपकुंदीभजिसमरभूपतिपैंसि
गरी॥१५॥पुनिहड्डुनकेपतिसेनघनीपर
ईहुतहीतितिहिंबुंदियअनपिरायदईभाक
रलैनलगेफिरिहाकिमबुंदियकेहटमाघम
थेसबसत्रुनकेहियके॥१६॥दो॰॥अनये
रावरुढीपरीलेरुअमलनिजकोन॥भाम
इंद्रगढकेसकलकियहत्यादिकअधीन॥

१७ ॥ आमद्दीपरीमौंहिंगढबंध्योनृपरनब
हू ॥ त्यौंहिंइंद्रगढअद्रिपररच्योदुर्गचतु
रहू ॥ १८ ॥ कृत्रिमइकआयतकियउमहल
नमध्यनिवान ॥ बलिबिंझासनिंदबिगि
रिस्तुभगालचैसोपान ॥ १९ ॥ संदानितपुनि
ईसुसुतदौलतसिंहजुकीन ॥ तारागढति
हिंअसुतजेआमयकछुकअधीन ॥ २० ॥
नृपतिपठाईनैनवायाकीमातरुनारि ॥
याकौंलहैंबपुनइकसोक्रमस्योगदधारि
॥ २१ ॥ कुतनृपबुल्योदेवकोभक्तरामतब
आत ॥ दयोकृपाकरिइंद्रगढजाहिअब्द
नयजात ॥ २२ ॥ कछुयहहमभावीकह्योब
लिअमलैंअबबत्त ॥ इमनृपलीनौंइंद्रग
ढयाद्विधलपरधत्त ॥ २३ ॥ बेदइंदुधृति
१८१४ अब्दबिचमाधवमाधवमास ॥ रव
नोलीपतिहूदयोइमनृपदलसिरत्रास

॥२४॥ तोकमहासिंहोततँहँ जैतगढाधिप
जोध॥ तिलतिलतेगनतुट्योरच्चिबहुस
च्चुनरोध॥२५॥ अपराधीकौँमारिइमभूप
आयोनिजनैर॥ जैपुरपरमल्लारइतवं
ब्बोदुहरबैर॥२६॥ इतिश्रीवंशभास्करे
महाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौ
उम्मेदसिंहचरित्रेषट्चत्वारिंशोमयूखः
॥४६॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०मि० ॥षट्प०॥ अकबीमाधवअग्गाहु
मकुजैपुरपतिदैहैँतबाहिरामपुरतुमाहिँ
दुवहिकुलकरपतिदैहैँवरसमसगयबि
लिइंगक्रूरमनहिँदिन्नैं॥ यातैंकुलकरस
ज्जकटकजैपुरपरकिन्नेमाधवनरेससुनि
भीतमनदम्मलष्षअत्यारहदयेबलिनम
परग्गनजुतबहुरिरादुअपलनअप्पये॥

कहिनैरलावनकौंभयो॥६॥तेंहैंइंद्रगढ
पतिदेवकीतियपत्रविन्नतिमुक्तलीत्र्य
योंलिखीतुमत्र्यइछोनियलेकुपिकसकुजो
भली॥तिहिंबांधिकैंजनकूकहैकटुबैनडु
दिक्षभूपसौंहमरोसहायबनायकैंतुमनि
कवसेदुरवकूपसौं॥७॥हमरोनिदेसलि
येंबिनांतुमइछ्यापननौंकरोउनकौंबल
पकुइंद्रगढनिजराज्यप्रभुपनजोधरो॥
सुनिहडुबुल्लियपेसवातुमरेजुप्राननई
सहैतिनकौंसुनायकरीसुहीसुनिरावरी
इतरीसहै॥८॥करनौंतुम्हैंहितमांहिंक्ष
हितहितोबहमधरजायहैतुमसज्जिक्ष्मा
वकुजंगकौंत्र्यबहडुहत्थदिखायहैं॥त्र्य
योयहैकहिभूपडुंदियसाजसंगरकेभये
सुनियोंमलाररुनन्हभ्रातनिवारिदोउन
कौंदये॥९॥जनकूजयसुतकुंभकैंतब

पत्तजैपुरवेगहीकछुदम्ममाधववंडदैडरि
नम्मृतागतिकैगही॥पुनिसुकतालनजी
वखाँसनजायकैंजनकुलस्योनहिंतत्थ
मिच्छरुहिल्लसौंमरहट्ठभारसह्योपस्यो॥
१०॥नयन्थद्दसौंरनथंभगिरिद्दुतफौजद
क्खि नकीलरैंबिव्वसाहकेभटसज्जतेनहिं
दुर्गद्दौरनअद्दरैं॥लरतैंपरंतुछतीसम
सवितायव्याकुलवैभयेखंडारिजैपुरद
ग्गहीढिगतत्थकगारप्रेसये॥ ११॥कछ
वाहसेवकसाहकौइमताहिहमगढ्ढप्प
प्पिहैंमरिजाँहिपैमरहट्ठकौंरनथंभमैंनहिं
थप्पिहैं॥तुमहछ्छचावकुरत्तिमैंहमडुग्गतैं
कढिजायहैंपंचरंगकैटनकुम्मभूपतिकौ
हिच्चुत्थरुपायहैं॥१२॥खंडारिमुक्कयअ
नोपसिंहकुतोपचेवारकोधनीखंगारबरि.
यवंचिजोदलरत्तिगोसजिकैंअनी॥लरि

साहसेवकताहितबरनथंभअंतरलैगये
तिहिंमारिखगगननन्दबीरभजायबाहिर
केदये॥१३॥कढिसाहकेभटबर्गदिल्लिय
जायवृत्तनिवेदयोइमबानभूधृति१८१५
पोससितरनथंभक्रमकैगयो॥संभारखा
नरूप्यानकेलहँकुम्भसंचितकेकरेबारह
सौसकबिलसकियलडागजोरणउद्धरे॥१४
॥दो०॥बक्करिदुस्सारनथंभहिगज्जयपुरकछु
बिध्वअनुकार॥निजनामकमाधवनगररच्यो
बिबिधबिसतार॥१५॥कुलकरपँहैचढ्यो
कुकमसुनतहिश्रीमंत॥दुर्गलिकरनथंभ
कुतस्थअकरिजैपुरथपंत॥१६॥तंतैवहूप
ढ्योतबहिदैकुलकरदलसंग॥तांगाधर
दरकुंचगतिजिनरनथायोजंग॥१७॥जन
पदनागरखालजिहिंकमिपत्तनकक्कोर॥
कीनोंजैपुरकटकसौंजुड्डतुमुलबरजोर॥

॥१८॥ छप्पय॥ अप्रतिजव हयन उरायधस्यो
परदल गंगाधर मंड्यो आयुधमेह दुस्यो ब
हिरैकह दिवाकरखुंदि पक्खमि हयखुरन
हुरन लग्गो सागरजल॥ लग्गे पब्बय गुरन
मुरन अतला दिमहीतल काकुक्को भयो न
हिं जयकलह पै बक्कुभटकटि कटि परिग
इम पक्खमिलु त्थिबथ्थादिल मनकुंबनिजका
रनंडा हरिग॥१९॥ दो०॥ सुभट मरे रनपंच
सत छूतउतके अनुरत्त॥ घायद्दुसहलग्गे
धनैं गंगाधरकैगत्त॥२०॥ जैपुरबडउमरा
वझुगपरे भिन्नतजिप्रान॥ सत्यासीतिन
केसुभटमरे इतरछ्छकिमान॥२१॥ जोध
सिंहअभिधान इकनाथावुत कछवाह
मिसलदार हिलीको मुकुटचोमूंपत्तनना
ह॥२२॥ बगरूपति दूजो बहुरि कूरम चत्रु
रभुजोत॥ रनमूला बसिंहकुरद्योबाममि

सलउद्योत॥२३॥रउमरावनअग्रणीजे
पुरकेगिरिजात॥भयेनसम्मुहइतरभट
दुर्मनभावदिखात॥२४॥इततैंगंगाधर
कुघनरवग्गनसाहिधाय॥तबमुररयोदक्खि
नतरफकरनअनामयकाय॥२५॥समा
अधिपधृति१८१८प्रमितसकलमतखलु
लैभंत॥आगहनमैंपकुम्भद्रवकुंवगतपा
नलरंत॥२६॥इतगंगाधरकोमुरयोसुनिकु
लकरमल्लार॥जैपुरपरहंक्योजबहिपकुर
चिकटकप्रसार॥२७॥षट्पद॥दक्खिन
धरकोथंभचढ्योकुलकरजैपुरपरदरकुंच
नकरिदोरअयनिदक्खलखारतडरजनपद
नागरचालप्रथमथिरथ्योउनियार॥भयो
चकितभोगीसधरनिपुइतलयधारासिर
दारसिंहनारखनमितसयनजोरिलगोपद्य
नतिहिंदंडिगमनअग्गैंकियउकुलकरल

गिजैपुरअभ्ययन॥२८॥कुसथलमृतफतम
ल्लतासङ्गवरतनसिंहसुतताकोइकलघु
पुत्रनामविक्रमसाहसजुतजगतसिंहर
ह्वैरहिंदुसहसारचिसंगर॥छिन्निनगरब
रवाडभयोपतिअप्पबंधिघरइहिँहेतुअ
थमल्लारइततोपनतापचलायकैँरह्वोरत्थ
मलपन्छोरचियगोकछवाहपलायकैँ॥
२९॥दो॰॥दक्खिनजैपुरबैरसुनिजगत
सिंहअभिधान॥सुतकबंधसिवसिंह
कोबैठोलैनिजथान॥३०॥तबकूरमरतने
ससुतराजाउतकारिरारि॥छिन्निनगरबर
वाडलियदियरह्वोरनिकारि॥३१॥यातैँ
कुलकरभीरकरिवहकछवाहभजाय॥ज
गतसिंहबरवाडपुरबक्कुरिदयोबैठाय॥३२
सकरससासिवसुतसि१८१६बरसश्राम
स्तलक्रमहलय॥कुलकरसनबुंदीसङ्गे

॥२४॥ तोकमहासिंहोततँहँजैलगढाधिप जोध॥ तिलतिलतेगन तुट्टयो रचि बहु स न्नुनरोध॥२५॥ अपराधी कोंमारि इम अप आयोनिज नैर॥ जैपुरपरमल्लारइतबँ थ्योदुहुरबैर॥२६॥ इतिश्रीवंशभास्करे महाचंपूसकरूयेदक्षिणायनेदशमराशौ उम्मेदसिंहचरित्रेषट्चत्वारिंशोमयूख:
॥४६॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀
॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥ ❀ ॥

प्रा०मि०॥ षट्प०॥ अकबीमाधवअग्गल्ल मकुजैपुरपतिकेंहैंतबहिरामपुरतुमहिं दुवहिंकुलकरपतिदेहैंबरसस्सनगयबि न्तिहुंगकरसनहिंदिन्नें॥ यातैंकुलकरस ज्जकटकजैपुरपरकिन्नेमाधवनरेससुनि भीतमनदम्मलक्खग्यारहदयेबलिनम्र परग्गनजुतबहुरिरदुअपत्तनअप्प्ये॥

॥१॥ दो० ॥ पत्तन चंद्रावत नको रामपुरास हदेस ॥ जो लिन्नौं जयसिंह सो किन्नौं कुल करपेस ॥ २ ॥ टोंकनगरके प्रांतढिग दूजो रामपुरासु ॥ कहियत रायबसंतको वहदि कोंदरिग्भासु ॥ ३ ॥ दुवपुरजनपदसहित तैसतपेख्यो इमतास ॥ दक्खिनकों दलत रिदियमाधवमाधवमास ॥ ४ ॥ ह०गी० ॥ सक बान चंद्रभुजंग भू १८८५ जयतैन यों जनकू बढ्यो संध्याजयासुत सेन सक्खि देसलक्खि नैतें चढ्यो ॥ गोदावरीनदिलं घित्यों अवरंगपत्तनलंघयो बुरहानपत्तनलंघिकें मिलानमेकलजादयो ॥ ५ ॥ ओंकारईसहिं पुज्जियें जनकूअवंतिय उतस्यो महभैरव मुकामदेदरकुंवहंक्कत जोपस्यो ॥ सुनि एह बुंदियभूपलल्यहिंजा थकों हितमंडयो महिमानिजिम्मतजाकुयों

पन्नजेपुरखेगहीकछुदम्ममाधववंडदेडरि
नम्रतागतिकेंगही॥पुनिसुकतालनजी
बरवांसनजायकेंजनकूलस्योनहिंतत्थ
मिच्छरहिल्लसौंमरहट्ठभारसह्योपस्यो॥
१०॥अथअब्दसौंरनथंभगिरिइतफौजद
क्खिनकीलरेंविनसाहकेभटसज्जतेनहिं
दुर्गछोरनअद्दरें॥लरतेंपरंतुहुतीसमा
सविताथव्याकुलवेभयेखंडारिजेपुरदु
र्गहीदिगतत्थकुमारप्रेसये॥ ११॥कछ
वाहसेवकसाहकोइमताहिहमगढअप्प
ण्पिहेंमरिजांहिंपेमरहट्ठकोंरनथंभमेंनहिं
थप्पिहें॥तुमछन्नआवकुरत्तिमेंहमदुग्गतें
कढिजायहेंपंचरंगकेतनकुम्मभूपतिको
हिअत्थरुपायहें॥१२॥खंडारिमुकअच्च
लोभसिंहहुतोपचेवरीकोधनीखंगारबांसे
थवंचिजोदल्लरत्तिगोसजिकैंअनी॥लखि

साहसेवकताहितबरनथंभअंतरलैगये
तिहिंमारिखगगननन्हबीरभजायबाहिर
केदये॥१३॥कहिसाहकेभटबर्गदिक्खिय
जायवृत्तनिवेदयोइमबानभूधृति१८१५
पोससितरनथंभकूरमकैगयो॥संभाररव
नरथानकैतंहँकुम्भसंचितकैकरेबारह
सीसकबित्तरक्खितडागजीरणउद्धरे॥१४
॥दो०॥ बक्कुरिदुम्मरनथंभहिगजयपुरखु
बिक्खनुकार॥निजनामककमाधवनगररच्यो
बिबिधबिसतार॥१५॥कुल्लकारपैंहैंपठयो
कुकमसुनतएहश्रीमंत॥दुग्गलिकूरनथंभ
हुतअबकारिजैपुरअंत॥१६॥तंतैवहप
ठयोतबहिंदैकुल्लकारदलसंग॥गंगाधर
दरकूंचगतिजिलनआयोजंग॥१७॥जिन
पदनागरचालजिहिंकमिपत्तनकछोर॥
कीनौंजैपुरकटकसोंजुद्धदुम्मलजोर॥

॥१८॥ छप्प०॥ अप्रतिजव हय नउ राय धस्यो
पर दल गंगाधर मंड्यो आयुध मेह दुसोब
हिरि वेह दिवाकर सुंदिपकु मिहयखुरन
कुरन लग्गे सागर जल॥ लग्गेपब्बयगुरन
मुरन अवतला दिमहीतल काकुकोभयोन
हिंजयकलह पैबकु भटकटिकटिपरिग
हन पकु मिलुत्थिछादितमनकुंबनिजका
रतंढाहरिय॥१९॥ दो०॥ सुभट मरेरन पंच
सतहुत उतके अनुरत्त॥ घायदुसहलग्गे
घने गंगाधर केगत्त॥२०॥ जैपुर बड उमरा
व जु गपरे भिन्नत जिप्रान॥ सत्यासीतिन
के सुभट मरे इत रह्यो किमान॥२१॥ जोध
सिंह अभिधान इकनाथावुत कछवाह
मिसलदाहिनीको मुकुटचौमूंपत्तनना
ह॥२२॥ बगरूपतिदूजोबहुरिकूरमचतु
रसुजोत॥रनगुलाबसिंहहुरह्योबामामें

सलउद्योत॥२३॥रउमरावनअग्रगीजे
पुरकेगिरिजात॥भयेनसम्मुहइतरभट
दुर्मनभावदिखात॥२४॥इततितेगगाधर
ढुघनरखग्गनसहिघाय॥तबमुरख्योदक्खि
ननरफकरनअनामयकाय॥२५॥सम्मा
श्रुषिधृति१८२६मितसकलगतखुतु
हेमंत॥श्रगहनमैंपकुम्मदुवकुवगतश्र
नलरंत॥२६॥इततगगाधरकौंमुरयोसुनिकु
लकरमल्लार॥जैपुरपरहंक्योजबहिपकुर
चिकटकप्रमार॥२७॥षट्पद॥दक्खिन
धरकोंथंभअहयोकुलकरजैपुरपरहंकुच
नकरिदोरअवनिदब्बतडारतडरजनपद
नागरचालप्रथमबिंख्योउनियारा॥भयो
चकितभोगीसधरनिघुइतलहयधारासिर
दारसिंहनारखनमितसयनजोरिलग्गोपथ्थ
नतिहिंदंडिगमनअग्गोंकियउकुलबाल

गिजैपुरअधयन॥२८॥कुसथलमृतफतम
ल्लातासकुँवरतनसिंहसुतताकोइकलघु
पुत्रनामबिक्रमसाहसजुतजगतसिंहर
ह्यौरहिंतुसहसारचिसंगर॥छिन्निनगरब
रवाडभयोपतिअप्पबंधिघरइहिंहेतुअ
थमल्लारइततोपनतापचलायकैंरह्योरअ
मलपच्छोरचियगोकच्छवाहपलायकैं॥
२९॥सो०॥दच्छिनजैपुरबैरसुनिजगत
सिंहअभिधान॥सुतकबंधसिवसिंह
कौंबैठोलैनिजथान॥३०॥तबकूरमरतने
ससुतराजाउतकोरसरि॥छिन्निनगरबर
वाडलियदियरह्योरानिकारि॥३१॥यातैं
कुलकरभीरकरिवहकच्छवाहभजाय॥ज
गतसिंहबरवाडपुरबकुरिद्योबैठाय॥३२
सकरसमसिवसुससि१९१६बरसग्राम
बलक्रमहस्य॥कुलकरसनबुंदीसकह्यो

पुत्रग्रद्दचउबेसधार॥ ४॥तिनकोंपुनि
बुंदियसिक्खदिन्नमल्लारसंगन्त्रपगमनकि
न्न॥मल्लारचहस्ग्रादिनैरलुहेजयपुरके
बिरचिबैर॥ ५॥पंजाबग्रमलमंडतपठा
नजयनैरछोरिकियउतप्रयान॥इकबंधु
महासिंहोलजत्थकियतुपकारिनिस
बिचग्रनत्थ॥ ६॥सुहरनिपत्तिदसरथ
सिंहसुप्तकीनौंप्रयागसुतप्रानलुप्त॥खो
ज्योवहमारकसुनतभूपसुमित्योनभज्यो
परित्रासकूप॥ ७ ॥करितदनुहड्डुकुलकर
प्रयानपुरकोटपुत्तलीदियमिलान॥किय
सेनपठाननसीससज्जश्रीमंतबिजयरन
करनकज्ज॥ ८ ॥गाज़ुद्दीखांइतव्हैहराम
मार्योप्रभुग्रालमगीरनाम॥यहसुनतमु
लकपंजाबछोरिइतनादरग्रग्रा··सुदो
रि॥ ९ ॥तबग्रासनिजामनमुलकपायम

रहट्ठसकलबुल्लेसहाय ॥ जिततित्तक्कुतोसु
दक्खिनअनीकसबदिल्लियआयो अहि
समीक ॥ १० ॥ उततैंसुरवानअहम्मदपठान
आयोसंबेग दिल्लियअमान ॥ सुनिकुलक
रुख्खिवयनृपोंह्लैं ऐहम्मुवकरतरंग तुमजा
कुगेह ॥ ११ ॥ गेबुंदियतबसंभरनृपालआ
योमलारदिल्लियउताल ॥ संकरदापठान
लूटठानिसज्योपठासनजंगजानि ॥ १२ ॥
जनकूकुजयासुतसुनतआयदत्ताकुसेन
आयोसजाय ॥ संभासुतआयोबकुरिहर
जबमंडिलरनसंध्याजरूर ॥ १३ ॥ अरुसठ
कलीजनिजधर्महीनआलीगोहरदिल्ली
सकीन ॥ दैपुनिमरहट्ठनकोटिदम्मकिय
तिनसहायनिजबिजयकम्म ॥ १४ ॥ दि
ल्लीदलदक्खिनदलदुरंतमिलिइक्कसज्ये
अबबिरचिमंत ॥ बज्जिगनिसानजितति

तबिसेससज्जिगभबीरदलदबिदेस ॥ १५ ॥
ध्रुवबिबिधतोपसज्जितहरोललहरातधु
जाफहरातलोल ॥ मृगराजमुखीकतिलं
बमानबाराहमुखीकतिबरबिधान ॥ १६
॥ बिस्वधारमुखीकतिततिबिसालकरि
राजमुखीकतिअतिकराल ॥ सिंदूरलप
नलोहितसुहातदगिप्रलयकालततखि
नदिखात ॥ १७ ॥ कतिकांतलोहमयपृ
थुलकायसुभरीतिसुल्वमयकतिसुहाय
॥ कियसबलधातुमयसज्जकेकइमपुनि
गुझारसंचयअनेक ॥ १८ ॥ आरूढनिवु
रन्वस्वनअसेसबिकरालज्वालजनुका
लवेस ॥ अंगारबमतखिनखिनअपार
ध्रुवसज्जआगढकरनहार ॥ १९ ॥ मिलि
मातलिसादैवतमिटायसतकोटिनादस
मितसिवाय ॥ ढुवसतहरोलजिन्दबेल

सीसलखतजिनफाँदधापप्राकाररचनखो
रतधराप॥लखिजिनमलंगतिरच्छीलजंत
कुलटाकटाच्छडारनतजंत॥ २६॥ छेकत
स्यातुङ्गुानप्रानिजावतसह्योनभुवकंप
जानि॥कसिकसिप्रालकीदंडकंधच्य
श्रीकरंतज्याजेरबंध॥ २७॥ बिच्चग्रीवहे
मन्सैखलबिराजिसोहतसुहिलस्लकच्छ
लिहिंसाजि॥मिलियालनजूरालबमा
नवकुंभल्लस्रजबसुहिइकबान॥ २८॥
गुनहोतसिथिलज्योंगतिगहीरत्योंत्योंहि
खिचतयहजानितीर॥ हरछबिकलापपृ
थुबालहस्तसोहतहयधन्वीइभसमस्त॥
२९॥बरनेन्द्रछादिनीदियबखानिजखनी
जाजिसालिग्रामजानि॥बजिप्रोथनप्रबि
सतंधबाहद्दुरिजातपराजितजनुसदा
ह॥ ३०॥स्वचरनसमेटिमलपतसुहात

मंत ॥ जिनरक्खिबामदक्खिनजरूरसूत
हिंसिखायटरिजातसूर ॥ ३६ ॥ घुम्मतघु
मंडि घनसघनघोरजावतमिटातपवमान
जोर ॥ सुंडाफटकारतनभसुहातजिहिंत्र
ससंकिसिसुमारजात ॥ ३७ ॥ भननंकि
भ्रमरकुंभनभ्रमंतकियपत्रभंगितियकुच
निकंत ॥ पच्छिनहटातबमथूनपगज्ज
तयुसैलमंडतगरूर ॥ ३८ ॥ भ्राटोपरचन
अंगुलिउठायकाकोदरभोगकिकालकाय
॥ आसतकलापग्रीबाभ्रमान मंदरगिरिबा
सुकिघेरमान ॥ ३९ ॥ दोलायमानभ्रव
ननदिखात मिट्ठिकिजटासुपच्छनहलात
॥ अंदुकअलंबजोदैनअंगमारैंमलंगिबा
जिनमलंग ॥ ४० ॥ जंजीरजबर जिनकंसु
हातपट्टितिहलपट्टतिरचतजूत ॥ सजि
डारुदारकुवबिदिसंगमारतबकुबेपुकार

गंगन्हायकरिदानजत्थपढिबिषणुकवच दसनामपत्थ॥सजियौंबनिदिल्लियदल सहायलहिकालचलेकरमुच्छलाय॥ ४७ ॥इतततैंदरकुंचनभरिउडानपकुंच्यो हिच्चायदिल्लियपठान॥दलकौंपुरना हिरकढतंदरनहिंमिलतलभईदलअपर नेर॥ ४८ ॥इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपू स्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौउम्मेद सिंहचरित्रेअष्टचत्वारिंशो ४८ मयूख:

॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

प्रा०मि०॥दो०॥लहलहभजनकोललि लतकियाबाहिरतत्थ॥मंडिमरनदुवद लमिलेसस्त्रनझारिसमत्थ॥ १ ॥सकर ससासिबसुससि १८१६ सिसिरआगम उदितअनेह॥संकरपैंहपठयोसमरत्थ

तारूँ तननेह ॥ २ ॥ पूतनाइमामिलैंतैं प्रथ
मलग्गीतोपनलाय ॥ रसनाइकसततीन
रवजे किमबरनेजाय ॥ ३ ॥ भुजङ्गप्रयात
म् ॥ दग्यौतेयसंदोहछोनीदरारी बढ्यो
धूमम्भाबाजघाँघाँबिथारी ॥ फबैंलोल
लोला करी कुंभ फुट्टैं पताकानके पुंजटुट्टैं बि
छुट्टैं ॥ ४ ॥ बनैं फैर पैं फैर ज्यों बाकबादी
गिरैं चोटसैं लोटसादी निसादी ॥ उडैंबाजि
छायासधारा बिसारैं बिमानावलीबीच
छायासडारैं ॥ ५ ॥ जगैंघोरज्यूं धारसैं सो
रज्वालामनो मेहकेंमद्धमैंबिज्जुमाला ॥
हलैं सेसकोज्यों फटाकोहजारा सिटैंत्यों
महीकांतकल्याभिसारा ॥ ६ ॥ लगैं चोट
पैं चोटमालंगलोटैं उडैं पत्रिजोटैं बचैंको
नओटैं ॥ घनैंघुम्मिघाँघाँ कुकैंहत्थिघोरे
बनैंज्वालमालाभकुआरकोरे ॥ ७ ॥ ॥

कछूकालदैतोपर्यौरारिकिन्नीलरेफेरि।
लैखग्गहिबग्गालिन्नी॥धर्मकीधराबाढ।
कैबाढबज्यौबढ्यौबीरकोभीरुकोनीर
लज्यौ॥ ८॥मिलेदुग्धपानीयज्यौंजो
धमत्तेकलारैंदवीसेचलेकालकत्ते॥क
टैकुंभबाहित्थसुंडाकलावाकहौंरुंडघु
म्मैंअटैदंतकावा॥९॥छिकैंकंधराजी
नबाजीनछुट्टैंफबैंलीनजालीनमैंसंगि
फुट्टैं॥उडैंअस्थिसंघातकेओरओरैंछ
लैमैधमानौंघनयावछोरैं॥ १०॥कटैंउ
च्छटैंटोपजालीकरकैंफटैंपेटनागोदफै
लैंफरक्कैं॥कढैनैनछोरैंनलग्गीकनी
नीलसैंषट्पदीफूलज्यौंसंगलीनी॥
११॥बरक्कैंफरैंकंधराअंसबाहाउडैंमू
ंडमज्जाद्दहीसारआहा॥दिपैंबीरसुंडि
ज्जजुज्झैंदिखावैंपरैंसत्त्व।सत्त्वछेटी

डव्है व्है ॥ २७ ॥ महातारमैं प्रेत आलाप
मारैं नचैं जोगिनी लौंन भैरौं उतारैं ॥ हसैं
डाकिनी साकिनी घुम्मि हल्लैं घनी रासमैं
घुम्मरी घेर घल्लैं ॥ १८ ॥ जगी ज्वाल ज्यों
कंत के दंत जोरैं मरी यौं डरी दिग्गजी चीह मा
रैं ॥ अमा इंदु को रूप आदित्य धार्यो चिके
चक्क चक्की न हा हा उचार्यो ॥ २९ ॥ फबैं र
रक्ख गत्त लगे बज्जे टोप फोरैं घरवारी मनों प्रात
की घात घोरैं ॥ मचे कोप उच्छाह थायीन
भावैं तथा हास बीभच्छ सो भाव तावैं ॥ ३० ॥
बिधाता बढी सृष्टि तैं दर्प छंड्यो मनों मो
ति बिक्रेय बाजार मंड्यो ॥ कुहू रत्तिमें फ़
पिगिद्धी किलोलैं डुबे सिंधु अंधार जे भौंर
डोलैं ॥ ३१ ॥ घनैं बान जो धान के उच्चा
रैं मनों पूजि बेअच्छरी फूल डारैं ॥ बढें मा
रपैं मार बिस्फार बानी भदं कार आचार मंडै

भवानी॥ २२॥ बनेबावरीकुंभबांनैंतबुल्लैं
सतीकिरनारेरद्दैखीजखुल्लैं॥अनीप्रानके
जानकेहोतस्सूलीपुकारैंबढैंरबढायैं॥अ
नी॥ २३॥ भरेरभरेभीरुकुक्कैंपलावैंखरेर
खरेबीरअप्पक्कैंटिकावैं॥अरैंसंगिकेसं
गिलैंअग्ग्रअप्पैंसजुरैवैदुषीकोटिद्दैतिक्कज्जै
सैं॥ २४॥ घलैंबीरसुरेनकौंभीरुघावैंब
कैंजीलभीरखलीमैंबनावैं॥बिदूदारिदंती
नबेथैंबरच्छीअघोद्दैचलैंअस्त्रकीरेल
अच्छी॥ २५॥ सुहीनारिबसोजद्दैमैंबिला
लासलौंबिल्थरीलैंबमानिवयूमाला॥लगै
सुंडिपैंस्याहकेसैलहल्लैंकिधौंकन्हका
लीयपैंधूमग्गल्लैं॥ २६॥ भयेरंगकुल्लस
लेलहद्दिभालअल्लीबदंभोबीरजोद्दूक्कुचालै
किलेपल्लिधौरेनकौंमुंडमारैंमनौंधेनुऊध
न्यबच्छाअहारैं॥ २७॥ कहौंअप्पच्छीरसद

कोंमंडिमालीबनावेंगेरेंबांहेंगावेंबिसा
ली॥ कहोंभिन्नकुंभीनलोहीछ्छकेंकि
योंलिंदुतेंफालफुल्लिंगलकें॥ २८ ॥भनं
कारभेकारभेरीबियारेंघटाभद्दकीजानि
निर्घोषडारें॥ कहोंटोपकोंखंडिखंडारव
ट्ठेंकोंयुलाबीकलीभ्रातमानोंचटकें॥ २९॥
छिद्देकेकुंभीनतेंकसग्घुट्टेंलिज्योंबाततें
तालतेंपसत्तुट्टें॥ कहोंकुद्दबुकेनकोंमी
डितोरेंमनोंरूपमेंरद्दनिबूनिचोरें॥ ३०॥
कहोंबीरबेठेंघनेंआयधुम्मेंरुपट्टेंकहोंलु
त्थितेंलुत्थिरुम्मे॥ प्रहारेंकहोंक्षेंचिगो(
मायुत्थेलीअहारेमनोंपन्नगीमोरपंती॥
३१॥ कढ्ढेंडाकिनीलिमलोहीकलेजारें
गेपद्दज्योंमहलेरंगरेजी॥ हबकेंकहोंघा
यबुल्लेंक्जारेंमनोंतेगकेतापत्र्याकंदमु
रें॥ ३२॥ बिनोदेंकहोंकंकबुल्लेंबनावें

इकहाफिजरहमत्तुल्लासठबिरचिहरामसु
जाहोलाहठ॥ ३८ ॥बक्करिनजीमुद्दोलाब
लिसपुनिसादुल्लाखानमिलनमिस॥
अहमदखानपठानमाँहिंइमजुलमीमिलि
सबभयेदासजिम॥ ३९ ॥इतिश्रीवंशभा
स्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमरा
शौउम्मेदसिंहचरित्रेएकोनपंचाशत्तमो
४९ मयूख:॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥दलबिगस्योदिल्लीसको
मरहट्टनगतमान॥बच्योइक्ककुलकरब
लीजित्योअहमदखान॥ १ ॥ष०प०॥जि
त्योअहमदखानसाहनादरकोमारकदि
ल्लीदक्खिनदंडिबढ्योनिजजयबिसता
रकअंतरबेदीआदिबिखयमंडतअप्प
नबस॥प्रबिस्योपूरबमाँहिंरचतसाधी

नहुकमरसगंगारुजमीबिचगयउकल
हविजयकौतुककरतभूपालप्रच्छहाज
रिभयेसबअधीनहितअनुसरत॥ २॥
दो॰॥आलीगोहरसाहइततुरकनपतिह
ततोर॥आहवजयईरानकोजानिभयोग
तजोर॥ ३॥संध्याकोंसंग्रामतैंइलमल्ला
रउठाय॥भिसकनिकोआचरिभनितदि
न्नैंधायदवाय॥ ४ ॥पठयोकगरनन्हप्र
तिछुतलिखिदक्खिनदेस॥इहाँपराज
यआपनौंसबबिधिभयउअसेस॥ ५॥
ष॰प॰॥सुनततमाकिश्रीमंतसेनपठयोव
होरिसजिसेनानीनिजसूनुरच्योबिश्वा
सरावरजिनिजकाकापुनिनिडरधीरची
माअभिधानक॥भटदोउनासिरभारअप
पिदियकुकमअचानकअसलाकुपुनका
काउभयदलकुजगईरानदलसत्तरिहजा

रलुअसंगभटखंडुक्कुगाढअप्रसेसरवल ॥
६ ॥ सुनिर्वांमोंविश्वासरावद्रुवलेदलदु
द्दरमुदितचलेभरहहअवनिमिच्छनभर
उद्धरनानारंगनिसानउदितबज्जिगध्व
निअयल ॥ कुंभिननानाकेतुखुल्लिहंकि
यरवअयल पक्खरअसारछादितपक्कमिप्र
तुरकुंलअंबरपिहितआवाजमुलकफु
हियअसक्क वढतसेनसंगरबिहित ॥ ७ ॥
नागराज फन फटतकमठदृढपिट्टिकर
कतगिरतभारतजिगड्डुदड्डुबाराहबरक्क
तदिसिदिग्गजडगमगतलागतबपथुलो
कसन ॥ लुहिगछितिपनमहलदहलफु
ल्लिगसबदसनभवासत्रासससंकितद्रुमन
हलतसअप्पालोचिहियचतुरंगप्रचुरद
ल्लिपनचढतकिंहिंसिरकोपकृतांतकिय
॥ ८ ॥ गिरिनच्चूरनिलिग्गावधूरिअंबर

ढिगो अंतरखेद ॥ दिल्लियपकुंचेद कि बनी
खलनप्रसारन खेद ॥ १२ ॥ दिल्लियपुरप्र
बिसेदुसहमरहट्ठेछकमत्त ॥ आलीगोहर
कौं अटकिछितिपभयेधरिछत्त ॥ १३ ॥
नन्हपितव्यकसूनुसनमिल्यो आनिम(
ल्लार ॥ अकिक्यदिल्लियकर कुअबसुद्द
धरमअनुसार ॥ १४ ॥ सुगलनकेतबसब
महलधीरनलिन्नसुपाय ॥ गव्यपंचजल
गंगकरिदियदिल्लियछिरकाय ॥ १५ ॥
वास्तुकर्मअरुहवनबलिसुरपूजनकरि
सूर ॥ धारिनिगमहिंदुनधरमप्रेरयोदि(
ल्लियपूर ॥ १६ ॥ श्रीरवमस्तुमुनिससिधृ
ति १८१७ इमबनिदिल्लियईस ॥ दलस
ज्जितकियदक्खिनिनरचिसत्रुनसिररी
स ॥ १७ ॥ अहमदखानपठानउतबकु(
ल्लिन अंतरखेद ॥ रखो अमलअप्पनरख

तम्भूपनडारतभेद॥ १८ ॥ दिल्लीपतिहुत
दक्खिनीहुवसोसुनिहुसियार॥पलट्यो
अहमदखानपुनिकुलहिंदुनखयकार
॥ १९ ॥सप्तचंद्रधृति१८१७मानसककमा
घसितसिरलहिमेल॥मकरआरो हतअहि
मकरआगेरुरुकअठेल॥ २०॥पूतनाल
कखपठानकों दिल्लीकोदुवलकख॥जायमि
लीसबहुकाजुरितमकिउठावनतकख॥
२१॥पा॰कु॰॥बढिइततैंविस्वासराव ब
लिदीमाअरुजनहूमलारचलि।तिनमि
लतअसिबरकरिनगोलरनखानअहमद
स्तनलग्गे॥ २२॥ष्ठवङ्गमम्॥ मिलिहूततैं
मरहट्टअतरनबिस्थरयोउततैंअहमदखा
ननकिविहयउप्पर्यो॥बादीप्रतिबादीकि
ब्याकरनन्यायके॥कल्पकरचिरनिकोटिभि
रेपटुभायके॥ २३॥चन्द्रकला॥योंइतनद

किंवनीमिलेंचलायहैंअनीकसस्त्रकेप्रहा
रघोरबित्थरेंमच्योसमीक॥उत्तमंगउच्छ
टैंकटैंकपालभूरिभालकेकभिन्नव्हैगिरें
सिपाहकेभिरेंकराल॥ २४ ॥अच्छरीनके
छयेबितानरूपलैबिमानचायसोंरहेकि
लोलिचिल्हगिद्धत्योंसिचान॥जुग्गिनी
नकीजमातिआनिकेनचीजरूरसाकिनी
नकेसमूहउल्लसेंसिराहिसूर॥ २५ ॥सिं
हकोंअरोहिकालिकारुबेलकोंमहेस।
आयसंगहीखरेबनेंतमासगीरबेस॥दान
लुकिदिक्करीकरंतचिक्करीपुकारिसेसत्रो
बराहकुम्भहोसकोंरहेबिसारि॥ २६ ॥र
सैभेंमरेंकबंधमत्तकेफिरेंउतालभूमिकेत
जानिआनिरानचैंबिसाल॥काचकी
चुरीसमानहोतखंडखंडकेकउल्लटैंप्रहार
भीरुहोफटैंहटैंअनेक॥ २७ ॥कालखंज

हंकंतछाककापिसायनीमनोंगमारलेछकं
त॥ कालसेकरालखातकेफिरेंछुटेकलंब
बक्रबिंबचक्रकेचलेंमनोंकिसक्रसंब॥३२
॥उत्तमंगकंधरागिरेंप्रतीवबाहुप्रंसबं
सपिच्छिपंसुलीलगीमनोंकिपत्रबंस॥ते
ग॥ प्रहारकेकरत्तकेरचंततालसीसद्देस
राजतात्थकुंतलावलीसिबाल॥३३॥धी
रकेकरीनतेंमलंगिकंपयेंधरंतकूटतेंकिके
हरीनटोंकितेहरोकरंत॥ बस्त्रहीनव्हेकि
तेकुरंकरीनप्रायबीचनाथप्रावकीनकेमनों
किथंभप्रोननीच॥ ३४॥ प्रंजनावलीपिसा
चसद्दकेकरेंबिसालपाकुनीबुलालन्योंति
जुग्गिनीनखेत्रपाल॥ छुहिजातकनकेगु
मानलानपोनह्वैहिलप्रबर्णप्रगगज्योंकु
कालछिन्नभिन्नव्हैहिं॥ ३५॥ होतसरसो
यंजेउडा॥ नमांहिंदेप्रहारदेनलैनभिन्नपेब

तंग ॥ केकतेगमारदैहरैंकरीनउत्तमंगतो
रिस्रृंगमेरुकोन्हलैमनोंकिधारगंग ॥ ४० ॥
केप्रसन्नग्रदतैंच्यघायहोतगिद्धकंकज्योंप्र
छन्नद्वारकेप्रवेसरवर्बव्हैनिसंक ॥ हत्थिघा
थप्रहारमैंद्विरैंकितेकभीरुहंतब्रम्भकोउगान
जानिजोरज्योंदरीबसंत ॥ ४१ ॥ कुब्जअंध
खंजव्हैनचैंपिसाचहासकाजसाकिनीव्द्ध
थरंतकेकरैंबिरूपसाज ॥ ईसकेहिथगयेकु
सीसकेकहूंउतारिनाथलेकुधारिनैंकजुद्ध
दंतकोनिहारि ॥ ४२ ॥ सघस्रीयरत्तडारि
हापमैंकितेकस्ररहोयनम्रगातम्रातमात
कालिकाहुजूर ॥ होतसत्वछोरिएकवार
कोकितेमहीपदीपिकाकरैंतेलहीनज्यों
दसापदीप ॥ ४३ ॥ दोयप्रेतग्रंतलैफिरैं
कहौंकपेरखेतखेतकारलाहिबेलगेंजरीब
जानिखेत ॥ जंगमैंमलंगकेकमस्तव्हैलगा

त्जोधरंगमाँहिंगलैंकरैंकितेकजोधरोष
॥ ४४ ॥ सत्रुकंठदंतदैपिवंतरत्तकेकस्तरग
हुरीपछारिसारकुलज्योधनेंगरूर ॥ कैयकै
मिलेत्रुनीकदैप्रकोपबातमेलखग्गत्योंक
तारकुंतसंगिबानबुंदखेल ॥ ४५ ॥ कैक
रीनत्रुगलीनसत्थकेकरैंप्रकासमत्रुत्रुंथ
कारमैंकरैंत्रनेकजानिभास ॥ सोरकीसि
खासिलंगिजोरकीसुगज्जिजालत्र्योरकी
कहोंकितीकथारकीयथादबात ॥ ४६ ॥ हो
तजंगयोंलहीसमस्तदक्खिनीनहारिउघ
मीकहाकरैंनदैवमत्रुत्रानुसारि ॥ लिख्यो
ग्रुमंडिकैंइस्रानमित्रजोबनायखीजमैंभये
गयेयनेंत्रुरीनमानरवाय ॥ ४७ ॥ कुंडलि
का ॥ पानिपकरिउज्जैनपल्लइमदक्खिन
ईसान ॥ करनत्रुजयद्दूरीकरनकरनविजा
यपतिमान ॥ करनविजयपतिमानरंगकरि

खेतजंगरुचि।रुचिथरअहमदखानजयो
कृतअरिकृपानसुचि।नसुचिभजेमरहहन
सुचिभज्जेस्यानिपकरि।निपकरिलयेब
धायगयेअक्करिपानिपकरि॥ ४८ ॥दो०
॥चीसाकेसिरकीन्चटकखोजिकटकरनखेत
॥हास्योकरिआयासहरहास्योतदपिनहे
त॥ ४९ ॥जयालनयसंध्याजिमहिजनकु
अमरसजगि॥नमिल्योरंचकपलनचरन
गोतरवारिनलागि॥ ५० ॥छ०प०॥तनय
नन्हकेतिमहिबीरबिस्वासरावबढिन
रह्यो तुरगनिसंकपानपकरकृपठानबढि
होरीजिमकुरियारनिडरमारीअसिनागि
नि॥करिवकुतललरिकुमरहुजनतियदुस
हदुहागि॥निसुरलोकसव्यअच्छरिसहित
गंधर्वनगीतसुगयो॥औनंतसुवनहारिनस
मुझितरवारिनतिलतिलभयो॥ ५१ ॥

दो० ॥ रामरावनारुवरघुवबालाम्यंबकवी
र ॥ रामचंदत्र्यंबारतनसखारामहम्मीर
॥ ५९ ॥ इत्यादिकउमरावसबदक्खिनके
तजिदेह ॥ नाकगयेबंधननबलनाकक
लखनने ह ॥ ६० ॥ इतिश्रीवंशभास्करेम
हाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदशमराशौराउ
रामसिंहचरित्रेपंचाशत्तमो ५० मयूखः

॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥

प्रा० सि० ॥ दो० ॥ पहिलैंजिमकुलकरपू
मितवन्योंक्रम्भुबलएक ॥ जायभरतपुर
जहँकैकिन्नोंशायनसेक ॥ १ ॥ छोरिकली
जकुमरतपुरसुनिमल्लारहिंख्यात ॥ गयोहि
दराबादभनिश्चालयनिजकुलात ॥ २
॥ कियस्वागतमल्लारकोमुदितजवाहिरसि
मल्ल ॥ रक्षतक्रव्यसबनजरिकरिहल्योद

किलनट्टल्ल॥ ३॥तबकुलकरकछुदिवसतौं
हंरहिरचिकटकनवीन॥भंडग्रेटरपुरादि
सबलूटिभयोअरलीन॥ ४ ॥पुनिमगके
गुरुलघुनृपनंडलबिजयदिखाय॥गाग
रनीअधममल्लगढजवकरिबिंध्योजाय ॥५
॥कछुकरारिरह्योरकरिदयोउचितपुनिदंड
॥परिणायनमल्लारकैसध्योकुकमअखंड
॥ ६ ॥कुलकरबहुरिप्रयानकरिकोटाज
नपदस्थाय॥दिनकछुथोरमुकुंददररह्यो
मुकामरचाय॥ ७ ॥अहमदखानपठान
इतइक्किनजिन्हिदुरंत॥आलीगोहरसा
हसुनिक्रियादिक्षियतियकंत॥ ८ ॥मुकस्य
कजीरनबाबकरिलखनेऊनगरेस॥सुरा
लनराज्यजनायगोलंथिअटकनिजदेस॥
९ ॥इतइक्किनश्रीमंतमुनिस्वीयपरा
सीर॥चढिसतलरजपुनचल्योजवनन

करिहोतसदयअतिहेतचह्यो॥अरुसिरुपा
वकरीजुतरनरसरसिककापरनिनगरद्द
योपरिरवदविरचिबुलायबचनपटुअप्र
प्पिअभयहियलायलयो॥ १५ ॥हीरकम्॥
जैपुरनृपमाधवइतवारितकरजानिकैं
नारव सिरदारसिंहविंटियद्रुतआनिकैं
॥कारनरनथंभअग्गदकिवनजयनेरए
हमरोहमरोउच्चारिकुप्पिगरचिबेरए
॥१६॥जैपुरउमरावनसनमाधवतबयोंकही
दकिवनमनमेलकोउमभटनकरोसही॥
नारवसिरदारलदपिकुलकरपतिभिंटयो
सम्मुहकरजोरिमोरुरक्खननिजभूनयो
॥१७॥मन्निसुअपराधकुप्पिकूरमअब
आयकैं बिंटियउनियारमारतोपनमच
वायकै॥संबलधृतिअद्रुअवनि१८१८पा
उसगतकालमैं विक्कलहुवनारवइमसंग

रविकरालमैं ॥ १८ ॥ रनकरिकछुकाल
बकुरिनारवभयमंधिकै माधवमहिपालक,
पयलगियसथवंधिकैं ॥ दैकछुदमदम
स्वामिआयस सिररकवयो होतुमअसुता
थदासतै हमअसअकवयो ॥ १९ ॥ चुलि
आला ॥ उदयनैं रनृपरानइलराजसिंहदि
यछोरि कलैवर ॥ सहअंत हपुरपुरसकल
तैं हैसहसा कुवआसयोरतर ॥ २० ॥ सोल
हआदिकतैं सुभटअंत हपुरपच्छनद्वार
गत ॥ रानिन प्रतिबिम्बतिरञ्चियमंडिउचि
तव्यवहारधर्ममत ॥ २१ ॥ अप्रक्खियनृपपर
तापकौ अन्वयकियइकलिंगनभूप ॥
भुक्खत हमयातैं एकटसालहअष्टतीस
भुरवसब ॥ २२ ॥ जोरालियआथानजुत
दैकोउकतांकालनिहारहिं ॥ यहनहिंतौ
अरिसिंहकौं बैठारनहमपहबिचारहिं ॥

२३॥उत्तरतबअवरोधसनप्रकटहिसुनि
रानीनपठायउ॥नहिंदोहदलछनछि
पतक्योंतुमयहसंदिग्धकहायउ॥ २४ ॥
सुभटनयहउत्तरसुनतरानप्रतापकनिष्ठ
भ्राततब॥गहियपतिअरिसिंहकियपरि
पाटीव्यवहारसद्दिसब॥ २५ ॥अरिसिंह
कृतबअरजयँहँ पठईन्टपपरतापतियन
प्रति॥तुमधारतआधानतोरंचकनहिंम
मराज्यमोंहिंरति॥ २६ ॥राज्यसिंहसंत
तिरहतमोहिमातसबदासहिजानकु॥न्टू
पतायहममजोग्यनहिपदुअप्पकुनहिं
ऊझप्रमानकु॥ २७ ॥पठईरानिनअक्खि
युनिअबतुमन्टपअरिसिंहउदयपुर॥क
रहुनांहिंसंदेहकछुधरहुराज्यअधिकार
भारधुर॥ २८ ॥इतमाधवजयपुरअधिप
जिनिबिगरेमरहट्ठलोभगहि॥उनकोहो

यनेदशमराशौ॥उम्मेदसिंहचरित्रे एकपंचा
शत्तमो ५१ मयूख:॥ ५ ॥ ५ ॥ ५
॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

प्रा॰मि॰॥दो॰॥अजितसिंहभिल्लिकुमरइ
ममाधवसनसहमोद॥पहुंच्योडेरनआ
यपहुविरचतल्लरनबिनोद॥१॥कियअपु
ब्बमाधवकहियतुंदियपतियहबत्त॥मुनि
रनपदपरसीयसुतयेंहंपठयेअनुरत्त॥२॥
कारनपायबिसेसकछुदक्खिनदलकियदे
र॥माधवसुनिरक्ख्योमुदितकुमरहडुनृपके
र॥३॥क्रीडाबहुआरंभकमदिनदिनम
हलदिखाय॥सम्मुहरक्ख्योतखतसिरमुनि
महलनपधराय॥४॥दयारामतेंहहडुइ
जकियबिन्नतिकरजोरि॥जयहरिलियलि
खवायजबन्हपसनलिखितनिहोरि॥५॥
तन्हेंकंजुसमप्पिहंहमतमकोंकछवाह॥

पुरपसमत्थ॥लच्छमनताकोपुत्रलघुपक्कुच्च
निंदियसत्थ॥ १३॥इयारामतेंहंअरजकि
यकूरमप्रतिपहुप्यार॥ कियतुमभेदकुमार
कोसंभरपतिसतकार॥ १४॥नियमगिन्यो
ह्यितमोहिंनहियातैंयेंहूंकुवरएह॥पैअब
संभरभूपतेंअद्धलिखावकुलेह॥ १५॥ज
यपुरकेदफतरजबहिलियमाधवलिखवा
य॥सुनकुराछितिपालसोसुनिबेयोग्यसु
भाय॥ १६॥ रोला॥संभरपतिकेसमुख
कोसइकआवहिंकूरमकुमरसमुखअध
कोसजुपुनिआवहिंसनेहसम॥कूरमडेर
नहडुजाततोरनलगआवहिंकुमरहिंपा
यंदाजअंतरहिमिलिलेजावहिं॥ १७॥
नृपतिपरस्परदेहिंमिलतमस्तककरआनें
कुमरहोयअतिनम्रयहहिंआचारप्रमानें॥
जानुजोरिनृपजुगलरहेंइकतखतबरब्बर

एहुकरैंसबलीनीयहलिखाबखीयदफ्तरमाधवतव॥ संवतधृतिधृति १८९८ समयमाघ पांडुरपंचमिदिनइमबुंदियनिजनैरआयप्रविस्योकुमरनइन॥ २२॥ ॥

इतिश्रीवंशभास्करेमहाचंपूरूपे दक्षिणायनेदशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेद्विपंचाशत्तमो ५२ मयूख:॥ ५ ॥

॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५

॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

प्रा०मि०॥ दो०॥ संवतनवससिधृति १८९९ समयमाधवकोउककाज॥ आयोगव्हरनथंभतैंइबुल्योसंभरराज॥ १ ॥सचिवतासआयेसमुझिगोबुंदियपतितत्थ॥ पुरखंडारिसमीपदुवसुपहुमिलेहितसत्थ॥ २ ॥संभरनृपकेकुम्भसन सुभटमिलंइकसट्टि॥ उभयमिलतनृपआरिनको

नृरगयोसबनद्दि॥ ३ ॥ दियलियगज्जतु
रगादिसबकियकछुदोहमुकाम॥इतहुं
दियनृपअंगनामुख्यगईसुरधाम॥ ४ ॥
पहिलैंसकरवदरसधृति१८०६मरलहिपु
लिपदबैसाख॥ईडरपतिजाभोगिनीमरि
सुमेचकपाख॥ ५ ॥पुनिसत्रहधृति१८१७
सालमरअ्रइनमेचकपाय॥ऊदाउति
गतभ्रसुमहंह्रह्रीदिनगदछाय॥ ६ ॥भ्र
बबसुससिधृति१८१८अब्दकेपुस्लिमचे
तअनेह॥महिषीहडुमहीपकीदियफ१
त्तियतजिदेह॥ ७ ॥खबरितातखंडारि
हीपडुंवीसंभरपास॥नृपकुंवलरिखभ्रु
न्तितनियतिअंतरकछुकउदास॥ ८ ॥
सुपडुडुनतत्थहिसुन्योंअबदविखनद
लअ्रात॥केदाररुमाहजिनभोमिगघलन
संध्याघात॥ ९ ॥सुनिमाथवजेपुरगयउ

आयउ स्वपुर उमेद॥ दिसदिस मन्विद किव
नदद्दल भूपन सिस्वत भेद॥ १० ॥ रोला॥
इत संध्या उज्जेन आय मालव निज बस कि
य अयन सोय रहित तथ्थ दाव मरुधर जित्तन
दिय॥ चिंति जया कों बैर चंड सजिक ढक कच
लायें यहँ सब नृपन व कोलइ प्रसइन दुत
आये॥ ११ ॥ इम सब वग्गज मेर पत्तरन खु
लिपता कन बिजय सिंह सन बिजयलैन
किय मंत्र कजा कन॥ यह सुनि मरुधर ईस
भीरु बुंदिय पुर भूपति बुल्यो दे दल बिहि
तम डिम्भन जुक्कन मति॥ १२॥ इत अ
ग्नि भूलि धृति १९१९ अब्द असित सुचि ब
ट्टि अरकज्जुत भूपभुजिप्या बकुरि जिनिग सं
आल सिंह सुत॥ बलि मरुपति दल बंचि ह
कुं किय सहाय इत सम्मुह आयउ बिजय
सिंह धा इतप्रमोद चित॥ १३ ॥ दियडेरा

सुनपूरे अवसरलहिसभरमरुपसहाय
हानकारनअनेककहि॥ १७ ॥दैकछुछ
नैं दम्ममोरिजिमतिमभाहजिमनबुंदिय
उप्पर बेगप्रथितआन्योंकरायपन॥कटक
अचानकमुररिचाहिहड्डुनदंडनचितअ
भौबिबिधउम्महियमुदिरभहवलहरु
सित॥१८॥द्रंगआतदक्खिनिनसुनत
मरुधरतजिसभरआयेबुंदियअरहिस
भोद्रुहरचहिसंगर॥पुटभेदनप्राकारस
जिसाहतअरिआगममानकुचत्तकम
ससधनघनभहसमागम॥ १९ ॥ चित
माहजिलहिचाहदोरिइतबपुदक्खिन
दलबुंदियसहसा बिटिकियउतोपनक
लफलकल॥अरिबेरामदलअप्पिसज
कछुह्योकोटसहिंसत्तुसत्त्वदलसुनतच
ल्योदबलछुलदेसहिं॥ २० ॥ अनतापुर

पतिअजितप्रथमजोकुवकोदायतिपदत्ता
सयहपायआयबुंदियरनकियअति॥
संध्याकेभरिश्रवनबन्योंजयकारतासबल
जिह्वगलहिंदुणजानिअकवुमारतमार
तथ्यत॥ २१ ॥ इमगाहजिंअपनायबुं
दिमाधवहरबुंदियसंध्याकोंसाबातसो
रकौकूलज्वलनकिय॥दंकिवनपूरबदुव
हितरफतापनमचितोपनकुलगोलनक्षा
कारलगेकोपनरथलोपन॥ २२॥थालस
लिलगतिथरकिमहीडुंगरडगमग्गतअ
तलबितलबसवानलज्झिसुतलपपथल
थात॥बनिबनिप्रानपिसुनबीररसवाह
तनारदधमिथमितोपनधूमसहजछावत
थनसारद॥ २३ ॥तुट्टननिजसिरतुरित
सूरनचहेंरुचहेसिवइतमारनअरिअत
लउतसुहिंसनअनिलइव॥कालोरवप्प

रक्षतिनगोद्गततद्पिनटनअहिपीवनदे
तनचपलकरक्कुउपवासपवनकहि॥ २४॥
सुरभिपरागस्तमानखेहरबिमधुपदृगन
खिरिअंधीकरतअनूरुसहितकर्द्दमबि
धायकिरि॥ तारागढसिरतोपलौंनकच
मालउतारतबंदीगिद्धनिबुल्लिसूरगति
गिरिहिंसिंगारत॥ २५॥ अक्कगलिन
जिमअटततिमिरफारतगोलेतिमतोप
अद्दितिकेतनुजकरहिंसंख्यापावनवि
भ॥ देतनिसैननिदोरिसूरआरोहतकपि
सिरइतकेअसिघायालबाहिडारततिन्ह
बाहिर॥ २६॥ तकितकितिन्हिंउनतोएस
रबेधतअणुगोलनपब्बयतिनकेपालञुक
तञुम्मतउकओलन॥ धमकिखनंकतभृ
कुलबलभिनपरखप्परबिधुरतजरिध
आरद्धारटप्परकउद्दप्पर॥ २७॥ भीरुनउ

रुराजजरपिबुंदियर नजान्यौंभेजीलदपि
नभीरघूढकृतघनपनमान्यौं॥ ३१ ॥ अ
द्रुपहरइतहडुभूपकटिबंधनखोलतफल
पलबिचप्राकारभटनललकारतडोलत
॥ सुतकुवपृथ्वीसिंहभूपजैपुरपतिकिन्नं
हतासबधाईजंगहोलच्छाईबुंदियतहं॥
३२ ॥ उन्कुवताकोअतुलसुनतसंभरन
रेसकियमरनमंडिरनतुमुलबकुतदिन
कियनिसकहिय॥जान्योंतुहृतनाहिंन
रबुंदियमाहजिजबअहृरिसामउपायअप
अपरयोनृपप्रतिलब॥ ३३ ॥ कोटापति
कोकथितमन्त्रिसंगरयंहंमंड्योअप्पमि
लकुअबआयछुद्रसाहसहमछंड्यो॥
सुनिनृपअरिकुतसामचिंतिनयमिल
नबिचारियमाधानीभगवंतदुग्गरकृयो
रखवारिय॥ ३४ ॥ अकिवयहमकोंमा

सितपक्षवसंगतअष्टमिदिनउच्छवतिहिं
रचिनअतुलबकुरिबिरचियहडुनइन॥
३८॥कोटेसकुआननबिगारिअतिस
यसटायहियअरुसैरामसरुसच्चिवसहि
तकोटाप्रबेसकिय॥बिजयसिंहमरुईस
सुमिलितहडुमहीपतिदीपकुमरिनिज
बहिनिताहिब्याहियमंजुलमति॥३९॥
सककृतिधृति१८२०मितसमाराधअव
दाततदसमिदिनअतिहितकरिउच्छाह
लगनसह्यिकबंधइन॥सालप्रकृतिधृ
ति१८२१समयतीजफग्गुनसुदिबासर
ईडरपतिलघुसुतादीपसोदरब्याह्योबर
॥ ४०॥जोधपुरहियहबिजयसिंहमरु
पालब्याहकियनामभवानकुमारिबहि
निउच्छवकरिब्याहिय॥याहिबरस१८२१
श्रीमंतमाधवकुदेहबिहायोपट्टनरायन

रावअनुजताकोनबपायो ॥ ४१ ॥तिंहिं
काकारघुनाथरावपरवैरबिथारियतातैंअ
ङ्गिलबसरनइंगरेजनदुतधारिय॥सक६
हिं १८२१ कथितसमीपसाहआलमदि
ल्लीपतिलियअंग्रेजनअर्थतानसुबास
लयमति॥ ४२ ॥बंगालारुबिहारतथा
उड्डीसात्र्यय इनमैंतबअंग्रेजभयेहाकि
मजमातजय॥स्वात्थसिरसाहरुद्दनिज
गतिजबजानीइत्तमरारीअंक्तिदईइन
कौंदीवानी॥ ४३ ॥प्रथमरुहेलासबिब
नजीबुद्दोलाकिमय दिल्लीतैंबचिसाहबंग
अंतरबचिबेगय॥कछुहायनतैंहंकाहि
मयोसुनिकथितरुहेलालहिमरहट्ठस
हायबियोदिल्लियलखिवुल्ला॥ ४४ ॥
नजफखानजिहिंनामजवनसोकियवजीर
जबसकलिअंतरसुनइछअभिकअमरामइ

हांश्रब ॥ सिवप्रसादमुनसीजुश्राहित्र
धुनाश्रंग्रेजनजिहिंबकुग्रंथबनाइबिदि
तकिनेंछापासन ॥ ४५ ॥ जिनमैंइकभू
गोलश्रादिहस्तामलजानकुतेंहैंइन्हसर
बातीनमिलनसूचित १८२१ सकमानकु ॥
ताहीमेंइतिहासतिमिरनासकप्रबंधकिय
तामैंपावनपद्दसाहश्रालमकोसकलिय
॥ ४६ ॥ सोहयदुवबसुसोम १८२७ किती
श्रंतरश्रबइकवकुश्रोरनमैंइहिंरीतिपरत
श्रंतरप्रभुपिकवकु ॥ मुद्रितकियइकग्रंथ
बिदितपंडितबंसीधरसोभारतबर्षीयश्रा
दिइतिहासनामपर ॥ ४७ ॥ तामैंबैठनत
रवतसाहश्रालमसकसूचियसोहयदुवब
सुसोम १८२७ प्रमितजानकुपुहवीपिय ॥
चढिघटिश्रंतरबिबिधलेखकारहिइम
लावतहैंतसदोसनहमहिलेखश्रनुसा

रलिसावत॥ ४८ ॥परिहमबत्तप्रसंग
श्रत्थबामकुकहिश्रायेबर्त्तमानश्रबवृत्त
सुनकुप्रभुसबमनसुहाये॥जहहजबाहरमल
थाहिहायनमकुपिच्छबलुहीदिल्लियजा
थसाहथनकोससहितसब॥ ४९ ॥श्र
भाजनकरबिमलमर्यो दिल्लियरनश्रंतर
ताकोबैरबिधायकरियथहहजबाहर॥
इतमेवारभटनसठनतासकरपनधारयोबुं
दियजनपदबीचबिबिधबसुहरनबिथा
र्यो॥ ५० ॥कुप्पितबहिबुंदीससेनसज्जि
यतिनउप्परलयेपकोरसीसोदकारिश्ररि
भरनिजतसकर॥निवसथहहलाबंगदल
टिंटहराकेपतिकन्हाउतरकेदकियेश्रब
रकुसागसकति॥ ५१ ॥मुंडितडड्ढीमुच्छ
करिरुंडारेकाराघरपर्योपयनमगलाउत
स्यामपुरेसजोरिकर॥सुरजनिरानश्ररिसिंह

सजवकुप्पिव्यारिसतमारिमैंनैंजयमंडि
यगड्डोलीपुनियामखुंदिखगनसबखं
डिय॥ २ ॥दारिमरंगडुकूलमत्थधव
पत्तकिलंगियडुवगव्याकोदंडजुरतडु
डुकरिजंगिय॥बंसुरिभयदबजातपिड्डि
ड्डुवथरतनिखंगनडारतफोजनफारिमा
रिकहारतुरंगन॥ ३ ॥इममैंनैंरनकर
तहनियंहैसलगड्डोलियआयोबुंदियबि
जयमंडिबंदियजसबोलिय॥मैंननके
सिरभैंनिनकेसिरदयेंकरंडनबधाईगवा
वलायेपुरलगतिनरंडन॥ ४ ॥सक
आकालिधृति १८२२ समयमयोयहरन
सहगमसेवनसबसीमारलगेरचिसन
तिसमागम॥याहिबरस १८२२ केमाघम
हादसिमेचकजुतदीपसिंहकेभयोनाम
सुरताणसिंहसुत॥ ५ ॥करिअगेंको

देसकथितमाहजियँहँरनकियनाथउत
उद्योतसिंहलबञ्झरिनमिलनकिय॥नगर
नगारोंछोरिस्वामिमन्नेमरहटुनसत्रुसोय
कियसमरलूटिलीनिंकछुरटुन॥ ६ ॥था
कोकाकोबखतसिंहमन्थ्योंलबभ्रूपतिह
योपनगारोंतादिमंडिसनमानमहामति॥
अब्बसुविक्रतिश्रुति१८२५अब्दमोंहिंउ
योतसुआयोनगरनगारोंलेनभ्रूपप्रतिकथ
नकहायो॥ ७ ॥बुंदीपतितबकुप्पिसुभ
टपठयेतिहिंमारनमार्योंआनिबजारम
ध्यकहिंतिनअघकारन॥याहिंविक्रति
श्रुति१८२५अब्दमोंहिंकुलकरबुंदीर
यतबतसनातीमालरावइंदोरलरनलि
य॥ ८ ॥सुनियहहोंकासाजभ्रूपपठयो
सोंहहितधनदुवहयडुवसिरुपावइकग
जइकमनिभ्रूखन॥संक्रतिश्रुति१८२५

मितसालमालरावकुकुलकर मृततबता
कोदायादनामतकूगहियधृत॥ ९ ॥रु
प्पयअतिकृतिलकवदयेश्रीमंतअरथद्दु
लइमगहियइंदोरलहीतकुवसुमंत्रजुत
॥रूपनगरपुरसुताभूपसामंतसिंहघरना
मकिसोरकुमारिइतसुव्याह्योनृपसोदर॥
१० ॥संकृतिधृति१८२४मितसाकबिर
चिउच्छवबकुदिनतकव्याहबहादुरसिं
हकियउयहदुलहिपितृथक॥ याहिसा
ल१८२४बिचनृपसपत्नजननीकछुगद
लहिबंसबहालापतिजाबपुदियछोरि
च्याधिसहि॥ ११ ॥बुंदीपतिमासुरिबि
हीनबनिप्रेतकरमकियद्विजनसुभोजन
दानदैरुनिगमो कुसद्विलिय॥ संकृति
धृति१८२४मितयाहिसालइतजदृजवा
हरजेपुरऊपरजोरदैनमंड्योडारनडर॥

तिउत्तरममबंधवमहिलाहिंतुमसुवाह
तरक्खनघर॥ १६ ॥यहसुनिजैपुरईस
मन्निअभिसापअसहमलिनिकसाईवह
नारिगईबिरवरवायउचितगति॥इहिंका
रनअबअतुलबैरगहिजहजवाहरजैपुर
उप्परजोरदैनसज्जेदलदुद्दर॥ १७ ॥बि
जयसिंहयहजानिजहजैपुरचढिआवन
आयोपुक्करआरहिमिलनअरुमंत्रबनाव
न॥उदयपुरअरुआमेरज्योंहिंबुंदियमंडेजि
मसमतागिनिसतकाररचकरलिखिदलप
ठयेइम॥ १८ ॥जहजवाहरमल्लअडरअ
तिबलहोतुमजबलियउआगराछिन्निद
ल्लिदिल्लियप्रदेससब॥अबहमसौंतुमअ
यमिलहुपुक्करबिधायबलइक्कतरखतबे
हिंहजेरकारिहैंअरिमंडल॥ १९ ॥इमसं
कृतिधृति१८२४अब्दबंचिदलजहजवा

हरउज्जपुत्रिमादिवसमिलनआयोहुत
पुष्कर॥मरुपतिताकेसिविरप्रथमपहुँ
च्योलहिसासनसिरकरधरिसमकालउ
भयबैठेएकासन॥ २० ॥चमरमोरछल
छत्रलगेहोवनलेउनपरपुनिमरुपतिके
सिविरजहदर्पितमयहुहर॥समलाकास
तकारकियउपरबजिमरुपतिपलटिप
म्परहैसजहकवरुहहक्रुसंगति॥ २१ ॥
तदहुजोधपुरनाहपत्रपठयेजयपत्तनमि
नयाहिगिनिटमकुमिलकुबेठकुइकआस
न॥तबकूरमपतितसकियहपठयोपतिउ
तरमित्रहोयकिमगुहजहजैपुरकोकिंकर
॥ २२ ॥सेवनआलसदैबापिकिवहमरेप
रधानॉमसमताकेमित्रराबरजातुमसा
नॉ॥सुसुनिजहदियपत्रओलिजयपुर
लिखिआडीदीयपरगनॉदेकुलमहैंखा

रीपहाडी॥ २३ ॥रचक्कुनतोअबरारितुम
हिंदंडनहमलक्कतसुनिपठयोनिजसेन
कुम्मअक्कहिंरजढक्कत॥तबमाउंडाखेत
मिलेजहरुजैपुरदलफैलियहेतिनफाग
रागसिंधुनकोलाहल॥ २४ ॥इतिश्री
वंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने
दशमराशौउम्मेदसिंहचरित्रेचतुःपंचाश
त्तमो ५४ मयूखः॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥कटकईसकछवाहकोधू
लापुरपद्दलेल॥लघुसुतलछमनजुत
लग्योखंडनमंडनखेल॥१॥दलबरवसीगुरु
सा हिक्कुतसद्विवबीरहरसाहि॥एक्कुखरे
रक्खीअभयचंडकरनरनचाहि॥ २ ॥इत
तेंजहक्कूउप्परयोतापनबिरचलताप॥भट

किरंगिडारतभयोसमरूकापिलखाय॥३॥
॥भ्रमरावली॥करकिकरकिकोपतरकि
तरकितोपलरकिलरकिलोपकरनलगी।
वरखिकरखिकन्तिपरखिपरखिपन्तिहर।
खिहरखिसन्तिहरनलगी॥समरलरवन
भ्रायभ्रमरगगनछायभ्रमरसुमनभायनि
कारजुरेसरजिसरजिसोकलरजिलरजि
लोकबरजिबरजिभ्रोकदिगनदुरे॥४॥
बढिगत्वरितबीरपढिगदरितपीरचढिग
सरितसीरकहिरचोसिलतउरनसेलमि
लतफुरनमेलढिलतखुरनठेलमतपमचो
॥पिलतघुरनभेलमिलतछुरनभेलखिलत
सुरनखेललरखनलगेहरखिहरखिहरपर
खिपरखिपरकरखिकरखिसरररलनलगे॥
५॥गहतगकरिगैलबहतगिरिसबैलसह
तभरनसैलकहतफैलबहतमटनढैलद

हलमनुकितैलमहतफबतफैलअगनि
अवैं॥ त्रिकसित्रिकसितेगबिकसिबिक
सिबेगनिकसिनिकसिनेगअसुनलहैंरप
टिरपटिराजिऊपटिऊपटिआजिदपटिद
पलिबाजिगजनगहैं॥ ॥सरतजहरसू
कटरतअहरहूककरतकहरकूककुपक
रोखिर्सा रिवर किहत्यचिसकिन्चिसकि
मत्थसिर्सकिसिसकिसत्थदुरतदरी॥ छल
तखिसिरवघायघलतत्रिसिखघायकलत
निसिखकायभटनकितपकरिपकरिपाय
जकरिजकरिकायनकरिनकरिहायजपत
जिते॥ ८ ॥भचकिम किमुंडलचकिल
चकिमुंडमचकिमचकिरुंडउछटिअैंटमर
कमरकिमेटरवरकिरवरकिरवटधरकिधर
किटफलकफटैं॥ खटकिरवटकिरवगाच
टकिर्सटकिअलटकिलटकिऊगमुरव

नचैं झपटकि झपटकि इढ्डगटकि गटकिगि
ड्ढछटकि छटकि छिड्डु बिसिरवधेंरें ॥ ८ ॥ (
भटकि भटकि घुम्मि झटकि झटकि झुम्मि पट
कि पटकि भुम्मि छुटन घेसैं बटकि बटकि उं
डुमटकि मटकि तुंड रटकि रटकि रुंड झुलसि
हरसैं ॥ बिरचि बिरचि बान भिरचि भिरचि मा
न किरचि किरचि तान फिर नलगे ललकि ल
लकि लाल झल किझल किहाल खलकि ख
लकि खाल फिरन लगे ॥ ९ ॥ झनकि झन
कि सौरसन किसुरभि सौरभन किसुटिन मौ
रभ्भमन लगे तरसर खयद रखेत पररसर यदरथेत
दरसभयद देतरमन लगे ॥ दो० ॥ जयपुरद
लन्हरुजन हदलरन्हि करुतो पनरारि ॥ छौंचि
लिपुनि त्थसिन इम रुकि रुकिथर नझारि
॥ १० ॥ प्रकृतिः ॥ सचिवमुख्यरवनी हरसा
हित्थरुबरवसीगुरुसाहिजाहिं ॥ मिलिश्च

थिबीरजहवक्कमारितटिगिरेभारततरवारि
॥ ११ ॥ छप्प० ॥ धूलापुरपदलेलसुपक्कुक्कूरम
सेनानीक्षितिजवहयनउठायमिल्योजहन
बिन्चभानोसिविकादंडसमानकरेबक्कुन्त्र
रिनारिनकर॥ सिरताकोलहिसुभगक्कुलसि
किल्लौंभूरवनहर संक्रमिनिसंकतोपनसमु
रवकातरबन्चरंचनकह्योभलभलदलेलज
यनैरभटरनबिचबनितिलतिलरह्यो॥ १२॥
दो० ॥ लक्कुमनयाकेपुत्रलघुराजाउतरन्वि
रीस॥ ऋधिकउथपियऋरिनऋसुसिवहि
समप्पियसीस॥ १३ ॥ पा०कु० ॥ सांवलदा
सबंसिसिरवाउतनामगुमानबंदिबिरुदन
धुत॥ सोबन्दिलगरपचाहरस्वामीनिडरल
खोभलनकहिनुनामो॥ १४ ॥ सीकरपतिसि
वकोकानि पत्तुतनुज्योतिमहिबुधसिंहहर
रवसुत॥ उद्दुभिकारबक्कुऋरिनारिनत

नगिनिबपुलग्गोलरवारिन॥ १५॥ सेखाउ
तरुऊनुपत्तनपतिनवलसिंहभज्ज्योदिख
तलति॥सेखाउतसिवदाससिंहधुनिध्यानु
तापतिपरयोरवग्गधुनि॥ १६ ॥सेखाउतमुं
डरागाभइनरघुनाथकुतुद्द्योतरवारिन॥
इंसावापतितिमनाथ्याउतनाहरसिंहपस्यो
रनराउत॥ १७ ॥महासिंहकलमंडानायक
सुरतानोतपयोघनघायक॥जयपुरकेइ
त्यादिसुभटबकुधरेबिहायदेहसंगरपकु॥
१८ ॥खग्गनध्रुमितजद्दभटसायेभीरव
चेतिन्हमारिभजाये॥छिज्जतकटकजद्द
थयछुट्टेतगनपिक्खिसिपाहनलुट्टे॥ १९॥
रामरूरह्योफिरंगीसभुहतोपलडितजारत
धरिभूरुह॥गोलनकूरमकटकगिरायोप्र
भुहिंभरतपत्तनपकुंचायो॥ २०॥ षट्प०॥
तखतछत्रध्रुरतापकोसलुट्टेकछवाहन

भरतनैरगायभञ्जिजहमरवाघसिपाहन
सिलेकूरअजोधनागजहनगिनिनाहर॥स
मरुद्धैनअनुसंगजायपकैंरहिजवाहरसं
क्रतिभुजंगससि१८२४मानसकहेमंतक
थलजंगद्भुवजयनैरबिजयजहनभजनभ
ईर्षिसितअवाजभुव॥ २१ ॥इतिश्रीवंश
भास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायनेदश
मराशौउम्मेदसिंहचरित्रेपंचपंचाशत्तमो
५५मयूखः॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥
प्रा०मि०॥दो०॥इहिंरनदैनसहायइतब
होतनयबुंदीस॥पठयोजैपुरपुब्बहीमारनु
जहमहीस॥ १ ॥प०प०॥राजकुमररनमों
हिंनौंहिंमाधवजावनदियजीतभईपुनि
जानिकालअवसरउच्छवकियनाहरगढ
अमेरआदिनिजदुर्गदिखाये॥नानास

हलसिकारविरचिश्रतिलाडब्बहरेकुकि
साद्यविसदपञ्चमिदिवससदिगजम्बा
हिसभटबुंदीसकुमरसुतफागखिझि
डियउहरिगुलाबथ्थट॥ २ ॥कुमरपु
पुनिकहियकुल्लिबुंदीसपुरोहितराजकु
मारहिंरकिसचहतब्याहनमेरोचितथ्रथ
लायस्धीससुतलैलागनदिखावहिं
॥बुनिहमससुरबिवाहितुरकुमरहिंप
ठुंचावहिंद्विजइमरामसुनिकियश्रज
हेंश्रतुलिलमवदीयहितपेइमनहोयउप
यमप्रथमबुंदियसनब्याहनउचित॥ ३॥
दो॰॥रहितदिनंतरसिसिरऋतुफग्गुनके
लतफाग॥कुरमपतिसंभरकुमरश्रतिमं
डियश्रनुराग॥ ४ ॥बलिमधुमासबसं
तबिचबहुबिधहरखनिभाय॥कुमरहिं
लाडश्रनेककरिरक्ख्योकूरमराय॥ ५ ॥श्र

तिकृतिधृति१८२५हायनलगतपुस्सिम
वेत्रिकपाय॥कूरमपतिलहिरोगकछुबि
ग्रहदिन्नबिहाय॥ ६ ॥ताकोसुतजेठोत
बहिपित्थलबैठोपट्ट॥अजितसिंहहित
सिक्खअबदिन्नीतिंहिंबिधिबट्ट॥ ७ ॥
इक्कनगभूरवनाहिरदइककुवहयदुवसि
रुपाव॥करिइमनज्जरिकुमारकीभन्योगि
नकुहितभाव॥ ८ ॥ष०प०॥अजितसिं
हबुंदीसकुमरइमचलियसिक्खकरिसं
गानेरसिकाररिखल्लिहंकियरंहसधररहि
यच्चहुसुवरन्तिबक्करिदेरकुच्चबिरच्चिहुत॥
बुंदीआयउबीरसमरपंडितभटसंजुतपरि
जनकपयनमंडियप्रनतिकुसलपुच्छिय्य
सिक्खकहियअभिमन्युलखतहरिभामह
वपुरूपमोदभूपकुगहिय॥ ९ ॥दो०॥त
सकुमरउपयमउचितलखिनृपलगन

धानयहजननिभुजिष्याजात॥इमबिबा
हित्रायेउभयबुंदियबिदितबरात॥२५॥
ष०प०॥याहिबरस१८२५इतसुक्रमास
मरुपतिजेठेसुत फतेसिंहअभिधानगये
आहनकोदाद्भुतमहारावतनयासुरानज
गपतिलनयाजा॥हड्डीकुलहनिहत्थरु
सिर॥हिंदुल्लहराजाआयोसुतदनुबुंदि
यनगरनृपरक्खियअतिलाडकरिबासर
बितायषद्रहप्रमितबिदाकरियहितअ
मितधरि॥२६॥याहिबरस१८२५आष
ढ़बिसदअध्धमिरबिबासरसुपकुभुजिष्या
सूनुनामसिवसिंहबीरबरमरुपतिबिज
यबखसिसुताआढ्यपद्मावति॥जायन
गरजोधपुरपरनिआयोजिमरतिपतिभव
रकुलकद्दुतद्वंदमचिलैनदुरितफलसमय
लहिअरिसिंहरानसनभटअखिलफुट्टैक

छुकफरेबकहि ॥ १७ ॥ दो० ॥ उद्धतगिनि
अरिसिंहकों मिलिसुभटनकियमंत्र ॥ कान्ह
कोइकआनिसिसुसोकियरानस्वतंत्र ॥ १८
॥ रानीझल्लियके उदरराजसिंहसनजात ॥
रतनसिंहअभिधानयहकिन्नोंइमबिख्या
त ॥ १९ ॥ झल्लाभटजसवंतनिजगोघुंदा
पुरनाह ॥ तनआगाहियअगतसराजसिं
हहितराह ॥ २० ॥ सुलताकोयहथ्थिसि
सुरतनसिंहरचिनाम ॥ मातामहजसवंत
कुवकरनमूढअथकाम ॥ २१ ॥ ष० प० ॥
गोघुंदापतिझल्लमिल्योजसवंतमंदमतिस
गताउतनसमेतपाणड्डुकमभिंडरपतिदि
वगढपजसवंतरूतुराघवनिजसंजुत ॥ फ
तेसिंहचकुवानडूंगकुद्वारईसद्भुतवेधमनु
रेसभटमेघबलिअग्रेसरएपचकुवबहबा
लजायकिन्नोंअधिपधरिगदकुंभिलमेरु

सुल ॥ २२ ॥ दो० ॥ देवपुराहोतें हुँवनिकक़ि
ल ॥ सोकुमित्योसिसुमाँहिंसठ
हानिधरमकरिहंत ॥ २३ ॥ समरसिंहराउल
नृपति दिल्लिमजायउदग्ग ॥ भगिनीपृथ्वि
यराजकीपृथाविबाह्योत्र्यग्ग ॥ २४ ॥ त
बलाबल्लयज्जदियेरकुबनिकचकुवान ॥
रहेकुकमप्रकुगतसदाअबपलटेत्र्यधवा
न ॥ २५ ॥ जेंहैरानांत्र्यरिसिंहनैंधरेदम्म
ङालिलवत्त ॥ तेंकुनदिन्नेंद्रोहतकिप्रबल
बंधिपरपक्ख ॥ २६ ॥ रायसिंहकुल्लालम
टनगरसादडीनाह ॥
राघवदेवसचाह ॥ २७ ॥ पन्नसनराइ
वमिलेभटल्लहिंककुसिसुभेट ॥ उभयरहे
त्र्यरिसिंहमैंसल्लमारिरुत्र्याभेट ॥ २८ ॥ ॥
प० प० ॥ उदासीनभटइतररहेप्रकटनत्र्य
निमिस

आयुधकसिउदयनैरदियआनिघेरतोपनक
रालघन॥फैरनपररचिफैरज्वालच्यांकुलकि
यकुरजनतुहत्तनिपानफुट्टतनिलयगहन
गादछुहुतगहनप्राचीनबरहिपुत्रनमन्द
तजियवह्निविलपनदहन॥ २९ ॥इति
श्रीवंशभास्करेमहाचंपूस्वरूपेदक्षिणायने
दशमराशौअमरसिंहचरित्रेषट्पंचाश
त्तमो ५६ मयूख:॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७
॥ ७ ॥ ७ ॥ ७ ॥ ७

प्रा०मि०॥ दो० ॥इतकुलकरतकूचउर
आयोहिंदुसथान॥आगमधरवपगुन
असितसकअतिकतिधृति १८४५मान॥१
तकूपैहंबुदीसतबसबटौंकाबिथिसाजि
॥ पठईकुलपहिरावनीबलिमरवनगज
बाजि॥ २ ॥ष०प०॥अहिवरस १८४५

बिच्च अजितसिंह बुंदीस कुमारक्क सुनिज
नपद निजसोर बित्तलु हनमैंनन बक्कु चक्कै
कुपित चक्कुवान जनक आदेस पायउ जेंहं॥
बारह खेटन बिंटिताप दिय अतुल उग्रतं
हंकारि केद अखिल तस कर कुमति कारा
बिच्च डारिय कुमर जय द्विरद बंधि आलान
जुज धन्य धन्य क्कुव सकलधर॥ ३॥ दो०॥
इंद्र कुमरि अरु अजकुमरि जननि भुजिष्या
जात॥ दुहिता निज बुंदीस दुव ब्याहिय
हुत बिख्यात॥ ४॥ अजितसिंह मरु
ईस को सुत लघु होउ किसोर॥ सुभमति
तासर खवास सुत जैतसिंह रन जोर॥ ५॥
दुहित राजगढ सनबिदित ब्याहि अतुल उ
च्छाह॥ दुहिता अजकुमरि सु दई रचिबि
बाह हितराह॥ ६॥ नगरकरौली न्टपत
नय कुसलसिंह दासेय॥ सुत ताको जयसिं

हसोपुनिबुद्धयोपभुप्रेय॥ ७ ॥इंद्रकुमरि
ताकेंहेंदई अखिलसिद्धि प्रवधान॥ख्या
त्यजद्रव्यअनेकदियचित्त उदधिउकास
न॥ ८ ॥कुरिबहादुरसिंहअरु सोय
कुमरसिरदार॥गग्गराउव्याहेउभयलग
नरीतिइकलार॥ ९ ॥बिक्रमसकपंची
सधृति १८२५ पंचमिमाघवलच्छ॥दनु
जपुरोहितवारदिनउदयरासिलियकच्छ
॥ १० ॥बखतसिंहरावतसुताचंद्रकुमरि
अभिधान॥परनिबहादुरसिंहलियपति
यक्षत्रियमतिमान॥ ११ ॥जोराउररावत
सुताअभयकुमरिगुनकार॥कुलहिंनिवृं
भलगंविदेसोव्याहियसिरदार॥ १२ ॥
कुमरबहादुरसिंहहितदयोतहंनृपदा
य॥नगरगोयडाजुतपटाअसीसहंसमित
आय॥ १३ ॥सुतकनिष्ठसिरदारहित

यहित ॥ १८ ॥ सुनतअरजश्रीमंतलि
खिदियकग्गरअंजैन ॥ राघवदोलासनकी
करकुलीरसहसैन ॥ १९ ॥ पायमीयामर
सहतअराघवलखिपक्कुपत्त ॥ जिमहिसीर
दोलासक्कनतिंडुवसज्जियतत्त ॥ २० ॥ पंद्र
हसैंहैंसअग्गौरपतिदोउनसुकरदिलाय ॥
कल्लाजालिमसिंहलैहेंकियरानसहाय ॥
२१ ॥ छप्प० ॥ अग्गौरणअनिरुद्धसमयक
ह्मामदमाधवनजिजनपदगुजरातहुतकुच्च
ओदेतिअतिजवसनकुटुंबनिजसंगहिरद
सिविकारथजेरर ॥ कुंदियआवतबेरगये
सअनुहनृपसंभरसिरकरलगायमिलिभौति
सनरकिवयतब्बकछुदिनरहियपुनिजान
अरजावियतबहुपक्कडेरजायरसिकवहि
य ॥ २२ ॥ दो० ॥ कोटामाधवकल्लमयल
दनुदिष्टअनुसार ॥ रामसिंहकोटेसयहर

क्विवयसहसतकार ॥ २३ ॥ रामसिंहजाज
वमख्योभीममभयोजबभूप ॥ वांनैहूमाधवय
हैरकख्योहितअनुरूप ॥ २४ ॥ पा॰कु॰ ॥
माधवकेसुतमदनसिंहकुवदुज्जनसल्लसु
सचिवकिन्नधुव ॥ दुज्जनसल्लभिन्नुजब
पायोतिहिंग्रनतासनअजितबुलायो ॥
२५ ॥ पृथ्वीसिंहमदनमल्लासुतसत्रुसा
॥ सत्रुसल्लबिनुसुतब
पुतजिदियतबतसअनुजगुमानपट्टलि
य ॥ २६ ॥ पृथ्वीसिंहमल्लसुतजालमयह
कुहैंजांहिरअबआलम ॥ तांकेकछुकोटा
अनरवभईसुरक्षोनतत्थअब
॥ २७ ॥ छोरिगुमानसिंहकोटापतिउदय
नैरआयोप्रपंचमति ॥ सुअरिसिंहरानकुस
नमान्योंअतिहितजायसमुरखपुरआन्यों
२८ ॥ ०त

॥इहमंत्रराघवरानकेइतयोंउदैपुरमैंभ
योसवदच्छदूतनभेजिकैंयहजानिमाह
जिहूलयो॥दोलारुराघवकेकुटुंबकुते
अवंतियमैंजहाँकरिकैदपुत्रकलत्रको
पितसंधियाकुसज्योतहाँ॥ ७ ॥यहजा
नियअरिसिंहकोदललैउदैपुरतैंचले
खुरतारबाजिनमारमत्थहजारआलुक
केहले॥पहरातलो हितरंगकेतनमत्तह
त्थिनपैंधरेबटअंबजंबुकदंबज्योंकुमुदा
दिअद्रिनपैंखरे॥ ८ ॥डगमगिसैलन
अत्योंभरभंगतुट्टनकेलगेसबअैनसंक
लसैनहंकलतैनसंकरकेजगे॥चढिसिंह
कालियसंगचालियगेनगिहनिबिथ्थरी
गहुंदीअवंतियग्योंचमूंअरुहल्लजिलन
कौंकरी॥ ९ ॥उलतैंकुमाहजिसज्जकै
सिसुपत्तकेभटलैचल्यो जिमजेठसूर

जतावयौंतरकावतोपनकोबढ्यो॥हुङ्कृते
रकैनरबाजिकुंजरअभ्रमैंउडनैंलगेरिल
सोकगोलनलोकघायलघुम्मलैनघनैंल
गे॥ १० ॥ऋतलादिभूपुटकैधरत्थरनी
रसिंधुनतैंहल्योदिगधेनुच्यारिकुलनलो
निकिंफनआननपैंफल्यो॥च्युतसद्दिनु
रिनिजिंगनलररासमंडतरंगमैंमहतीब
जावनहारहूकलिकारघुम्मतसंगमैं॥ ११
आरवाढभारतलैहसम्मितधूमछादित
लोकभौनमथैकरोकनओकओकनको
ककोकिलसोकमो॥जलजातपामिनपाल
ज्यौंभुवसेसकोरसपैंनभैंकालीयपन्नगसो
रपैंनडुनाथतंडवज्यौंरचैं॥ १२ ॥हलुमा
लपावकलंकज्यौंदियज्वालज्यौंनभबि
त्थरैंनगरीअवंतियमैंकुमानवजहरक्त
सज्यौंजरैं॥सिप्रानदीलगिलोयलहनन

कारखगनश्चावटैजिमलोहकप्परतैलमें
गनधूपकेरखगलावटै॥ १३ ॥ इमहोतलो
लनजंगगोलनसेनमाहजिकीलचीछ
लबालकीलवकोजहोयहरोलरारिमलो
रची॥कछुकालतैंपुनजवालयोंरचिवग्ग
वाजिनकोलरईदुकुंश्रीरधीरश्रबीरमिलि
भटश्रोरसस्त्रलकीभई॥ १४ ॥ छुलबाल
कोदलसंधियालहिबीचसत्तुनकैंभयो
करसाललेतकालखंबरजालश्रच्छरि
कोछयो॥कटिमुंडलुंडकपालकंटलला
लकिरनैंलगबानिमत्तपीवनरत्तफेरव
फेरवीफिरनैंलगे॥ १५ ॥भटश्रौंचिकान
भलेतबानललनप्राननसोंधिकैंश्रतिको
पकुहतरोपकुहतटोपसंजुतगोधिकैं॥त
रवारिनाकुललगिहोतउपेन्द्रमन्दिरऊ
स्रीनसजाललुंबतदेहदारितजानिश्रं

तम्यंत्रज्यों ॥ अतिजोरतैं इ कुंअर घोर कटार
केकटपैं बजैं हमगीरथीरनको बढैं तहँ नीर
भीरुनकों लजैं ॥ ऐसवारकेकउडाय अबन
हत्थिहोदनपैं अरे पवमानकेरथमानकेहय
मानसोंन्सरज्योंखरे ॥ प्रसरैं फुलिंगऊरैं सुपाव
कहेतिहेतिनसों घसैं लगि अंतलुंबतपंसु
लीजनुनागचंदनपैं लसैं ॥ २१ ॥ गिरिढाल
लोहितताल चक्कुलालकेनिभकेभ्रमैं
तिनपैं परैं फटितुंडकेककटिमुंडजेकुटज्यों ज
मैं ॥ निकसैं अलोहितसानलीढकलंबरीढ
कतोरिकैं मनुफारिसेवलमंजरीसफरीउड़ैं ज
लछोरिकैं ॥ २२ ॥ भटमत्थकेद्दुवहत्थले अ
रिमत्थयोंपटकैं गदासुमकी निकारनलद्रुमा
लकी गैंवारनकी अदा ॥ भटप्रानछुट्टतस्व
स्तुट्टतकेगिरे हिचकी भरैं तुतरातबेनफिरा
तनैनकिराततें मृगज्यों करैं ॥ २३ ॥ कतिकारि

कत्तिनकोंनिरायभिरायछत्तिनकोंमिलैंमनुपि
त्रहंतहबालकेचिरकालकेबिछुरेमिलैं॥गुटि
कागोलकसिल्पकोबिदकेकमंडलत्वातुरी
बिसिखाकनारकनायकेंकोंबिधिसोंबसावतजो
पुरी॥२४॥बिडरातगातडरातदंतनहूतभू
लहसेपरैंपदुसाहेरतसेनपालकनेंजेनि
करेपरैं॥उडिजातकेबिरुपग्घमसलकलेब
मानसिखाथरैंखनिमालिनीजनुरौंदखेल
सपत्नसूरनकेकरैं॥२५॥सरईतिकारकसा
लभीततिरूपत्र्यंबरउल्लसैंभरभीतिकारक
कालभीलतिगंजगोलनकोंग्रसैं॥कतिबध्य
मानतपुरवबानतबालकाननतैंकरैंश्चपरस
स्यहत्यसगव्यकौंतेंहंसव्यकातरउच्छरैं॥२६
गजगातठेलनसंगिसेलनञ्चालपैठतथैलसैं
गनुवज्रसंगहिबीजुरीधक्किस्यामबद्दलमैं
धसैं॥श्रीरिसिंहमाहजिकेउभैदलखोंस्वयं

तियश्राक्कुरेबलजानिसत्रुनकोउदैपुरकेल
जैश्रबबाक्कुरे॥ २७ ॥चमूउदैपुरकीचली
जीवनतैंहितजानि॥संगलगेमाहजिसु
भटप्रबलदिखावतपानि॥मेवारेदलमां
हिंसोंतुरगमुरेतेंहंनोन॥ जिमभचक्रपच्छि
मचलतग्रहगनपूरबगोन॥ २८ ॥छ०प०
॥इकराघवमरहट्टजवनदोलाहितीयजंहं
फझालाजालमसिंहचोंडबंसियपहाडतंहं
साहिपुरपउम्मेदमानभटमेंसरोरपति॥
अक्खयबीरमदेवउभयरट्ठोरमनमतिय
स्सारसुभटसुभकरणपुनिएमुरेरेदलभजत
सनवमरफजानिश्रतिबलनिडरगहर
श्रतकियप्रतिगमन॥ ३० ॥साहिपुरप
उम्मेदसिंहश्रसिबरहदझारियरबबलि
बलिरनखेलभचुरश्ररहट्टप्रहारियकरिउज्ज
लसीसोदकुलहिंतिलतिलमितदुहिय

॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥

प्रा०मि०॥ दो०॥ बदलैं जालमसिंह कै सद्धु
लकवदै दम्म॥ मित्र इक्कमरहट्ठनैं टास्यो कै
दकुकम्म॥ १ ॥ चुंडाउत कुह्यो नवह भैंस
रोरपतिमान॥ च्छलसिसु जान्यों च्छिप्रही
रहिहौं कै च्छ्रबरान॥ २ ॥ ढोलाराघवदुक्कु
नकेलीनैं सीसकटाय॥ रोपेनगरच्छ्रवंति
बिच्चसेलनच्छग्गच्चिपाय॥ ३ ॥ उदयनैरउ
प्परबक्कुरिसज्जियमाहजिसैन॥ उतक्कति
धृति१८२६च्छारवाढबिचलग्ग्यो पत्तन
लैन॥ ४ ॥ रसनाञ्जिमसंकल्लरदनजरि
इमतोपनजाल॥ संध्याखिजिबिंदियसह
रकरिरनदमनकराल॥ ५ ॥ भैंसरोरपति
मानतें हविधिकछुकैदविहाय॥ जामि
कदिहूबिचायकैंदुस्योउदैपुरजाय॥ ६ ॥

बक्कुतकालघेरारह्योभयोउदैपुरत्रस्त॥ स्या
ध्याकोघनबुद्धिकरिविगह्योबिभवसमस्त
॥ ७ ॥ सेनरवरचबलचालसोंभेयोमा
हजितत्थ॥ दैक्कुउदयपुरउनकहियलेक्कु
चलतुमत्थ॥ ८ ॥ सुनियरानअरि
सिंहयहअनरवपरस्परहोत॥ कथितदंड
सोकरिकहियपकरिलेक्कुछलपोत॥ ९॥
जबमाहजिपवरनजतनकियसोसुनि
तत्काल॥ किल्लाकुंभिलमेरुगयसहप
रिकरवलबाल॥ १० ॥ दंडरानअरिसिं
हदियभूरवलदसतुरंग॥ अवसेसनहित
चोलिदियकज्जाजालमसंग॥ ११ ॥ जा
लमकोंमाहजिजबहिआयउलेउज्जेन॥
रसयाहि १८२६ स्ततुसरदविचसाज्जित
अतुलितसेन॥ १२ ॥ मल्हारावकोटपु
रपलपयुमानयहजानि॥ मोच्योजालम

रुमंदे परिकरस्वीयप्रमानि॥ १३ ॥इतर
रुसेच्छरिसिंहनें संधीजवनसिपाह॥च्या
रिलकवतिनको चंदेहकरुष्पयनयराह॥१४
॥फोरेकुंमिलनेरुके फुद्देसंधियनांहिं॥
पैरूकमंगनरंच्छ कियमुलकऊदैपुरमांहिं
॥ १५ ॥रुम्भयेनहिंहैनकोतबच्छरिसिं
हसिवाय॥व्यायोव्याहनरीतिकच्छुसंधि
कोंसमुझाय॥ १६ ॥सुताबहादुरसिंह
की पर निलखामद्दंग॥रानसंकितत्थ
हिंहोसंधिलवंच्छसंग॥ १७ ॥तरुनं
रसमुनिनिच्छ्यति १८२७ बुंदियनगरनरे
स॥भयोउदासप्रवृत्तिसनबढिवैराग्यबि
सेस॥ १८ ॥राधबिसद्धवदसिरुचिरर
बिवासरसुभरूप॥च्छजितसिंहजेठोकु
मरकिनोंबुंदियभूप॥ १९ ॥प्रथमपुरो
हितविप्रतिलकनिजकरजितुवनाम॥

बहुरिव्यासअसिखबिहितरचिकियमानि
कराम॥ २० ॥निजकटिकोअसिबरनृपति
बंधायउनिजहत्थ॥नृपतारैनिजपुत्रकोंकु
वरिसमलतत्थ॥ २१ ॥गकव्योनगरबढो
दिय।निजपरेकरव्ययकाज॥श्रीजितपद
अपुनगाहियतजिदियपदनरराज॥ २२॥
यन।सूरी॥जाकेकाजानिपतिबिताईबकु
कपसहिहैदैदिनमांहिंमेटिजावरदुसह
दाह॥मरनबिचारिमारिमारिलरचारिजारि
रुंडेपखरंगजंगमंडेंचकुवानलाह॥जैपुर
कोंजीतिनीतिकुलमदिखाईसबअपनाहि
खाईमयअद्विजपतीराह॥श्रीजितसहि
रहुदीअपमउमेदमनुआसीजानिलीनी
तहुकासीजानिलीनी है॥ २३॥दो०॥
इहगढपअमरावतहुँभनरायअभिधान॥
पुनिरत्तोलीनगरपतिरतनसिंहचकुवान॥

॥ २४ ॥ बलवनिपतिभालमबक्करिवैरिस
त्त्रभवंस॥ज्योंहीँभारतसिंहजेंहँखेडान
गरवतंस॥ २५ ॥दुर्गसिंहमुक्कमकुल
जञ्चंतरदानगरेस॥महासिंहगजसिंह
जिहिँपुरजज्जाउरपेस॥ २६ ॥तिमहिभ
वानीसिंहतेंहँथोवडपत्तननाह॥भगव
तसुसीलोरपतिमाधानीहितचाह॥ २७॥
सेरसिंहसामंतहरभजनैरीपुरखान॥महा
सिंहहरबीरपुनिथानाँपुरपरखुमान॥२८॥
तिमसमुद्रसिंहहुसुभटसुहरनिपतिबर
बीर॥नगरजेतगढनाहपुनिबाघसिंहनर
वीर॥ २९ ॥भटखुसालसामंतहरनगरन
दनौंईस॥मिसलदाहिनीकेमिलेभटइ
त्यादिबतीस॥ ३० ॥बाममिसलउमराव
बलिसोलंखीजयसीह॥नाथाउतनिम्मान
पतिपित्थलसुतनयलीह॥ ३१ ॥नाथाउ

तवखतेसबतिनगरपगारोंमोर॥अभयसिं
हअमरेससुतपतिअलोदरद्दोर॥ ३२॥
इत्यादिकसुभटननजरिकिन्नैंहयसिरुपाव
॥पट्यौटौंकानृपनप्रनिसुनियहबृत्तसभाव
॥ ३३ ॥उदयनेरअरिसिंहनृपपित्थलज
य_रईस॥बिजयसिंहरद्दोरबलिजनप
दथनअधीस॥ ३४ ॥कोटपुरपउमानन्
पछन्निकितवछलजाल॥इमहिकरौलीपु
रअधिपजदुवमानिकपाल॥ ३५ ॥बीक
नैरअधीसबलिसुरतसिंहनरनाह॥रा
मसिंहनैषधअधिपलखउरपतिकछवाह
॥ ३६ ॥भूपबनाड्डरसिंहतिमरूपाग
परद्दोर॥गौरवंसअवलासपुनिसोउरनृप
तिकिसोर॥ ३७ ॥इत्यादिकसबनृपनकैं
टौंकाहयगजराज॥मनिभूखनसिरुपाव
मिलिसहअपेसुभसाज॥ ३८ ॥सुनि

दीकाश्रीसंतहुस्त्योनरायनराव॥कुलकर
क्रसंधियामाहजिहूभलभाव॥ ३९ ॥
इमश्रीजितउम्मेदयहँकियनृपजेप्रकुमा
र॥लयोमहाराजोपपदबहादुररुसिरदार
॥ ४० ॥रकवेकछुनिजढिगसुभटनामसु
नकुजिननाह॥इकथानांपतिकोअनुज
किसनसुमनसिपाह॥ ४१॥बीरसल्लकुल
अर्जुनसुभटनामसोआग॥भटकिसोरना
थाउतसुअतिजिहिंरनअनुराग॥ ४२॥
दयानाथरासहुवकुमहासिंहकुलजात॥
बीरखुसालनिहालबरहरसासंतसुहात
॥ ४३ ॥फल्लाबीरदलेलसुतचंद्रसिंहज
यचोर॥बीरसिवाईसिंहबलिअमरनंद
रढोर॥ ४४ ॥हडुरवज्जरीकोबकुरिदोलत
सिंहसनाम॥रानिजाढिलारकवेसुभटश्री
जितबिहितबिराम॥ ४५ ॥बुंदियतेंईस

नदिसकोसइक्कमतिमान॥सिवकेदारनिकै
तर्तें रहनबिचार्योथान॥ ४६ ॥महलनमैं
उम्मेदनृपमंदिरउभयबनाइ॥श्रीरंगरुप्रा
नंदघनप्रभुदिनैंपधराइ॥ ४७ ॥तिनकेढि
गउत्तरतरफनानामुकरनिकेत॥रुचिरचित्र
सालारचीसबसुभचित्रसमेत॥ ४८ ॥प्राची
दिसतसहिंदूपुनिनानाद्रुमननिवास॥क्री
डाउपबननामकरिबिरच्योरंगबिलास॥ ॥
४९॥ताकेउत्तरप्रांतपरतीनानिलयकियत
त्थ॥अम्बुबाटच्युरुज्पसनघरसुकुरमह
लतिनमत्थ॥ ५० ॥लारागढबिचहरिसद
नवनायतकोसनिदान॥बिष्णुसिंहनृपचरि
तबिरचितकेहित्थयथान॥ ५१ ॥इलगने
सघंटीकाहियचोथीताहिचरित्र॥नव्यअधो
महलननिलयबरनतसुनकुबिचित्र॥ ५२ ॥रा
जमहलप्रासादसनदक्खिनबिलसिरथान॥

तीनबनायेभूपतिन्हअबजानक्रुअभिधान
॥ ५३ ॥रुचिरनिंबकोराउलाइकबक्कमह
लउपेत॥तसदक्खिनदूजोअतुलजेंहकु
लदेबिनिकेत॥ ५४ ॥कहतराउलाकूपको
तासोंदक्खिनतत्थ॥तीननमेंप्रासादतति
सबअतिउन्नतिसत्थ॥ ५५॥ तिन्हतोरन
बाहिरतहाँगोल्हाबापियपास॥तीरथिया
ह्यकीरचीप्रतिमाअदृप्रकास॥ ५६॥सिव
केदारसमीपकियतीजिअआश्रमबास॥तहँ
बिरच्योउत्तरतरफउपबनदेवबिलास॥५७॥
तासढिगहिसिखिकोन

राम॥तासोंलगिआवाच्यतदधवलतुंगनि
जधाम॥ ५८॥जोसिकारबुरजहिबजतआ
लयप्रचुरउपेत॥आमतिजीवनअप्पइह
निबस्योरुचिरनिकेत॥ ५९॥तहँगुलाब

वनजटितकियकुंडमिलितचितकञ्जु॥८
६०॥बक्कुरिसिंहुराख्यादिबक्कुथप्पेकतिल
ुध्यान॥बेखानसतंहँबासकरिबिलस्यो
लिबामबिधान॥६१॥जोरवबासिनृपकेनि
न्नकहीस्वपरसराय॥तसनामकुइकबाग
तंहँचतुरस्च्योजसच्चाय॥६२॥सिवकेद
रसमीपसोबञ्जहिरूपबिलास॥नदीबान
गंगानिकटहृतदखिनतटच्यास॥६३॥
बेघमनृपबुधसिंहकोचौंरारुचिररचाइ॥
किन्नोंजसच्चयच्चतुलकरिमहसहदानमचा
इ॥६४॥बुंदीलैंचकुँथांबिदितमृगयाबुर
रजमहीप॥बिरचीतिनमैंसुभबुरजादिस
भ्चीसबदीप॥६५॥बक्कुरीकोगच्चादिइ
मबक्कुपुरनिकटबनाइ॥दूरकुभीमलतादि
भुवपक्कुमृगयारसपाइ॥६६॥सत्रुसल्लतजि
केसपहुव्ययच्छेसोकरिबित्त॥काहूनैंनरसे

निलयइमउदारचहिचित्त ॥ ६७ ॥ इतिश्रीमद
खिलमहीभृन्मुकुटमल्लीमाल्यमकरन्दमद्य
मत्तमिलिन्दमुखरितचरणचिन्हितारातिचू
डवृन्दोपुरबिलासिनीबिलासिचातुर्वाणचूड़ा
मणिभारतीभागधेयहड्डुपटङ्कमहाराजाधि
राजमहारावराजेन्द्रश्रीरामसिंहदेवाऽऽज्ञप्त
गीर्वाणगीरादिषड्भाषावेशसुभूभुजङ्ग
काव्याऽकूपारकर्णधारबीरमूर्त्तिचक्रिवर
णारबिन्दचन्चरीकचारुचमत्कृतचेतनचा
रणचक्रचण्डांशुचण्डीदानात्मजामिश्रण
सुकबिसूर्य्यमल्लविहितवंशभास्करेमहाच
म्पूस्वरूपेदाक्षिणायनेरावराडुम्मेदसिंहचरि
त्रसमयसमानाधिकरणकोदन्तवर्णनंदशम
राशौनवपञ्चाशत्तमोऽयंमयूख: ५९ ॥ ॥

समाप्तमिदमुम्मेदसिंहचरितम्

द्वन्दाह्रकापीनवीसविद्याधरका ॥ ॥ ॥

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	७	भार।त	भारत	५१	१२	वनि	बनि
१३	३	सव	सब	५२	९	गिर	गिरि
१३	८	सव	सब	५२	१०	आयध	आयुध
१५	१०	बीकानेरु	बीकानेर	५३	४	तरवूज	तरबूज
१५	१६	१७९६	१७९७	५३	११	विक्रम	बिक्रम
१६	१४	वनत	बनत	५३	१४	इस्वरिसिंह	ईस्वरी सिंह
१८	३	अवल	अबल	५३	१५	नेगम	निगम
				५५	७	बिधिबद्द	बिधिबद्द
		इति १	मयूखः			इति ४	मयूखः
३२	१	बंडीधक	बडीधक				
३२	१५	होली	होरी	५९	१२	भद्द	भद्द
३४	८	रूप	रूप	६१	५	सज्जिावनि	सज्जिबनि
३४	११	बंके	बंके			इति ५	मयूखः
३५	१५	छकि	छाकि				
		इति २	मयूखः	६३	४	वज्जि	बज्जि
				६४	१	कादल	कोदल
३८	१	त्रिसद	बिसद	६४	१०	ममावंन्नति	ममबिंन्नति
४०	२	नंग	बेग	६५	१४	कट	कठ
४१	८	करज	गरज	६६	२	प्र०रै	प्रजरैं
४१	१४	ग्रौतैं	यातैं			इति ६	मयूखः
४२	११	सिरपेच	सिरूपेच				
४६	१३	सहस्य	सहस्य	७१	१०	हिय	हिय
४७	५	धय्यो	धय्यो	७२	१०	हित	हेत
४८	२	चउनकौं	चउनकौं	७५	३	इस्वरिसिंह	ईस्वरी सिंह
		इति ३	मयूखः			इति ७	मयूखः
४९	८	तवहिं	तबहिं	८९	१६	किरत	फिरत
४९	८	दगावल	दगाबल	९२	१५	चालुकि	चालुक
४९	९	बुंटिय	बुंदिय	९५	७	दशमराशो	दशमराशी

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
		इति ८ मयूखः	
९५	१२	वम्र	बम्र
९५	१६	विनास	बिनास
९६	३	विकराल	बिकराल
९६	१६	सालनु	सालन
९८	९	लंवित	लंबित
९९	१५	जिनकेअग्न	जिनकेअद्भुत
९९	१७	सवनकों	सबनकों
१००	११	विजय	बिजय
१०१	१७	असिनि	असनि
१०२	४	रावराजाउ	महारावराजा
"	"	(मेदसिंह	(उम्मेदसिंह
१०५	१५	व ०	बनैं
१०६	८	पठ	पट
१०६	१६	घंटैं	घटैं
१११	१०	पठ	पट
		इति ९ :	
११५	६	रट्टोर	रट्ठोर
११६	११	अव	अब
११७	१०	स्वटक	खेटक
१२०	६	सिवसिंहसौं	
१२१	३	अमीक	अनीक
१२४	१२	वह	बह
		इति १० :	
१२५	११	लिरिविखिप	लिखिपव
१२७	९	सय	सब
१३१	१	व० प०	०प०

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२४	३	ठक्कपो	रक्कयो
		इति ११ मयूख	
१३९	२	मरए	मरन
१३९	१४	जिय	जिम
१४१	१५	द्ग	दृग
१४५	१५	धा।र	धार
१४८	६	कठि	कटि
१४८	९	हड्डे	हड्ड
		इति १२। १३।१४ मयूखः	
१५९	१६	तत्र	तब
१६०	१	तोरि	तोर
१६१	१२		सुने
१६१	१६	बह	वह
१६६	८	वरीन	बरीन
१६८	१५	दसमो	दसमी
		इति १५	
१९२	६	तुल्यवल	तुल्लवल
१९३	३	कट	कटे
१९७	१	मारक	मारक
२०२	९	उद्दि	उद्दि
२०२	१०	अदृ	अट्ट
२०५	९	देबन	देवन

शुद्धाशुद्धपत्रम् ३

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
२१३	१०	घारि	धारि	२५२	७	सवेगग	सवेगगति
२१४	७	तव	तब			इति २०	मयूखः
२१६	१२	तवकौन	तबकौन				
२१७	६	कवूतर	कबूतर	२५३	१२	वीर	बीर
२१७	८	गिरं	गिरे	२५७	१२	प्री ति	प्रीति
२१९	८	जीम	जीन	२५८	१२	भ्रियद्वार	श्रियद्वार
		इति १६।१७	मयूखः	२५९	८	राशो	राशी
						इति २१	मयूखः
२२२	१२	बिसल्य	बिसल्य				
२२४	१३	यँहिं	यँहैं	२५९	१३	वहोरि	बहोरि
२२५	५	द्विघाय	बिहाय	२५९	१६	तव	तब
२३१	५	गन	गन	२५९	१५	विसास	बिसास
२३२	२	वखानि	बखानि	२५९	१६	सव	सबै
		इति १८	मयूखः	२६०	१६	——	आयकौंधाय
				"	"	"	टिका
२४०	७	मोघ	ओघ	२६१	५	तटदै	तटदै
२४२	१५	इस्वरी	ईस्वरी	२६१	१६	——	माधवकौंकरो
२४३	१४	आनकक	आनक	२६२	६	बिमारिहै	बिगारिहै
२४४	९	रायराय	रामराय	२६३	१४	जवाव	जवाब
		इति १९	मयूखः	२६४	२	मवि	मन्नि
				२६५	४	कोटम	कोटिस
२४६	३	वसु	बसु	२६५	१५	ज्ञाय	जाय
२४६	६	सव	सब	२६६	१५	वैन	बैन
२४७	२	विंटन	बिंटन	२७३	४	तव	तब
२४७	२	विप्र	बिप्र	२७३	६	वढ्यो	बढ्यो
२४७	१	हरवल्लु	हरवल्लु	२७५	१०	वंचि	बंचि
२४७	१	वढिग	बढिग	२७९	१५	मूपहि	भूपहि
२४७	१५	वल	बल	२८७	१६	अव	अब
२४८	२	वनिकवैन	बनिकबैन	२८७	१६	स०	सलु
२५०	१६	लगगाय	लगाय	२८८	६	वर	बर

		असुद्ध	सुद्ध	पृष्ठ		असुद्ध	सुद्ध
२९९	४	वैठिहै	बैठिहै	३२०	१	लंव	लंब
२९९	५	वीर	बीर	२१	१०	म०मृ०	
२९९	६	अव	अब	२१	११	वीर	बीर
२९९	१	सव	सब	३२१	१२	वढावैं	बढावै
२९१	१५	लरव	लरन	३२१	१४	जुज्कै	जुज्कैं
		२३	स्वः	३२२	७	सेरु	सेर
				३२२	२	विच	बिच
२९३	७	वीज	बीज	३२३	१६	वारिद्	वारिद
२९३	७	वसुधा	बसुधा	३२३	१६	विलास	
२९३	७	वेर	बेर	२६	१०	वीर	बीर
२९७	१५	जैसे	जैसैं	३२६	११	वन्वन	बन्वन
२९७	४	वर	बर	३२७	८	विनु	बिनु
२९७	१६	अवभ्र	अभ्र	३२७	१२	सवहि	सबहि
२९८	४	वक्रु	बक्रु	३२७	१४	मय	भय
२९९	३	उटै		२८	७	वेह	वेह्रु
२९९	१६	तव	तब	२९	१	वर	बर
३०४	८	त्वरित	त्वरित	३२	१५	कंवल	केवल
३०९	७	मीर	भीर	३२	१	वीच	वीच
३१०	१३	भिची	भिचीभिची	३३३	१	विष	बिष
३१४	८	वीरन	बीरन	३३३	१६	वक्रुरि	बक्रुरि
३१४	९	वज्जत	बज्जत	३३४	१	वुलावत	
३१६	१	वीर	बीर	३३४	४	अव	अब
३१७	६	वेसु	वेसु	३४	४	वरजत	बरज
३१७	१०	खंडव	खांडव	३३५		वाडव	बाडव
३१७	१६	घसि	धसि	३३५	३	वक्रुरि	बक्रुरि
३१८	७	विच	बिच	३५	१६	वीच	वीच
३१९	७	गरिमारे	मारे	३३७	५	तव	तब
३१९	१६	रसवा	रसना	३७	९	विहसि	बिहसि
३२०	१	अव	अब	३३७	१०	वसु	बसु
३२०	२	घरनि	धरनि	३७	१२	वधन	बाधन

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३३८	३	कुलकरन	कुलकरडेर	३५२	१४	तव	तब
		॥जाय	॥नजाय	३५२	१५	बहे	वह
३३८	७	———	देहा	३५२	१६	लवार	लबार
		इति २४	मयूखः	३५३	१	तव	तब
				३५३	२	वीर	बीर
३४१	१२	वगरू	बगरू	३५३	१०	सवन	सबन
३४२	१४	जबनन	जवनन	३५३	१६	वारसि	बारसि
३४३	२	विच	बिच	३५४	४	वनिक	बनिक
३४३	१५	सव	सब	३५४	६	वरस	बरस
३४५	४	षडविंशो	षडविंशो			इति २६	मयूखः
		इति २५	मयूखः	३५५	१०	वहोरि	बहोरि
३४५	८	विसद	बिसद	३५८	१२	वीजा	बीजा
३४५	९	प०प०	ष०प०	३५९	१४	प्रा०सं०मी०	प्रायःसंस्कृत
३४५	११	वालन	बालन	,,		,,	शब्दमात्रा
३४५	११	विनु	बिनु	,,		,,	मिश्रितभाषा
३४५	१४	विप्र	बिप्र	३६१	१	वपु	बपु
३४६	८	वंदै	बंदै	३६१	९	वाला	बाला
३४७	५	वर	बर	३६१	११	वधू	बधू
३४८	१६	विडाखो	बिडाखो	३६४	८	मृगव्या।ध	मृगव्याध
३४९	५	लै वो	लै बो	३६४	१४	धांन	धान
३४९	८	तव	तब	३६७	१	पर्लाशा	पर्लाशा
३४९	८	वनिक	बनिक	३७०	१५	सुवठौं	सुबठौं
३४९	१४	वीरन	बीरन	३७२	१	पुरुप	पुरुष
३५१	१	वाम	बाम	३७३	८	शाल्मलीद्रु	शाल्मलीद्रु
३५२	७	वाउला	बाउला	३७४	८	व्याकर्णि	व्याकरण
३५२	८	वुल्ले	बुल्ले	३७५	४	सव	सब
३५२	८	विचार	बिचार	३७५	७	अवयजिम	अवयवज्जिम
३५२	१०	जव	जब	३७७	१	स्रुपि	स्रुबि
३५२	११	तव	तब	३७७	९	विंदुसर	बिंदुसर

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३७७	१६	दीविका	दिविका	४०१	४	नखिलद्दल	नखिलद्दल
३७९	५	वाकुदा	बाकुदा			९म्	९म्
३७९	१६	जंवू	जंबू			इति ३०	मयूखः
३७९	१६	रुजंवू	रुजंबू				
३८३	९	वितरि	बितरि	४०७	१२	सवबुलै	सबबुलै
३८४	९	खवहि	सबहि	४०८	१२	वुल्यो	बुल्यो
३८४	१०	पुरोहित	पुरोहित	४१०	१६	वुलि	बुलि
३८४	११	वारन	बारन	४११	३	पठायो	पठायो
		इति २७	मयूखः	४११	१०	वढावै	बढावै
						इति ३१	मयूखः
३८९	१०	दम्म	दम्म				
३८९	१६	दैवेकों	दैबेको	४१३	५	उपवास	उपवास
३९१	२	वुंदीस	बुंदीस	४१४	२	वसु	बसु
३९३	१	सवक	सेवक	४१४	१६	वकु	बकु
३९३	१	साम	धाम	४१५	७	तव	तब
		इति २८	मयूखः	४१६	३	कांफर	काफर
				४१६	५	विना	बिना
३९४	१	वंर	बेर	४१६	१२	अव	अब
३९४	२	वखत	बखत			इति ३२	मयूखः
३९४	३	वकुरि	बकुरि				
३९६	८	गोटि	गोरि	४१८	८	टीप	दीप
३९८	७	वकुरि	बकुरि	४१८	११	विसवास	बिसवास
३९८	६	धरावर	धराबर	४१९	१४	किीन	कीन
३९०	८	बुंदिय	बुंदि	४२१	५	मरुराजकी	मरुराजको
		इति २९	मयूखः	४२२	१६	हंत	हेत
				४२२	१६	नौहि	नाहि
४००	१	संधिनिग्रहा	सधिविग्रहा	४२२	१६	निवाह्यो	निबाह्यो
		९म्	९म्	४२२	१६	सुनाय	सुनाय
४००	२	वैभवाम्	वैभवाम्	४२३	८	वत्त	बत्त
४००	९	दुस्फोद	दुस्फोट	४२३	९	विवेक	बिबेक

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४२३	१४	बिनय	बिनय	४४४	११	तव	तब
४२४	१६	सैसिव	सौसब	४४४	१६	दोहू	दोहू
४२५	११	रूटिगये	रूठिगये			इति ३६	मयूखः
४२५	१२	स्वामिधर्मा	स्वामिधर्मी				
		इति ३३	मयूखः	४४५	१५		बिलंब
				४४७	८	बाबरज्यो	बरज्यो
४२७	८	जोस्लो	जोलौं	४४७	१३	टिवा कीर्ति	दिवाकीर्ति
४२७	१४	देरनकिष	देरनकिय	४४७	१५	लोकअनंक	लोकअनेक
४२७	१५	दालेलि	दालेलि	४४७	१६	रकब	रक्खे
४२७	१५	भीरुक	भीरुक	४४८	३	बेल	बेल
४२७	१५	डेरान	डेरन			इति ३७	मयूखः
४२८	३	बत्न	बल				
४३०	३	स्बीन	स्वीन	४५८	१०	स व	सचिव
४३०	८	जव	जब	४५८	१०	समर	समर
४३०	१०	विरञ्चि	बिरञ्चि			इति ३८	मयूखः
४३२	१३	मनावन	मनावन				
		इति ३४	मयूखः	४६१	४	लिब	लिय
				४६१	६	कायथहन्यो	कायत्थहन्यो
४३५	१०	घर्म्म	धर्म्म	४६३	२	हूसहि	हूसहि
४३६	१०	मेजनकहि	मेजनकहि	४६३	११	वाजि	बाजि
४३६	११	सोरानहि	सोरानहि	४६५	१	मोहित	सोहित
४३७	९	बेउभय	वेउभय	४६६	३	दसन	दसन
४३७	१०	चरहिं	रचहिं	४६७	१	सालधान	सावधान
४३८	१	नग	नय	४६७	३	धीरता	धीरता
४३८	८	निश्रशणी	निश्रणी	४६७	११	फेबत	फबत
४३९	१४	कयर	कगर	४६८	७	अव	अब
४४०	३	बलतै	बलतै	४६८	१६	मारत	भारत
४४१	९	जव	जब	४६९	१४	जवज्जुत	जवज्जुत
४४३	५	वदि	बदि			इति ३९	मयूखः
४४४	१०	दस्खनआया	देखनआया				

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४७२	१३	वरवतेस	बरवतेस	४८७	१३	जेंठ	जेठ
४७३	१	इक्कमिजल	इक्कमिजल	४८७	१६	नामतास	नामतास
४७३	४	वरवतेस	बरवतेस	४८८	१	त्त्त	त्त्त
		इति ४०	मयूखः	४८८	१३	वकु	बकु
				४८९	१	कलिन	कठिन
४७६	६	वुंदीस	बुंदीस	४९२	११	सवकोहि	सबकोहि
४७८	६	मचिव	सचिव	४९२	१६	गिनाव	गिनाय
४८१	५	पंजाव	पंजाब	४९२	१६	कडिह्वरिन	कढ्ढिछुरिन
		इति ४१	मयूखः	४९३	१६	चलाय	रचार
						इति ४३	मयूखः
४८२	३	जव	जब				
४८२	८	विपत्ति	बिपत्ति	४९४	५	विंटि	बिंटि
४८३	७	मेक्यो	मंक्यो	४९५	५	सम्मह	सम्मुह
४८३	१५	वल्योधूम	बल्योधूम	४९५	१३	विहायो	बिहायो
४८४	५	सेह	मेह	४९६	१६	बद	बाद
४८४	१०	धाय	धार	४९७	१०	विलियम	बिलियम
४८५	१२	जोधक	जोधके	४९७	१६	करनेल	कर्नेल
४८५	१३	गादके	गोदके	४९९	१५	कंजरं	केजरं
४८५	१४	तत्त	तत्त			इति ४४	मयूखः
४८५	१६	तुहि	तुहिं				
४८६	१	वजे	बजे	५०२	१३	मली	भली
४८६	२	झुलेफिरें	झुल्लेफिरें			इति ४५	मयूखः
४८६	२	निद्दिक	निद्दिके				
४८६	३	काक	काकु	५०७	१६	जनकें	जनकू
४८६	४	मारतं	मारते	५०७	१६	तव	तब
४८६	४	संकुलमत्य	संकुलमत्य			इति ४६	मयूखः
४८६	९	दंमार	देमार				
		इति ४२	मयूखः	५१३	६	वकुरि	बकुरि
				५१३	८	राहि	रहे
४८७	१२	श्रीरंगको	श्रीरंगको	५१५	८	पठासन	पठानसन

शुद्धाशुद्धपत्रम्

पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	उद्दत	उद्दत	५५०	१२	दिवाय	दिखाय
५	कीदंड	कोदंड	५५१	९	सवन	सबन
५	भाहिर	बाहिर	५५४	२	तव	तब
	इति ४७	मयूखः			इति ५१	मयूखः
१३	कल्या	कल्या	५५६	२	सिस्वत	सिखवत
१६	अकूमार	अकूपार	५५८	१	समर	संभर
११	वही	वही	५५९	५	बहि	बैढि
१६	नवाव	नवाब	५५९	७	संकिवन	लकिवन
१६	सव	सब	५५९	१२	वीररसवाह (त)	वीररसबाढ (त)
	इति ४८	मयूखः	५६१	६	सिद्ध	गिद्ध
			५६५	३	तव	तब
२	स्च्य	माल्य	५६५	११	बन्ति	भजि
१	गयउ	गयउपुनि			इति ५२	मयूखः
१२	धृति१८१७	धृति।१८१७				
१३	मरे	भरे	५७०	५	वजात	बजात
५	केतुरत्त	केतुरत्त	५७३	५	जव	जब
१६	रह्यां	रह्यो	५७४	८	वनावन	बनावन
१५	लहिवे	लहिबे	५७५	१४	साना	राना
१०	वीर	बीर			इति ५३	मयूखः
	इति ४९	मयूखः	५७६	१३	लम्यो	लग्यो
१६	रस्वत	रखत	५८१	१६	तस्वत	तखत
२	कदुवत्त	कटुबत्त			इति ५४	मयूखः
११	वीर	बीर				
१४	वार	चार	५८६	१३	स्ववासि	खवासि
१५	वधायउ	बधायउ			इति ५५	मयूखः
	इति ५०	मयूखः	५९३	१	१८ सुनत	१८॥दोहा॥ सुनत
			९	९		

पृष्ठ		अशुद्ध	शुद्ध
५९५	८	वेखदेतव	तब
		इति ५६	:
५९६	८	मज्जयो	ज्जयो
५९९	१२	मोगपे	भोगपे
६००	१२	मट	
६०४	१०	मनमति	मरनमति
६०४	१२	सरफ	सफर
		इति ५७	मयूखः
६१५	१४	तिकट	निकट

॥ समाप्तमि ॥

शुद्धाशुद्धपत्रम्

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३३९	२	कुलकरन ((जाय	कुलकरडेर ((नजाय	३५२	१४	तव	तब
				३५२	१५	बहै	वह
३३८	७	———	दोहा	३५२	१६	लवार	लबार
		इति २४	मयूखः	३५३	१	तव	तब
				३५३	२	वीर	बीर
३४१	१२	वगरू	बगरू	३५३	१०	सवन	सबन
३४२	१४	जबनन	जवनन	३५३	१६	वारसि	बारसि
३४३	२	विच	बिच	३५४	४	वनिक	बनिक
३४३	१५	सव	सब	३५४	६	वरस	बरस
३४५	४	षडविंशो	षडविंशो			इति २६	मयूखः
		इति २५	मयूखः	३५५	१०	वहोरि	बहोरि
३४५	८	विसद	बिसद	३५८	१२	वीजा	बीजा
३४५	९	प०प०	ष०प०	३५९	१४	प्रा०सं०मी०	प्रायःसंस्कृत
३४५	११	वालन	बालन	,,		,,	(शब्दमात्रा
३४५	११	विनु	बिनु	,,		,,	(मिश्रितभाषा
३४५	१४	विप्र	बिप्र	३६१	१	वपु	बपु
३४६	४	वढैं	बढैं	३६१	९	वाला	बाला
३४७	५	वर	बर	३६१	११	वधू	बधू
३४८	१६	विडार्यो	बिडार्यो	३६४	८	मृगव्या।ध	मृगव्याध
३४९	५	लैवो	लैबो	३६४	१४	धांन	धान्
३४९	८	तव	तब	३६७	१	पलीशा	पर्लाशा
३४९	८	वनिक	बनिक	३७०	१५	सुवर्णं	सुबर्णं
३४९	१४	वीरन	बीरन	३७२	१	पुरुप	पुरुष
३५१	१	वाम	बाम	३७३	८	शाल्मलीद्दु	शाल्मलीद्कु
३५२	७	वाउला	बाउला	३७४	८	व्याकर्ण	व्याकरण
३५२	८	वुल्ले	बुल्ले	३७५	४	सव	सब
३५२	८	विचार	बिचार	३७५	७	अवयजिम	अबयबजिम
३५२	१०	जव	जब	३७७	१	ह्रपि	ह्रबि
३५२	११	तव	तब	३७७	९	विदुसर	बिंदुसर

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
३७७	१६	दीविका	दिविका	४०१	४	नखिलद्दल	नखिलद्दल
३७९	५	वाकुदा	बाकुदा			ध्यम्	ध्यम्
३७९	१६	जंवू	जंबू			इति ३०	मयूखः
३७९	१६	रुजंवू	रुजंबू				
३८३	९	वितरि	बितरि	४०७	१२	सवबुल्ले	सबबुल्ले
३८४	९	रवहि	सबहि	४०८	१२	वुल्यो	बुल्यो
३८४	१०	षुरोहित	पुरोहित	४१०	१६	वुल्लि	बुल्लि
३८४	११	वारन	बारन	४११	२	पठायो	पठायो
		इति २७	मयूखः	४११	१०	वढावै	बढावै
						इति ३१	मयूखः
३८९	१०	दम्म	दम्म				
३८९	१६	दैवेकों	दैबेको	४१३	५	उपवास	उपवास
३९१	२	वुंदीस	बुंदीस	४१४	२	वसु	बसु
३९३	१	सवक	सेवक	४१४	१६	वकु	बकु
३९३	१	नाम	धाम	४१५	७	तव	तब
		इति २८	मयूखः	४१६	२	कांफर	काफर
				४१६	५	विना	बिना
३९४	१	वेर	बेर	४१६	१२	अव	अब
३९४	२	वखत	बखत			इति ३२	मयूखः
३९४	२	वक्करि	बक्करि				
३९६	८	गोटि	गोटि	४१८	८	टीप	दीप
३९८	७	वक्करि	बक्करि	४१८	११	विसवास	बिसवास
३९८	६	धरावर	धराबर	४१९	१४	किीन	कीन
३९८	८	बुंदिय	बुंदि	४२१	५	मरुराजकी	मरुराजको
		इति २९	मयूखः	४२२	१६	हंत	हेत
				४२२	१६	नाहि	नाहि
४००	१	संधिनिग्रहा	संधिविग्रहा	४२२	१६	निवाह्यो	निबाह्यो
		ध्यम्	ध्यम्	४२२	१६	सुनाय	सुनाय
४००	२	वैभवाम्	वैभवाम्	४२५	८	वत्त	बत्त
४००	९	दुस्फोद	दुस्फोट	४२५	९	विवेक	बिबेक

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४२३	१४	बिनय	बिनय	४४४	११	तव	तब
४२४	१६	सैंसिव	सोसब	४४४	१६	दोहू	दोहू
४२५	११	रूटिगये	रूठिगये			इति ३६	मयूख:
४२५	१२	स्वामिधर्मी	स्वामिधर्मी				
		इति ३३	मयूख:	४४५	१५		बिलंब
				४४७	८	बाबरज्यो	बरज्यो
४२७	८	जोस्लो	जोलौं	४४७	१३	टिवा कीर्त्ति	दिवाकीर्ति
४२७	१४	देरनकिष	देरनकिय	४४७	१५	लोकअनेक	लोकअनेक
४२७	१५	टालेलि	दालेलि	४४७	१६	रक्व	रक्वे
४२७	१५	भीरुक	भीरुक	४४८	३	वेल	बेल
४२७	१५	डेयन	डेरन			इति ३७	मयूख:
४२८	३	बत्न	बल				
४३०	३	स्वीन	रवीन	४५८	१०	स व	सचिव
४३०	८	जव	जब	४५८	१०	समर	संमर
४३०	१०	विरञ्चि	बिरञ्चि			इति ३८	मयूख:
४३२	१३	मनावन	मनावन				
		इति ३४	मयूख:	४६१	४	लिब	लिय
				४६१	६	कायथहन्यो	कायत्थहन्यो
४३५	१०	घर्म्म	धर्म्म	४६३	२	हुसहि	हुसहि
४३६	१०	मेजनकहि	सेजनकहि	४६३	११	वाजि	बाजि
४३६	११	सोरानहि	सोरानहि	४६५	१	मोहित	सोहित
४३७	१	बेउभय	लेउभय	४६६	३	दसन	दसन
४३७	१०	चरहिं	रचहिं	४६७	१	साबधान	सावधान
४३८	१	नग	नय	४६७	३	धीरता	धीरता
४३८	८	निश्शणी	निश्शणी	४६७	११	फेबत	फबत
४३९	१४	कयर	कगर	४६८	७	अव	अब
४४०	३	वलते	बलते	४६८	१६	मारत	भारत
४४१	९	जव	जब	४६९	१४	जवज्जुत	जवज्जुत
४४३	५	वदि	बदि			इति ३९	मयूख:
४४४	१०	दस्वनआया	देखनआया				

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
४७२	१३	वखतेस	बखतेस	४८७	१३	जंठ	जेठ
४७३	१	इक्कमिजल	इक्कमिजल	४८७	१६	नामतास	नामतास
४७३	४	वखतेस	बखतेस	४८८	१	त्त्त	त्त्त
		इति ४०	मयूखः	४८८	१३	वकु	बकु
				४८९	१	कलिन	कठिन
४७६	६	बुंदीस	बुंदीस	४९२	११	सवकोहि	सबकोहि
४७८	६	मचिव	सचिव	४९२	१६	गिनाव	गिनाय
४८१	५	पंजाव	पंजाब	४९२	१६	कडिछुरिन	कढ़िछुरिन
		इति ४१	मयूखः	४९३	१६	चलाय	रचार
						इति ४३	मयूखः
४८२	३	जव	जब				
४८२	८	विपत्ति	बिपत्ति	४९४	५	विंटि	बिंटि
४८३	७	मंड्यो	मंड्यो	४९५	५	सम्मह	सम्मुह
४८३	१५	वढ्योधूम	बढ्योधूम	४९५	१३	विहायो	बिहायो
४८४	५	सेह	मेह	४९६	१६	बद	बाद
४८४	१०	धाय	धार	४९७	१०	विलियम	बिलियम
४८५	१२	जोधकं	जोधके	४९७	१६	कुरनेल	कर्नेल
४८५	१३	गादके	गोदके	४९९	१५	कंजरं	कंजरे
४८५	१४	तत्त	तत्त			इति ४४	मयूखः
४८५	१६	तुहि	तुहि				
४८६	१	वजे	बजे	५०२	१३	मली	भली
४८६	२	झुलेफिरे	झुलेफिरै			इति ४५	मयूखः
४८६	२	निद्विक	निद्विके				
४८६	३	काक	कोक	५०७	१६	जनकूं	जनकू
४८६	४	माठतं	मारते	५०७	१६	तव	तब
४८६	४	संकुलंमत्य	संकुलेमत्य			इति ४६	मयूखः
४८६	९	दंमार	देमार				
		इति ४२	मयूखः	५१३	६	वकुरि	बकुरि
				५१३	८	रहि	रहे
४८७	१२	श्रीरंगकां	श्रीरंगको	५१५	८	पठासन	पठानसन

पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१२	उद्दत	उद्धत	५५०	१२	दिवाय	दिखाय
५	कोदंड	कोदंड	५५१	९	सवन	सबन
५	भाहिर	बाहिर	५५५	२	तव	तब
	इति ४७	मयूखः			इति ५१	मयूखः
१३	कल्या	कल्या	५५६	२	सिखत	सिखवत
१६	अकूमार	अकूपार	५५८	१	सभर	संभर
११	वही	वही	५५९	५	बहि	बैढि
१६	नवाव	नवाब	५५९	७	संकिवन	सकिवन
१६	सव	सब	५५९	१२	वीररसवाहत	वीररसबाढत
	इति ४८	मयूखः	५६१	६	सिद्ध	गिद्ध
			५६५	३	तव	तब
२	मच्य	माच्य	५६५	११	वजि	भजि
१	गयउ	गयउपुनि			इति ५२	मयूखः
१२	धृति१८२७	धृतिग१८२७				
१३	भेरे	भरे	५७०	५	वजात	बजात
५	केतुरत्त	केतुरत्त	५७३	५	जव	जब
१६	रह्यां	रह्यो	५७४	८	वनावन	बनावन
१५	लहिवे	लहिबे	५७५	१४	साना	राना
१०	वीर	बीर			इति ५३	मयूखः
	इति ४९	मयूखः				
			५७६	१३	लम्यो	लग्यो
१६	रखत	रखवत	५८१	१६	तखत	तखवत
२	कटुवत्त	कटुबत्त			इति ५४	मयूखः
११	वीर	बीर				
१४	वार	बार	५८६	१३	खवासि	खबासि
१५	वधायउ	बधायउ			इति ५५	मयूखः
	इति ५०	मयूखः	५९३	१	१८ सुनत	१८ ॥दोहा॥ सुनत
			९	९		

पृष्ठ		अशुद्ध	शुद्ध
५९५	८	वेस्थदेतव	तब
		इति५६	:
५९६	८	मज्ज्ञयो	ज्ञयो
५९९	१२	मोगये	भोगये
६००	१२	मट	
६०४	१०	मनमति	मरनमति
६०४	१२	सरफ	सफर
		इति५७	मयूखः
६१५	१४	तिकट	निकट
	॥	समाप्तमि	॥